व्युत्यः ग्रीः भ्रेताः हे या त्राः या त्यायः म्याः यावाः स्वायः यावाः स्वायः यावाः स्वायः यावाः स्वायः यावाः स

लूट्य.यह्र्य.सैंच.चित्रयास्यास्याह्ययाः मित्रक्र्यास्यास्य

७७७। वि.स.रट.सम्य. १. ५६स.रचल.रचिरमाल.वि.च.एक्त.स् । लट.रचा.रूप.चुचामा क्रिया. देश। विवाय वाशुस्य देवाय त्यस ळद् सय वायत्य सहद सदी। विद्वा हेद ळेब से सुवाय स्नुद ळेंब स्वावाय सेवाय। । बूँ द चुँव तसवाय चूँ र स्वायय मुन इसय त्या ५५५। १५५ र रेवाय सदे त्यस मुः क्षें त्र मुन मुदे इस वाववा न ५५ र त्या रेवार्यायसास्ट्रास्ट्रिटे इसामानमा निवारायसार हो स्वार्याय हो स्वारायन वास्त्रा स्वारायसार हो स्वारायसार हो स चल्दारान्दान्युम। द्रार्थान्यमात्वमात्वसात्वराद्धिः वदाळवातार्देनान्यानः द्रमरास्यामात्रीः इसामावना चल्दारात्या द्रमाना नवनार्श्वरःनाशुक्षःत्यम। इटार्से दी। मिडेना दारे। मिर्नेना धेव दार्य स्थरार्से धेव समाधिन वेराव। के मार्ने दिश्वर र्देवाः केंशः उदा दसरः यें 'धेदः परः वया विर्देवाः धेदः पदेः श्वेरा विवायः विश्वा सः श्वेतः द्वा केंशः दुरः दगरः येदेः विर्देवाः केंशः ठवा विर्मेगाधेवायरावया नगरार्था धेवायवे द्वीरा वाज्यवावा क्रियान्तरार्थिवे विर्मेण क्रिया ठवा नगरार्थे धेवायरा वया क्रेंश-त्र-र्गर-रेवि: वि:र्ना-त्र-विवाधिव: यवे: क्वेरा इ: वर वर्रेत् वा क्रेंश-त्र-र्गर-रेवि: वि:र्ना क्रेंश उदा द्रयर-रेंग अप्योत्रायमात्रया नगमार्थे प्योत्रायदे श्रीमा अपन्नियात्र नियामार्थेन प्रमामार्थे प्रमामार्थे प्रमासे प्रमास प्रमासे प बेन् पर्वे द्वेर है। ने महिरादमायान पेन्यं देवेरा विचेना न देना पर्वे मार्थेन स्वाप्येन न स्वाप्येन स्वाप् क्रुशकें द्रमम् सेद्रभी वित्रम् केश उत्ता द्रमार में पीद प्रस्प मार्चे मार्थे पार्चे मार्थे से मार्च मार्चे स क्तुशक्तं द्रमना सेद्र ग्री विद्रमा क्रिंश उदी विद्रमा धेद पर विश्व स्वर्म स्वरंभ स्वर्म स्वरंभ स्वर धरःवया सर्नेगाः रु. रु. दाया में भळव हे दाये दे राये हो रा इ. चर पर्ने दावा सरस मिस क्रा. प्राया हो राये स्वा. ठवा नगर्ने अप्येव पर प्रयो नसर में धेव परे से होरा अप्यापाता अरश कुष के नपमा से न ही । व में मार्के भारता है मा र्रे.लुबे.तर्म्.वजा सरस.भिन.कु.एक्.टें.टेंन्या.सुटें.जी.पु.चूंचा.स.लुबे.सुट्री स.चीय.ची सरस.भिन.कु.एक्.टेंस्या.सुटें.चि. र्नेनार्क्रभारुदा हिन्दिन्नीः केंनायाधेदायम्बना हिन्नादी नुनायदे हिन्। वार्डनादाने। वार्नेनाधेदादा सेमार्याधेदायस वियान्नेरावा क्षेड्रावे वियार्ट्या के बार क्षा देरावया देवे हीरा वियायायया वार्यायाया देवें के बार वियायायायाय

र्देना प्रेत प्रेत प्रेत संज्ञुन द्वा दे के संज्ञा देर प्रया के से रादमार दसर प्रवेश के पार प्रेत प्रेत प्रेत स दे-क्रिंश ड्या श्रेस स्प्राणीद सम्प्रमा क्रिंद सें पीद स्पर्ध द्वीमा हिन ही। क्रिंश सम्प्रमानिक स्पर्ध सें सिंह मा सिं मिर्नेना धेरात्री केरा केरा हिना नेरात्री ना केरा नहीं सारे मिर्नेना केरा हिना सामिशा सामुना वा देक्किंश ठवा देर वया विदेवाची हो ह्या धिव पदि ही हा इत्यर वहेंद्र वा देक्किंश ठवा क्विंदि साधिव पर वया केर र्भे प्रेत्र परि: ही राम शुनावा दे रहे भारत्वा देरा हता वार्य राम स्वीता प्रेत्र परि ही राम सामुनावा वार्य राम र्देवा वाक्षेत्र वर्षे स्वते ।वर्देवा धीक्ष सन्दर्भ। वाक्षेत्र वर्षे स्वते ।वर्देवा धिन् प्रति ।वर्देवा धीक्ष का वि र्नेना:धेदःसर्थाद्यनः हेन्दःस्त नेदःस्ति-सुनःसः सूनः सुदेः निर्मेनाः केवा देनः मध्या देवे हिमा सः सुनः दा देन्ह वया केंग ठव दे भीव पद दे ही हा इ नर दर्दे द वा दे केंग ठवा इ नवे पर दे वा मा भीव पर प्रवासी पव प्रवासी पिर दे वा भीव यदे हिन्। नेरावया क्रिंसेरामहिसामी प्यत्यामी पिर्ट्माधिक यदे हिन। नेरावया बूटा हि प्येक यदे हिन्हे। क्रिंसेरा यदेश यदे विद्वासी विद्वासी द्वित से किंदा में केंद्र विदेश माला साथ विद्वा दिसमा से माला कि विद्वा के किंद्र विदेश माला से विद्वा के किंद्र विदेश माला से किंद्र में किं लक्षात्रवार्थेर वहेंवा पढेरा हैर। विकेवा दारी अदालवा वी विर्मेवा अदालवा वी पदालवा वी विर्मेवा विक्रु र्या वार दुर अदान का वियानेरात्रा वहसार्विरसार्सरासेरान्चीविर्म्याक्रिसारुवा लयालयानीविर्म्यानक्रिराम्यान्यारान्या वी'वि'र्देवा'धेद'यदे' द्वीरा द्वित'य'विश्वा अ'ग्रुत'दा वह्रअ'द्वदश'द्रअर'शेर'ग्री'वि'र्देवा'ळें अ'ठदा धद'व्यवा'वी'वि'र्देवा'धेद' यर मया द्रसर सेर महिसा ग्री प्यत व्यवा वी वि हेवा प्यत सदे हिरा इ वर वहें दाता वहस द्राहर सर सर सेर ही वि हेवा दुरायाधीवायावादावीवा । श्रूरावाद्वराया श्रीवायाद्वराष्ट्रीयावाद्वरायाचीत्रायाद्वरायाचीत्रायाद्वरायाचीत्रायाद्वर र्वित्रश्यी मार्चित्रश्रेत्राच्या वित्राचेरात्। वित्रीमार्ची मार्चित्राच्या के स्वर्था हित्राच्या व्याच्या वित्राच्या वित्राच्या व्याच्या है क्रॅंश ठता देर वया वेस में पीत परे दीरा स नुवाता दे क्रेंश ठता देर वया हुया तु नुवार पीत पित हीरा हा वर परेंद व। दे के अञ्च द्वित्र श्री मात्रुवा अञ्च स्था व देवा वी मात्रेवा वी मात्रेवा वी मात्रुवा अञ्च मात्रुवा वी दे के अञ्च व ठवा हिन्दिन्दन्यां वेता धेव सम्बा हिन्दिन्य न्या धेन्य स्थित धिदायमान्त्रवा क्रियाचेरावा क्रियाचेवायाळे या उदा देरावया देवे दीरा नियायायमा या मुवादा दे के या उदा देरावया वाबुवायाची भ्री सकेन धेत पति दीन। याबुवाया ने स्ट्रिया ह्या ने रामया सेवा लेया ची वाबुवायाची सामय स्ट्रिया व। दे के अन्व। विदेवा नी माइवाया साधिव प्रस्पाया विदेवा साधिव स्वी हिन स्वी विदेवा नी माइवाया दिन हिन र्देव'गठिम । न्हीनर्थ'ग्री'ग्राह्मम्थ'न्न' न्हीनर्थ'ग्रिथ'र्देव'गठिम'धेव'यदे'हीन्। न्नमी'सुम्थ'य। महामथ'ग्री'अळव'हेन्' ळॅ ५-५। न्याया १४-५-५-५-५ व्याप्त विष्या न्याया विषया यकेन'न्ना अवे'श्चे'यकेन'न्ना देवे'श्चे'यकेन'न्ना स्वे'श्चे'यकेन'न्ना सेवा'वृवे'श्चे'यकेन'न्नाखायी। यकेन् भी : यक्त केन् प्पेन्ने अवास्ते अभी वहार हाने ने प्पेत सदि ही ना नहान अभी क्षेत्र यकेन्य नहीं का नहि अप्पेन्ने। <u>न्त्रीयश्चर्रायार्द्देयायाहेशार्षेद्रायादे श्वेरा न्त्रीयश्चार्थी सक्दर् हेदार्षेद्रादे न्त्रीयश्चर्यात्र स्वर्त्त</u> देःषःद्रवेःदःवक्कदःर्षेदःदे। देदःवःद्दःश्वदःव। अर्धेःवःद्दःद्यवःव। व्ययःवःदरःक्क्षुयःवे। व्यःवेःवःदःवःवेःवःवःव

<u> न्दीत्रशक्षःतुःवःचीन्दित्राक्षःविन्। अर्देगःतःत्रभूवःनुःनुनःव। विन्तिगःवीःसळ्वःवेन। विन्तिगःवःन्दीःवःवविकाःविन्ति।</u> नविः र्षेन् प्रते द्वेन यदायमानी विन्ति यान् द्वे दानक्ष्य रेति देन स्वाप्त प्रते द्वेद प्रतः द्वेत प्रतः विना स्वाप्त सुत'म। चीन'स'न्द'हे'सदे'देंद्'नेर'ची'म'र्देग्न्द्र'म्बुर'र्स्द'सदे'स्ट्रीम। सुदे'स्रु'सकेद'ग्री'सक्द हेद'र्स्द्र'दे। इ.क्रेश'ग्री'हत द्याने ने प्रेस्ति स्वाप्ति स गहेश र्थें ५ दे। भ्रव भ्रेश ग्रे दे ५ दर श्रूर व्यर में दे गहेश र्थे ५ प्रदे भ्रेर में दे भ्रेर सके ५ ग्रेर सक्व हे ५ र्थे ५ दे। भ्रेर ने श्रेर में प्रदे भ्रेर में प्रदे में प्रदे में प्रदे भ्रेर में प्रदे द्याने ने प्येत प्रति देवान देवा प्रति ने अस्य न निम्म निम निम्म निम निम्म निम निम्म निम निम्म निम निम्म निम्म निम्म निम्म निम्म निम निम्म निम्म निम्म निम्म निम्म ब्रीमा नेपानुदे क्रें। सकेन ग्री सकद हेन प्पन ने। खुराने राग्री हिन्दाने ने प्षेत्र मदे हिमा नेपानु पान्नी ता पानिकार्य नि वर्चूर-वर-शूर-वर्व-रेवा-च-दर्ग वर्चूर-वर्णूर-श्चे-रेवा-च-विश्वेश-वर्ष-वर्व-वर्व-वर-शूर-वर्व-रेवा-च-वर-वर्व-वर्व-ऍन्ने अःकुःसे क्रुट्यते रेने ने पेव पर्वे श्रीमा अवे यक्त हेन पर्वे मा अवे पर्वे स्वरूप ॱ केन्य्यन्ने। नक्क् बेन्यानेन्यानेन्ने प्रेक्षियायते श्रीत्या स्रोक्षेत्रस्य क्षेत्रस्य क्षेत्रस्य स्रोक्षित्रस्य इन्योग्याने मक्रम केर लेर में। यर बेर ने पेर ने रेर केर में प्रति प्रति स्वीत विकास केर केर केर में प्रति स्वीत स् वह्रायान्दरहुवाया क्षेत्रान्दरण्याया वारावान्दरावत्रेषाया क्षेत्रायान्दरावत्त्रायाने प्रेताया हिना हिनाया वि हे वा द रे वि के अर्दर दे ने के अरहा के के अरहा वि है वा लिया है वा लिया है के अरहा है रे वया क्रेंश-तूर-दग्नर-चें-धेव-पते-धेर-वा वनाय-हिन-य-वतुना वें-वन्वें-सर-या इ-दग्नर-चें-क्रेंश-ठवा नगर-चें-धेव-सर-चया हरनार में खेदरवे हिरा हिराय विवास विकास है। वेस में साधेदरवे हिराहे। वार चया खेदरवे हिराहे। हर थेव परे दीन नवर पर। केंश र्र र्नार में केंश उदा वि रेना थेव राम स्था नगर में थेव परे दीन हनाय विया वर्देन्दा ने केंग उदा विदेवास धेर पर प्रवा वर्त्यूर स्वा वर्त्य परि होरा नेर प्रवा वर्त्यूर विदेश केंग नुम्भित्रपतिः द्वीम् । सम्भित्तमे । कुम्किंगाच्या वर्ष्वमाय्या वर्ष्वमाया वर्ष्वमायाः मित्रपति । सम्भित्रपति । मदे हिम स शुन त हुम के सारका वहुम वहुम वहुम हो मेना हु महिम स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स श्चेरा देरावया धरानादरारेगानुःगहेशागाधेवायवे श्चेरानेरावाया देशविवाहाशास्त्राक्षात्रायाध्याया विवाह रे। नेश गुःर्केश उद्या न् ग्रीनश प्येत पर वया शुःये न प्रत्य शुःये न स प्येत पर पादेश से प्रत्य प्रति । हीरा अञ्चयाता नेयाहार्केया उता हायो नायाधित याधित पर मध्या हायो नायाधित परि हीरा इपर पर्दे दाता नेयाहा क्रिंग ठर्ता द्वीनश्रासाधिद यस प्रता ह्या पा धिद परि द्वीस से 🛊 ।

यदुःश्चिम् वियःश्चे श्रम् क्रियामा श्रम् मामवे सक्त होन् भीत प्रवे श्वेम् वे मामवि स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व स्वाप्त स्व वहेगाया वर्षानुषान्त्री अळवाहेना भ्रेषाया नुषायदे सळवाहेन धोवायदे हिया विष्ठेगावासे धेनाया केनावासी देरः त्रवा ह्या स्वार्थित स्वार्य स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्थित स्वार्य स्वा सक्दे हिन्धीव परे द्वीता इत्तर वर्देन वा ने के अञ्चा नर्दे अपे स्थान स्थान नर्दे असे न्धीव परे देवा सामुन वा ने किंश रुवा ने रामिया दिवादी रामु सामे कि रामे से सामे हिया है। दिवादी रामु सामे से रामे सामे सामे सामे सामे स मदेनिकानुः धेर्यानकानुनाने सात्रा गानुसामित्रिकार्केकारुद्या देना मानुसामित्र सात्रा स ठवा धेव मार्श्वेन महिन्या के तम्म मार्थे के महिन्या के का महिन्य के महिन्य क वया नेश मु: धेव मार्म होता हिंद हो धेव प्राप्त प्राप्त होता विशेष प्राप्त हो। दे स्वर्थ प्राप्त प्राप्त प्राप्त वया गर्डेगान्दावान्त्राच्यात्राचे स्थानावा ने के सार्वा ने स्थान वा विकास विकास के स्थान के स्थान के स्थान के क्रिंभारुद्या नेराम्ना यदास्तुदामान्दारीकारादे भ्रीमा सामुनाद्या गानुसामित्रे भारत स्तुदामान्दारीकारामा गानानुसामा <u> ५८.घ.२२। विश्व.त.म.च.२८.घ.२२.लुच.चु.५८.चु.५८.चू.५०। म.च.कू.५००। विश्व.त.२८.घ.२८.लुच.चू.५८.</u> यःगदःविगानुस्रायःदरःग्रेगासाधिवःयदेःश्चित्र। विःवेगावःते। धेदायःधिवःव। धेवःयःसे श्चेदायदेःधेदायःधेवःयसाह्ययः बेरावा न्हें अप्तार्क्त क्या नेरावया नेते ही हा हायायायया या मुनावा ने क्रिया क्या नेरावया ह्या नेहें या यारा सुराधिया मवे हिर्मे हें न्रें भार्य भी तम्म है निर्मे हैं निर्मे श्चेन् परि पेन् परि सं के स्वापन के किया के किया के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के धिदःपदेः द्वेर। द्वेः सः सः ग्रुनः द्वा नेसः वेशः वृशः स्वतः सेदः पर्नु त्वेरः मश्रुसः र्केशः रुद्ध। द्वेरः सेदः प्रदः मारः विषाः ह्यायासाधीत्रायदे श्वीमा विकितात्रामे निर्देश में साधीतात्वा ह्यायाधीतात्वा स्वायाधीतात्वा ने स्वितात्वा में स देवे भ्रेम हिन साम्या या मुनावा दे के या उत्ता देन मा ह्या ह्या देया मुनान स्थान स्थान साम्यान हो के या स्थान स देर वया स्प्रिंग संस्थित प्रति ही सामुन वा दे कि साउवा देर वया सेर प्राधित प्रति ही सामुन वा दे कि साउवा देरा वया क्रन्स्यस्य सामुनः सते भ्रीमा इत्तरः वर्देन्दा ने क्रिया कता ह्या ना साधिदासर वया व्यन्ता स्वीता सामुनः वा ने कें भारता ने रामिया हिंन ही दें में सेना मिन सामुनावा ने कें भारता ने रामिया रहा ही दें में पहें ता सामित यदे दीन य गुनन्त दे कें य उत्ता देन मण कें या यो देन या विना हो ना हिन हो ना में निमान कें या है या है या है य धिदायि द्वीरा विक्रियादारी क्रिंश धिदादा द्वावायादी उदावी क्रिंश साधिदायशाह्य वेरादा तुसाया क्रिंश उदा देरा वया देवे भ्रेम हिन मान्या सामुनादा दे कें या उदा देन मान पद्या हिया है। कें या मिन सामुनादा दे कें या उदा देन वया न्रेंस में पीव परे ही मा बावावा दे के मा उदा दे मा वया दे के हो न है मा वया ने के मा वया दे के मा वया दे के देर वया हैं हैर विनय व्या कु र्रें र के र्रेन के र विनय है। देर वया विश्व प्राप्त के प्राप्त के विनय है। देर वया लूर्याचाराष्ट्रचार्ष्ट्रचार्ष्ट्रचार्त्याच्छेत्रा चार्ष्ट्रभानाः स्त्री दरात्राः साचीयायी विभानानु । लूर्यानानानु । लूर्यानानानु ।

रम् सळ्द्र पीदाद्या नेयामा पीदाम्या हिना नेमाने या नेयाने या हैया है सा हिनामा सा सुनाद्या दे.क्र्या. ह्या देर. हया सर्द्र शुंखा द्यी. सूर हरें राजुन या धीत पाते ही या साजुन ता दे रक्षेया हता हरें सहया धुवाधेतायते द्वीमा सानुवाता ने के साठता ने माना नर्म सार्वे धिता हिना हो। सर्वे सुसानी सूराधिवाना न्दें अप्तार्थित्व विकास विकास के स्थान के स्थान के निर्माण के निर्माण के निर्माण के निर्माण के स्थान धोदायरात्रया स्वाधेदायरु हो राधेदायदे हो । हारा हो। वेस ने यास्वाधेदायरु हो राषाशुसार्ये दरायदा हुदायवाया पार्वे द धिव परि द्विम् । परि पान में पान में पान में पान में पान में प्रति हो से प्रति प्रति प्रति हो पान में प्रति हो में में प्र वियासामिया यानुनाता दे केंबा उत्ता दे प्राथित रूप दे होता स्या क्षेत्रा मुजा मुला हुन स्वी सामित होता स्वी सामित होता है सामित सामित है सामित सामित होता है सामित सामित है सामित साम द्येम हिन हो ने ने देवे अळद हेन धीव पर दे हीम वें मानु या वा ने के अपन मान्य देवें हें वा पर में वा हु हु या प श्रीभार्हेनामान्यस्य वात्राचा वात्राच वात्राचा वात्राच नुनामदे हिम् इनमापर्दिन्ता दे केंशाउदा है। सक्त साथित परामणा महासक्त धिदामदे हिम् सानुनादा दे केंशाउदा देरःषया दर्रेशःर्यः धेवःयवेः धेना हिनः श्रे। दर्रेशः ये। ररः सळवा र्देवः नशनदेवः यः इसशः र्देवः गवेग । हगाया श्रेः सळवा गुदार्ह्नियानदेदायाद्वस्थार्द्देदायादेवायीद्वारायदेरित्वा विष्ठेवादादे। सर्ददाशुराधीदादा भ्रिवाशुरासायीदायसाहिताबेरादा गा नः कें भारत्वा देना मा मुनावा देने कें भारत्वा देना मा महिना स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स लेब नवर ही मा हिन हो। बहुर श्रेम ही क्ष्रें मा हिन स्थान हरू मा श्री है नाया मार ही मा अहू में मार ही मा क्ष्रें मा हिन हो मा है मा क्ष्रें मा क्ष्रें मा है मा क्ष्रें मा क्ष्र यानुवादा दे कें या उदा यहेंद सुयानु कहा या पहेंद स्थान हो वा या प्राप्त का प्राप्त स्थान स वर्रेन्दा ने केंश्वारा में ना शुराधी राम प्रयो राम दिन हैं ना मारा में ना हु शुराम दे खुवा श्री शहें ना साम हा ना धी राम दे द्येम ह्रम्यान्यसून नेत्रा महेयान स्टाने सुम्याया मिले सुन स्त्री सक्द हेन स्प्रमाने स्वाप स्वाप स्टाने से स्व म्बि:मुन:व्य:न्द्री:ब:मिक्र:व्यंत्र:ने। हम्प:य:न्द्र। न्द्रेश:यें:मिक्र:वेंद्री:मिक्र:यंद्र:सेन:वेंद्री:सेन:वेंद्र ढेनाःसासाधेदानवे नावे समुद्रानाने। हनानवे सळदाकेन धेदानवे स्वेम्। हनानानान्यान् हो दानकेसाधेन ने। धेदानाक्षेतान ह्रमायान्दा धेवायाक्षेत्रीत्रायते ह्रमायामहिकार्धेन् यदे हिमा धेवायाक्षेत्रायते हमायामवमानु र्धेन्दी विकादाने ने धेवा यवे भ्रीमा धेव या के श्रीम् यवे ह्वा या चलवा हु खेन हो। हवा मेरे शावि शाने खेव यवे भ्रीमा मेरे शाक्व के ने खेन हो। र्देव चेन त्रभामाने ने प्रेक्षेत्र मार्वे भ्रीमा नर्देश में प्यान् चे त्रमान्त्र मार्थे मार्थे मार्थे न मार्थे मार्थे न मार्थे म वेअर्थिदेश्यक्षत्रंहेन्प्पेन्ने। ह्यानुः बुवायाने ने प्येत्रायि द्वीता वेअर्थे त्यान्ते त्याने अप्येन्ने। द्वीते वेअर्थे न्या वराणी વેશન્સ-સાંત્રોફેશ-સાંત્ર-સાંત્ द्येन सक्तरमानि प्यून हो। त्रसामा माना साक्तरसे क्रून नि में हो हो प्यून मिन सि में मानिस मिन सि मानिस मिन सि भ्रे अन्तरे कुर्यो नम्भारते द्यार् ज्ञान सारे दे प्रेर प्रेर प्रेर स्वर क्षेत्र मिल्या मिल्या मिल्या स्वर से स दे प्लेब मदे हुँ म वेष मदे अळब हे द प्लेंद दी वाषण वेद देवा म दे दे प्लेब मदे हुँ म अळब वावे प्लेंद दी सेवा वेष दे दे धेव परे द्वेरा व्व सेव पर् द्वेर के रामे सक्त हेर सेंद दे। वेस वेश मार दुर साधेव परे पर् साह सारे दे रो अळंत्र नावि र्पेट्र हो। द्रेस र्पे द्रा भे हना सर्दा हर्दा ना सूर से नाया ना सम्मान सम्मान स्थान स्थान स्थान स न्त्रीत् महिशास्त्रिन्ते। महिमान्दान्त्रान्दान्त्रियास्त्रीत्रा महिमानी सक्त्रिक्ते स्त्रिन्ते। श्रीश्रीन सामि दे'धेब'मदे'हेम्। सळव'गवि'धेंद'दे। 'वेश'द्या हगामा दर्देश'र्वे'ह्रसश'रे'रे'वश'दे'धेद'मदे'हेमा ब'दद'ग्री'सळव'हेद'

ऍर्ने र्रे र्रे नदे र्रे अने ने पेबर पदे हिन् अस्त पाने पर्ने ह्या रहें अपने अस्त अस्त अस्त पाने आ म्बेर्-वुख-न्द-बद्य-वुद्य-मृहेय-इद्यय-ने-धेद-पदि-द्वेर् धर-नेय-वु-व-न्वे-द-महेय-शु-धेन्-दे। रूट-यळ्द-न्द-ह्वे यक्षंत्र पाहेश पॅर प्रति श्वेर। रहा यक्षंत्र श्वेर यक्षंत्र हो प्रति हो। श्वाहें पा पीश पह पाश क्षा साथित पर पर पी यक्षंत्र हो राशे युन'मदे'र्के भ'ने'ने'भेद'मदे'य्वेम। श्रेु'सक्दर'ग्री'सक्दर'हेन'र्भेन'ने। श्रु'हेन'गेश'महन्यश'म'र्दस'भेद'ग्री'स बुन'म'ने। श्रु सळ्दा बु सळ्दा हे न प्येद स्वेद। दे न विदान में दान मान में न स्वापन यक्षव हिन्। र्नेब न्यान्य नेब होन से त्या निव क्षा ग्राव क्षेत्र निव स्व यक्ष्य हिन धीव है। क्षेत्र स्व क्षित स्व सेव क्षेत्र स्व क थुवानु चुन्न विकान्नदे अळव केन साधे दायर मा धेवारा <u>से</u>न पादे के सिंह सुवानु सुवान सेन पादे के साम्रेन पादे के सक्दिक्षेत्रसाधेद्रास्ते श्रीत्र वेत्रत्रसाष्ट्रदास्त्री वित्युवादाधेदायाः सेत्रसादे क्विते सुवादुः सुवादे स् र्क्केदे:सुवानुन्तुः नुस्याहेशायाःसेवान्याह्यनायदे हिस्हे। यावे श्वानाव। सेवानाश्चेनायदे ह्यायहिवान्या। सेवानाशे श्वेना वया ब्रासे ह्वाप्य प्राप्त ह्वाप्य विदेश वादे हिया देर वया ब्रासे ह्वाप्य धेद या वाद दिवा ह्वाप्य धेद यदे हिर हेर यरम्या सर्देव श्रुं अस्ति श्रुं स्ट्रेर मुनाया धीव प्रति श्रीया सम्मुनावा हे स्ट्रें श्रुं अस्ति। श्रुं स्ट्रे ब्रीमा अः नुनः दा ने क्रिंशः उदा ने मः वया अस्दः शुअः नुः ने शास्मः स्पनः पदे ख्रीमः दाया हिना ह्राया नुनः श्री अस्दि शुअः नुः मालया चुः धोव प्राये द्वीर है। इसास द्वीव ची मालया चुः धोव प्राये द्वीर। में र प्राये प्राये दे के सारवा देव प्राया से वा यर मा गुर हैं न नरे द पा धेद परे ही रा मा मुन दा हे कि सा हता है राम मा हता है पा से परे ही रा

ट्र्यासूक्र्सूचासालुष्याचालिया चेर्र्यासुक्र्स्यासालुष्या क्रिंग्लियासालुष्या क्रिंग्लियासालुष्याम्याच्या स्थिन्ने स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्य

<u>न्राचित्रायम् विष्याचार्याची विष्याची मुक्ताची मुक्ताची मुक्ताची मुक्ताची विष्याची विष्याची विष्याची विष्याची विषय</u> र्येदे क्रिं नारा धोदाराय राष्ट्रिया स्टिं राष्ट्री हिंदा क्षेत्रा क्षेत्र क्षेत्र स्वाधीया क्षेत्र स्वाधीया व न्रें भार्या कें भारत्। किंन् भी। कें नामाध्येत्वा नें दारीन्त्र भारते महन्य भार्षेन् कें भारत्य सामाध्य स्वर् हिंदाग्री केंगाम धिवाव। देवाग्रेदात्रभामवे सकेंवाग्राधिव मश्चिवामवे श्विम। इपनम वर्देदाव। देवाग्रेदात्रभामवे प र्षेद्रकेंशमाशुभार्कदानार्केशच्या मर्केंद्रानुमाधीदामरामया मर्कदाहेदाधीदामित्रीमा मानुनादा देरकेंशच्या देरामया र्देव चेन त्र सम्बन्ध समित्र सम्बन्ध समित्र समित्य समित्र स गशुसाळदान। हिंदान्नी सळें वानुदेशसळव हेदाधेवान मान्या हिंदासळव हेदाधेवान माने पान हेपान में दिवाने हेदाने मवे क्वां नामान्या निकास क्षा क्षेत्र द्येन। सः नुनः द। दे के सः उदा देनः वया देवः ने दः तुसः नदे व्यानः दः वः दः नदः नदः विवानि दः विवानि देवः ने द ऀॺॕॖज़ॱय़ॱॵढ़ॱय़**ॺॱॿॖॸऻ**ॕढ़ढ़ॏॖॖॖ॓ॸॖॱक़ॖॕॺॱय़ढ़॓ॱक़ॕॗज़ॱय़ॱॵढ़ॱय़ॺॱॿॖॸऻॱॸॕढ़ॱॿॖ॓ॸॱक़ॖऺॺॱय़ढ़॓ॱक़ॕॗज़ॱय़ॱॵढ़ॱढ़ऻॱॿॕॖॎ॔ॸॱॵढ़ॱय़ॺॱॿॖॎॸॱय़ढ़॓ॱ र्थेवापाधीतात्व। न्रेट्रेश सेंदिर सळत् हेन धीतापशाद्यवापमा स्वया हिनान्ट्रेश सेंदिर सळत् हेन धीतापदि ही सामापदि नित्रा न्रें भार्यिते सक्त हिन् के भारत्वा सक्त हिन् साधित पर प्रवा सकें त्र द्वा धीत पर हिन सा बुन ता ने के भारत्वा ने प्रवा न्रें भार्यदे ह्या विन् कें भाषाशुं अर कंदा नदे अर्कें दानु प्येत महे मुंदा अर मुना दा न्रें भार्य कें भारता हिंदा में अर्कें दे दे म्वानात्र दे के भारत्र देरामण सकें दानुष्येद परि हिना होना से नित्र में नित्र में नित्र में नित्र में नित्र में <u>ક્રમાર્ભેન ર્ક્રેમાનાશુસા હતાના સહત કૈના છે! અહત કૈના ભેતાના તે કૈના કેના તે તે કૈના કેના તે માના તે તે છેના સ</u> सहसाधिदाद। सक्रेंदानुःधिदानसान्निनःबेराद। द्रिंशार्यदेःह्याःधिदार्क्रिंशानाशुसाक्रदानार्क्रिंशान्द। देरान्निया युनावा ने केंबारवा ने रामवा नेंबा होना तुबा मदि वेंबा ना ना ना ना ना निवास के वा ने का होना तुबा में वा ना ना धेव प्रमाहिन। ह्रेंब होट हें माना सेव हों ना साधिव की हिंद सेव प्रमाहिन सदे हिंदा दर में श्ली महिन सा होंच हों ळॅंशच्दा हिंद्रश्चे ह्या पेंद्र केंश मासुस कंदर वा पेदर द्वा देंद्र होदर द्वा या विदर होता वा पेदर होदर होदर होदर बुश्रामदे नहनाशार्षे द केशानाशुश्रास्टानाधे द पदे श्रीमा नशुश्रामाश्रामुनादा देवा हो द सुश्रामा केशा हो द श्रीम धेतुत्व न्द्रिंशः सेंदेः ह्रशः खेन् रक्केंशः माशुक्षः कदः नः धेतुः नम् । ह्यान्य न्याः ह्याः न्याः ह्याः स्वरः क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि क्षेत्रः कष्टि यदे द्वीरा इ नर पर्दे द दा दे के भारता मर्के द दा अर्थे द राम स्थित स्था सर्वद हे द स्थेद परि स मुन दा दे के भारता ळदःच दे। ब्रिंद ग्री अळद हेद ग्री अळद हेद प्येद पर प्रया ब्रिंद चहनाय प्रेंद रें अपाशुय ळदः च प्येद प्रदे प्री वा हेना द रे। ८६४१:र्येदेख्रेनापाद्याधेदान्नास्त्रसाधेदाद। हनापाधेदायशाह्ययाचेदाद। ८६४१र्ये ५८८महिनापुरानुरायदे ५६४१र्ये क्रिंग उदा देर प्रत्या देवे भी द्वारा प्रया अ मुन दा दे क्रिंग उदा देर प्रत्या हिंद दिस स्वी में नार प्रत्य प्र धेवन्त्र। न्र्रिंश सेंदे र्थेया संस्थित स्था हिया न्र्रिंश सेंदे र्थेया संस्थित ही हिन स्थित स्था हिन सदि ही स শ্লা বাধ্যমান্যমান্ত্রবারা দুর্দ্বমান্ত্রবারে প্রেরা দুর্দ্বমান্তর বার্দ্বর বিশ্বর দুর্দ্বমান্তর বার্দ্বর বিশ্বর বিশ্বর

धोदादा-द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-प्रकाश्चिता-प्राचीदा-विवा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-द्र-द्रिकार्स-धिदा-प्रकाश्चिता-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-द्र-वाहेवा:धोदा-प्रकाशच्चिता-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-द्र-वाहेवा:धोदा-प्रकाशच्चिता-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-द्र-वाहेवा:धोदा-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-द्र-वाहेवा:धोदा-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-प्रविचा । द्रिकार्स-दर-वाहेवा:धोदा-प्रविचा । द्रिकार-दर्ग-वाहेवा:धोदा-प्रविचा । द्रिकार-प्रविचा । द्रिकार-प् नर वर्देन द्वा दे के भारत्वा ह्वा पाया भी दायर प्रवा भी ह्वा पायी दे परि सा शुनादा दे के भारत्वा दे राष्ट्रवा वर्ष त्रुमाधेत्रपदे द्वेरा वि देवा दारे द्रिमारे देवा वि वे वा धेता देवा द्रिमारे देवा वि वा वि वा वि वि वा वि वा व न्र्यास्त्रः क्रियाना त्रीत्राचना न्र्यास्त्रः यात्रीत्राचिता त्रीत्राचिता विताना विताना व्यास्त्राच्या क्षाक्रिया विताना मिले क्रिमा धित सम्प्रमा न्रें अप्ते देश अद्धारमिल स्वे स्वेमा अप्तार पर्दे निका अप्ते अप्ते स्वि क्रिमा साथित नरम्बा न्रें अर्थे न्रम्पित्र में देश विक्रमा विक्रमा न्रें मान्य में न्रें अर्थे में मान्य विक्रमा मिन्न मिन् बेर-ता र्देव-ग्रेन-त्र्य-मःकेंय-ठवा न्देय-मेंदे-क्र्या-मःधिव-मर-मणा न्देय-मेंदे-देव-क्र्या-धिव-मदे-ध्रीरा ग्रिय-मायया यः बुनाव। र्नेवाबेनाव्याक्ष्याच्या न्रेवाचियाच्या व्याप्ति विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास व न्र्र्सार्यदे श्रुं वृंपाधित त्वा न्र्र्सार्यदे पावे वृंपाधित प्रमान्त्र वे न्र्सार्य के सार्व न्र्सार्य के सार्व न्रा विकास व दे किंश उदा देर प्रत्या दरें शर्ये दे रर कें ना धेद सदे हिरा हिन है। दे निहेश देंद निहेना के निर्धा है स्वर परेंद हो दे किंशान्त्रा दर्भा संदेशमाने कें मारा धेन पर प्राया दर्भा संदेश सक्त माने साधेन परे हिरा सामुनाना दर्भा से किंशान्त्रा हिंद्र हिंद्र है। अळव्य मिंद्र अपने स्थाप हिंद्र छद्र अर्थ देश द्या हिंद्र स्थाप छद्र अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ से से रे। तुअपरान्दानिवेनाः हुः शुरुष्यते तुअपराने। तुअपरावे क्वेनापाधीव वेराव। तुअपरान्दानिवेनाः हुः शुरुप्यवे तुआपार्के या उदा। तुस्रायदे क्रिं वा यासाधेदायर वया तुस्राया दराविवा साधेदायदे द्वीरा साञ्चयादा तुस्राया दराविवा तुस्राया द्वीरा क्रिंभारुदा तुम्भारान्दरमिर्वेगामाधीदायरामाया तुमायान्दरमान्दराधीदायते भ्रीता मान्नियाने साम्रान्दरमा तुमाया हिन्दरा बर्दर्धेवरवा हिंद्रद्रम्बरेषायाधेवर्यमाह्यस्य हिंद्रम्बर्वा हिंद्रम्बर्वा वीर्वायदेष्टेर्यं वेद्रम्बर्वा वेद्रम् वळंस्रशाया ह्रवासासासुनाचेराता तुसामान्दाविवातुः सुरायदे तुसामानुसामान्दामान्दास्य तुसामान्दा महिमानुः शुरूर्यते तुस्रायातुस्रायात्रायात्रात्रात्रात्रात्रात्रायाये तुस्रायाये तुस्रायाये तुस्रायाये विष्णाया नुस्रायदे हैं वाया धेता बेराता नुस्राया दराविवा के साउता नुस्रायदे हें वाया साधित प्रस्या नुस्राया दराविवा साधित यदे हीन सन्तुन त्र तुसन्दर्गहेना केंश हत्। तुसन्दर्गहेना सन्दर्गहेना सन्दर्ग तुसन्दर्ग तुसन्दर्ग द्वार प्रदेशहेन। स युन'द। तुस'म'न्र'न्देन'र्केस'रुद। तुस'म'न्र'म्र'न्र'म्र'म्र'म्र'म्राम ह्ना'म'धेद'मदे'द्वेम। स'युन'द। तुस'म'र्केस'रुद। हिंद्र-द्र-मुडेमाह्मायाधेरायर प्रया हिंद्र-मुडेगुन यदे हेरा विडेमार दे। तुरायदे हेंमाय दे। तुरायदे हेंम्य धेराहेर व। तुम्रायदे क्रिंग्या क्रिंग ठ्व। तुम्रायदे क्रिंग्या मास्राधे द्वारा च्या तुम्राया स्थित स्वीत् । सायुना व। तुम्रायदे क्रिंग्या क्रिंगाठवा तुम्रानामाधीवानरामाया ह्वानाधीवानये भ्रीता मानुनावा तुमानाक्रिंगाठवा हिन् ही हिन् ही हिन् ही हिन् ही वया हिन् नावे नुन मरे हेन विकेता देरे नुस मास स्वित्य स्था में ना नुस महे निमास स्वित हिन हेर ना निसे स तुमाबदमातुमात्रीमार्केमार्केमारक्ष तुमायदे र्षेतापाधिमायाम्य तुमायामायाम्य तुमायामायाम्य तुमायामायाम्य तुमाया धोदायदे द्वीरा इतर वर्रेट्या वार्यर वुसावरमा वुसावित्र महिना के साम वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वि <u>न्नायमा से व्याप्त वित्रा सामुनावा ने ने सम्मा ने मुसामा नि सम्मान प्रति से स्वर्ण ने ने न्रायमा प्रति से स</u>्वर्ण [यः ठेवा दः दे। तुस्रायः दरः शद्दः त्यः शर्षेवा दः तुस्रायदेः श्वेवा यः पोदायस्य । तुस्रायदे । लुष्राचरावना येषातार्राहरावारा ज्ञानावारा हिया विचारा विषा वार्चीयायी इत्त्रार क्रिया विषातार्था विषातार्था वि

र्थेवायरम्बर्ग वुर्यायप्तरम्भात्रायो स्वर्था से से मार्चीयायो सम्बर्धा सम्बर्धा स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था तुअन्यन्दरम्भेन्द्राधेवन्यवे भ्रीत्र अन्तुवन्त्र दे वेदरम् कें अन्ति तुअन्यन्दरम्भेन्द्र धेवन्यन्यवे । द्येम् इन्नर्दिन्त्। रेन्द्रम्क्रं भक्त। तुम्रायदेन्ध्र्यायामान्याधित्रयरात्रया तुम्रायन्दरायहेवामाधित्रयायमान यदे हिन् दे देरावया दे तुसारा दरा विवास धिदारा धिदारा दे हिन्दुसारा दरा विवास धिदारा देरावया दे से दारा धेतायते होता वाहे अपरास्ता सुमाना सुमाना स्वापात स्वापात स्वापात स्वापात स्वापात स्वापात स्वापात स् र्बेनायन्ता तुरायन्तानिकानिकाणीता वितासकारीता निकास वितासिकारी वित वया गावे ग्रुवाता हिंदाहिंदादरवादरायाधेवाययाह्यवायदे हिना गारुयाया हिंदाहेंदाया विकेगादर्भार्यादर्भार्याद्वीता वुर्यानायविषा धोवायम् प्रवाद्या दे विष्ठिर्या देवा प्रवेषा धोवायवे स्वीत् । वेस्त्वाया व्यवस्थि द्रिर्या स्वाद धीव पार्व द्वीर है। देव द्वीर व्यापाळ राम मार्थ राम पार्व राम पार्व राम पार्व राम पार्व राम पार्व राम पार्व राम याला देवाचेदात्र्यायाळदास्यादेयायार्थेवादात्र्येयायादेशचित्रा धरावादेयादेशस्य से से ह्याया चुयाया वर्षा चुरु इसरु से दारी दिसा वार्य रहें से कार्य कार्य कार्य कार्य की कार्य के साम की साम की साम की साम की साम की साम यांचेया'धीव'हे। न्येर्'व। अष्ठअ'सेन्'ब्रथ'यांचर'श्रथ'र्ये। ग्युर'अद्विव'हे'अदे'याहेव। ग्युर'अद्विव'तु'र्याद्वेव'त र्दे। बेर्-दा रे-से-प्यर-रो। बर्य-पाउँर-स्थार्य-र्-। है-सदे-पाहेता तु-रस-पिर-र-इस्था-प्र-र-धित-पदे-धेरा स-त्युन-ता देरःष्रवा बर्यान्यस्य अर्थे वेयापदे श्चामविषारावादह्याः स्ट्रास्य देयाः ग्रुटा हे सदे महेदादरा सुप्रसंविराया वेया यदे श्चामित्रिमारायायहुमाळ्दास्यासारेयामाश्चेदायदे श्चिरार्से |देयादावयामात्रास्यार्मे हे सदे महेता सुरस्यानेदाया *बेश-पदे* श्चायह्या पदे यह्या यांबे यांचेया पेव ग्राटा | हे ह्या यांचेया साधेव हो | यांचेया पेव द श्चार्टेव यांकेश यांवश यांचेया धेव-दर्गेश-धवे-धेरा

देन्द्रका देव, श्रेम विच. साध्या साचीयाया दे क्र्यालया दुन्द्रका हेचामा, लुयामा, लुयामा, क्रालया मान्य क्र्यामा, क्रयामा, क्रया

धेदायायमार्वेनायाधेदायदे द्वेरा मानुवादा दे केंगाउदा देरावया ह्वायाधेदायायमार्वेनायामधेदायायमार्वेनायामा धेदायदे हुन। सामुनादा दे किंसा ठदा देन त्रया ह्याया धेदायायस स्वायायस स्वायायस स्वायायस स्वायायस स्वायायस स्वायायस दे कें अ उत्ता देर वया हवा राधित राधिक स्वापाय अधित राधित राधिता अधित स्वापाय हिंच स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्व लक्षात्रां वा पा त्येत प्राची का बीचा वी है क्ष्र अवी है रामवा हवा साली का सह ही मा साम विकास है वा साम क्ष्र ठव्। ह्वान्यसाधेवन्यस्थार्वेवन्यस्थेवन्यस्थार्वेवन्यस्थार्थेवन्यस्थार्थेवन्यस्था र्वेवायाधिदायवे भ्रीम् साग्नुवादा ने केंबाउदा ने माना ह्वाया स्वायासाधिदायाध्यक्षात्रीयायाधिदायवे भ्रीम् विकास यरःश्रूरःपवे ह्वायाधेव व हवायाधेव प्रमाह्य नेराव हवायाचि व कें मानाधेव के वायाधेव प्रमाह्य है । ह्रमायाधीवायवे श्रीमा साम्रायावा ने के साउवा ने माया धीवायानम् मायाविकामाधीवायवे श्रीमा साम्रायावा हमायावि वःषीवःयः नृतः। ह्वाःयः वृद्धेशःगाःषीवःयरः वया ह्वाःयः षीवःयदेः द्वीरा सः शुवःवा ह्वाःयः षीवःयरः वया सिनःयः वारः विवा । इर्देश में साधीव प्रवे मुद्रा । इर में श्ला वाहेश प्रायामा मुन्ता हिंद इर्देश में धीव प्राय महिला में सीव प्रवे मी वर्रेन्दा हिन्छे कुर्षेन्यर वया हिन्द्रिय संधित यदे छेना वर्रेन्दा हिन्हेन्छेन्छे स्थर क्रेस्य हिन्छेन्छे ल्रिन्यदे हिन् वर्देन्त्र। हिन्हिन् के कुदे प्रवस्त संस्थित सम्मा हिन्हिन् के कु प्रस् के स्वरं हिन् वि हिंद्रहिंद्र के कुर्दर दे हुर वर्षे वर्ष रायर मा वर्देद्र पति हिंद्र व दिंद्र व हिंद्र के द्वा हिंद्र के दूर व हिं-रहिं-रहे किं-रहे हैं-रहे हैं-रहे जा लुब सह हिं-रहे जुब हैं हैं से हैं से हैं से हैं हैं हैं हैं हैं हैं है अः शुनावा दे के अः उदा देर मा हिंद हवा या धेव मारे छेरा इ नर वर्देद वा हवा मारि व के अरवा धेंद मर मारा हवा नःलुब्रेन्यं हुन्। दूर्रेन्या स्वानांक्यं वास्त्रां स्वान्यक्षा नर्द्रमाझाल्यानावे हुन्। सामुक्ताना नर्द्रमाझाल्याना <mark>बला देवे ब्रेटा राज्यन्त्रा गान केंश रुदा देन बला साधेरासदा हगास गड़िस</mark> <u>गाधेरासके ब्रेटा साज्यन्त्रा गानास</u> लुप्रस्तर्था स्यास्याक्षेत्राचालुप्रस्तर्भवा चार्यासालुप्रसाद्या स्यासद्याचु स्वत्र लुप्रसद्धिम् सार्चियाया हुम हेबारालाय स्वादा क्षेत्र के स्वादा स् ढेवा'द'रे। वन्व'सेन्'भेद'द्या भेद'सर्'कुर'सदे'र्ह्वेदे'सुव्य'नु'ग्रु'तुर'न्न'। स'भेद'सर'कुर'सदे'र्ह्वेदे'सुव्य'नु'ग्रु'तुर'वाहेस' गासाधीतरम्याद्यता वेरात् अर्टें त्राहें या उत्ता देराया देरे दीना हग्याया वर्दे दाता अर्टें त्राहें या उत्ता धीतरमर चुरमित्रे क्वेंद्रे सुवानुम्य विकास क्वार्य क्वेंद्र स्वार्य क्वेंद्र स्वार्थ क्वेंद्र स्वार्थ क्वार्य क्वेंद्र महिरानायान्या के सारा होता विकास के के सारा होता है से सारा होता है से सारा है सारा है से सारा है स इ.र्ट.लुब.त.चार.बुच । भ्रू.मञ्जूर.चु.लुब.सदु.हुर। चार.चु.चाहेश.स.स.चीयाय। मञ्जूय.वी.मञ्जूर.सदु.भ्रूदु.लीवा नुः चुः नुरुषोदः परः त्रया अळदः हेरः नुः चुरुपदे ह्वेदेः धुवः नुः चुरुषोदः योदः चुरु। नेरः त्रया देवाः पदेः धुवः नुः नुरुषोदः पदेः यार विया | रेया पार्क्किय सक्त हिर प्येत पारे श्रीमा याहेश पारम्प स्यापार या अप्येत पारा प्राया सामित स्वापार प विषेत्र । भीत्र प्राप्य अपर्थे वाप्य प्राप्य अपर्थे त्र प्राप्य के वाप्य विषय । अप्येत्र प्राप्य अपर्थे वाप्य वाप् र्वेवायान्तर्वेवासुः नृतर्देव विवेव । धेवायायशार्वेवायाकः नृता । अधिवायायश्चेवायार्वेवायार्वेवायायाः <u> ५८:वडशः द्या भेदःयः वश्यः वीवायः वाडेवायः ५८:देदः वाडेवाः भेदः यदेः श्चेरः देता । । वाशुस्रः यः र्हेदः यः श्चेरः वः वा विवः दो</u> <u> न्देशमें साधिव राज्य शर्मे वाराह्वाराधिव राम् प्रया न्देशमें साधिव राज्य शर्मे वाराधिन राज्य विवासधिव राज्य श</u>

क्ष्याश्वाहिश्वान्यः त्रित्रान्यः होत्र्याः वित्रान्यः होत्रा ह्याश्वाहित्यः वित्रान्यः वित्र

🛊 । ख्र.स.क्व.तत्रश.क्व.र.देव.४स.यावया.यन्तर.स.का रयाया.यवया.स्व्रूर.याश्वश.कशा रट.स्.का वि.क्वयाय.प्री यावे.चीय.यी क्रुं पत्र्या ग्रांट रहर धिव प्रयाष्ट्रिय वेर वा नेया वु के या विता वेर प्रया देवे खेरा या मुनावा देवे किया वि संभानुनामाधितामते हिम्। इत्तरावर्देन्त्व। दे केंशाउव। कुत्वन्यामारासुरासाधिताममाधितामितासी दर्भार्यासाधितामिता या गुनावा ने र्के या उदा ने रामा हमा ना या धेवाय दे में मा हमा वा हमा वा हमा वा वा या या या या या या या या या न्रें अर्थे के अरुवा नेर मा नेरे में मा हिन मानिया अ मुन वा ने के अरुवा नेर मा हिन में प्रमान स्थित महिन साबुनादा दे कें भाउदा देरावया देरे भारे दे से केंद्र में भारती हैं दे में प्राचित केंद्र में साबुनादा दे केंद्र व्या ब्रिंट्रिं क्री क्री में मार्थ क्रिंट्र क्री त्वराय क्रिंट्र क्री क्रिंट्र क्रिंट्र क्री क्रिंट्र क्रिंट्र क्री क्रिंट्र क्र हिंदानी कु धिदायते हिंदा यानुवादा दे कें अठवा देरावया हिंदादें अत्याये धेदा वा हेवा दारे वह का क्षा हिंदा है चक्किर क्रिंस लिव निर्मा हिन हेर से क्रिंस क्रिंस क्रिंस क्रिंस हिन क्रिंस क्रिंस क्रिंस हिन है क्रिंस हिन हिन मुं र्यम्थासु मुद्दानिय मुं प्रेर पर्दे मुंदा सम्मुनास दे के सारका विद्वित् मुंदि मुंदि से मुश्य सुद्दानिय में नर वता ब्रिट ट्रिंश रा. लुव तह हो । इ.चर हर्ट्ट वी हे क्र्या क्यी वर्षीट क्री लुव तर वता ट्रिंश सुद्र ही जू वीया शी.वीट. यदुःहीः स्वायाश्यः हीटायदुः यक्किटाक्किल्यद्रायदुःहीन। यायीयाय। देः क्क्या व्यव्यक्षिटाक्कित्यायायायायायायायाया चैर.यपु.यर्केर.कै.लुप.यर.वजा ब्रिट.पर्यंग.विश्व.लुप.यपु.सुर्या वि.कुवा.य.र्रा टेरूश.पर्यंग.लुप.यी वर्कैर.पर्यंग.पालुप. ममाधियाच्चराची नेर्स्मार्साक्क्या ह्या हेरामणा हेरी हीरा मामुनामा हेर्क्सा हता हेरामणा हरें मासिसा मामुनामा माम यदुःर्ट्रशत्य्यश्लिष्दात्रुर्वे सार्चियःवी देःक्र्याःक्षी ब्रिट्-ब्रिट्-क्री-क्र्यांवाशःच्रीटःयदुःर्ट्रशत्यशःलेषःयरःवता ब्रिट्-चित्रातालुब्राचतुःसुरा इ.चरायरूरायी दे.क्ष्राक्षा चर्चैरायचत्रालुब्राचरावता ट्र्यासूषुःर्ज्यवातासीचिराचतुःर्ज् क्र्यामाश्चान्निरःयदुःचक्क्षुरःदत्रमाध्येदःयदेःध्वेर। यागुनादा देःक्क्रमाह्यदाष्ट्रिर्नान्नेःश्चामा शुःग्वेरःयदेःश्वामाश्चा वैरायपुरवर्षेर्तरव्यमालुष्यं तर्याचन विर्वत्तर्भाविमालुष्यं त्रपुरिष्ठीम् । विरुवायत् मे वर्ष्यास्त्रपुरिका क्रुं.लुबं.सम्बादियः इर्सा र्ट्सार्यदे सृत्यामा सुर्विदः त्वते सृत्यामा सुर्विदः विकास विकास विकास विकास विकास अः बुनः द्वा देः क्रें भः उदा देरः त्रवा देरे भः सेंदेः स्वाया शः बुदः नः धेदः पदेः स्वेरा कः नरः वर्देदः द्वा देः क्रें भः उदा देरे अः सेंदेः वर्चमालुब्रेसवुर्द्धिम् मार्चियःय। रेट्सा्म्र्यस्याक्ष्यंबामाश्चित्यवुर्ध्यम्भाश्चित्यव्यक्षित्यव्यक्षियः सम्बन <u> न्र्रियाच्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्य</u> त्यं अ.शे.पर्ट्र वो.कुटा टेट्र अ.स्. क्षत्रअरटा वी.कं.स् वो अ.शे.वैटा यपु वो अ.शे.वैटा या रटा वी.व केंटि कें. ट्रा रटा वी.कं. क्र्यामाश्चान्तरान्तराने। दूरमानुर्देना पूर्वा मानवे। भ्री मानवे ना विकास हो। प्रदेश स्वी मानवे मानवे स्वी स्व

न्द्रभःशुःश्लेभःयदेःवन्नभःनुःधेन्यभःद्वनःनेन्द्र। न्द्रभःसदिःद्वेःस्वाभःशुःत्वनःयःक्रभःठम्। नेनःमणः नेदेःद्वेन। द्विनःयः यवे.ब्रीम् इ.चम.वर्ट्रेन्थं ट्रिश.सूप्रु.ब्री.क्रूचीश.श्.वैस्त्यःक्ष्रश.वर्षा ट्रिश.सू.जग्र.सु.श.सु.श.सप्रु.वर्षा वर्षा यर मण नर्रे अप्तान्देश शुः श्रे अपार प्राप्त स्था स्था मुना साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या स न्द्रभःसद्वःन्द्रभःवज्ञभःन्दःनुभःभक्षभःनुःभ्रुभःनःधोदःनवेःश्वेन। नेनःभव। न्द्रभःसवेःश्वेःस्वाभःशुःश्वदःनःग्वनाद। न्द्रभः र्यदे न्हें अप्याया अने अप्याया में अप्याया में अप्याया में अप्याया में अप्याया में अप्याया अप्याया अप्याया अप नुभाग्रम् सेन् प्रते हिम् वि हेवा दारे वुस पर्वे कु प्रेव दा वुस पर्वे हेर वेद प्रेव प्रवे प्रवेश हिन हेर दा वुस पर्वे कुर कुर वि श्चेयानुः क्रियान्व नुसामित होना क्षेत्रामा स्था नुसामित हु । विनामामिया सामुनाना ने क्रियान्य निमा वया तुस्र परे खूत हे या हो दा से तुर परे हो हो सा शुन हो हे के सा हो से पर हो हो सा सा सा से पर हो हो हो है। य वी हरा क्रुवास धेवायर वार्षे विराम्ने रामित स्वीता के वार प्याप्त के साम क्रिया स्वाप्त के साम के साम क्रिया स यदे हेर वेदायाधिदायर प्रवा तुयायार रामी ह्या क्वार्त पार्टी में स्था क्वार्त प्रवेश के देरःवया हिंद्राची ह्रा क्रुवादी सराचुरायवे तुसाया सेदायवे दी या नुपावा दे कें या ठवा देरावया हिंद्रावादा वर्षाये यदे हिरा विक्रिया स्टे वा स्टे वहिसामार्केशास्त्र देना देने हिमा दिनामाया सामुनास देने के शास्त्र देना स्त्रा सुसामार्केशास्त्र स्तर बुरा स.चैय.यी येंश.य.क्रूब.क्यी ब्रिट.प्ट.ची.कैंर.बैंप.यषु.यहंश.यषु.यचंबा.ये.लुब.यप्टायमा ब्रिट.कु.कैंप.बैंप.य वहिसामार्थिन् मित्रे हुन्। इपन् वर्देन् त्वा ने र्केश उता तुसामित हुन हैना होन् हुन साधित मन् मिया तुसामित हेन से तुसामित यदे हीना वि है वा दाने हु धेदादा हे र खेद धेदायशहा हो सर हो सर हो भूत है वा हा सर है शहरा है र हथा दे दे ही रा हिन मानिया या गुनाता ने के या उत्तर ने मानिया नर्रे या में प्येत मिने ही मानिया वर्षे मानिया स्वर्धिया कर में हेरःवेदःसःवेदःसरःमय। रटःवे हेरःदन्नसःरटःवे ह्याः क्रुदः हे सरःवार्डे वेरः क्रेुट्र हेट्रसःवेदःस्टेर। सःग्रुवःदा देः क्र्यान्या हेर्म्या हिन्द्री ह्या क्रुव्य ही या यो न्यते ही या या न्या ने क्रियान्या हेर्म्या हिन्ह्या क्रुव्य कर्याना या व र्नेनान्दा डवन्दर मुन्दे नाहे या है या है या हिना हिना मान्या अम्मुनादा दे हिं या हिना यक्षिमः श्रीनः सः नुषाः सङ्ग्रा स्वर्षाः सङ्ग्रासङ्ग्रा सङ्ग्रासङ्ग्रासङ्ग्रासङ्ग्रासङ्ग्राहे स्वर्षः स्वर्षः स <u> चत्रे द्वेत् इत्तर प्टूर्य द्वर्य के इत्तर के इत्तर के प्राप्त है मा महिका के का क्वा मुन महे स्थामिक मा स्था</u> <u>यी हेर लोत त्र मार्च मार्च माराज्या क्षेत्र संदे त्र मार्च केर स्वारं केर स्वारं हुया है या स्वारं स</u> राषु ही र है। इस र वाया वायुवा से वायुवा वार् हैं या स्वार स्वार हो र वायुवा है या है सा है या है सा ह मुद्रमासाधित सम्बद्धा देश्वरम् केमासम्भूषासदेश्वर्षासाधित सदि द्विम् है। देश्वरम् स्वर्धित सदि द्विम् सि हमा स

देवारायाडेवा:धेद:द्या वद्या:हेद:याडेवा:धेद:यर्थ:छ्व:बेद:द्या इ:दग्यद:द्या:यहिश:क्रेंश:डद्या वद्या:हेद:याडेवा:धेद:यर: चया देवारा नहेवा प्रेत स्वे स्वे हा हिन सावर्षा सामुन हा हे रहें राज्या हें ना सादेवारा नहेवा प्रेत स्वेदा स्वेदा अः बुन्दा दे र्के अः ठता देरः वया नदः वना नदः ने अः धेरः नहरः वश्वरे दं अधिकः विद्वरे वह वे सूर्वः विद्वरे सूर् ८८:वी:भ्री८:वुर्यायदे:कॅर्यायेव:वीटा हिन:भ्री क्वाय:देवायावीवावी:देव:यी८:विटा इंग्नर:वर्देट्दा दे:कॅर्या ठत्। नन्नाकृत्रान्नवेनासाधितासराम्य। रेन्स्यामान्नास्य स्वाधितास्य स्वाधितस्य स्वाधितस्य स्वाधितस्य स्वाधितस्य स्वाधितस्य स्वाधितस्य स्वाध डेगान रो न्ह्यासंदेखेर जेन की त्वयान ते जीवान न्ह्यासंदेखेर त्वया जीवान या हिना बेराना न्ह्यासंस्था क्या नह्या मुद्रुक्टरप्रयम्,लुष्ट्रिय,सुद्रुक्टरजुष्ट्र,जुष्ट्रक्चि,प्रयम,यी.लुष्ट्र,युद्रुम्। वियास,यम। मार्यीय,यी ट्रिक्स,व्यी म्ट.यी. हेर ले द क्री प्रवास तु ले द पर प्रया हिंद क्री हेर ले द दी हिंद क्री क्रु ले द प्रवेश क्री मा कर पर्दे द दा दे मॅदे'हेर-पद्मर्थासाधिदासर-मण् न्हेंसामॅदे'पद्मर्थानुःसाधिदासदे'स्वेर् सामुनाम ने केंसाउम हिंन्हिंन् ही पद्मरानुःसा धेव पर वया वर्वा सेर्धित परे द्वीरा वहिषार रास्ति विवाय व कुरी सक्व हिर्पे से हिर्दे हिर्दे हिर्दे हिर्दे हिर् क्रुं प्यत्र अपनु प्रदेश में प्राश्चा दिवा पाठिया । प्रदेश में विः क्रुं वे सक्ष महिर प्रेर्प प्रदेश में विः मुद्देश में मुद्द न्देशर्याधीयात्री हिन्दी भ्रीन् होन्हिन्दी सुदेश्यस्य हिन्दिश्यादी स्थान्ति स्थानि न्देशस्त्रेत्रम्भः मुः नदः। न्देशस्त्रेतः नमुनः मुः गहेशस्त्रेतः । न्देशस्त्रेतः न्देशः मुतेः अस्त्रं हेनः स्त न्रें भारा शुं भुं न होन ने ने प्येत प्येत हो मा अळत पाने प्येन ने न्रें भारति स्था मा भारति हो ने प्येत प्येत हो ने स्था में कि प्येत प्येत हो ने स्था में कि प्येत प्येत हो ने स्था में कि प्येत प्येत प्येत प्येत प्येत प्येत प्रेत प्र नकुन्कुवे अळव हेन र्षेन्ने। नर्से अर्थेवे नकुन्व अक्षेत्र होन्ने ने र्षेव प्रवे होना अळव जावे र्षेन्ने। नर्से अर्थेवे स् ॡ्र्यात्राश्चीटः यषु कं क्र्यायात्राश्चीटः यादे हो ने त्राप्ट्र त्रास् विष्ठा विष्ठा हो त्र्या की त्राप्त की त वर्त्रो। यर पर्रे अर्थे दे कु. या पृष्ठे अर्थे प्रमे । पर्रे अर्थे दे हे र खे ब प्रमार्थे अर्थे दे खूब हि या हो र के ब प्रमे विकास है अर्थे दे स्वी য়ৢ৴৻৴ৼ৵৻য়ৣৼৣ৴৻ড়ঀ৻য়ৣ৻য়ড়ঀ৻ৡ৴৻ৣৼ৴৻৸ৼ৸৻য়৻৸৻য়৸৻য়৽৸৻য়৽৸৻য়ৢঀ৻ঀ৻৸য়ৣ৴৻য়ৢ৴৻য়ৢ৴৻য়ৢ৴৻৸ৢ৸ড়ঀ৻৸ড়৻৸ माबे र्वे न्द्रिंश स्त्र मुरम् मुरम् में स्त्र मुरम् में ने र्वे स्त्र में स <u>न्देशर्थः स्टानी हर्शक्तां भीता पर हर्शक्षा मुर्जिस स्ट्रीन होन्ने ने प्रेत्रा प्रक्रिया सक्ता मृति पर्पेत्र हो न्देश्य प्रेति हुस</u> शुरामदे ग्रामा वर्षा दे दे त्ये वर्ष के स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय्य स्वय्य स्वय्य स्वय्य स्वय्य स्वर सळ्यक्षेट्रार्थेट्राट्री ट्रिंशर्येदेर्यभुट्रिट्राट्रेर्ट्राधेयायदेर्धेट्रा सळ्यावि स्प्रिट्री ट्रिंशर्येदेर्धे स्प्रिस्यायाया यदे हिम् न्रें भारते त्रिया में त्राया निष्ठा मार्थि भारते निष्ठा में देश में देश में देश में देश में देश महिमा दे। दर्देशःसॅत्रेःश्चेःसॅन्यशःशुःश्चरःनःदेःदेःश्वेरःनदिःश्चेरः। दर्देशःसॅत्रेःनक्कुदःवज्ञशःश्चेःसळदःवेदःसॅदःदे। दर्देशःसॅत्रेःनक्कुदः दशनभ्री राम्चेराने रो भे त्राय के मित्र माने कि स्पर्य माने कि स्पर्य है। दे सामित्र में माना स्थान स्थान स्थान यदः भ्रीमा ने अन्तर्रे अन्तर्भः मालवा मी नर्रे अन्यम् अन्तरम् मून्यम् अन्यम् मालवा म शु हुर न के भारत है न है से से दे है र से दाया थी तार र मा हिंदा दे से से र प्रतास की साम से साम से साम से साम मृषुःर्काण्यायाः शै.वैरायः क्रूयाः कथी चेरूयाः सून्यवीनः इयाः त्रात्तां वर्षाः सून्यः विष्याः वृत्रः वृत्रः विष्या सामुनात्व न्रेर्स्यासेदेःस्वित्रात्व्यात्रासुन्द्वात्तात्रेत्रात्वेत्रात्वेत्रात्वेत्यात्रात्वेत्रात्वेत्रात्व

ग्रानुसाम्बेशक्रिंशक्रियाक्ष्मा हिन्दी केराये दार्येन स्पन्ना हिन्दि स्यार्थे स्थित स्वे स्वे म् हिनायाम्या वर्देन द्वा ग्रानुसा क्रिंश ठिंदा क्रिंदा क्री स्थित प्राप्त क्षित प्राप्त क्षित प्राप्त क्षित प्राप्त क्षित क्षेत्र क् वी.क्रु.सेट्-प्रदे:ह्येर-हे। रट-ह्या-य-प्रेद-प्रदे:ह्येर। विंत्र-रे। तुस-य-क्रिंग-उदा क्रु.द्यस-प्रेद-प्र-प्रवा क्रु.द्यस-याहेस-या लुयं सद् हीरा इराया याधिया है। येथा साष्ट्र या क्या की त्या या लुया साल या सार्थ साल या सार्थ सह सह या वाह या लुया लुया यदे होन्। वि हेन वि स्वाप्तास से कि स्वर्धित स्वर्यत स्वर्धित स्वर्यत स्वर् त्यन्ते। मुःधेत्रत्त्रह्मान्यः संधेत्रत्वेः मुःसंधेत्रत्यस्य हिन्यत्वे हिन् नेरायय। मिन्युनात् हमान्यास्य वित्यवे मुःसंधेत् यमाह्ययायते भ्रीमा नेमायया वाले सुवाना ह्यायामा स्वीतायाय स्वासान्य सामितायाय स्वीतायाय स्वीतायायायायायायायाय हवानासाधितान्द्रिं स्त्रासाधितान्द्रिं स्त्राह्मितान्द्रिं स्त्राह्मित्राह्मित्राह्मित्राह्मित्राह्मित्राह्मित् लूर्यन्यका र्ट्यासूषु मैं र.वीरायपु र्ट्यासूषु पर्यायपु ल्ये मार्थित हो र.वी माविया है। रेट्यासूषु मैं र.वीरायपु न्द्रभःस्रवे त्वर्भातुः विन्यर्भवा न्द्रभःस्रवे क्रूरः श्रुरः स्वरं न्द्रभःसः क्रुः विद्रावि स्वरं नेरः स्वरं नेर्द्रभःसः विद्रभःसः विद्रभःसः मुरा नावमालरा न्रें भारते मुरामुरामुरामेर परे न्रें भारते प्रामेश प्रमान माना न्रें भारते । न्रें भारते मुरामुरामिर मुरामिर मिरामिर मुरामिर मिरामिर मि न्रें अवित्यव्यक्षात्राधित्र प्रवेश्वेर है। दे प्रवेश में विश्वेर स्वीर प्रवेश प्रवेश में विश्वेर स्वीर स्वी र्ट्यार्याक्ष्याच्या हिर्दिर्श्चे क्रूराश्चरायदे र्द्यायदे हेया स्वायाया विदाय स्वायाया हिर्दि स्वर्था हिर्दि स्व विश्वासाय। मिर्चारी ट्रिशासीक्ष्याक्ष्य। ब्रिट्ग्यीक्ष्रास्त्रीक्ष्रास्त्रीक्ष्यात् स्त्रीक्ष्यात् विद्वासीक्ष्यात् स्त्रीक्ष्यात् स्त्रीक्यात् स्त्रीक्ष्यात् स्त्रिक्ष्यात् स्त्रीक्ष्यात् स्त्रीक्ष्यात् स्त्रीक्ष्यात् स्त्रीक्ष्यात् स्त्रीक्ष्या नुवे भेत मा से न मवे हो मा हा मा हा मही न में में के मा हा मा हिन हो ही न हो मही मही मा मा मा मा मा मा मा मा म हिंद्राची क्रुर चुर वदे हिंद्रा वेद्रा नियान होता है रहना या या विद्रा स्वीता

यस्या श्री संविद्धं के स्वालिक स्वतु क्षेत्रं मानीयाय ने स्वर्ध कुरा क्ष्मा क्ष्मा स्वर्ध कुरा स्वर्ध कुरा स्वर्ध कुरा स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स

लुषी ब्रिट्-लुका-ची-प्याच्या-धि-त्रवृत्वी ब्रिट्-कालुष्य-बुट-लुका-ची-लुप्-लुष्य-सुष्य-सुष्य-सुप्-सुप्-वि-ढेनातः रो ८र्रेशः वृङ्गे त्त्रेतः वृष्टि चेटा वृष्टा वृष्टि स्थे त्या विष्टितः वेरः वा सर्वे व चिष्टितः वृष्टित धिव पर प्रया न्रें भ से ते हैं। धिव पर विश्वा हिन पर विश्वा वा वा वा विश्व कि वा कि वा कि वा कि वा कि वा कि वा धेव। हिंद्र सर्केंद्र ग्रु द्र नद्र न न ने न हिंद्र स्थित हिंद्र संधित है द्र सर्केंद्र ग्रु स्थित महि सम्बद्ध स्थान इन्नर्दिन्त्। र्देन्त्रीन्त्यानाळ्याच्या हिन्यळ्याची निम्याच्याचायाची सक्तानिनाची सक्तानिनाची निर्देश र्येदेः सक्दं हिन् पीवः पवे खेना विचेता विचेता विकासिक हो पिवा की हता पवि ही पीवः प्रवासिक हो है। हिना पान्य प ८८.कू ४.२४। भ्रा.स्या.सपु.मु.लुक्ता.स्या ८६४.सु.मु.लुक्त.सपु.मु.लुक्त.सा.म्या सामुनासा सामुनासा साम्या क्रिंश उद्या ब्रिंग प्रेंटिश सेंदिर श्रे भीवा पर प्रवास प्रेंटिश सेंप्रिंग क्रिंग सेंप्रेंटिश सेंपिश सेंप्रेंटिश सेंप्रेंटिश सेंप्रेंटिश सेंप्रेंटिश सेंप्रेंटिश स क्रिंग ठत्। से ह्ना पति क्षेष्ट्री संपीद पर प्रया से हमा पार्हिन क्षेष्ट हो ज्ञान संपीद पर हो से अपने से हमा प वनाः ग्राम् भेतः प्रते नित्रम् व निर्मे निर् हिंद्रभेदे भेरायर पेद्र। हे ज्ञानी हे ज्ञान ग्रह पेद्र पदि नादे नादे अध्य प्रमाणिक प हो इनाधिव परे हिम्। हनाय प्रत्ये या मुन वा हनाय के या विष्युति हो ये विषय मान्य हो हिंदा हो हो हो हो हो हा ना धे स्वीत स धैर। हम्भःमहेश्रासायाञ्चनात् हमासार्केश्रारुत्। होः ब्रमानी होः ब्रमाधेतासराम्य। हिंदा हो ब्रमाधेताहिंदा होः ब्रमादार यन्यायिक्याः प्रत्येत्यार्ह्हिन्याधिक्यवेत् द्वे व्यायान्य धिक्यावे स्वत्यायान्य स्वत्याया स्वत्याया स्वत्याया ह्रमासदे हो ज्ञमास धित समाहित बेर त्वा हो कें भारत्वा देर माना देरे हो रा देर माना हित्र हो हो ज्ञमाधित सदे हो रा देरः वया ह्रमाराञ्चे । थेता हमाराञ्चे । दरावदमाम् वेमानुः यद्येया हमारासाधिक बिदाञ्चे । यदाये । मित्रस्व सम्बन बुन मदे हो इ नर दर्दिन हा है के राज्या हमा मदे हो बना प्रेंद सर मा हिंद हमा मा प्रेंद हमा मा प्रेंद स्वाप प्रेंद महिमानु प्रदेश हिंदासाधित लिटाहमाना प्याप्य प्रदेशमानी सम्मान स्वीता मुन्ति स्वीता प्रदेश हिंदा विक्रिया स्वीता स् <u> श्चेरा देर घया देर श्चर प्रदे हवायः अदः सेदा देर श्चर प्रदे से हवाय अदः सेद प्रदे श्चेरा दट रें देर घया हवाय अ</u> ब्रन्ट्रेंबर्सेदेन्द्वेर्ज्ञन्यक्षिव्यक्षाद्धवरमदेरद्वेर्राते। ह्वायाधिवरम् न्ट्रेंबर्स्याधिवरम्बर्धदेन्द्रीय। वादावीरह्वाका वा नर्रेश रेंदे श्रे साधिव समाधिव विभागाया वि हिया वर्षे श्रे श्रे श्रे स्वाप्त क्रिंश हिता है से स्वाप्त साधिव युनर्या वर्देन्से तुमाने। भ्रासे ह्यायान्देशये विश्वेष्ये प्रित्य विश्वेष्य विष्य विष्य विष्येष्य विष्येष् वया न्रेंश से सुन्य संक्षेत्र न्रेंश से सुन्य संन्य न्य न्य महिना सुन्य से स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व धोदानविःमविःमवुदानुःमः मुनानविः भ्रीमा ह्यामान्धेः सानेमः मया निमान्तः धादाः प्रमानिः धोदाः मन्तिः । मया नन्नासेन्धेदादा भ्रुप्तेम्बाराधेदानसाहनानदे द्वेमा विकेतादामी भ्रुप्ते द्वेपादानी द्वेपादी हिंदी नमाधियः बुर्ना नेर्मा मुद्दार्भा मुद्दार्भा मुद्दार्भा मुद्दार्भा मुद्दार्भा मुद्दार्भा मुद्दार्भा मुद्दार्भा मा

बुन दा दे केंग कदा देर वया हिंद क्वें येदा हिंद क्वें दर नदना नहेना हु तहेया हिंद साथेद हैरा क्वें यादी नहें समुद्रायानु सामुद्रायानु सामुद्रायानु सामुद्रायानु सामुद्रायानु सामुद्रायानु सामुद्रायानु समुद्रायानु सामुद्रायानु सामुद्र्यानु सामुद्रायानु सामुद्र्यानु सामुद्र इसासिब्र दे प्यान दे प्राप्त के किया के प्राप्त के स्थान के स्था के स्थान क द्र्रसःर्विदेनुः व्यासाधिदः सरः वया द्र्रसः र्वे द्रार्वे द्राया विष्या प्रति स्वे त्राया स्वाप्या स्वाप्या स्व वया न्ह्र्यासुदुः क्री. क्षेत्रासुदुः हेवायास्या वाद्येयासास्टा खेवायाया ह्येदुः सक्त्यः क्षेत्रः सूत्रः नी स्टाची वायवासास्या ह्या श्र वर्चे नदे केंगरे रे पेवर नदे हे मुक्त मुक्त नहें र रेवाय है स्वाय है स्वाय है स्वाय है। केंवाय है। <u>न्दःवाशुक्षः ऍन्यते भ्रीत् नेवाका श्रीते सळ्दा हेन् ऍन्ने न्दःवी नेवाका छ्दानु स्वाका श्रीत्वी निवे र्के काने ने प्येदायते ।</u> ब्रेम् अळव्यानिः पॅन्ने। नेश्वान्नेनेपोव्यान्ये ब्रेम् तुस्याने नेव क्षेत्रे सळव्ये हेन्ये न्ते। तुस्य वहेव हेन्याश्याया तुस्या याधिव निवेदानु नुसारा कृत्तु मासूरा निवेद् र्सू निवेदाया है। कर्म निवेदाय है निवेदाया स्थान स्थान स्थान स्थान स ऍर्दे। स्टानीक्ष्मिर्द्धायर्भायदेशान्त्राम्यास्याम्यासादे दे त्रीक्षित्रायदे द्वीत्र। सळ्द्रानावे पॅर्ट्से तुसायाद्दरामानाक्ष्मातुः ग्। तुस्रायिक्षादे : धीदायदे : द्वीदा देवाया श्रेष्टाया दरा विवाया श्रेष्टाया धीदायदे । यादे स्वाप्ते स्वापते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वापते वनाधिद मदे सळ्द हेट धिद मदे ही न न सुमान हेंदा मही मान सार्व कर में ना नुमान है सार्व से ही ही धिद मर हा ळॅंगायाश्चे पोदायते श्चेरादाया ह्याया सुनाया सुना स्था स्था स्था निया स्था यह पार्ची पोदाय स्था स्था प्राप्त स यदे दीमा यदार्वे तरो ने शहादे ही साथे तरम हाया दे ने शहा थे तर यह ही साथे तरवे ही मात्र साहिया साह्य साहिया सा नेयानुः धेत्रपदेः श्रुः साधितः सरः प्रवा नेयानुः धेतः पदेः श्रुः स्रोतः प्रवेशः सामुनः ता नेराम्या नेयानुदेः श्रुः सेत्रपानाः विम । नेश गुः न्रा नेश गुः धेव पानिश में व मार्च मार्थ व प्यापेव पाने में मार्च में मार्च प्राप्त में मार्च में रमनी न्यायायाया हे या शुर वर्षे प्रवेश के या धीत प्रवेश हो मा वा वा वेश के या वा वा विकास शुःदर्वे नदे के शाधिव नदे ही मा सुनादा दे के शास्त्रा दे मा स्वा दरावी मे वाशास्त्रा है शासा है शासा वर्वे नदे ही मा यदे हुं भीत सर मा अभीत सभी का होते हो हा ना भीत सदे ही र हे र ता का हा ना दर्रे र ता भीका हा अभीत सदे हुं अभीत लूर्यराचना म्री.म.लुष्यायुर्धियायुर्धियायुर्धियायुर्धिया स्वामायुर्धि न्यायुर्धि म्यायुर्धियालुषी यदुरम्री.लुर् गुनात् वेशानुः र्केशाउत् श्रुः साधेदायदेः श्रुः धेदायरामण श्रुः साधेदाया श्रिः ना गुन्ते। नेशा चुःक्रॅंभाठत्। श्रुःसाधेदायदेःश्रुःसाधेदायम् वया श्रुःधेदायदेःश्रुःधेदायदेःश्रुम्धेमात्रेमात्रमात्र्वा हुन्। हुन्भाशुना श्रुःधेदायः लुष्टान्तुः हुम् ह्या तास्त्रा स्वास्त्र स्वास्त्र ह्या स्वास्त्र ह्या स्वास्त्र स्वास्त्र ह्या स्वास्त्र ह्या

🛊 । नर्तराराह्याक्तां ने इसामावना नत्राराया विकितादारी ह्याक्रिंयाधीदादा क्रिंगाक्रिंयाधीदायाद्वारा ने स्वार् यक्ता हिन्दान्य देवे हिन हान यामा सामुनाव देक्ता हिन माने माने माने सामुनाव देक्ता हिन माने माने माने माने साम अ'भेत्र'म'र्ह्यिन्'अ'भेत्। हिन्'ग्रे'र्ब्य्नम'ह्र्यार्क्य रान्दाकी'द्यायानाधेत्र'मदे'द्येन्। न्दार्य ग्रुनासे। सिन्'मदे खेन्। निहेर्याया युनात्। तुसानातुसानाधेतानरात्रया तुसानाधेतान्यते द्वीता गशुसानासायुनात्। तुसानासाधेतानासाधेतानासाधेतानरा वया तुस्रायासाधीत्रायास्यापायाधीत्रायादे द्वीमा चित्रायासायुवाता तुस्रायदे र्वेष्यायास्यार्केशाद्वायायायाधीत् यमः वया तुअपिते र्वेनापान्त हराहरा के भागी निविध्य सुदार्थिन प्राचीना अप्यानाद। देन प्राची तुअपि ने पेथि प्राचीना हरान धोदायदे द्वीमा प्राचीया दे किया है से अवता है मानवा महाधोदायदे किया महासाधीदा महासाधीदायदे किया है साम क्षेत्र थेवा क्वाळेशस्तरस्य संभावत्याधेवायते स्वाता प्रत्यास्त्र मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य वया ब्रिन्स्स्योत्रस्ये क्रिंगार्केश्योत्रस्ये क्षेत्रा ह्याशायशा विचःश्री ब्रिन्सावे ज्ञाना ब्रिन्ब्रिन्स्स्योता ब्रिन्स्ययोत्रस्य हिंद्राधित। हिंद्रान्ते कें नाम स्टाधित परि कें निक्र महिना है। हिंद्रा स्टाधित परि कें निक्र महिना हैंद्रा स्टाधित स् क्रॅंश⁻ग्री'सक्रंद'हेन्'थेद'नदे'चुेन्। वर्नेन्'द्या नुस'न'स'थेद'न'नुस'न'स'थेद'नर'नथ। नुस'न'स'थेद'न'नेर्रेश'र्वे'स'थेद' यवे द्विम् ह्रम्यामाहेश्यामा सामुनाव। तुसामार्केश ठव। हिन् हिन् स्टासाधेवाममा हिन्सासाधेवाम हेर् धेव मंदे हिन हमार मार्थ हिन स्री हिन मार्वे हुन हिन हिन सर साथेवा हिन साथेव मार्थेव हिन साथेवा हिन हो हिन हो स अ'भेत'पदे'र्बे्गार्के अ'न्दः से'दमायाचा भराभेत'पदे'म्बि'सबुत'पादे। हिंद्र'रूटा अ'भेत'पदे'र्बे्गार्के अ'ग्री'सक्त हेद्र'भेत हिंदासाधिदायाहिंदाधिदायराम्या हिंदाकेंगाकेंसासुदासुसार्यसार्यायाधिदासिदा ह्वासाम्या हिनासे। हिंदायावी सुना ૄર્કિન્ફિન્સ્સ્સ એ તા ફિન્સ એ તમ્મ ફિન્સો ફિન્સો ફિન્સો ફેન્સના ફેના ફેના ફેસ્સ ફ્સ ફ્સ ફ્સ ફેસ ફેસ સે તમાના વાયાના અને સોને સ્ मावे सम्बद्धाना दे। हिंद में मार्के शासुदा सुसार सार्या नवे सक्ते हिदाधी ताम दे हिदा हिसामा साथिता नावे सम्बद्धान यरम्या तुम्रायामाधीत्रयाचेमार्ये माधीत्रयदे श्रीरा वीरावी सम्यायानी मासमायाना तुमायाके भारती हेमास शुत्र नविःर्यः नारः नुरः सः धोवः परः प्रवः परः प्रवः पर्वः व्याः क्रिं नाः क्रिं सः सञ्ज्ञः स्यः प्रवः स्यः प्रवः वि याधीत्। क्रेंगाळ्यासुरासुयास्यासासास्यास्यासासीत्। इयाळ्याती हेयासमुत्राधारायासीतासासीतासासीता व। तुमामार्केमाउव। ब्रिन्साधेवामार्बिनाधेवाममानय। ब्रिन्स्माधेवामवेर्षेताकेमार्क्ताकेमार्थकार्यकेषा द्येम वर्नेन्त्रा वेन्त्र्नामान्त्रेता महेश्यासाम्यान्त्रा तुम्यासार्केश्यात्रता हिन्हिन्स्यासीत्रास्यामान्त्री यवै क्वा के मार्च मार्च

हिंदासाधित। हिंदाची हेंवामारार्या सीतायित सिंदा हेंवा हैं साम मुत्राद्या सम्बद्धा प्राप्त स्वर्थ सिंदा सिंदा हिंदा र्रायाधित परि क्रिंग के राष्ट्री हे रायमुद क्री यहंद हि एधिद परि क्रिंग वर्षे द द्वी वित्त प्राप्त विता वार्य सामा वा तुमानाकेंभाउव। हिंदाहिंदार्या भेवानरावया हिंदाहेंगाकेंभासुराश्वमार्वमाने प्राति हे भाम मुत्राभेवा हिना होना हो ૄર્શિન માલુ ચીના શિન શિન પ્રમાના તાલું માના કાર્યા તાલું તાલું માના ક્રિયા શિન ક્રિયા કર્યા તાલું માના ક્રિયા શેલા ક્રિયા માના કર્યા તાલું માના ક્રિયા ક્રિયા ક્રિયા માના ક્રિયા કર્યા કર્યા માના કર્યા કરા કર્યા કર્યા કરા કર્યા કર્યા કર્યા કરાય કર્યા કર્યા કર્યા કરાય કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાય કર્યા કરાય કર્યા કરાય કર્યા કરાય કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાય કર્યા કરાય કરમ <u>न्रस्थात्यायानायानायान्यते माने समुन्याने हिन्दें गार्केशास्यान्यस्थाने सम्मान्यसम्भानाम्यस्य</u> वर्देन्द्र। व्यान्त्रियामा वेदा निवास मुनादा तुमाम केंगा उदा विन् में केंगा माह्य केंगा में हे या सबुदान्त से विनाया न धेत'यर'मय। हिं<u>र'₹शक्त्र'क्री</u>:ईश'समुत'धेत'यदे'म्चेर| ह्वाश'वश| ह्वन'स्रे| हिंर'वादे'न्चुन| हिंर'हिंर'रर'धेत। हिंर' अ'भेत'न'हिंद्'अ'भेत्। हिंद्'ह्भ'स्य प्राच्या हेर्या सहस्य हिंद्या सहस्य हिंद्या सहस्य स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन सहस्य हिंद्या हिंद्या हिंद्या है। क्रिंभःग्रीःहेशःसमुद्राग्रीःसळदादेन-पोदायदेःमुन्। नावदःपानः। नुसःमःक्रिंशःठद्य। ह्राःक्रिंशःग्रीःहेशःसमुद्रासःपोदःपनःमया इसार्क्रसान्द्रसाम्बर्धानाये साम्बर्धाना सामुनाव। दे क्रिया उद्या देनावय। इसार्क्रसाधिव प्रति सामुना वेनाव हरा क्रिंशः क्रिंशः उद्या हिन् प्येवः वा हिन् प्रेन्शः यावयः याववः प्रयाद्यवः प्रयाद्यः विष्याद्यः विष्यादः प्रयाद यदे क्वा क्रिंग क्रिंग क्रिंग हो। ह्वा या क्वें प्राप्त के वित्र व अळंद'हेन्। ब:न्न्। तुअ:य:न्न्यांडेम ।गा:तुअ:महिअ:र्सम्यांचेद्यांचेद्यांचेद्यांचेद्यांचेद्यांचेद्यांचेद्यांचेद्य सुर-सुस्रान्स्यान्य-प्राप्त-दे। द्रार्थिते द्वे द्वापाद्या द्रार्थित स्थिते स्थान्य दे स्थान्य स्थान्य स्थान्य दे। क्वार्क्सश्चान्त्रुरःसदेःद्देशःदेःदेःदेःधेदःसदेःधेद। स्टःधेदःसदेःक्वाःक्रिशःग्रेःहेशःसमुदःखेदःदे। स्टःधेदःसदेःक्वाः क्रिंश-संप्षेत्र-सं-दे-दे-पोत्त-संदे-द्वेत्र। त्रद्र-संपोत्त-संदे-र्वेत्व-क्रिंश-ते-हे-सं-संत्र-संदे-र्वेत्वक्रिंश-दे-दे-पोत्त-मते द्वीम। क्वार्क्स सुम सुम दस में नवे हे स सम्भात है। क्वार्क्स सुम सुम सुम संस ने ने ने प्येत परि हिमा। इ । इस मूँवा वि नवे कु सर्कें न में विवा कि वा कि ॻ८-द्वाःवाश्चरःग्री । द्वेःसःलेवासःवह्यद्वेवासःवन्दःवद्वःदि। । धर-दुःवश्चरःवदेःहसःदगरःसुदःस्वेदःसञ्चर। । धरः न्याक्ष्यान्त्रीः भ्रास्त्रास्त्राचना । यान्त्राहे न्यास्यान्त्राचा । देशासेयाश्रास्त्रास्त्रास्त्रान्यान्याः । विश्वासेयाश्रास्त्रास्त्रास्त्रान्याः । विश्वासेयाश्रास्त् र्वेत । डेशनायदे प्यत्तेत्त्र भेन् श्रुन ग्रुश मुन्नियस्य स्वेत्य स्वेत स्वेता स्वेत् से ता स्वत्य स्व स्व स्व बैट-तु-बुन-पवे-नश्रुद-प-देद-वे-के-हे-बेंवि-श्रूट-न-व्यूट-पनर-न-ते-दे-बेट-मी-व्यून-स-रंश-तु-हु-स-हे-स-त्यु-स₋-बुन्य-સું વાચાન <u>ન</u> તાલુકા કો સહેં તે કાર્યા વાચાના તાલુકા તાલુકા તાલુકા કો કો કો તાલુકા તે તાલુકા તે તાલુકા કો ત नर्देते क्रुन्कें नामा सकें प्रमानर्दे वाना पर्ने ना प्रमा सेनानु वित्ते विता हार हिं नामा सेनान करानु न सूरा से से से सामा प्रमा र्थर निवेद निर्मा के सारे कि निर्मा कर निर्मा कर निर्मा कर निर्मा कर निर्मा के सारे निर्मा के सारे निर्मा के स वह्रान्त्रीराषर्भावते हिंद्रावावके सेर्वितवि विविध्या सूर्वाह्रवा वृष्णा सेरावित विवास हैं। गुवाद्या हुमा हुमा नवे नश्रू त'रात्या से 'से दुन्यते 'दूर क्रू न सायर सारा से र से सामु साम हो तार माने क्रिया साम साम साम साम स न्यायान्यायायात्रात्त्रम्यायाः सर्विः नावन्त्वेवः पुः केः नरः नहेवः धेर्मः वहेवः हें देः वक्षरः सुः देविनः नुस्याः विस्याः विस्याः क्षायाः विस्याः विस न्ययःचवरःर्वे अःसर्न्यदेःच्धूअःव्यदेः इसःयावयाः रेयायः त्यसः छुटः दुदेःविरःयरः यायरः नुःचक्रूदःयः नृदः। यावदः धरः दरः বশ্বর শ্রুব অরব ইশ ঐ দ্রী বাধ্য দেব দ্বদেশ, বশ্বর দ্বদেশ রুর বেল্লু স বাদ অব দ্বর স্কর্ম করি দ্বী বর্ই ইর্ রুর ক্টেবা দ্বা

लूट्य.पह्च.पर्झ्य.ची.स्वीया

क्र-अद्यान्त्र्वाक्राक्ष्याः वित्रम् वित्रम्

२००७। । त्वः सः नृदः सर्वे दः से : यह सः नृद्यायः नृत्यायः स्वायः वर्षः वर्षः । वर्षे रः से याषः वर्षे रः वी : इसः यावयाः नश्नः सः वा दर्से वनाय वर्षेयाय द्वाया प्रवापा प्रवापा स्वार्थे हरा मा स्वार्थ के वा प्रवाप प्रवाप के वा प्रवाप के विकास र्भें प्रत्यायान प्रत्यायान धीत प्रयाद्विन हेरात्रा ह्या परि ह्या परि हेरा हैरा हैरा हैरा हैरा है से हिरा हैरा क्रिंग ठवा न्रेंस में न्राम माने क्रिंग प्राम माने क्रिंग प्राम क्रिंस माने स्वाप क्रिंग क्रिंग प्राम क्रिंग क्रिं याराधेवा न्रेर्भार्मायाराधेवायवे माले सम्बन्धेन समामया हिन्हिनामाधेवायवे म्रीमा समामये हिनामा दे प्दर्वे मुबे समुद्राधेद स्वेद द्विम् । व उना दामे । के हमा स प्दाप्त प्रमाय न प्रमाय मा से का के कि प्रमाय स यसाह्यरा वेरावा गानि के वारा के सावता देरा वया देरे हिरा सानुवादा दे के सावता देरा वया से हिना पानि वर्षा वारा ठवा हिंदारी केंपारा पर पेवा के ह्वारा दर प्रवादा नाया कर पेवर में विकास सुवर के दान राम हिंदारी केंपारा पेवर वा के ह्रमायान्दाक्षेत्रव्यावानाधेवायकात्व्रितायवे क्षेत्र इत्यावदेन्त्र मानवे व्यापातके कार्य वे स्वापान्दावयायाना वायाधेव यर वया के ह्वार प्रत्ये व्याय प्रत्ये के प्रत्ये के मानु का है के अपना के प्रत्ये के किया के हिन का के किया के यदे गावे समुद्रास्प्रिं प्रति में गानाने ने प्रति गानाने ने प्रति मावे समुद्रासे में मावे मावे मावे माने में प्रति मावे प विषयानाधीत्रात् । दर्देशार्चे दर्दाशे विषयाना दर्दाशे विषयानाधीत स्था हिना हेरा मानुशानिहेशा दरा महिना है सार् वया देवे हिना सः त्रुन ता दे किंस ठता देन वया हिन गुन धेता दिस में प्यान धेत प्रते पाले समुद पेन परी हिन गुन धेता है । गुन तुसामाहे सार्चे में में प्रदेश माले समुदाधिदा मदि मुना सामुनाद क्षा इन्यमाय में मानुसामहे सामुदा में कि साम्य न्र्रेशः र्रान्दाकी त्रवावानान्ता के त्रवावानाका धोदान्य प्रवादान्त्र विष्या न्रेश्वान्य विषय विषय विषय विषय व व। दे के अंडवा देर वया देर अर्थे दर के वयायायाय दर वर वर विया हिंद ग्राम धेवा देर अर्थे दर के वयायायायाय धेव परि निवे समुद से प्राये मे सम्मान वा गानुस निहेश के साउदा हिंद प्राये निवास के न न'यार'भेद'मदे'मदि'स्त्रुद'सेर्'मर'मय। हिंद्'भेद'म'से सेर्'मदे ने म'तु'भेद'मदे हिंदा | म'हेम'द'रे। दर्रम'से दरसे वनावानान्द्राक्षीःवनावानाधिदाद्य दूर्देशाचीः द्वावानानाधिदान्यशाद्युनाचेत्राद्य दूर्देशाखेदाळे शास्त्रवा देदेः ब्रेम् अम्मुनः व देर्के अञ्चा देरः वया ब्रिंदः ग्रहः धेवा दर्दे असे दिनः के त्यायानः यहः धेवः यदे वावे अबुवः धेदः पदे खेरः है। नेश नु:दे:दे:दर्दे मिंदे समुद्र पीद पदे में इ नर दर्दे दा दर्दे श से दर्से श स्वा दर्दे श से दर से प्राय प यम् त्रामा न्रें सार्वे न्राप्त व्यापाय प्रेत्र प्रति हिना वाले वात्र में प्रेत्र प्रत्यावाय प्रति वात्र वात्र वात्र प्रति हिना प्रति वात्र प्रति वात् विषयाना भीता मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मेरा मार्च मार्च

ऍन्यन्द्रियावायानायन्येद्रायदे वादीयाद्वर्याय्र्यन्यदे द्वीराते। ह्वान्द्रियाविस्यादे नेप्यादे वादीयाद्वीरा दे के अंख्वा देरावया ह्रवाराधीवावा हिंदादराह्रवारावे वावी अधुवाधीवाराया हिनारावे छिता वारीवाराये। दर्देशारी दर वर्त्रेयानाधीवाव। न्रेंसार्वे न्रावर्त्रेयानान्त्रवेयानाधीवानसाहिनानेराव। न्रेंसार्वे न्रावर्त्रेयानार्केसाठव। नेरामय। देवे भ्रीमा अ ग्रामा दे रेके अ उदा देम मा दर्भ में प्रमान प्रमान के मानु प्रमान स्थित प्रमान स्थापन स्थापन स्थ क्रिंश रुद्या हिन्दर वर्षे वा नारी। हिन्दर नर्मा महिमार, वर्षे वा नार्षे वा स्टान्स मारी हिन्दर वर्षे वा नार्षे नार्मा महिमार निमार क्षेत्र स्टान्स मारी हिन्दर वर्षे वा नार्षे नार्मा महिमार क्षेत्र स्टान्स मारी हिन्दर वर्षे वा नार्षे नाम स्टान्स बैन । ब्विंद्र-द्र-त्रवेषान प्येंद्र-पदे भ्वेंस्। इन्नर पर्देद्र-त्व। द्रेंद्र भार्च प्रदाय के अपना क्वेंद्र-विद्र-प्रदाय के प्रवास प्येंद्र-यर वया हिंद् यार वया यी यद्या सेद प्रेंद परे हिंदा वि हेवा द दें। देंद अ से दूर प्रेंद पर प्रेंद द दें अ दें द गडेगायबेलाधेवामभाष्ट्रमाबेरावा न्रेंसार्वेदेशेल्यामासुनुरानार्केमाउवा नेरामणा नेदेशेमा सामुनावा नेर्केमाउवा देरःष्रवा दर्देशःर्वः दरःदेः व्यूरः वर्वेवः धेदः वर्वेदः व्यायुवः दा देः क्रिंशः ठदा देरः प्रवा दर्देशः वर्वेदः वर्वेद इन्नर्वर्द्रात्वा देक्तिंश्वता द्रिमार्से द्रावद्यायाविया वर्द्रेवा साधित वर्ष्य प्रति स्वर्था द्रिमार्से द्रा ह्रमार्थानञ्चन्यान्त्रेत्रा विष्ठिमात्रान्ते। गानुस्यमित्रेर्थान्दरामित्रमात्रान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्य ग्रेग'न्रं से'यग्य'न'न्रं से'यग्य'न'यर वित्रं प्रवे म्वे समुद्रसेन् नेर् में ने प्रेन् सरम्या ने यानु रे ह्या प्रेन् कें गशुस्रास्टर्न ने दे दे दूर धेत परि होरा दर में मून के। दे प्यर धेता गानुस गहिस दर गहिना दर दमायान पर धेत परि । म्बिसबुदासेन्यते द्वीराहे। क्वेंदे सुलान्द्वा दुराने। नेप्तासे त्वालान स्वेदासदे द्वीरा इत्वास महिसारा सामाना देवे इस र्पेन के सामाश्वर कराना के सारवा मानुसामाहिस न्यानी मानुसामाहिमान्य से स्वापाना निर्माण के सामा हिन् ग्रामा धोत्। गाःतुस्रामहिसान्दाने वान्दान्से विवायाना यदायेत पवि समुतार्येत पवि समुतार्येत मुक्ताने मित्री सिक्तान्त सम्मानि समानि सम्मानि सम्मानि समानि सम्मानि समानि यवै द्वीमा वि हेना व में प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र न्दें अर्थे न्दर्वे वा नात्र प्रत्ये वा नात्र विद्या न्द्र अर्थे न्दर्य प्रत्ये वा नात्र विद्या विद् बेरात्। १र्रेशार्रे १८८ से प्रमायायादी। दे प्रदानवे मानि समुदानाधीदासरामया। दे प्रद्वे मानि समुदानाधीदासामारा विना । नर्देशस्य न्दाया वर्षेया नादे। दे प्यता नवि समुद्रामा साधिदामा वे स्वीता निर्देश महिका मानिका निर्देश म नःक्रेशःठम् न्रेर्शःर्यःन्दःवनायःनःन्दःवनायःनःधोदःमरःत्रया नेःवन्तवेःमन्निःसन्नुदःसधेदःसवेःस्त्रेम् ह्नाशःन्रेरश् वर्नेनः क्षे'त्राहे। दे'द्रामायवेषानाधाराधेता दे'द्रायगयानाधाराधेतामवे'मवि'सत्त्रुत्रामाधेदामवे'हेराहे। द्रीमार्भवे क्रूमाग्रूमा यवे क्या स्वाप्त माने का में क्ष्रा प्रेक्ष माने क्ष्रा प्रेक्ष माने का माने क यःवारःबेवा | ने:न्राय्यायःवःधेवःववेःश्चेर। न्रायं श्वायः हो। नेवेःश्वाधेवःववेःश्चेर। वाहेशःवःश्वायः हो। धेवःवःश्चेश्वायः नेशः द्वाधोत्र सदिः द्वीरा विक्वादारी ह्वास प्राप्त प्रवायान प्राप्त विवाय स्वापाप प्राप्त हिवास प्राप्त स्वायान <u>षदःभेत्रा ह्रमायः दरः दर्शेषः चः दरः दर्शेषः चःषदः भेत्रा हृमायः दरः सः दर्शेषः चःदरः सः दर्शेषः चःषदः भेत्रः स</u> सेन् नेर्त्य ने प्रविश्व मुक् प्रेन् पर प्रवास हमा प्रवास प्रवेष पर है। ने प्रविश्व मिले समुक प्रवेश हैरा सम्मुन का दे के अञ्चा दे त्रद्वे माने समुद्राधेद सम्मान ह्रमास द्वारा दर त्रमाय न दर त्रमाय न धेद सामार निमा दे दर के त्याय न दर क्षेप्यम्यायायाथेत्। नेप्त्रायद्वेयायप्त्रेयायाथेत्। नेप्त्रायद्वेयायप्त्रायद्वेयायाथेत्रायदेश्वेर। न्हार्येपायु देःकॅशःडवा देरःचया देःदरःघःददःगरःवेग ।हिंदःधेवःवा ह्रगःगःदरःश्चेःव्यायःवःधेवःदर्गेशःयवैःश्चेरःहे। हिंदःधेवःवः

न-न्दां विष्यायान धीत्र प्रमाश्रव हिंद् गुर्धित दे न्दा के विषय प्रमायान धाराधीत प्रविष्य के स्वता स्वता हिंद ्वराधित संदे द्वीत्। इन्ह्रम्या माश्रुसारा सामुनात। देन्द्रा साम्बेया नार्के या उत्ता देन्द्रा सम्बेया नार्मित सम्बया ने निर्देशकार्यान निर्देशकार्या । ने निर्देशकार्या से निर्देशकार्या हिन्से निर्देशकार्य से स्वासार्य से स्वासार इत्यायत्रेयानार्केशास्त्र। वित्रवित्तर्दायायत्रेयानाधेदायरायय। वित्तत्त्वायोत्तर्योत्तर्येत्ते वित्रावासे विश्व वर्त्रेयानायम्भीत्। भेषानुन्दासावर्त्रेयानाद्दायानायम्भीतायि स्वीतास्य स्वीतायानायम् दे.पर्यः यपु. याष्ट्री अर्थेष्ठः सर्यः वर्षा दे.पर्यः यपु. याष्ट्री अर्थेष्ठः याष्ट्राः यादः विष्णा । स्वेषः श्चातः याष्ट्री योष्ट्राः याष्ट्री स्वातः याष्ट्री याष्ट्री स्वातः याष्ट्री अप्येत्रपदि द्वेरा न्रास्ति महिकारा अनुनाता विकानुन्रा रहे वाना के कानुन्रा विकानुन्रा विकानुन्रा विकान नःधीवःनरःत्रवा देःवदःनवेःमावेःसत्रुवःधीवःनवेःश्चिरा ह्याशःदर्रेश वर्देदःशेःबुशःहे। देःदरःश्चेःवयावःनःदरःश्चेःवयावःनः धोब मदि द्वीर है। वित्र ग्रार धोबा दे प्रत्ये वित्र वित्र प्रत्ये प्रत धेव परि द्वीम् इ नम् पर्ने दाव ने वा तु दान स्वीपान के वा विवाह में विवाह के प्राची के वर्दे नावे समुद्र भेद निर्देश हनाय न्द्रिया वर्दे द से नुया है। दे न्दर वर्षे वा नाम निर्देश के निर्देश विकास वर्त्रेषानान्दर्भन्दर्भन्तिम् ।दे द्दरवर्त्रेषानासेदात्र। विद्रसेदादमें सम्बद्धेन्। ह्वस्यास्य व्यापानाने स्टिन् म्बि:सबुद:र्षेट्रशः ह्रेन्य्र १ रेषेट् सर्वरावा गानान्द विवादा निर्मा के स्वादान स्वाद <u>षदः भेता दे द्रदः वर्षेया न द्रदः अवर्षेया न पदः भेता दे द्रदः अवर्षेया न द्रदः वर्षेया न पदः भेतः पितः सम्म</u> द्येरादा वर्दरासाद्यवा हवासाद्यवासे। गावादराववायावादे दे सूराधिदाववे द्येरा साद्यवादा गावादराववायावार्के साठदा दे त्यद्वे माने समुद्धा भेदास्य मानाद्दायम्यायादाद्दाक्षे त्यायादाधिदारामादाने माने द्वारा स्वायादाद्दायम्यादा धिवा ने न्दरवर्रेयान न्दर अवर्रेयान धिवा ने न्दर अवर्रेयान न्दरवर्रेयान धिवायरे हिमा ह्वा अन्दर में न्दर विशेषामा सा भ्री न्या वार्ष के स्वार्थ के स्व यायञ्चेषानान्दायञ्चेषानाधीत्।वरावरावया दे।न्दायायञ्चेषानान्दावान्दावानान्दावानान्दावानान्दावानान्दावानान्दावान र्वोकार्यदे द्वीम् ह्वाकाञ्चा विक्वादामे केरवावायानान्दरवावानान्दरक्षे ववावानावीदा ववावानान्दरक्षे ववावानान्दरक्षे मश्राह्मता वेरावा विवादार्के वाराके वाराके वाराके वारावा है के स्वाद्या के स्वाद्य के स्वाद्या के स्वाद्य के स्वाद्या के स्वाद वनायानान्दावनायानायादाधीदानवीत्मादीत्मादीत्मादीत्मादीत्मादीत्मीत्मादीत्म ठर्ना वनायानान्दाक्षे वनायानामाध्येदासम्बन्धा वनायानान्दामान्द्रीना वित्तान्दान्यायान्द्रीयावित्रम् स्वतायाना ह्येर है। वनाय न वनाय न स धेर परे हीर। नहेश मार्र स स्टासुना स नवा माराय। वनाय न या सळ र हे र पर पर्दे न महेश। न्दर्भित्री हिन्द्रन्द्राच्या हिन्योद्या सेन्या सेन्या स्थान्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान मदे सक्त होता महिकामात्रावायानायान् हो हा सक् हुंदाश्चर विवायान्ता स्व हे वा से मादका विवाया विका नरामें हो। इस नडर्षेर्भः गर्हेर् भ्रे देभाक्षे समुद्रापरा गद्रभाषा वदा द्वा श्वराद्वा भ्रात्वा में अद्भव देश दे दे दर दिना व योड्या हि.ल.रे.चे.यी टेह्र अ.लयोज.रेटा वर्केर.लयोज.योड्डेश सर् ख्रेंच.टेह्र अ.श्रे.श्र.श्रे.श्र.श्रेंचेर.त्याचाची.

सक्द हिन्। न्रें भार्या पार्दे निया पार्दे सक्त नानि है। न्रें रूप में न्राप्टें रूप से ना निका था ना निका मानि साम मा नन्नाः सेन्द्रिन्यः सदिः भ्रेयः स्तः नाहेयः सुन् नाहेयः सदी क्रुवः नचन् नुः नाईन् नुन् मुः क्रुवः स्यान्यः स्व डिया से यात्र सार यात्य क्षी सळत्र कि द्वा सळत् यात्री हो। याहेत्र में दिन सुन ही याहे साम हो या हो। यक्षंत्र हिन् प्राप्त नि विन क्षेत्र ने निन निन को निन के नाम के धोब पाये ही मा अळव पावे है। तुसारा मा तुसारा वे हिंगारा कृत्या मा वे पाय क्षु मा वा मा मा मा विकास के मा पाये ही दशमान्त्र न्हें अर्थे से त्र हिंद्र से दाद में अर्थ दे दिर्देश से दिर विद्या माने वा विद्या माने सक्षेत्र माने हो। तुस प ृक्षात् । ने त्वूर प्रतेष क्री अळद के ने प्रति ने । क्रिंश ने प्रति हिंश क्षा क्रिंश ने क्रिंश ने क्रिंश ने क् क्रिंभाने प्रमानिक प् <u>८८.५.वीतालाक्षेत्र.तपुत्राचाक्षेत्रा वाश्वेत्राचाक्ष्र्याचाक्ष्र्याचाक्ष्र्याचात्राचा विश्वाचात्राचा व्याचात्र</u> माबे समुद्रासे क्षेत्रमा धेव मराम्या वमायान धेव मित्र हो राहेराह्य हमारा समुद्रास्त हो। विर्देत हा सित्रमा दर्भ नामित्र क्रिंगाच्या स्प्रिंग्यराम्या मन्द्राधीदायदे द्वीरा विचितादारी दुःवाक्रिंगाच्या हे तुरावनेवाधीदायरामया से द्वार वर्त्रेयाधेदानदे हिम्नेम्द्राम् विमादाने दे हिम्मदे विद्यालये निम्नेम्य विद्यालये निम्नेम्य विद्यालये निम्नेम्य धीवन्यते हिन्दोन्त्र वाह्या वर्नेन्त्री व्याप्त वे न्या हिना वे न्या हिना वे न्या हिना वे न्या हिना विकास वि यानुनात्व यो मुग्निकार्क्या क्राप्यमाध्येतायमान्या यदास्त्राच्या स्रोत्या स र्थे के अंक्षा असामान्य माने वात्र द्येर बेर दर्भाद्यन अञ्चन दर्भार्थ के अञ्चन तुमार प्रमान प्रमान के नामी क्षेत्र विभाग के नामी क्षेत्र विभाग विभाग <u> न्दःचन्याःग्रेचाःधेदःयःग्रद्धेय । नेःन्दःशन्नःधेदःयदेःश्चेत्र ह्याश्वःतेःस्वशःश्चनःश्चे । तुश्रःयदेःश्चेःधेदा र्योदः</u> नुःवर्देद्-वा द्रेर्यार्थे क्रियः उदा तुम्रायद्वायाचित्रायद्वेषामाधिदायराम्या तुम्रायामेद्वाद्वेद्वामाधिदायदे हीरा विक्रियान्तरो तुमाराक्रेमाक्ता हिन्याराधिता तुमाराधिताधिताराधेतामिन समुन्या हिन्तुमाराद्वा स वयायानाधीवायवे श्रीता वेतावा वर्षेतावा वर्षेतावा व्यवस्थाना हिना हिना हिना हिना हिना हिना हिना विकास करें विकास ग्रेग'णेद'रादे'हुर। साह्यरादाह्यरायाणेद्र'रारावया केंसादे'ग्रिसाही ग्री ग्री सह्यरादेंगायाया केंसादे ग्री साह्य र्वोत्रायदे द्वीत् विक्वात्रात्रे सद्याक्त्रात्रा से स्थान्त्रे स्थान्त्र क्ष्या स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र म्री सक्दर हिन्दमन्यते स्री माने स्वास्त्र स्रो। इसाय उन् प्यान स्वास्त्र माने देन म्री स्वास्त्र स्वास्त्र स्व वात्रभाराक्षात्राच्यात्राद्धेराहे। द्रिंभार्ये इसकार्यात्राद्यात्रुत्यये कुःसकार्यग्रुतात्रवे द्वीरा स्टावारे वा । विवादायास्येत्रात्रा धोदायाक्षी क्षेत्र यदि लेका द्वाधोदायका द्वायाय विवायाय विवायाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय क्रिंगाच्या देरावया देवे हिरा वर्देदा क्षेत्र मही वाडेवा दरातु साधेव या श्रीदाय वे भावा धीव यवे हिराही वुसाय दे दे धीव मित्र ही में मिकिया मित्र वयात्यात्राधीवात्रवित्रीत्रा ह्यासावसा वर्देनासी तुसाही तुसाद्दायाहेयाचाद्रतासाधीवात्रवित्रीत्रा देनामया गानुसायहिसा <u>न्दः वार्ष्ठवाः चः न्दः स्थान्यः स्थान् विश्वः वार्ष्ठवाः न्दः नुः सः वार्ष्ठवः चः नुः वार्ष्ठवाः नृदः नुः सः सः नृदः सः स्विताः विश्वः । वार्ष्ठवाः नृदः नुः सः सः नृदः सः स्विताः विश्वः । वार्ष्ठवाः नृदः नुः सः सः नृदः सः स्विताः विश्वः ।</u> नर्हेन्द्रमें अर्था श्रुवा श्रे वावदानु व त्वायानान्द्र के त्वायानायायान्य विवाय के दर्मे अर्थन्तर विवाय स्त्र

🛊 पार्वेश्वासार्येन् हें पाश्वासेन् हें पाश्वासन् स्वास्त्र स्वास यर हैं ग्रायाय के कर अप्येत्ता हुगायर हैं ग्रायाय के कर आप्येत प्रायाय के प्रायाय के अपना है ते प्रायाय है वे यानुनात् नुयानार्के यान्त्रा व्यन्तरार्दे न्यायाये स्वन्या व्यन्तरायी व्यन्तरायी स्वन्यते स्वन्य स्वन्य न्याया कैंश उदा ह्मा पर हिंग्र परि कंदा या येदा पर प्रमा दें राज्य रहें माश्र परि कंदा या परि स्वाप के स्वाप परि के श देरःचया दर्देशःर्यः धेदःयदेः द्वेरा धरावः हेवादः रो धेदः यरः हेवाशः यदेः ळदः सः धेदः वा धेदः यरः हेवाशः यदेः ळदः सः धेदः ह्रमायार्विक स्थित प्रमाया हमाया स्थापार स्थित स्थित। इप्यापार्विक स्थापार्विक स्थापार्विक स्थापार स्थित स्थापार स्थाप यरम्या सेन्देशाधेदायदे द्वीरा विकितादारी ह्वायर हिवाश यदे किन्स न्देश सेन्हिवाश यदे किन्सा पेन्द्रा न्देश र्सर-ह्रिन्य मंदे : क्रम्य स्वाप्त मान्य में मान्य देरःवया ह्रमायरःहेम्बरायदेः छद्यादर्देशस्य धिदायदेः श्चेरा इत्यरः वर्देद्वा तुस्रायदे भ्वेमाया छैत्रा उदा दर्देशस्यर हैं नामानवे : कंदा सामे दारा ने देश से दार हैं नामानवे : कंदा सामे दारे : स्वीता मानी ने स्वाप के सामे ने सामे बेन् धेव मंदे द्वेन विचित्र मे न्रें असेन् न्रें म्रायान के किन्य मेन्न के मान्य के किन्य केन्त्र केन्य केन्न हें नायायदे : कंदा सार्वेद : प्राया हिया बेदा सारा हो हो हो है जा सारा है दे हो हो हो है सारा हिया है सारा हो ह वया नर्रेश सेन न्हें नाम नदे रहन सन्रेंश सेन धोद प्योद पदि खेर है। हिन नर्रे में धोद पदि खेरा इपनर पर्रेन दा हमा मिष्ठेव के भारत्या ने देश मेन निर्मे यदे छन् अन्दिर्भ सेन्द्रिम् अन्यदे छन् अप्पन्न स्मिन्द्रम् अन्यदे छन् अप्पन्न । न्द्रिम सेन्द्रम् मार्थ छन् अप्पन्न स हें नायायदे : ह्वं सार्वे दाया हिना बेरावा केया हार्के या उदा देरा मार्था देदे : हुरा या सूना वा देरे क्या उदा देरा मार्थे के नर हैं न्या परे कि न्या ने कि न्या में कि न्या में कि न्या में कि न्या में निकास के निकास के निकास के निकास के हैं नामानवे रहन सान्हें भार्ते भीतानवे रीना इपनर वहें नाता ने मात्रा हैं मान करा नहें मान से रहन सार्धेन सर हें नामानवे कं नामाने के नामान महिरामाधित प्रभावित वेरावी नर्देश सेन् न्हें मार्था प्रदेश सन्या के शास्त्र शास्त शास्त शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र वया हिन्थिन प्राचीत परि सामुन वा ने ने रामया नर्से अस प्राचीत कर परि के सम्मान कर मान न्र्रें अस्ति न्त्रें क्रिया वादी क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया वादी क्रिया वादी क्रिया वादी क्रिया बेद-द-हें नुष्य-सदे-ळद्-स-ळें थ-ठद्र। ऍद-स-द्दर्भ-बेद-दु-हें नुष्य-सदे-ळद्-स-ऍद-स-नृहेश-म्-स-धिद-स-स्वा ऍद-स-<u>५८। ५६४ में २ हैं वाया यह स्वत्या पें ५ मा वाहे या वाहे या वाही या वाही पहें या यह स्वत्या है या वाही य</u> ऍन्यन्दा न्रेंशर्यन्ह्रेंग्रायवे छन्या ऍन्या गहेशा गा धेव यम घया ऍन्यन्दिर्देश ये गहेशा गा धेव यदे हिम् अः ब्युनादा दे कें भारत्वा सिन्धान्ता देरे भार्ते महिभागा धिदानर प्रया दर्रे भार्ते धिदान दे स्वीता सत्ति वाली ब्युन व। बेर्-यर्-हेन्य्यायदे ळ्र्-अयोर्-प्याद्या बेर्-यर्-हेन्य्यादे ळ्र्-अन्तिश्यादे रे-प्रेर्-य्याद्या नमाहिनानार्भेनामाणान्दानकमात्व। सेनानमाहिन। कान्दानकमात्व। व्येनाममाहिनानविःश्वेम। सानुनात्व। देमानमा सेना याधीबाब। सेनायमार्हेनायायदे स्वनासाधिन। यहिया यहियाचे सेनास्याह्या यहियाचित्रा यहियाचित्रा विविधित्रा विविधित्र बेद्रम्थाष्ट्रन्यः सँग्रथाः सुद्रम्य स्त्रम्थाः हिन्। कः सूद्रम्य सेद्रम्थाः हिन। द्रेर्थाः सेवः सेदः हैं ग्रथः पदेः केद्र

चीन.सपृत्तिक्षी स्वान्तिक्ष्यां साम्याचिन स्वान्तिक्ष्यां स्वान्ति स्वानि स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वान्ति स्वानि स्वानि

लुक् स्वस्या बक्क् स्वीलुक् स्वस्तु होया अजीयाची विकास क्रूम क्षि विकास स्कूम क्षि स्वस्य स्वालिक स्वस्य विस्ति अक्ष स्वस्य स्वालिक स्वालिक स्वस्य स्वालिक स्वालक स्व

-

द्येम अञ्जून त्र तुस्र पदे सक्द हे न प्रमान स्था हे हे मान का तुस्र ह हे मान दे ने तुस्र पदे सक्द हेन्'भेरु'मरे 'से मारे मारे मारे हरा में इरा में निका मारी सार्क्ष मारी हैं मारे में में में में में में में में नःक्रेंशंड्या देरःवया देवे:ब्रेंस् अःब्रुनःवा क्वेंवे:ख्यानुःचुःतुरःनःक्रेंशंड्या ह्रशःखन्केंशंनाशुआकंरानःखेदानरःवया तुरायार्केशास्त्रा ह्रा व्यापितासाधितायराच्या यहमाशाधितायराधितायराधितायराधितायराधितायराधितायराधितायराधितायराधि यन्त्राक्षाः विद्यान्त्रे क्षाः विद्यान्त्रा विद्यान्त्र विद्यान्त्र क्षा विद्यान्त्र विद्यान्त्र क्षा विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्य चुनःद्य द्रिंशः संक्रिंशः स्त्रा नम्नारार्धेदः क्रिंशः माशुसः स्ट्राः निवा द्रिः स्त्रः माल्याः चुतेः क्रिंशः माशुसः स्ट्राः निवा यवे भ्रीमा नेमामण सर्कें दानु प्येत प्रवेश भ्रीमा सामाप्येत दिन प्रवेश के सामाप्येत स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण ऍर्धेद्रायदे हिर् देरावया दर्रेश रें प्रेद्रायदे हिरा विदेश सार्य स्टास्त्रवाराया सर्केद हिर सर्व हेर् पर्दि है। वहवारा सक्दं निवेदे से र नु सुन मा र नी सक्दं हे र निर भी दारा निवेदा में रो स्थानी विदास निवेदा से सिर सिर सिर सिर स गशुस्र पर्देव रेग्न राये हिर्म सक्व हेर है सक्व हेर प्राप्त हो। इस प्राप्त किस गशुस्र कर पर्दे हेर प्राप्त हैर ग्रे कें भागशुसायदेव हुवा पेंदादे। श्रेटासळव हेदाधिवाचा स्टानी सळव गावेदी श्रेटादु ग्रुवाचा स्टानी सळें वाद्याना धेवा याने त्यश्चान्त्वत्यामारामी प्यारासळ्दान्ते नास्याचे स्वान्तरामा सुसार्थे होता स्वान्तरामा स्वान्तरमा स्वान्तरामा स्वान्तरामा स्वान्तरामा स्वान्तरामा स्वान्तरामा स्वान्तरमा स्वा सक्द हिन ऑन ने। र्ने स्त्रीन तु सः सदे नित्रा सामि स्प्रिंग के संग्री सामि स्त्री सामि स्त्री सामि सम्प्रिंग सक्त स ढ़ऀऀॸॱॲॸॱॸ॓ऻ*ॸ*ढ़ॕॴऄ॔ढ़ॱॾॴॕॸॱक़ॣॴख़ॸख़ॸॱॸॱॸ॓ॱॸ॓ॹॎॳॱख़ॹऻ॔ॗॸऻड़ॕॺॱॿॖऀॸॱऄॴॹॶॴख़ॸॱ नवे अळ्द्र ग्रेवेचे अळ्द्र हेन् ॲन्ने। र्नेद होन् त्र शासवे नहमाश ऑन् ळॅश माशुआळ्ट नवे र्नेद होन् त्र शास ने पे स्थित सवे ब्रेम देवे सळ्त ग्वि पॅन्दे। दर्रे अ रॅन्दे दे प्रेत प्रवे ब्रेम प्रम्य सळें त ब्रुवे सळ्त हे न पॅन्दे। इस प्रम ग्विम ब्रुळें अ त्यर्थानाव्ययः प्रतृ त्याक्ष्यः वाष्ट्र वित्रः श्रीः अळव खेत्रः स्पेत्रः ते। इस्रायमः वर्हे वा होत्राळे सावासुसाळतः या ते रो स्थेत्रः यो स्थायमः वर्हे वा होत्रः श्रीका क्षाया र्भें दे त्रदेव हुव र्षे द दे। सक्त हे द र्षे व दा रद वी सर्कें व दा व रावित पवित सक्त हे द सर्थे व दा सक्त वि नबुद्दानायाः श्रेद्दानाः श्रेष्ट्रोत् स्त्रेत्राचीयाः प्रदेश्चित्र। सस्त्रत्याविदेशसस्त्रत्ये द्वित्तां सस्त्र सक्दिकेन स्त्रीत द्वारी ह्वा होता है साम स्वापन स् यर नवना चुदे केंश नाशुस्र पर्देव छ्वा पेंदादी देंब चीट सुस्र पदे सकेंद्र चु पोदाया देंदाचीट सुस्र पायस नवदा पदे केंश यारायी । भरासळें दानु साधीदाय। देंदानु दादारा सकेंदानु दे सकेंदानु दे सकेंदानु से स्वारा सन्दार नाया श्री दाया श्री साधीस से प्रारा से साधीस से स्वारा से साधीस से स्वारा से साधीस से साधी से साधीस से साधीस से साधीस से साधीस से साधीस से साधीस से साधी से साधीस से साधीस से साधीस से साधीस से साधी से सा रैनायायते भ्रेम न्रेंयायेते सळद हेन् भ्री सळद हेन् प्रेन्ते। न्रेंयायेते ह्यायर वर्षेना श्रेन् केया नश्याळ दाने ने प्रेय

याने ने प्येत स्वते भ्रीता अळव पावि प्येन ने विभाषाने ने प्येत स्वते भ्रीता अळव के न प्यानिक प्येन ने विभाषा स समुद्रासेससानवे सळदा हे न न विवा है वा से वा नवे सळदा हे न वाहे सार्वे मुना ने वाहे सामवे सळदा वाहे व्याने विवा ग्रथर-तृः श्रेःश्चुः नदेः वेशानः ग्रान्दिन । हेना ज्ञानः साम्ह्राता नदेः वेशानः सृत्युः ने देने प्रश्नान से समुद्राने से सम्बन्धः समुद्राने से सम्बन्धः समुद्राने से सम्बन्धः समुद्राने समुद्रा अळंद हे ८ १८८१ वें ना हें ना अवा नवे अळंद हे ८ गहे अगा धेद हे। दे ना अधि अधुद से वा मवे अळंद हे ८ धेद मा नर ढ़ऀज़_{ऻॎ}ऒ॔ज़ॱॸॕॖज़ॱऄज़ॱॸढ़॓ॱॺळढ़ॱढ़ऀॸ॔ॱऄढ़ॱॸढ़ॱख़ॖऀॸऻड़ॸॱड़॔ॱॼॖॸॱऄॢऻॱऒॕढ़ॱॶॺॱळॸ॔ॱॺढ़ॱॸऀज़ॺॱॹ॓ॱॺॿॖढ़ॱज़ॱऴॸ॔ॱऄढ़ॱॸ॔ॸ <u>हेश-द्यमाळद्र-स्यमित्रेश-स्याक्त्र-देश-या</u> कद्र-सेत्र-देते-बुद्र-क्की-मश्च-दुःस-तेश-स्था-संया-त्या-कद्र-अवि'देवे'तुरःकुःहिंग'त्रवाद्मादाह्मवादायादारुदारे रेअ अवात् अग्यवे कुरा महिआयात् वात्रके। हिंगात्रवादारा अवहावा न'न्-र्-र्-रे-रे-रे-स्न-रेन्-स्न-स्न-स्न-स्न-र्-। हिन्-ज्य-र्-र्-स-द्विय-न-न्हे-स-म-र्स्न्-र्-स्न-स्न-स्न-र-र्-चुर्यानाधीताया ने प्यताञ्चानीठेना ञ्चानीठेर्या सुन्दानित निर्मान स्वानीत्रा स चवे के ना है ना खेला नवे प्रवर्त, नुका दुखा खादा हुला ना क्रिका के निका चार कर मार्थ निका खादित खुका है ना मरावर्दे प्रधा इसरा ग्री विंता हैं ना सेवा नवे भ्री मानुवा क्री सामाधित मवे भ्री मानुसामा हैं मानुसामा हैं ना स्वामा विंता मे निर्मानु के सक्त हैन्ने सळव हैन् भेव पर प्रया ने मार्चि सळव हैन् भेव वासळव हैन् भेव प्रमाह्म परे हैन् हेर हेर वास हिना साम्या वा नेयानुदेश्यळव् हेन्टळ्याच्या यळव्हेन्याधेवायम्बया यळॅवन्नुधेया वेरावया हिन्तुः यळव्हेन्छेन् मवे भ्रिम् देर म्या ने अप्तरि द्वार पर्दे वा में देश वा शुक्ष कर मारे दे पे के प्रति भ्रिम् वर्ष दे देव में देव में देव में पर कि स्वर्ध कर में प्रति स्वर्ध कर में प् सर्क्षेत्रचुर्द्दरचुर्द्दर्भायदे सर्क्षेत्रचुः धेत्रपरम्बया सर्क्षेत्रचुः सर्क्षेत्रचुः धेत्रपदे खुर्द्धरचेर व साचुना साचुना साचुना सर्केत्रचुः क्रॅंश उदा सक्रेंद नु: धेद प्रत्य हिंद ने अस्ति हैंद ने स्वेद ने स्वया द्वार प्रत्य ने स्वय स्वय स्वय स्वय स्वय धिव पति द्वेरा वीं र दु पर्दे र वा देव द्वेर वु श पति स्वर्धे व द्वा के श रवा देव द्वेर वु श पा हिंद ही सक्व दे हे र धिव पर प्रया हिंद्र-देंबरचेद्र-ब्रुश्यरवेर सर्केंबरच्या धेवर यदेर द्वेरा ह्याश्वरायशा वर्देद्र-बा देवरचेद्र-ब्रुश्यर सर्के वर्च हेंब्यर वर्षा हिंद्र-वर सक्दिकेट्र मन्द्र साम्या क्षेत्र सम्या क्षेत्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स् इंकेंशन्त्रश्रुंशन्दर्भन्ते व्याप्त हिन्दे के अन्तर्भन्ते से निष्ठ विष्ठ र्वि'त'री सळत् हेर्'सळत् हेर्'धेत्'पर्'म्था सळॅत्'ग्रु'सळॅत्'ग्रु'धेत्'यते ध्रेर'नेर'त्'स ह्या ह्या ह्या गर्वेर'र्,'वङ्गवस'नेत्र वर्देन्दा सळव हेन्टें संख्वा सळव हेन्सा धेव पर प्रत्या सळें व नु धेव पर हेन् हें संख्या सळव हेन्हें संख्या द्येम् । विचित्रात्रात्री देत्रात्रेदातुषायवे वित्रवाषार्थेदार्केषात्रासुसास्य विवास वित्रवाषार्थेदार्केषात्रासुसास्य विवास व सक्द हिन् कें भारत्। नेराम्या नेदे में मामुनाता ने कें भारत्। नेरामया नेंद्र में नुनात्र भारते प्रत्या भारते म क्ट-चदे-चन्नम् र्प्पेट-क्र्याम् सुस्र क्ट-चदे-क्र्याच-द्र-चन्द्र-वान-विना वित्र-प्रेत्न-स् देवे-क्र्याच-स्याधना देवे-क्र्या याधीदादाहिंदाधीदायमाहियायदाहिम। दटार्साञ्च। यहिमायामान्याचीयादी देवाहिदाहिमायदे यह यामान्यासीयाहिमायहा नवे अर्कें ब मुक्तें अरुवा विंद् मी अर्कें केंद्र भी ब में ब में ब में मुक्तें महिना के अर्थ महिना महिना के प्र क्रूनाम्बार्यसम्बद्धान्यसम्बद्धान्यसम्बद्धान्तसम्बद्धान्तसम्बद्धान्तसम्बद्धान्तसम्बद्धान्तसम्बद्धान्तसम्बद्धान ऍं ८ क्टू अ नाशुआळं ८ नवे अळें द न नु पेद में १ । ह्राया नाशुआया आ मुनाद। दें द ने नु साम दे न हा मा पेद के अ नाशुंभान्धरान्वरान्वरान्वरान्धरान्ध्रमान्ध्रभान्धरान्धरान्धरान्ध्रभान्ध्रमान्द्रमान्द्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्द्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्द्रमान्द्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्ध्रमान्द्रमान्ध्रमान्द् वाशुंशः संदः नवे अर्कें दानुवे असंद हे न पोदान्य । विन प्रमान विन में दिन में दोन प्रमान प्रमान प्रमान स्थान विन प्रमान प्रम प्रमान प्र सर्केंद्र-चुतिः ह्र्यः पेंद्र-केंयः माशुस्रान्हरः नः पेद्र-पतिः द्वीरा इः नरः परेंद्र-दा दे केंयः उदा सन्दर्दे दाया पर्केंद्रः इाधिब मदि हीरा सामुनाबा दे केंबा हता देरामया देंबा होता स्वापित स्वाप्त महिना स्वाप्त स्वापत स् ऍन्टॅंशनाशुम्राह्मन्त्रवेरमहें मुर्भेद्रन्यवेरम्रीम्। सम्मुनन्त्र। देवन्त्रीन्त्र्यन्तिनन्त्रम्थर्भन्टेर्स्यन्त्रस्य ॻॖॱक़ॕॴॱॸॴॖॱॿॖॕॖॖ॔ॸॱॻॖऀॱॺख़॔ॺॱक़ॖऀॸॱॸॖ॓ऻॱॿॕॖॸ॔ॱॻॖऀॱॾॣॴॵ॔ॸॱक़ॕॴॹॴढ़ॸॱॸऄॱॴढ़ॕॺॱॻॖॱॵॺॱॸॸॱॿॴॿॕॖॎॸ॔ॱॴढ़ॕॺॱॻॖॱॵॺॱॸऄॱ धुरा अः न्युनः द्वा दे रेके अः उद्या देनः वया देवः चेदः द्वा अः यदे वित्रवा अः व्या दिक्षः वाशु अः व्या शुर्वा व इनि हिन्दी नन्त्राक्षालन्दिक्षामाशुक्षाळदानदे सक्षेत्र इत्योवान्य मा हिन्दार्यक्ष हिन्दार्यक्षेत्र पदे हिन्दार्यक्षेत्र पदे हिन्दार्थक स्वाप्त हिन्दार्थक स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त है यन्त्राक्षः प्रत्रेक्षः वाश्च्यः स्टर्ना हिन् हो अस्त्रेद्वा होते : अस्त्र होन् : प्रेत्रः प्रत्रे । हिन् हेन् अस्त्र होन् । हिन् हेन् अस्त्र होन् । हिन् अस्त्र होन् । हिन् अस्त्र होन् । [यः ठेया दः रे। र्देव हो न व अप्यते प्रत्या अप्या स्वा अप्या स्व प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य स्व प्रत्य प्रत्य [यः ठेया दः रेव हो न व अप्या स्व प्रत्य प्रत्य प्रत्य स्व प्रत्य स्व प्रत्य स्व प्रत्य स्व प्रत्य स्व प्रत्य स सहसाधिदाद। सर्केंदानुःधिदानसान्निनःबेराद। र्देदान्नेदान्द्रसानदेःचहनासाधिदार्केशानासुसाकदानदेःसर्केदानुदेःह्रसाधिदा क्रिंभःमाशुभः ढंदः नः क्रिंभः उदा देरः त्रया देवेः द्वेरा भः त्युनः दा देः क्रिंभः उदा देरः त्रया हिंदः देवेः क्रिंमाः सः ददः नदः नदः नदः ें विन्न । हिंदुः धेवः वा देवेः क्रेंनाः वः धेवः वस्याः हिताः वेवः विन्नः धेवः विवायः विनः विकायः विवायः विनाय विन्न । हिंदुः धेवः वावः विवायः व र्वेट.ट्ट.इचेन्य.त्ज्री इ.चर.ट्ट्टेंट्यी ट्रेंब.चेट्.वेंब.चंड्र.चंड्य.चंड्य.क्ट्र.चंड्य.क्ट्र.चंड्य.क्ट्र.चंड्य.क्ट्य.क्ट्य.क्ट्य. ग्रुमःहरानाहें भारत्। महें वाद्यामा महिनाहें मान्या महिनाहें मान्याना वे के भारत्या के मान्याना वे के भारत्या के वाद्यान के मान्यान के कि मान्यान के कि मान्यान के कि मान्यान के कि मान्यान के मान्यान के कि मान्यान त्यायदे पत्रवायार्षेद्राक्के या वाश्वाकंद्र प्रवेश सक्के द्वादेश सक्के दिन् श्वी सक्के दिन स्थित प्रवेश स्थान सक्दिक्षेत्र'धेद'धेद'म्बर्था हिंद्र'सर्क्षेद्र'तुःधेद'सदेःश्चेद्रा ह्वायार्वेद्र'तृत्वश्चवयाः वेदा विकेवादाःदी द्रियार्वेदेःह्यार्धेद्र'ह्या माश्चारक्षराचेत्रः ह्याः प्रदेशः क्षार्याच्याः विद्यान्तरः प्रियाचार प्रदेशः प्रवादा विद्यान्तरः विद्यान्यान्तरः विद्यान्तरः विद्यान्तरः विद्यान्तरः विद्यान्तरः विद्यान्यः विद्यान्तरः वि र्येदेः ह्र अप्पें प्रकें अप्याशुक्ष स्वरं प्रवेश सर्वेद प्रवेश सर्वेद प्रकें अप्वता हे प्रेंद्र विकास स्वरं विकास ठवा देराम्या हिंदादेवे क्यायादरामादरामादिया हिंदाधेवावा देवे क्यायाधेवायाध धेद'मश'स'ह्यन'मदे'ह्येम् न्रार्मे'श्च। महेश'मश्चामुन'द्य। न्र्रेस'मेंदे'ह्श'र्धेन्'र्केश'मशुस'क्र'नदे'सक्दाहेन्'स'धेद'म' क्रॅंश[.]ठत्। ब्रिंन्'ग्रे'अळत्र'हेन्'थेत्'त्र्। न्रॅंश'र्येदे'ह्श'र्येन्'क्रॅश'न्शुअ'ळंन्'नदे'ह्श'र्येन्'क्रॅश'नशुअ'अ'ळंन्'नदे'र्थेन्।'रा' धेत'नश'त्रिन'नर'नथ। देर्रश'र्सेदे'ह्श'र्सेद'र्ह्रश'र्सेद'र्ह्रश'र्सद'नदे'ह्श'र्सेद'र्ह्रश'र्सेद'र्स्वर' मवे भ्रीमा ह्रम्यामा मुस्यामा मा नुस्यामा नुस्यामा नुस्यामा निष्यामा मा निष्यामा निष ऻॕॖॖि॔<u>ॸॱॻ</u>ऀॱऄॗ॔ज़ॱय़ॱऄढ़ॱढ़ऻ*ॱॸॕऻॕऄॱॾॣॴ*ऒ॔ॸॱक़ॕॴज़ऻॶॖय़ॱक़॔ॸॱॸढ़॓ॱय़क़॔ढ़ॱढ़॓ॸॱॵढ़ॱय़ढ़॓ॱय़ढ़॔ॱढ़ढ़ॱऄढ़ॱय़ॴॿॖॎॸॱय़ॸॱॿॴ <u>न्दिशः संदेशक्षाः लिन् के शः माशुक्षाः करः नदेश्वक्षं के दाक्षाः भीवः पार्श्विदः ग्रीः वर्ष्वेदः ग्रीः वर्षेदः श्रीः सः नदः वर्देदः व। दर्देशः संदेशः</u>

इसार्येन् कें साम्राह्म कंट्रान्ये सक्त हेन् साथेत् सदे सक्त हेन् कें साहत होन् सक्त हेन् साथेत सर्म सक्त सक्त मुना सामुनादा ने केंसाउदा ने रामणा नर्रे सामें दे ह्या पें निकेश माशुसाळ राम दे सकदा हो ना सामे दिया है सामें नशुआकंदःनदेःअर्क्केत्रःनुःधेत्रःपदेःभ्रेत्। अःमुनःत। द्रेशःमेदेःह्रशःधेदःर्केशःनाशुआकंदःनदेःअर्कदःहेद्राआधेतःसःर्केशः ठवा ब्रिं-्गुं अळव हेन्नो ब्रिं-्गुं ह्रा व्यान्तिका मार्थित क्रिंया मार्थित बुन'र्ना दे'र्केश'रुद्रा देर'म्या दर्रेश'र्सेदे'रूश'र्सेद'र्केश'म्शुस'र्क्चर'नदे'रूर्केश'म्शुस'स'र्क्चर'नदे'सर्केद'चु'सेद' यदे हीन स शुन्त्व दूर्य मेंदे ह्य पेंद्र हेया पेंद्र हेया मेंद्र स मेंद्र हेया मेंद्र स मेंद्र स मेंद्र हेया पेंद्र स मेंद्र स मे क्रिंभःगश्रुसःसःस्टरःनवेःसर्क्रेत्रःतुःधोत्रःमरःचया हिन्सस्त्रेत्रंत्रेन्धोत्रःमवेःश्चेन्। सःशुनःत्रा नेःक्रिंभःठता नेरःचया नर्देशः र्येदे'अळद्द'हेट्'ग्री'अळद्द'हेट्'भेद'सदे'श्चेर। अ'ग्रुव'द्द। ट्रॉर्थ'र्ये ळॅंश'ठद। ह्विंट्'ग्री'ह्श'र्पेट्'ळॅंश'वाशुआळट'च'ट्रे। ह्विंट्' ग्री'सळंद'हेर्'ग्री'सळंद'हेर्'णेद'पर'घण। ब्रिंर्'सळेंद'ग्रु'णेद'पदे'ग्रीर। विचाद'रे। देर्रेश'र्यदे'ह्श'णेर्'ळेंश'वाशुस'ळंट' ऍन्टिंश माशुस्रा स्ट्रान्य दे सस्त्र होन्। सामुनादी ह्रा प्यानुस्त्र स्था माशुस्रा स्ट्रान्य स्था होने । सामुनादा हे क्रिंभारुदा देरात्रया देवे क्रिंमायादरात्राद्यायालीय ।हिंदाधेदादादेवे क्रिंमायाधेदायमाह्या देवे क्रिंमायाधेदादा हिंदा धेव'पश'द्यित'पवे'द्येत्र। हगश'क्सश'क्षा क्ष'नर'वर्देद'वा दर्देश'र्येवे'ह्श'र्थेद'र्केश'गशुस'कंद'ववे'सकंव'हेद'स'धेव' मदे ह्या पेंद्र केंगा मुझा कंद्र पार्के या उद्या अर्केंद्र मुसा पेद्र प्रमा सक्त हिन् पेद्र पिद्र पिद्र सम्मान दे केंगा उद्या देरःषय। दर्रेशःर्येवेःह्रशःपॅदःकेंशःगाशुक्षःकदःनवेःसक्तदःहेदःकाःधेतःपवेःसक्तदःहेदःग्रीःसक्तदःहेदःधेतःपवेःश्वेर। ह्रायाः श्च| विचित्राद्यात्री न्रेंस्थान्यत्रीत्रात्रात्री हर्षाण्यात्रीत्रात्रीयात्रात्रीत्रात्रीयात्रात्रीत्रात्रीयात्र धोदायमानुवाने माना नर्दे भार्यिया सस्त हो माने अस्त हो मा मभाद्यन मदे द्वीमा नम्में श्वा महिभामा साम्यान ना नमें भामें दे सक्त है न् ही सक्त है न् हिं न् ही सक्त है न प्येत व। नर्रेशर्येदेखळव हेन्'ग्रे:इशप्पेन्'ळेशपाशुसळ्टाचदे'धूँ गापापेव पशाध्यापराध्य। नर्रेशर्येदेखळव हेन्'ग्रे:इश ऍं ५ किंश नाशुंश कं ८ न दे। किं ५ की अकं द के ५ ती दे निया निया नाशुंश न सामा निया निर्देश केंद्र से से केंद्र ऍन्टॅंशनाशुस्रास्ट्रन्न र्सेशन्द्र्या हिन्नी केंनामाधित्वा न्ट्र्याचेंद्रिसस्त हेन्नी सस्त हिन्नी सस्त हिन यरम्या न्रें अर्थिः सळ्त्रिन् श्रीः सळ्त्रिन् ने। ब्रिन्शीः सळेत्त्रिन् श्रीत्रः स्वेन्। इत्यरः वर्नेन्त्ता न्रें अर्थिः सळ्त्रिन् श्चीः सळदं हिन् श्चीः सळदं हिन् ळे सः उदा सळदं हिन् सः धीदः प्रमः प्रया सळेंद्र श्चीः धीदः प्रदेश श्चीमा सः श्चीनः दा हे रे के सः उदा हे सः चया ८६४१सेंदेरअस्तर् हे८ पहिशासें देते ह्या पेंदा स्था पेंदा स्था सुधा स्टायते अस्ति स्वीया स्था हिपाया स्था व न्र्रें अः रेंदिः सळदं हिन् ग्रीः ह्र अः पेंन् रेळें अः माशुस्राळं रः नदे रेथें माना नरः पेदः वितासहसा पेदा सळें दा नुः पेदः नस्याह्म से हेन् स्वा न्र्रें अर्थेदे अळवं दे दे में अळवं दे दे में में इस प्राप्त के अर्थ के अर्थ के अर्थ के स्वाप्त के से कि अर्थ के से अर्थ देर मया देवे क्रिंग र दर मद्दान दिन । हिंद खेव दा देवे क्रिंग र खेव र माहिन। देवे क्रिंग र खेव दा हिंद खेव र म विचासदा हीरा स्वाया स्वया सा इ.चर. पर्ट्र वी ट्रिया सुवाया सक्ष्य होता ही अक्षय होता ही का लिया स्वया स्वया स्व ठवा । सर्वेद न्यास प्रवेद निरम्पा सर्वेद हिन् प्रवेद स्थित सर्वे स्थित सामुन वा ने रे के सारवा ने रे सामित स्व

सळ्य. १५८. म्री. सळ्य. १५८. म्री. सळ्य. १५८. त्रीय. त्राय. त्रीय. त्राय. त्रीय. त्रीय. त्राय. त्रीय. त्रीय. त् त्रीय. त्राय. चित्री ।। ।

क्ष्यवि.स.क्षुं.पर्यश्रक्षःसपुः स्थायवियाः स्थितः साथा रयायाः सवियाः क्षुं रायाश्वियः सथा रहः सुः। विद्यायः सी इनामाधिताम्याद्विताचेरात्व। महन्यायाक्ष्याक्ष्या । कुःइनामाधितासरामया। कुःधितामदेः स्रोता वितासामया। दर्देरात्वा वार्चवार्थाक्ष्याक्ष्या द्याः श्चेत्राची कुंद्रा यहंद्याः ध्वराची कुंद्रा गुत्रावर्षेत्र कुंवि कुंवि वार्ष्या केंद्रावा वार्ष्या कुंद्रावा गुत्रावर्षेत्र कुंवि वार्ष्य केंद्रावा किंद्रावा वार्ष्य केंद्रावा वार्ष्य केंद्र केंद्र वार्ष्य केंद्र केंद्र वार्ष्य केंद्र केंद्र वार्ष्य केंद्र वार्ष्य केंद्र केंद्र वार्ष्य केंद्र वार्ष्य केंद्र केंद्र वार्ष्य केंद्र केंद्र वार्ष केंद्र केंद्र वार्ष केंद्र केंद्र केंद्र वार्ष केंद्र केंद्र केंद्र वार्ष केंद्र केंद्र वार्ष केंद्र केंद् ब्रिमा साह्यन्तराह्यन्तराखेन्यम्बया इसाब्चेन्छीक्षुःधेन्त्रा न्वोःशन्वोःवाम्युरःवीयानस्यावनायसःहिमःवदेःहिमःहे। सर्दिन्यमा इसार्श्वेदाकुदिसीन्ता । द्वोन्यामान्यमान्यमान्यमार्वेदा । विभागश्रुद्रमान्येत्रीमा विदान्तित्रा वार्चवार्थाक्ष्यारुवा नवो से नवो वार रुट वो या नस्याय स्थाय क्रूम.२वी जुम.य.लुप.यम.वजा सर्थ्यम.क्र्य.क्रुं.क्रुं.लुप.यदे.बुमा साधिय.यी वियाय.लूप.यमा सर्थ्यम.क्रुं.क्रुं.क् षाःइशःश्चे महिशासर्गे सँग्रामण्य उदाव्यासेस्याद्वार सेस्या मुद्रामहिशास्य मुद्रामदिशास्य श्चे राहे। सर्ह्द्राम्य सुद्रामु दे म्राज्यात्रा । म्राज्या विद्या प्रत्या विद्या प्रत्या । विद्या मार्थित्या प्रत्या विद्या प्रत्या विद्या प्रत्य र्हे दर्शेटशः उदः धेदः परः वया गुदः वर्शे देः कुः धेदः पदेः द्वेरा साह्य चः दियः परं पेदः परः वया गुदः वर्शे दे र्बेट्याक्य प्रेम्प्याष्ट्रियायदे द्विराहे। सर्हेट्यया गुम्पर्वे वियानुहें दार्बेट्याक्य वियामश्रूट्यायापेत् परे द्विरा हा नर पर्देन से तु भ है। हिंन नु शुर नदे हें बर्से र भ उदा साधिव ना सम्बदायमाना विन्त में मि हिमान हो हैं सा ने दे हैं हु इुनार्से न्नार-तुर-धेत्र-तुर्केश-देवे क्रु-धेत्र-स्थाष्ट्रन बेर-ता तुअन्य केंश ठता रर-ने केंन्य पात्र-संदे तुथाह्य-स्थानक्र-गिवे कुः धेव स्वर्म देवे कुं दुना में निर्देश के स्वर्म होता सामिका सम्मिन दिसाम के का करा के सामिका समिका साम बर्ल्स्ट्रासदे दुवाह्यान्त्रान्त्रीट्राम्ये कुर्नुवार्स्यावाट दुवाया देवे खूबा हवा विद्यात कुर्मित विद्यात विद्यात क्रूंश.वर्षा ब्रिट्स ब्रिट्स क्रिंस क्रिया माने स्त्राचित हो स्वर्ध स्वर्ध क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष वर्षाची में रात्राधित परे हिम इपमार्के रात्रा तुरायार्के शास्त्रा मरावी के वार्षायात्राधित परे ह्या हरा विद्वार लिवासम्बन्धा देन्द्रन्तुमासक्रानुः बुनायालेवासवे द्वीमा नाववालमा लिद् ग्रीः इसासम्वेमाया केंगा उदी महानी प्रविमानु <u> देवे.क्षेय.कुचे.क्यैं.क्षेय.सवु.क्षेत्री स.चीय.यी दे.क्ष्य.क्यी क्षित.क्षित.क्षेत्र.री.क्षैत्र.यदु.श्रुप्रशाचित.वर्षे.कं.सुदु.</u> क्षेत्र.कुचा.पचिरःक्षे.लुप्य.स्या ब्रिट्यम्ब्र.मुष्यमालुप्य.सुप्र.सुप्री विष्य.स्य.लुप्य.स्य.श्रीप.की.लीप्य.सम हिन बेर दी भेगानी द्रमायर भेगारा केंगार की द्रमा भ्रीत ही हुए भेतार प्रमाय भेगार भेगार भेगार भेगार हिन प्रायम पर्देर शे.वु.म.हे। खटासानस्रवाधेवायवे.हीमा विक्वावामी तुसामवे होनाक्यू स्वात्याव तुसामवे कु.खेवायसाह्य हेमावा दे से। लार्चित्रासार्टरार्चेत्रास्त्रेत्रासाद्वेतार्ल्य्न्यराच्या चित्रासादे होत् हीं लार्चित्रासार्चरात्रेत्रात्रास्तराचेत्रासार्वेत्रा इयायकाराषु क्रि.भूर्याकारी मार्चे राजे त्यु सैनया पर्दर विकाल प्राप्त होरी विक्रियोय हो। यस मार्थिय विकासिर वि इसार्श्वेयक्तीः कुः ध्वेयत्वत्त्रस्याञ्चेवत्त्रीः कुः ध्वेयत्याक्षयः वेयत्याद्वेतः व्यव्याद्वेत्रः व्यव्याद्वेत मिर्या सः ग्रुनः द्वा द्वा देवेंदिः श्रें गः द्वरः हें सः इता हिंदः ग्रें दिव सः ग्रुनः स्वरं हें वा संग्रुनः द

<u>८व.५मू.ह.स्य.१म.२वर.कू.४.२वी क्रि.मी.५वं ४.चे.५.मी.५४.मी.मी.५४.म</u> श्चेमा विश्वेषात्रामे न्रेस्थार्थे प्रेत्वा हिन् ग्री मेत्राविकाली प्राप्त विश्वास्त्र मात्रुवाया के या का निमान के विश्वेषा ह्य-यावमा वर्नेन्दा मह्मामार्केमारुदा हिन्दी न्यामार्मेदान्ता ने सामार्मेदामहिनामिर से समार्थिता हिन् वया हिंदारी द्वेता वा केंद्र से दारा नाम दिना । दे सावना केंद्र से दाय है । हन वा केंद्र से सावना केंद्र से दाय द्येत्र। विक्वितात्रात्री वेसार्थे प्रेत्रत्र हिंदा ही दसेवासा क्रेत्र प्राप्त प्राप्त क्षेत्र विकास स्वाप्त विकास सम्बन्ध तुअपिते दे अपिता के के प्रति प्रति के कि का मुनादी तुअपिते दे अपिता के के प्रति प्रति प्रति प्रति के प्रति प्रति प्रति के प्रति प्रत धीव पादी ही मा माना ना नुसामित प्रेम मी हो माने के सामित है सामित हो सामित सामित सामित सामित हो मी का पादी हो माने सामित यःगरःवेग । तुस्रायदेःसूर्सेतारे सामगानु तुरायाधेन यदे श्वेरावेरान साम्वा तुस्रायार्के साम्वा क्वेन क्रेंबरसेन्यरम्या हिन्याययर्ग्याधेदायरःस्रेन्यदे क्रेंबरसेन्यदे हिन् सहिनदाहिनयाधेन्यरम्य। केंबरनेदे यद्धंदर्भायाने साम्राम् केत्र विभायदे यद्धंदर्भायदे रेत्व के मेत्र ने प्रत्य मात्र प्रत्य मात्र मात्र मात्र मात्र मात्र प्रत्य मात्र क्टा देखान्नम्केत्रावेशायाक्रेत्रादेशायन्त्रशासु देणात्राक्षात्राक्षेत्राचे प्राचेतायात्राक्षेत्रायायात्राक्षेत् वन्नद्रायाधीत्रायवे भ्रीत्र वाल्वत्याया तुमायाळे भाउत्। हिंद्रामी द्वीत्यामा मेव्यामा स्वीत्याया हिंद्राया के भावत्या हिंद्राया हिंद्राय हिंद्राया हिंद्राय हिंद्राया हिंद्राय हिंद्राया हिंद्राय हिंद्राय हिंद्राय हिंद्राय हिंद्राय हिंद्र भे वकराराधित परि द्वेर। सामुनात। नुसाराकें भाउत। हिंदायाकें भागदानी धरात्तसारा से वकरानाधित परास्य। हिंदा वेसर्यः धेदः पदेः द्वेर। वॅदः द्विवः यः पॅदः परः वय। कॅसः देवेः दसेषा सः क्रेदः द्वीः देवः देवः केसः देवः द्वयः व्यवः द्वादः प्रसेटः र्के्द्रप्रदेत्रः सेनाः ने सः के्द्रप्रदेतः इसः कृदः नुः नार्केः ने सः प्रदेतः केंद्रप्रसः प्रदेतः सेन सः प्रदे चतः श्चेन। विचित्रात्रात्रे। बूँदावहेदाश्चेनानेशाशीः नन्ना स्वेदानु श्वूनः चतिः श्चेना न्ननः स्वेता खूँदा बूँदा बूँदा श्वेनानेशा बूँदा र्येदेः इसाध्व पुः वर्षे र्वे मः क्षेत्र वर्षः क्षेत्र प्रदेशकेत प्रदेश क्षेत्र प्रदेश क्षेत्र प्रदेश क्षेत्र व वहें त'यर बुत कें त' स' धेत' पर कें त'यर कें त'यर कें त'ये कें त'यर बेर बेर वेर स' हाता हवा हवा स' बुत हो। सेवा नवर ने सेवा ન્વેયાં સું! યळે ૧: કુવા વી : તરાત્રયા વાકુવાયા છે. સું! યळે ૧: વેદે ત્રાવરા શુત્રા ઍ દાયા પોતા વારા સું ૧ નાવે છે જા देरःष्रया नेश्रायाद्वमानी सुत्यादुमार्थे र्थेर देशायहेंद्रायादी सुदार्थेराया स्थित यदे यदमा क्रेंद्रा की त्या हेशा से दिया है। ढेवा'त'रे। भेश'रा'तुवा'त्रुत'र्सेर'स'पेत'रादे'वर्वा'क्रेत'ग्री'र्स्स'दर्गेर'रासे'दन्नर'रा'पेत'पर'नवा। सु'दहेत'त्र'भेश'ग्री' बुदार्सेट्साधेदायदे प्रदेश मुना क्रेंदार् कुराय के स्थित का मुना दे स्थान के स्था के स्थान के नन्नाः क्रेंबर्न् क्रुर्म्पते खेरन्नर व्यन्तरम् अपदिवर्द्धन्य स्थेर् वर्षा क्रेंबर्न् क्रुंचर्म केर्या क्रुंबर् रे। भेगभेशक्रेंशक्ता थेनभेशथेदायराम्या स्टामीमुदार्भेटासाथेदायदे यन्यामुद्रेदानु सुरायदे थेनान्याय हेदा यदेन्वेशपायाधेदायदे होत्र। सामुतादा सेवान्वेशार्केश रुदा तत्त्वी मुदार्सेतासाधेदायदे वत्वा क्रेदात् मुदारादे धीतात्वा षानहेत्रपदेश्वेश्वाप्तित्रप्राच्या रत्यी नन्याक्तेत्रप्ति श्रूप्ति प्राचित्रप्ति स्वित्रपदेश्वेश वित्रपदेश्वेश

विया सम्बुतावा सेवान्वेसार्केसाउदा रदावी पदवा क्रेंद्र दुः बुरायदे त्येद प्रायते हेदायदे वेसाय विसाया लुष्र-तपुर्निम् वि.सुम् वि.सुम् कूष्र-तुम् कूष्र-तुम् कृष्र-ति सुम् वि.सुम् वि ग्रम्यादेगातुः क्षेत्रायर होत्यवे क्वेत्राधेव प्रवेश होत्र। या सुनाव। क्वेंद्रावें क्वेंपावहें द्रावें स्वापिया स्वाप्त होत्रा यर हो र प्रते क्रें के प्रते प वर्ते न्याया देवार् भीत्र द्वीया निरान विद्या विद्य ग्रम्यार् मृत्रम्भेत्रात्रम्य । वित्रम्यया वित्रम्यया वित्रम्याया वित्रम्यया नेशःग्रे:बुदःबॅटःसःधेदःसदेःचन्याःक्रेदःसःधेदःसरःबया सेयान्नेशःग्रेःचन्याःक्रेदःसःधेदःसदेःब्रेटा सःश्वयःदा सेयाःनवहः <u> २८:वार वी क्वाक्रें के उर्दा वर्दा के वार्ष के वार्ष वा</u> नेयाग्री न्स्रेग्या मुद्राया सूर्वा संपद्भावी सेवाया सम्प्राया सूर्वा यहेत हिंगा सदे न्स्रेग्या मुद्राया सूर्वा संपर्धा सेवाया यदे द्वीर बेर क्राध्य क्षे भ्रेम क्षेत्र शु. शु. शु. राये क्राया नी प्रमेषा श. क्रीया श. क्रीया स्वाया मित्र स्वाया मित्र स्वाया स्वया स्वाया <u>दे.त्र्ह्र्यात्र्यूशाला ह्र्यात्राक्षश्रात्रात्रे क्षेत्राक्षयाल्यात्रात्रीत्रा देत्रावला ह्र्यात्रत्रात्राक्षयाम् व</u> वहें त सूरका ग्री 'धुवा ने वहें वा ने वाका सम् प्रवा । से वाकी काळ ५ सा तका खुकाकी काळ ५ सा दे । वहें वा ने वाका मी ता वा निर्माण का विकास में ति वा निर्माण का विकास में ति वा निर्माण का विकास में ति वा निर्माण का विकास में विकास में ति वा निर्माण का विकास में विकास वहेंत्रभूरमाग्री खुवादे वहेंवादा धोत्रपते श्रीमा बेरात्र साह्या वहेंद्रा से स्वापते हैं रास हेत्र सुसाह्य वहेंद्र से स्वापते हैं क्रेंब'अ'र्र्स्यों क्रुर्स्य क्रुर्स्य विष्युवा बुर्द्स्य क्रेंब्रिस्टे प्रदेश में प्रदेश में क्रिस्य क्रिया क्रिय क्चर-श्वर-प्रदे नभ्भवः केद-श्वर-थाश्चर-पाश्चराश्चीः केंपायः विद्यानित्रीयः नामानित्रीयः विद्यानित्रीयः विद्यानि म्रीमा नाब्दरणमा वे नाम्वेयाम्ययारुमा मे नियाया मे नियाया मे नियाया हिन्दी मे नियाया मे नियाय स्वाप्त स्वाप्त स्वीमा वर्देर्-भे-नुभ-ने। नेभ-न-धेन-नहिंद्-श्रे-नुभेन्भ-स्नेन-धेन-धेन-पदे-स्नेम देर-मण हिंग-न-धेन-नेभ-सभ्याश्रे-<u>रक्षेत्राक्षःक्रेदःस्यःक्रेरःस्यःदरःवीःदेःस्याक्रेदःवीःक्रेदःवीःनवाःक्रताक्षःस्विताःस्ट्रिताःसेदःस्याक्षेत्रः</u>ह्सस्यःग्रीःद्रेयाकाः क्रेंब पहेंचा द्धारा के प्रदान पुरा दी वा प्रेंद प्राये ही मा देर मार्था ह्या परिवाह मार्थिक क्षा क्षेत्र प्राये प त्तुःचःविदेवाःर्यःदेःदरःवरःश्वरःवर्देव ।श्चेवाःत्तुःद्वरःश्वरःववेःदवरःविश्वःग्रेःद्वेवाशःत्तेवःवःग्रेःवःत्वःशुःवेःदरःवेःवेद्व ।श्च য়৻ৼ৾৻য়ৼ৻৴ঀ৾৻য়৾ৼ৻ঀড়৻৴ঀৼ৻ঀ৾য়৻য়ৣ৽৻ঀয়ৢঀ৻ড়৻য়ৣ৾৻য়ড়৻য়৾ঀ৸য়ৼয়৻ড়ৼৄঀ৾৻য়৻য়ৢঀ৸৻য়য়ড়৻৻য়য়৻য়ড়৻ঀ৻ড়ৢৼ৸৻ঢ়৻ हेनातःरो दन्नशःतुःन्दःर्वे नते से नद्दरःधेतःत्। दन्नशःतुःधेतःसशःद्विनः नेरःत। वरःसः के शः हत्। दन्नशःतुःधेतः सर मया वर्मभातुः नृतः से मानः सुनः धोदः पदेः श्वीमा शिवायामिया सामुवादा मनः सार्के या उदायानुः नृतः से स्वी वर्म म्तर्रिरः भेर्यास्त्रम्य व्याप्तरे व्यवस्तु भेर्या स्वीतः व्या व्याप्तरे स्वाप्तरे व्यवस्ति । दर्मेना नरे व स्थेव स्वते ही माहियाव हिया मार्से र सम्बन्धा स्वत्य स्वतं स्वतं मार्थ स्वतं मार्थ मार्थ मार्थ म यवे भ्रीम् इ नम्पर्दे दाव बम्पर कें शास्त्र विवास त्राया भीता सम्प्राया हिना पा धीता परि विवास हो। दा सें दा मुःग्रेन्यान्यः मुः नः । विदः विद्यास्य म्यास्त्रेन्यः क्षा स्वयः क्षा स्वयः स्वयः । स्वयः स्वयः स्वयः । स्वयः यदुःबुर् साध्यादःबियायार्स्पर्यया द्याश्चेत् कुःयव्ययातुःधेदाद्या स्रेस्राउदाक्षेत् कुर्याः स्रेस्राययात् स्र

हे। सर्हेन्यमा संसमारुदार्यहेन्युरावसूदार्धुमायद्वुरा । विमानासुरमायदेर्धुम्। वार्डनादामे। क्रेंमादेदेरव्यमातुः धेदा व। क्र्यानेत्रम् मुःसम्बन्धिः तत्र्यानुः धेवायमान्त्रम् । त्यायान्त्रम् यास्त्रम् वायायदे स्वन्यास्त्रम् व्यायदे स् र्यर-ह्रेन्यश्चितः स्वत्राह्याद्वेत् क्षेत्रः व्यव्याद्वाः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वि हीरा वर्देर् से तु याते। तुसारादर हिंद् वाहे या सूवारा से सहसारा धेत रावे हीरा देर हवा तुसारादर हिंद् वाहे या सेवाया महिमासाधितायते होता विकितान ते हिंदा देवे इसा क्षेत्र हो त्वर्मात स्थित होंदा देवे क्षेत्र त्राह्म विकास स्थित <u> इत्रात्ती स्थातम् स्थात्यरः क्रूणः स्था स्टाक्न</u> क्षात्रम्यात्रम् स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्यान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थान्ते स्थाने स नवे प्यमा क्री मुंभा क्री के क्री प्रत्यमा सुन्यमा क्रिया प्राप्तमा हिना प्राप्तमा हिना मा सुन्यमा सुन नर पर्दे द्वा द्वा पर्वे निवे क्रिया द्वा देवे पर क्रु के द्वी निवे प्या ही क्रु का तु हो दि पर्वा विवे पर हा विवे पर हा विवे पर हा है के पर हो है के पर हा विवे पर ह रटः क्रु. क्षे. द्वो. चवे. व्ययः क्रिंदः क्री. चद्वा क्रिंदः व्यव स्वयः क्षेत्रः व्यव स्ट. क्रु. क्षे. द्वो. चवे. व्ययः क्रिंदः क्री. क्रु. व्यव स्वयः क्षेत्रः व्यव स्वयः व्यव स्वयः क्षेत्रः व्यवः स्वयः स्ययः स्वयः स्व हैना द'रे। बर पार्के शास्त्री वदाया तु प्षेद पर बया। भ्रेसा तु तुर वदाया प्षेद पति ही रासा वर्षा वर पार्के या स्त्रीया लेब पा भेव पा में पा है पा वर्ष पा वर में विष्ठ र के अपना के पा के पा में पा के पा में पा के पा के अपना के अपन ठवा हिंद्रभ्रेशन्तर्धेवरमरम्बा हिंद्रश्चे भ्रेशन्तर्देद्रप्यक्षार्धद्रमदे द्वेरा व्यव्यवत्वा द्वयम्बर्धा हिंद्रश्चे भ्रेशन्तर ब्रेन्'वब्रशः विन्'वरः व्रवा ब्रिन्'न्रेसः वे त्ये त्ये स्थेन व व्यवत्य विवादः विवादः विवादः व्यवस्य विवादः विवाद र्न्स्यार्यान्देराः भ्रेत्रान्ताः चेत्राव्यव्याध्यायाः वियायदे द्वीत्रा वियायतः त्रेत्राच्यायाः विवायदे विवायदे द्वीता विवायदे त्यं मान्ना विष्यात्र प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये मान्ने मान्ने मान्ने मान्ने मान्ने प्रत्ये प्रत्ये मान्ये प्रत्ये प्रत्ये मान्ये प्रत्ये प्रत्ये मान्ये प्रत्ये मान्ये प्रत्ये सद् निया विकास स्वित्तर मा विकास हिंदा हिंदा हिंदा है। स्वित है। सहेदाय की हिंदा है। सहेदाय की हिंदा है। स्वित है। सहेदाय की स्वित है। स्वित है। स्वित है। सहेदाय की स्वित है। स्वित है। स्वित है। सहेदाय की स्वित है। स्वित है। सहेदाय की स्वित है। स्वित है। स्वित है। सहेदाय की स्वित है। स्वित है। सहेदाय की स्वित है। सहेदाय की स्वित है। स्वित है। स्वित है। स्वित है। स्वित है। स्वित है। सहेदाय की स्वित है। स यनि । देश यश्चित्रायाधेद यदे द्वीरा यहेश यार्र स्वायायाववायाया क्वीयनिराम क्वेदायनिराम द्वारा स्वया द्वारा स्व या बर हुर वर्षायार्देर अप्तेर यो द्युर या द्युर या दर या बी दर में त्या यळ द हिर यन दर पर दर्ग द्ये या वन दर्ग कु-१८। नकु-१कु-गिर्भ-रा-१वे न रे-भेर-१८। भ्रद-हेना वे-किर-गिर्भ-रा-वे-न भ्रुय-निर्म-प्री-भेर-वे-न फुँ-न्द्रो-न-न्द⁻न्न्युंअप्यथा न्द-सॅ-द्री न्द्र्य-सु-सुन्द्री न्द्र्य-सु-तेन न्द्र्य-सु-त हिन्। गानि या श्वरादा नु प्राये प्रदेश शुः श्वेन नु नु प्राये प्रदेश श्वेत सक्त हिन्। या प्राया नु प्राये प्रदेश शुः सद यह वाया नु प्राये प्रा नु नवे नहें भाक्कृते अळव हेन। अळव माले हो। बे १ १ १ ता हो नहें। बे अळव माले। नु नवे नहें भाक्कृ धे ब मार अळें वा नु नवे न्रें भार् भीत् होत् भीतामा ने भारते सर्वे न स्वेता सर्वे न स्वेता स्वेता स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स <u> चेत्र क्रे त्र तकत्या दे। रत्यो हेर त्या शार्र या इश क्रुवर्त्त या है ये राष्ट्रेत हेत्र हेर लेव लेवर ये अळव हेता ये र</u> नः ग्रुभः तः हे रः ये दः ग्रीः सळदं हे दः दुः पदः दर्देण । सळदः मादे हो। वना निरुभः ग्रीः सुदः से । सूरः में । सूर हे ना ग्रीदः दिवा

लुयाम्याधिय। क्षेत्रार्यायक्रमासद्वार्यस्यातुम्यात्वा क्षेत्राज्ञयात्वाच्या विश्वासाक्षीयात्वीस्यात्वीसस्यात्वीस्यात्वीसस्यात्वीस्यात्वीस्यात्वीसस्यात्यात्वीसस्यात्या <u>रवे वा विवार्धर दे। सहर् त्यमा वेर कु खूब विवायवुर व रार्टा अवायव्हर मायर खूर मायर खूब पार्टा। गुब कु वर्षे पर</u> क्याञ्चेत्रहो । कुंदे क्याय नुना हु पर्देन । हे याना सुर्या प्रमानुना प्रेंदा यदे ही रा स्रिये सक्त हिन प्रमान नुस्रायान्दरह्र्यात्रान्दर्यात्राधीत्। नुस्रायाञ्चीप्रयाचीप्रयाचीत्रायान्यायान्याचीत्रायान्याचीत्रयान्याचीत्रय कुंदे अळद हेरा अळद महे दी मान १ दी हेर कु ला अस नहेंर देगस है असे दे दे साम है से हिस है से स्वापन मेर्याहेश र्रे मेर् ही तुम्पर्रियान स्वाधारिक हुमान स्वाधार हिन्ता है। स्वाधार हिन्ता है। स्वाधार है। स्वाधार है। स्वाधार है। र्शेनायायनुयायानुयानी केंयान्ययायानुन्। सुयानहेंन्दिनायानी वियानहेंन्दिते तुःयळन् व्यन्ते। नेन्सून्ययायोन व। ग्रेन् मुः अः धेवः प्रशाद्यायः प्रवेशः प्रवेशः केन् प्रवेश्वेन। यदः द्वंवः पुराः अवश्रः ह्रायः प्रवः धेव। यदः द्वंवः श्लेषः प्रवः विवायः मोगायासे मोन्यास स्वाप्त स्व स्वाप्त स हुः क्रुक्षायदे विद्युद्धायायि । इर्देशः क्रुक्षियायायायि वायदे स्रिया स्वायायायायायायायायायायायायायायायायाया तुःरमःग्रीःर्राग्वन्यमःग्रेभःभूत्रिं। । रदःगेःरेग्यायः ५५:ध्रीः सरः ५८:५५:भूदः ग्रेन्। रदःहेदः भूवः सहसाग्रीः कुतेः सळत् हिन्। अळवः नावे वे तुसारा सृत् । यव छ्वास्य छ्रास्य स्यारा स्यास छ्रास छ्रास धिव। यव छ्वा स्रे प्रे नाया नो नाया से होन्या लट.लुच.सह.मुख.सह्य.२.२१ मुब्य.सा मर्क्ट्य.कुच.कु.कुव.मक्य.कुटी मक्य.मुख.सु सुम.मु.म्म.सम्स्रेम.स.२८.५दु हें द:र्से रश्र उदारी रर हे र गुदाद में दे मुदे अळद हे रा अळद पावे दी वर्रे र ळगश्र सु हा से र मे पर र रा र मे यवर्गान्द्रित्वोश्वान्ध्रात्व द्रमःश्चेत्रची क्ष्यःश्चेत्रचा क्ष्यं क्ष्या विद्वा श्चेता विद्वा विद्वा स्वान्ध्र द्याश्चेत्त्रीं क्रुं या पेत्रिते। दे द्याया ग्रीयाद्या श्चेत् ग्रीप्याया प्राय्वीत् यो प्राय्वीत् या प्राय्वीत् यो प्राय्वीत् या या प्राय्वीत याक्षुतुःषीत्रपदेः द्वीरा न्यो पात्रया सेन् ग्रीका इसा क्षेत्र ग्री प्रत्यका तुःसी प्रत्येत हो। ने कें तर्से स्था ग्री क्षत्र प्रत्ये प्रत्येत हो र नियम्बा इतन्त्राच्यानियम्बाभ्याद्याम्बाद्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्यान्यस्य न-१८-१नो न-वनान्वरूपन् न्राम्पेत्रप्राच्याम् । व्याप्तान्त्रे । वी १५नो न-१८-१नो न-वनान्वरूपनि विकास्या क्रीते की क्रुप्पेत क्याप दे·विहेशःवारःस्टरःसःधेतःसदेःस्ट्रेम्। क्रुःदुवाःवीःधेतःसःधॅदःदे। गुतःसर्वेःसेःदवोःनसःश्वरःनदेःसेससःदरः। देदेःसर्वेसःतुः शुरामदे र्क्केराम स्थापन मान्य वर्षे व्यामे में दे प्रेम प्रेम माने स्थापन में स्थापन सक्त के प्रमान स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन र्रादी क्रियाय छेत्र क्री सळव हिना यहियाय है त्यान होता क्रुकिता न्य्याय होता नन्या केता ने स्थान स्था केतान्य र्केंब पहेंब सहेंब श्री सामी प्राप्त के विश्व के ती प्राप्त केंब पर हो से कार्य के साम के बार के कि के कि कि क भ्री- मिन प्राप्त प्राप्त के प्रा <u>८८. तीया. प्राप्त प्र प्राप्त प्र</u> नशुस्रायात्री क्रॅबायहेवासहेवाशुस्रायहान्यात्रीयाही सेंबायहेवासहेवाशुस्त्रीयाही सेंबायहेवासहेवाशुस्त्रीयाही स देवे[.]बुदार्केटःयवे यद्याः क्रेदः दुः शुरुःयवे 'धेदः द्वाराक्षः दु। यवे यादे। क्रेंद्वः व्रहेदः श्रुद्धः शुद्धः होंदः यायायाः देयाः दंवाः द्वारां प्रवि र्वर-१६४१ शुः श्रेन चेन के त्या के दायहेद अर्देद शुमा की ने सम्बन के दा की सकद निवास के दायहेद अर्देद शुंसाग्ची मृत्यं वासादे सामवा हु गुद्दान दे र्थेद र्ये पीट त्या ग्वेट पदि लेसामा मृत्या सर्दे रादा द्वार पेसा पीट राग्ची मुंदर गश्यामार्ष्यदान्यमाञ्चन नेयानाष्येदात् विंदाक्षीत्रे साम्याक्केत्राद्या विंदाक्षीत्राचनमाक्केत्रामार्केत्रामार्ष्यदान्ययाञ्चन द्वा नेयाधेतात्री हिन्ती मुत्रस्य स्वाधित सदे नन्या क्रेतातु श्रूमा सदे नन्य से प्रामुन्य स्वाधित से । स्वास्य स्वाधित से । त्यमा दे त्या न स्मृद्दा द्वार स्मृद्दा हो । विभागाशुद्र सम्बद्धी स्मृद्धी स्मृद्धी स्मृद्धी सुद्धी सुद्धी स्म मर्दे | विश्वासंदे वराळवर्तु मुक्तासंदे प्येताया नहेवासंदे | विश्वासंदे मातुरादे नुमानाया मात्राया प्रवास नुमान त्या अक्षत्रंदेन्द्रा रहेन्द्रमा श्रुभःवर्ह्न्द्रेग्रभःक्षेत्रंत्रभःदहेन्द्रम्यश्रुभः दूर्यम्यश्रुभः दूर्यम्य हेना सराया सरायर्गम्या प्रायम्भात्ते सक्तरहेना मानि साक्षुराता सेये सरायर्गम्या सामे विस्तासान्ति सक्तरहेना महिरायान्त्री नर्देशाय्त्रवार्यान्त्र मकुन्यव्यवानिया नर्देशार्थाः धिराया नर्देशाय्त्रवार्यानियामा धेद'नश्चिम् निवे'त्य'श्चुर्राद्य तुस'मदे'न्द्रस'दन्नस'न्द्र' तुस'मदे'न श्चुर'दन्नस'निहेस'दन्याय'न'धेद'र्दे । देस'दर्स चित्राच्यत्राक्त्रेत्वात्राच्यो। त्यत्राचीता श्रेत्राच्ह्रेत्त्र्वात्राचीःश्लेष्ठ्राची द्यास्त्रेत्वाची वर्षाचित्र पत्रभात्। क्रांसबुदाक्की:पत्रभात्। क्रेंभातु:ब्रेट्रायदे:पत्रभातु। व्रयायदे:पत्रभातु:द्राय्था द्राय्ये प्राये व बेद ग्री सुर में हा क्षे मु ता वा हो द रादे ही द इस क्षेत्र ग्री व का सुद मार हो द राय है व व है व व व व व व व वर्च भारतालू देने सार्वासह र्सूर की वह वा हे बाह्म राज्य हो रायह हो माश्रुसाय। की सबेब की वर्ष सार्वास वी सार्वास विकास वी सार्वास विकास वी सार्वास विकास वी सार्वास विकास विका ळें बुर न कृ तु. व. तु दे प्रते : बुरा विहेश माहेश मार्वेद हो। यदे पर्वेद : क्रुश ग्रह र्श्वेप विहेंद मार्वेद मार्वेद स्वेदा विदायभ्रीयात्रीत्रेर्यात्रेर्यात्र्यात्र्यात्र्ये दिन्यायाः हिष्यावयात्रभ्रवयात्रे विद्यायाः विदायात्र्यात्र निष्याची त्रचीयाना क्रिया ख्राया या श्रीयानु निष्या द्वायानु द्वी दि दि श्रे श्रे विष्या विषय स्वायान्य विषय म न्युन्यादी ह्युन्यद्रभायान्द्रसार्वेदशायवे सळ्द्रहेन्सेन्ने। यन्भायान्द्रसार्वेदशायासेन्यवे ह्युन्यहे। यादी युनादी न क्ष्र-नः भेत्र-नम् द्विन-नदे द्विम् नित्रे वात्रम् वात्रम् वात्रम् नित्रम् नित दमानायाः बेदानायाः योदान्यते मादीः सम्राह्म विसामिते पुरामिते पुरामिते स्वाह्म स्वाहम स्वाह्म स्वाह्म स्वाह्म स्वाह्म र्देवःगठेग । तुम्रायदेः नुभाशुः शुनः बेवःयः पदः पोव। तुमायः ५८ः नुभामात्रमः पदः पवः यवेः यविः सम्रुवः यदः नुभामा तुमानवे नुमानवे नुमानवे मळ्त्र हेन्। तुमानवे नुमान्य मुन्नानवेत नाया धेन। तुमानवे नुमानवे मुन्नान स्वे निमानवे मिले सब्दानर न्येमारा नुयामेरे नुरासे स्थाने दियामेरे सक्ता मिले स्थाने शुःवन्याम। नुसामात्यार्क्षेत्राहे वन्यामा इसयार्ने व नियानवे व नियानवे वन्याम। नुसामवे वन्यानी नुसामवे नुसासवे द्र्याचा येश्वाचात्राक्ष्र्याप्रे आप्रुट्याचा अभार्त्याच्या । श्री मार्याच्याचायाचा विचाता श्री वाया श्री विवासा श्री विवासा श्री विवासा सर्देव-दु-र्स्चिन्य-व-इस्य-सेद्। दु-व-वद्यान्य दु-व-व्यान्य-वा दु-व-स-वेद्य-वा दु-व-स्रे-विव-वा दु-व-भ्रे.च.ज.अट्ट्र.टी.ब्रीच्याचा.स्थ्या.लूटी भ्रे.च.ज.अट्ट्र.टी.ब्रीच्याचा.चतु.टी.ची भ्रे.चलुट्र.ची भ्रे.चि.अतु.ची वर्याचाया यवै-दु-वा विवायवै-दु-वा वद्यायवै-दु-वा अर्वेद्यायवै-दु-वा सेदा दियाया है वा सा विवाया विवाया विवाया विवाया विवाया

वनानायानिवाना वन्यायायायार्द्वानुर्स्वायाया विनायायायार्द्द्वानुर्स्वे न्यायायायात्र्वे न्यायायायायायायायायाया रैनायासदे हे या दब्दानी यहें र्थे पदे दिवद रु. बुया की जावद त्या है। या देया है। बु. बना श्चानया वदयासदे त्यया दहा। या द्र्यात्रपुरावशास्त्राच्यात्रम् स्राचित्रपुराच्या विवातान्त्रस्यात्रम् नविनामास्त्रम् विवासान्त्रम् याळ्ट्रायदुः द्वीरा वाश्वरायाङ्केट्रायाञ्चेट्रायाया किंत्रारी सरसाम्बर्धायी प्रस्वरायाङ्करायाङ्करायाञ्चरायाया यरः वया वर्ते वासेस्या उत्ती यत्र वर्ते वासा होन् धोतः पति होना ने रावि वर्ते वासेस्या उत्तायत् वर्ते वासा होने धोतः यदे हिर्दा स्वाया ह्याया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वया ररःवीःहेरःवड्यशररःवीःइश्क्षाकुत्नुत्वाईं वॅरःक्षेत्रेन्छेत्। खेत्रयरःचय। हेरःखेत्रःखेत्रःखेर। छ्वायःपावय। हवायःचुतः है। हैं - चेन् ग्रे क्षा अन् केना निहें अप के के र के दे के प्याप के मान का मान का किन किन के निहें ने अन् केना वर वर्ने न्त्रा हेन् होन् हो क्षाक्षा करा रामी हेर वर्षा रामी हर है का क्रिन् निर्मे के रामी हिन्ही देवाशःकृतः, देवः ह्यःकृतःवादः,दुदः स्रेदः स्रोदः सर्वेदः। हवाशः विश्वा वर्देदः द्वा श्चितः स्वदः। स्वदः। स्वतः क्वा गश्रुरः में मुक् र्पेंद्रायदे हिंदा गलक परा हिंदा होता है अक्षेत्र करा दुर्भ सबदे अप के मारा पेक सम प्राया दिर्भ में गार विन । हिंद्रिक्तीः क्रुव्यसेद्रायदे खेरा वर्देद्रसे तुषा है। छ्रासर्वेद्राची सदिव सुसा ही क्रुंद्र सुवा सेवा स में। दुश्यसवते सून् हिनाया सर्देन सुस्र नुर्हेनाया पति हुन सर्वे न स्त्रेन स्त्रेन हो। सानवे से हना पासर्व सुस्र नुर्हेनाया पवि । क्रास्त्र्रास्त्रेर्यास्त्रेत्री याराप्र्यं त्रारी चेत्राचात्रयाचेत्रचेराक्री स्वाप्त्रया चेत्राक्ष्या चेत्रक्ष साधियासह होत्र हेत्राचन वेशासह क्षेत्र हुया प्रवित्त यह की लाय हैया यह या प्रवित्त यह की लाय हैया सह मित्र सह <u> इर.५.स.६२। स.चैय.थी ग्र.य.कू.स.२थी ट्रेन्ट.सजी ट्रेट.झैनी छिय.स.पन्नी स्वोन.चौय.ही ब्रिट.रीस.स.ट्ट.सथ.क्थ.रीस.</u> सहस्राह्यात्रात्त्रात्तात्वेत् । व्रिनाद्वात्रायात्रहेशायत्राह्यसङ्ग्रीतायात्रायात्रीत्रायात्रीत्राह्यस्रीत्रा न'न्र'मिडेमा'भेर्र'मिटे इ'नर'पर्नेर्न्ता मान'र्केश'ठ्या स्र रहंत'इ'र्न्र सेरे ह्रा भेर्र रहेत'ईश'स्र स्र स्र र बर्द्रान्यते ह्रा धोत्र पते द्वेर है। यत द्वंत त्या यहमा बर्दि ह्या ग्राट धोत्। यत द्वंत भ्री पाय योग्या से दीट पायर लेव परि मित्र मित् श्रमायक्षान्ती क्षुं व श्रमायक्षान्ती क्षुं व स्वर्थान्ती क्षुं व स्वर्थान्ति क्षुं व स्वर्थान्ति क्षुं व स्वर् धेव प्रभामा हिन प्रदे हिन प्राप्त वि प्रह्मे वा त्या प्रदेश मान्य वि स्थाप मान्य प्रमान प्रमान के वा वि प्रमान वि प्रमान के वि प्रमान क क्र्या. वर्षा सर्वेरमा केषा में त्री में त्रीया में स्थान स्थेया स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्था मुना मुन्यासूर्। । न्दार्यासामुनादा सेवाची स्थायराने सामास्था रहता हिन् मुन्यिर नुवर्त्तर नुम्यास्था स्थापन वृत्रम्मानाक् सर्द्रमाधेत्रम्माना हिन्नमानम् ने मानाधेत्रमि हानमानम् वीवानी म्मानम् ने मानवे त्र्र्य-र्-तुः चुर-त्रः क्र्या ठव। सर्द्ध्यास्य मुन्तुः साम्या स्वास्त्रः सर्द्ध्यासर्द्ध्यास्य स्वास्त्रः सर्द्ध्यास्य स्वास्त्रः स यदे भ्रिम्हे। मन्द्रसाधेद्रायदे भ्रिम् श्रुमा श्रुमायावि दर्मे। विद्रश्री द्रुमाय स्वेशमाय हिंदा है। चतुःशंसर्याचीरःभीयःवज्ञुःकं.चूतुःसंयःवृचातचीरःमैःसालुयःचराया। ब्रिटाज्ञीःवृच्रूरःरी.बीराचवुःशंसर्याचीराज्ञुःकं.चू ब्रिंट् ग्री खेय ह्या प्रचेट की लुप सप्त ही राज्य राज्य । ध्या मार्चिय । ध्या मार्चिय । स्था । स्था । स्था मार्चिय । स्था । श्रेस्रश्चाद्वरः गुद्दः वर्षे वरते वर्षे व इसामराने सामते खूत हे ना पत्तुर पत्त्र सामा धूत हो राहे। सहें र त्या थूत हे ना पत्तुर नार सत हुत पत्र सा । विस विश्वास्य स्वतः स्वीत्रा स्वरः होत् द्वारं स्वरः होत् क्ष्यः कर्षा हिन् से स्वीतः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं सिन् लुबंदी ब्रिट्-क्री-क्रि.क्री-क्रि.क्री-बर्च क्रिट-चर-वर्षा ब्रिट-चर-वर्षा क्रिट-चर-वर्षा क्रिट-लुबंद क्रिया क्रियान क् क्वेंदि:Wुव:नु:चु:नु:र्क्ट भ:ठद्र| क्व्य:पर:वर्ट्ट्वा:चेन्:ग्री:शू:कॅवा्य:शु:चुट:व:धेव:पर:ववा| क्व्य:पर:वर्ट्ट्वा:चेन्:ग्री:कु:धेव:पदे: ब्रीम हिन'न'र्केशने पिये सेट रुप्तें स्वाय बुन से। यह केन पित्र पित प्रीम हिन से। इस नम पर्दे वा बेट के हुए हा सक्दं हिन्यहिशार्ने व विसायर मन्या विषा चित्रे प्रमुखा सुरिता सक्दें व च महिशार्मे व पित्र मिन्या स्था विसाय व श्चैत कु र के त्या मा श्वा कु र विदेश के वा देवर के मा होता के ता के प्रा के प्रा के प्रा के प्रा के प्रा के प ननर धिव परें ने वर्षे ने के वार्ष कर है वार्ष के वार के वार्ष के व ब्रीम्प्रायाष्ट्रियात्र्यात्रा इसाञ्चेत्रकेंशास्त्र हिंद्राच्ची रायायात्राधितात्र वा हिंद्राची ह स्यां अ.श्री. वैंदान त्रात्त्र क्षा विकायतु त्रवेश स्था त्रात्त्र क्षेत्र विचाय त्रवेषा । तर्दे देश स्था से विकाय है। Bय. हरा देश हैं ये के किया विकास देश की प्रमान कर हैं विकास है से किया है से किया के किया के किया कर कर किया के ढ़॓ॴय़ॱय़ॿॴॹॖॱॸॸॖॺऻॴय़ॱय़ॱॸॱॸॣऻॱॾॴय़ॸॱॸढ़ॺऻॱढ़ऻॕ॒ॴॱॿॏॱक़ॗॱय़ॿॴढ़॓ॴय़ॱॴॸॱऻ*क़ॗॱ*य़ॿॴख़ढ़॔ॸॏॎॸॱॸॴऄढ़ॱऄॸॱऻ नायाने धीतात्र हिना परे क्रिया वर्षा पर्या परे देशीय पर दिन। सक्त सक्ति वर्षिया मी मिन्न में निकार में नाया मर्देर् होर् अवतः प्रश्ना वित्राचे वर्षाया प्रदेश वर्षाय दिषाय देश सदि द्वारा प्रवित्त वर्षा हो । लूर्यराचना वर्षात्तवुःसरमाभिनालूर्यत्यवुःहुराधे। रीमाचिष्याभी भरमाभिनालूरातवुःहुराचुराच्याध्या पूर्या वयार्थे। वर्देन्त्रा ने भ्रेश्वायायायायान्ता न्देशसेवीयावीयावुत्यम् वित्यासार्थे। यत्त्रायाचे । वर्षायार्थेन्यर चया यन्यासदे नारः चना र्वेन् प्रदेश होन् नेनः चया नी सदे नारः चना र्वेन् परि सदे स्वीता या स्वीतः स्वीतः स्वीत वया वर्षन् नदे निरःवन स्प्रेन् नदे ही मुखर्ने सुरःन् साञ्चा सुरःन् नयः ही हैं हे रावर्षन् नदे ही मुनःवया सुरस् न्ययाची हैं है शाक्त वर्षे सूर न्रायय प्रायय प्रति हो राष्ट्री वर्षे राषा हिया वि उद्यय वि वर्षे या वि वर्षे श सःचनाःमदेःनारःचनाः र्षेन् ःमदेः श्रेन्। ²सः ग्रुनः द्वा देनः चन्या दर्नेन् ः यस्य भीः दर्धसः सः चनाः मदेः नारः चनाः र्षेन् ः मदेः श्रेन् द

-

वर्देर्स्याह्यतः श्रे। वर्देर्त्यत्वराक्षे वर्षेयायाः वर्षायविष्याः वर्षायाः वर्षेयायाः वर्षायाः वर्षेयायाः वर्षे यारः वयाः क्रें भः उद्याः ने वर्षे भः यदे यारः वयाः अविषयः प्रवयाः ने प्रवे यारः वयाः अविषयः विषयः विषयः विषयः <u>दर्भिर्भिःवर्भभाववेः वादः ववाः धेवः ववेर्षे वोदः वा वदेरः वरः व्यवः वत्रः वया देः केवः वदा रदः वीः भ्रदः वेवाददः वर</u> वर्देर्नाराक्रभाने वर्षे भारादे वाराज्ञवा धोदारास्य। भूराकेवान्द्रार्थे रावर्देन्याक्रभाने वर्षे भारादे वाराज्ञवा वारा विन । भन्नमः वर्नेदेः भनः केनाः ननः सँ ने। सनः नीः भनः केनाः ननः सँ स्थान्यः स्थानः सदेः क्षेत्रः । वर्नेनः से क ୖଌ୶୲*ॱ*ॸ॒ॸऄॕॸॱॴॖॿॖॴॴॺॎॺॴॶॖॱऄॗॖॴय़ढ़ॆॱॴॸॱॿॴॱॴॸॱढ़ॎ॓ॴ।ॡॸॕॸॱय़ॱढ़ॴख़ॎऄॱज़ॱॸ॒ॸॱॴॿॖॴॴॺॎॺॴॶॱऄॗॖॵॴऄऄॴॱॿॸॱ त् चेत्रपदे नार बना सेत्रपदे चेत्र है। क्षेत्रा पके चेना उत्तर्त चेत्रपदे नार बना सेत्रपदे चेत्र। में रानी नत्र छन नब्हर अळअअःशु। अन् डिनान्टर्सेन्अर्नेद्वः सुन्देन्यानेन ळेंनाअर्गळ्टा। अन् डिनानहेशः सर्अर्नेद्वः हेनानीअर्नेद मवे बिटार्केश ठत्। शार्मेदाकु शुन र्हेन मानेरार्के माश्राम कंटा मवे बिटा धिदासर माश्राम श्रीन हे मान्टा सेटा में स्टा कंटा मवे बिटा धेव पति द्वेर इति स्व पति वर्षे व वर्ष ळट्ट.चद्य.खेट.लेट.लुच.चद्य.खेट्य विच.च.चर्या लट.च्य.च्य.च्ये ट्रेंस.च्य.लुच.चर.लुच.चर. वया न्रेंस में प्रेत दा न्र मुन परे सून हे ना नहि स पर से नात्र स्वर हिन परे हिन। वर्रेन हिस स्था मिं तरे। वें निक्त नःसाधित्यनःत्रवा भ्रेमात्रमार्वे निक्तार्वे दशःभ्रेशःसाम्मान्तःर्वेद्रान्यसाद्यन्तरान्तः वेद्रान्तः वर्द्द्रान्तः वा सदेःसद्याद्यः भ्रेशःद्याः वर्षः वर्षः कें भारुदा देरावया देवे हिरावेरावा सामुनाक्षेत्र सदे सदयाद साक्षेत्र सामा मानि सदि सदयाद साक्षेत्र सामा स्वापन यदः सरवाद्याद्याद्रभः भ्रेतायाववात्तः भ्रेतायाववातायाचेत्रात्याया विवायदे द्वीतः है। । यदावि तत्रे ते। वि विक्वाद्यात्रात्रे स्थायदे भ्रेत्र तुःसेन् पर्मात्रया न्रेस्यार्थे स्वादार्भात्रात्र्याः भूत्रात्वेषायात्र्ये पार्मात्र्याः स्वाद्याः स्वाद्य नमार्चित्राचे। व्यानमार्चित्रमार्चित्रभूभात् क्रिमान्त्रमार्चित्रमार्चित्रमार्चित्रमार्चित्रमार्चित्रमार्चित्रम धरायहेवारेशावारावेवा । हिंदारी भूतारेवा वाहेशायाहेशायाहें दावारावशाया विद्वारा विद्व चुर्भार्स्सेनार्ह्नेनार्से। नन्नारुनानीर्स्रेदारादेश्वसूदारार्केशाउद। वेराव्यानकुन्तात्रमानकुर्देश्वरान्, सेरानद्वरान्या हिन्यरा नुभाञ्चन केवा वाहेश समायहेवा रेश वादा बेवा । विंदा अप केवा वाहेश सायहेश सबेदे के शायहें मायहेश स्वाप केवा वाहेश यरः शुनः बेदः प्रतेः श्वेर। पर्देदः श्वेरत् भः हे। यद्वारववा वी र्श्वेदः प्रते वश्वदः यः देदः र्वेर के र्वेर श्वेदः वी यरः दुः क्रेद्वः वादः वी शः श्वरः वहिवा से 'तु स नर 'वात्रस देस 'धेत 'पदे 'हीरा

विवेश्यानाः सुरासारे सामाना विवा । हिन् के हिन साम्रीका से विवास विवेश्यान विवेश साम्रीका स्थान से साम्रीका साम े विन्न | क्रिंन| द्विन : इत्यः अप्यादेश | शुरु : द्विन : इत्यः अप्याद्विन : इत्यः अप्याद्वेन : इत्यः अप्याद्व विन्न | क्रिंन| द्विन : इत्यः अप्याद्वेन : इत्यः अप्याद्वेन : इत्यः अप्याद्वेन : इत्यः अप्याद्वेन : इत्यः अप्य दे·दर्दः वयः दशुरः क्रें शास्त्र हिंदः शुः हे अ। द्वितः क्रयः अ। अः दे अः वरः वया अर्क्षेत् वुः धोतः विवादः विवाद ग्रे हेशहान द्याया धेदारा नार दिना । यळेंदा नुः धेदादा स्वारा धेदाराया या हिना परि हिना ही या या नुवारा हें या उदा देरावया देवे हिन् में रामे हमारामहिराना सामुनाता दे यह वे प्रया यहार के राज्या हिन् हो में माहिराह्मया सामारीया चया ह्नायासाधीदादा सर्वेदानुसाधीदायसान्नियायादे हिन्ती हिनानुसाह्मात्रसाधीदायामात्रीमा हिनायासाधीदादा सर्क्षेत्रचुःसप्पेत्रप्रस्थायाद्यनप्रदेख्चिम् द्विःसासान्त्रप्रदेश देस्याने क्रियाच्या देवे द्विम् वीम्पेत्रप्र अः बुनः द्वा देः वद्देः त्रवः वक्षूनः केंशः उदा हिंदः ग्रेः शुनः हिनः क्वाः अः अः सन्धवा ह्वाः प्रेतः द्वाः अर्केतः ग्रुः प्रेतः विनः याने हिंदा के सुराह्मयास्या स्थान स् वा ह्यान्द्रभायहिभाक्केंभाउवा नेरामया नेते सेरा वेंदामी ह्याभावनियासम्बन्धान हो नेपद्वे मयादशुराक्केंभाउवा हिंदा ग्री'वनाव्य द्वितः इत्यः सः सः देशः सरः त्रव्य। सर्वेदः त्रुः धोदः द्वा इत्याः सः धोदः सः श्राद्यः सः सः देशः दिनः ग्री'वितः द्वा व्याधानितः इत्यः सः धोदः सः यदःविया । अर्कें व द्वाः भेवा द्वाः पाया भेवा प्रत्या द्वियः पाया देवा प्रते । द्वी या व स्वा व व व व व व व व व देवे भ्रेम इन्ह्रम्य माहे याना सामुनाम दे पद्वे प्रत्या प्रमुक्त के या उन्ना हिन् मी हिन पर भ्रेम के विनाम स्व सन्त्र। वर्णवाद्यमान्त्रीयान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम <u> बुवि के क्रिया सन्दर्भ सन्दर्भ सर्के दा नुष्पेदादा ह्या पासाधिद पर्भाव्य पाने हिन् मुन्हेश विवादीद के क्रिया धिदाया या प</u> विन । सर्केंद्र नुः धेदादा हनायासाधिदायसाहितायासादेसायदे हिना हिःसासान्त्र नादा हनायार्केसाउदा देनावना देदेः हीरा व्यूर्त्त्वा, स्वाया वाहेया सामा वाह्य है। यह वे स्वया विद्यूर्म के या विद्युर्भ के विद्युर्भ के विद्युर्भ सर्हें व ति सामित र्वेट मी ह्वा या नाश्याया या नाय है। दे दि दे प्रताद मुक्त के या कि प्रती हिंद मी मुक्त हिंद है। वे वा या स्वा या स्वा या धिदादा अर्क्केंद्रानुः साधिदायमा हिनाया दे हिंद्रानु मुनाहिना हिना धिदाया निमा साधिदाया महना या धिदाया अर्क्केंद्रानु साधिदा वर्ते मयावश्रूमके भारत्। हिंदाशिवनया हिनासिक से विनास माने भारत्य माने सके विनास माने माने माने से विनास माने माने से विनास माने नमाह्यनानाने हिन्दी त्वावाह्यन द्वेत हे वेवा धेताना विना । सर्वेत द्वा धेताना ह्वा नामा धेताना साथित नामाह्यामा देशमदि:हीम्। ही:सासान्नुनाद्या न्र्रेसम्बर्धाळ्या हेम:बया नेदे:हीमा विकितादारे। बयादन्नुमःधिदादा हिंन्गी:हिनाया र्भे निक्तरंगाः सारेश्यास्याद्वितः वेरः व्याद्रेशः पद्धियात्वेशः पारः विषा । पारः वयाः वीः पर्पाः सेरः धिवः परः वया । गाः वुसः पद्धियः पारः विन । नार बना नी नर्ना से र प्येत परि ही र विश्व परि प्रत्य प्रमुक्त के शास्त्र विश्व के साम होते ही सामुक्त हो हे पर्व दे प्रम् त्यूर्केशच्दा वयात्यूराधेदाराराचया ह्वाशावाशयाद्वरावाशुसास्टारादे वयात्यूराधेदायदे द्वेरा ह्वाशाक्षासायरा वर्देन्द्रा देखद्वे म्रव्यव्यक्त्रुरक्रिया हर्ते क्षेत्र हिन् क्षेत्र हिन् क्षेत्र हर्ते माने का माने का स्वरं माने माने का स्वरं माने माने का स्वरं माने का स्वरं माने का स्वरं माने का स्वरं माने का

यःगद्दिन । हिंद्रिः श्चीः हिनः यः श्चेत्र रहे र्ये मा नदिना देश सदे श्चेत्र । दूर र्वे स्थान्य हिनः यः स्थिति मा इयासरादेशासरावया गातुसामहिरामाद्रवेग । मारावमामी यदमासे दासे दासे हमाशाद्रियामहिरामाद्रवेग । मारावमा वी चन्वा सेन् प्रेक्ष स्था हिया ह्वाय न्द्रिय विदेश वाद होवा । वाद इया वी चन्या सेन् प्रेक्ष स्था वाद स्था वाद होवा । वाद वनानी नद्रना सेद प्रीद प्रस्म वितास सँ नाम सँ सँ सः देश प्रति श्वी सा नाहेश प्राप्त स्त्रा ने प्रद्रित प्रस्म प्रमुक्त श्वी स्वाप्त स्त्री स्वाप्त स्त्री स्वाप्त स्त्री स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त डे व्यानायन स्वान्य स्वान्य मानुस्र माहे स्वान्य निष्य । यादा बना मी यादा से दुः धेदा द्वा हमानु देश माहे स्वान होना । यादा बना मी निर्मा से दासा धिदास्य द्वित । हमा दिसा महिषा मारा दिना । मारा बना मी निर्मा से दायी देश मारी सामित्र म ढ़ऀज़ज़ॸॱॿज़ॱज़ऀॱज़ॸज़ॱऄॸॱऒढ़ॱय़ॺॱॿॖॎॸॱय़ॱऄ॔ज़ॺॱऄ॔ॱऄ॔ॸॱॸ॓ॺॱऄॸॱऻ॒ॸ॓ॱॡॸॱॿॖॸॱय़ॱॺॎॺॱक़ॗॸॺॱय़ॱॺ*ऻॎ*ऄ॔ॸॱॿॎ॓ॱऄ॔ॱ रैनायाययात्वर्त्तरम् देया हनायार्ट्स्यायात् हेयायदायरेनयार्वोयायदेत्र द्वीरा वयाद्वारार्थ्वे वक्कार्यादी। हनायाने प्राचार प्राचार प्राचार के प्राचार के प्राचार के प्राचार के प्राचार के प्राचार प्राचार प्राचार प्राचार प्राचार प्राचार के प्राचार प्रा हिन खेत्। | नामयान सेत्र त्र ह्नाम ने दे | सेत्र प्रमाहिन पर के नाहिन प्रमाहिन प्रमाहिन स्वाम ने खेत्र स्वाम प्रमाहिन यादमायाद्वितास्री ने दस्य याद्वितायाद्वयासायवी ।हमायाने प्येदादामाययात्वी ।सेदाययाद्वितायाहेयाद्वितान् । श्वित विवानु वर्दे द पा धेवा । वाशवान धेव व हवाश शेव पश्च । विचाय शुर विच श्वेव हे विवा । वाशवान शेव व हवाश दे विन्। | अवन्यः अवन्यः अवन्यः विन्। विन्यः विवन् विवन्तः विन्यः विन्यः । विन्यः । विवन्यः अवन्यः विवन्यः अवन्यः अवन्यः । नःन्य । दयायः द्विनः द्वेतः द्वेताः धेतः द्वे। । यावनः धनः श्चें समभः यद्वः त्याः ह्वा। श्चिनः व्वेतः समभः यभः वने । श्वेनः वर्हेन्। । हे भः ह्यनः श्रीश्वादे रहे शहन द्वाद्या । हे शहन दे दे श्री श्वाद्या स्टा । दे खे खुर ह्वाद्या खुर ह्वाद्या ह्वाद्या हिना <u> न्य । स्टर्स्ट र्स्नेट र्स्नेट पुर्सेट । शुर्र छ्वर हेश छ्वर शुर्र छ्वर स्टर । । ने पी शुर्र छ्वर हेश छ्वर पी । याश्वर ने पी ब्रह्म</u> ह्रम्या अव प्रमा । वित्र प्राप्ते प्रमाय वित्र प्रमाय वित्र प्रमाय प्रमाय प्रमाय वित्र प्रमा । वित्र प्राप्ते प्रमाय वित्र केन्। निःनवितःन्तेःह्नम्यःधेतःत्। ।म्ययःनःयःधेतःयःधेतःयःभ। ।ह्यनःयःनेःधेःयमयःह्यनःर्वे। ।म्ययःनेःयेतःयःयःधेतः व। हिनायाने सेवायया हिनाया दे। नि पी पूर्वा हिनाहिन हिना हिनाहिन हिनाहिन हिनाहिन हिनाहिन हिनाहिन हिनाहिन हिनाहिन यद्धंदर्भायाधीत्। हिनासादे स्रोदादानासायासीदायसा । विचायादे प्योश्चराविचार्ये । निस्त्यासीदादादे हिनासादे प्या बेद'मर्थाद्यन'मन्द्री | दे'णे'प्रमायाद्यन'हेद'णेद'र्दे। | हमार्थादे'बेद'मार्थाणेद'दा। मार्थाया सेद'बेद'मर्थाद्यन'मन्द्री। व्हिंगा ह्य-ग्री-दे-क्र्याह्य-त्यम्य। हिन-क्र्य-वर्ड-ह्या-द्या-वेश-दे। धिद-ख्याश-दे-क्ष्र-धिद-क्र्य-धिद-क्र्य-। वि-हेयाद-दे। हिन्-वयः त्यूरःगरःवेग । व्रिंरःग्रेःषुरः विनःह्वः स्वः सः देशःव। व्रिंर्-ग्रेःषुरः विनःग्रेःषुरः विनःदेशः प्रशः विनः वेरःव। द्रिंशः वेरिः व्रेःच्याः धोब पर प्रमा प्रमा प्रमा के प्रम के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रमा के प्रम के प्रमा के प्रमा के प्रम के प्र हिंद्रिक्षेत्रम् हिन प्रेत्रम् प्राप्त होना । दूरिक रिके हो ज्ञान प्रेत्रम् दिक रिकार्य प्रेत्रम् स्वाप्त होना वर्दे नव वर्षे मार्च में के मार्च में मार्च मार् विचायाने विचायाने विचायी मुस्विचा धेराया वादा देवा । दर्देश के बादा दर्देश के विचाया धेराया साम्याया । दर्देश के विचाया साम्याया । र्देव हेना धेव प्रते हो रो रे र मया ह्नाया नायय प्रतः वहया प्रते मया प्रतुर मार प्रतः मी मुर हिन प्रतः में मुर

विचानाहे भारा हे भाविचा शुराविचानाशुराया शुराविचा प्राप्त पार्वे ना धिवा यदि । विचाना ढ़ॏज़_ऻऻढ़ॖॕॸॱॹॖॱॾ॒॓ॺॱढ़ॎज़ॱॸ॓ॺॖॕॸॱॹॖऀॱॾ॒॓ॺॱढ़ॖज़ॱॹॖॱॾ॓ॺॱढ़ॎज़ॱॺॱॸ॓ॺॱढ़ॎज़ॱॿ॓ॸॱॿ॓ॸॱढ़ऻॱॸ॓ॱॺॱढ़ॎज़ॱॸॺॴॿज़ॱॺॹॗॸॱज़ॸॱ <u>न्रामारामी हे शाम्रामा में में प्रामा में श्री प्रामा में में स्थान के में शाम में मारामा में में स्थान के मारामा मारामा मारामा मारामा मारामा में स्थान के मारामा मारामा</u> विचित्रात्रात्री विन्त्रात्र विन्त्रात्र विन्ति । विन्ति या गुर्याना धितान में त्रा में सासानुनाद्या दे तद्दे प्रतादनुर्के साठ्या हिंदानी त्यायाहिन देशानर प्रता देंदाने द्वारा साथे दा सानुसार साथे द नमाह्यन माहित माहित हित प्रेर मानि हित हित हित है न स्थान प्रेर माहित माहित माहित माहित माहित स्थान है माहित स नर वर्देर वा दे वर्ष मन वर्ष राष्ट्र के का विद्या है अ वितारे अ वर मन विद्या है प्राची वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष हीरा हिन हो हनाम नम्म प्रतान्त करा पर्वः वया वर्षः स्तान प्रतान प्रतान हिन प्रतान हिन प्रतान हिन प्रतान हिन परि <u>इस्र विचा ययात्र विच यास्र सः ययात्र विचा ययात्र विचः चिचः च स्य विचः च स्ट्रेसः यो हेयः हिनः सः स्र्रेसः स्थार से य</u> द्रमाल्य स्वतः स्वतः म्या वर्षः स्वतः स्व गडेग |हेश:ह्य:ग्रे:बुर:ह्य:द्र: बुर:ह्य:द्रेंब:गडेग |हेश:ह्य:ग्रेंग;ह्य:द्र्याह्य:वुराह्य:वुराह्य:ग्रें वनायाद्यन दरा। वनायाद्यन देव नहेवा | हेकाद्यन ग्री हेकाद्यन हीव हे व्यान दरा। हेकाद्यन हीव हे व्यान देव नहेवा | हेका ह्य के बिन के ब्रेव हे के विवादित महिन मुक्त मान्य विवासीय हिन स्रेव है के विवाद स्वाय हिन स्रेव है के विवास है के विवास है म वियामार्स्स् मन्त्रम् र्स्स् मन्त्रम् वियामार्क्स प्रवा न्र्स्य में प्रवास मन्त्रम् वियामार्स्स मन्त्रम् वियामार्स्स मन्त्रम् त्यूरः क्षृतुःवासर्वेदाद्य र्देवाद्येदातुषायाधेदाद्य द्रिकार्याधेदायमान्नियायादे वहते ववाव्यूराद्ये हेषान्नियादा दर्देका र्से अप्येव वा र्देव हो द्वारा अप्येव प्रशाहन या दे पद्वे प्रया प्रशाहन हो हिंगाहन दरा द्रेश में प्येव वा र्देव हो द्वारा व थेव'मर्याष्ट्रिय'म'दे'यद्वे'म्याप्युर'मु: मुत्र'ह्य'द्र्य' द्वि'मुद्र'म्य'येव'व। द्रें अ'में स'येव'म्य'ह्यय'म्य त्यूर-क्रे'त्वायाष्ट्रवास्ट्रेक्यासाववे र्सूर-द्ध्याप्टा र्द्देव क्रेन्यायाधेव वा प्रेर्थासाधिव स्थाप्ति वा वि वशूराग्री हेश विराधित खेत हे विवादरा दर्श र्रासाधित वा देव ग्रीत क्या या साधित प्रासाधित प्राप्त प्राप्त प्रा ग्रे.र्बेग्। विया में वा के प्रमानिता के प्रमानिता के प्रमानिक के ल्या है होत्र हे ल्या नहेदे हें स्राप्त क्या पर्ने निया हवा या या या या निया निया प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प नेयायर मुद्री । व्यूराया व्युवस्य वया प्रद्र्याम् व्युवस्य स्युवस्य स्युवस्य स्युवस्य मुद्रम्य स्थानिय क्रॅ.चक्करःश्चॅरःक्ष्यःदी न्रॅरंशःसं ध्येदादा स्प्रदायःस्येदायश्चितायाने त्यत्ते व्ययायग्चूराग्ची हेशान्वतान् । नन्नम् नदे के वुस्तर के प्रत्य के प्रत्य के न्या ने क्षा ने का निष्य के निष नन्त्रायायात्रे व्याप्तात्र्यात्रे प्राप्ता क्षे प्रमुद्द स्था क्षे प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप् विच.स.सू.चक्चेर.सूर.क्वा.सक्र्याला वचाल.विच.मु.विच.स.सू.चक्चेर.म्यर.द्रचात्रावम्,चर्या । वचावसूर.देवे.सुर.विच. <u>२८.र्कृत्। वियाज्ञी वियायाञ्ची प्रमृत्राञ्ची प्रमृत्याची प्रमृत्</u> <u>२८। श्र-विचारे चलवाश यदे से लेश दा सेंश रहता दें शर्य खेत यर श्रवा केंद्र य खेत खेरा वेश चलवाश द्वें श</u> ष्ठिनःश्चीःष्ठिमःनःश्चीःम्बुनःश्चिनःश्चीःष्ठिमःमःश्चीःम्बुन्श्चिनःसःश्चीःम्बुन्श्चिनःसःश्चिनःसःश्चीःस्वाःस्वा विभःमवेःष्ठव्यःवश्चिनःश्चःसःमेवेःष्ठिमःश्चिनःश्चीःष्ठिमःमःश्चीःम्बुन्श्चिनःश्चिनःस्वयःस्वयःस्वयःस्वयः। मेश्वःमे विभःश्चीःष्ठिमःमःश्चीनःश्चिनःश्चिनःश्चीःष्ठिमःमःश्चीःमब्बुन्श्चिनःश्चिनःश्चिनःसःश्चिनःसःश्चिनःसः। मेश्वःमेवःश्चिमः

स्वीयाःस्वीटः। योष्टीः योचः योद्द्र्यः स्वायाः विवायः विव

ळॅ८्-अद्यःमाबुट-र्ट्रेस-पत्ते-प्राये-प्रमुख-मुख-मुख-मुख-प्रमुख-प्रमुख-मुख-मुख-स्थान्ते-अद्य-प्रमुख-स्थान्ते-अद भु-इस-सर-प्रमुद-प्रप्राप्तवुग्वस-स्था-मुख-इस-माब्या-स्याय-प्रमुख-मुख-सुख-मुख-स्था-स्था-स्था-स्था-स्था-स्था-स्थ

ञ्चः सः नृदः सर्वे दः र्वे त्रह्मः नृवयः नृवृद्धः यः सुनाः वर्ष्यः व्या । वर्षे रः नृष्यः मुवे : इसः मृवनाः रे मृषः यसः वर्षयः क्रीः क्षे : से मृ लम् देवामालमाळे नामलादशुरार्मे वामाशी हमावाववानम् निर्माण । मलादशुराख्टानावर शुटान् नरमामे सम यावयाःचलदःच। व्रथःदशुरुःकेःचदेःह्रथःयावयाःचलदःच। यावहःश्रेयःदयायाःश्चवःग्रेःह्रथःयावयाःचलदःच। श्रेयःदह्याःश्चवः वहुनानी इस नावना नभर पर्दे । दर में ला दर्स नरा वर हुर नहिसाय में दर में ला वि हेना दरे। हिंद हना सामस्य <u>र्दान्डर्यास्त्रे म्याप्तकृराधेदात्र वित्रक्ते स्वार्याम्याध्याम्यास्य वित्राम्यस्य वित्राचेरात्र विरास्त्रेय</u> माधीवाममानवा अस्व हिनाधीवामित हो मानवि नियापित हो मानवि मानव त्यूरक्रिंशः ठर्। वितः ह्वार्यायाया मार्याद्वाराया वितः ह्वार्याया वितः ह्वार्याया स्वार्या वितः ह्वार्याया स्व चरुकारावे प्रवापत्युर प्रवे स्वेरा देर प्रवा हिंद् तुमाराका हेंद् पादी ह्वाराका वाकारा महत्व हेद सीका ह्वा राज्य यदे चया वर्श्वराधेत स्वतं स्वेर् इत्यर वर्दे दाव दे वर्द्धर चया वर्श्वर क्रिंश उत्ता हिंदा ग्री हिंदा ग्री स्वाया विवास स्वाया स्वया स्वाया स् युन'सर'ष्रत्य। हिंद'ग्री'ह्रम्थ'स'युन'स'म्'हेम ।म्थत्य'न'स'युन। ह्यन'स'स'युन'सदे'ह्येर। द्रार्से स'युन'स्। दे'दर्दे' वयावश्रुरःश्रीःह्वाश्राश्राश्चातायरःवय। देःवद्वेःवयावश्रुरःश्रीःह्वाश्रायाःह्वाश्राःशःशुताश्रीःयदावहवादे हे। तुश्रायाश्रह्य *वेदः*धेदःसःह्रम्यासःसः<u>स</u>्वतःदेसःसद्देनसःदेग्यासःसानःदेन । तुस्रासःसस्द वेदःधेदःसःह्रम्यासःसःसुन देयायदःसेनसः मदे द्वीम् इन्ह्रम्य मित्र मित्र मित्र मित्र दे प्रवादि प्रवाद मुन्द मित्र मित व्यःवर्देदःव्यवःचन्नःचर्यः तुस्रःचः ह्वाःचः धेवःचरःवर्देदः छेशः क्वेःसेवाश्यःचादः विवा तुस्रःचः हवाःचः धेवःचरःवर्देदः छेशःव्यवः क्षे खेनर्याता प्रेत्राची स्वाह्म का हात्रा वा स्वाह्म का वित्रा हो । हिना वा साम्याह्म का साम्याह्म साम्याह्म व। ह्यानाधीवन्यसाह्यनःयाने वहवे वयावश्चराश्ची ह्यानायाधीवन्यायानावीय। अळव हे नाधीवन्य। ह्यानाधीवन्यसाह्यनःयासा चुन'नदे'द्वैर। देश'ह्नाश'नश्रथ'विन'नश्रुश'ग'श'चुन'न'द्रा' ह्नाश'नश्रथ'विन'नश्रुश'न्-द्रिट'रे'रे'श'चुन'न'ह्रसश' लारेनायात्र्यो नरामुद्री । वारेनाचारो हिंदाचलावसूरामरादेन । हिंदाम्भासुनाया हिंदाम्भास्य हिंदाम्भास्य । नमाहिना बेरात्। भ्राक्रिमा उत्। भ्राक्रिमा सामिता सामिता सामिता स्था दिसा सामिता स्था प्रति स्था प्रति सामिता स वया देवे द्वेरा हवाय गुन है। दे प्रदेवे वय प्रश्नुर ग्री हवाय या हवाय सा ग्रीय ग्री या तर से विकास है। कि प्रहे धेव'म'ह्याश्रासान्त्रावारेशायवासी हेन्यामित हान्यापर्दे न्त्रा देशारी धेव'मरानुवासराम्या दे प्रदेशम्यापनुरा त्री'नर्गेद्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः व्याप्ते क्षेत्रः व्याप्ते क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क ह्रम्यायायायाः र्हेन्यादी मासुस्रामा नृदान्यस्यायदी प्रत्याय स्यूनः मादान्दामा स्यो प्राप्तान में द्राप्तान स्य अः गुनः र्श्वे म्रायदे दिरः देवा अः यदः विरः। र्हे दः मविः स्रोदः हिरः हवा अः ग्राया महिशः गाः दरः स्रवः यदे वयः यग्नु रः हस्य अः यः यरः <u>ॲंटरळॅंट्र ग्री:ह्रम्थर्अट्र ग्राटरमर्गेट्रळॅंट्र ग्री:ह्रम्थर्ट्य व्हेंबरह्वयःट्टर्मुयःअगुवर्यम्थर्यर्यम्थरद्यःवाद्यःश्वीर् । विः</u> डेगान रो नेश गुःर्केश उन्ना गान केंश उन्ना गुमान केंश उन्ना न्रेंश में पीन पर प्राप्त न्रेंश में पीन पर है। वयादशुराश्चीः वार्ययानायादर्देदायदानन्यायमा नेयाशुर्केया उद्या गानार्केया उद्या तुसामार्केया उद्या द्रियामा सीदायरा

ठवा तुस्रायाळेशाउवा न्रेंसार्याधीवायरावर्देनाडेशाहेरियायायवेरिहीमा नेरावया नेरवहवेरवयावशुराने। लेशाह्यसाहेना माबी तुसाराक्रें भाउत्। मानाक्रें भाउत्। दूरें भार्य भाषाया दूरे भार्य भारत्मा भारते प्रथाय सुराधित परि देरा वया क्रेंश उत्र महिशात्र नमुदे नर प्रावहेमश यदे वया दशूर मार प्रावस्त मिर श्री प्रावस क्रिश उत्र प्रावस के मिर नवनावर्ग केंग रुव भूनाम निर्मेर नामयान या र्सेन्स निर्मेश महिस धराव हैना वर्म विमान से शहर केंग रुव से सिर्म केंग ठरा ब्रिन्'ब्रिन्'न्न्यावेवा'धेव'यर'त्रया ब्रिन्'र्सेन्'यं धेव'यदे ख्रीर'वेश'यदे 'त्रय'द्यूर-क्री'वाशयानायादेन्'यदान्न यदे छैं। तुसाय केंगा उदा धेंदाया केंगा उदा हिंदाहिंदा दराया विया धेवायर वर्देदा हे मा है में या मा दे की देवाया यर वया दे पद्वे वया प्रमुद्र मु मार्था न त्या पर्दे द त्यद न द न पर्दे में प्रमुद्र मार्के सार्व मुद्रा मार्थ मार्थ न प्रमुद्र मार्थ मा वर्रेन डेश है रेनाश मते हैर। नेर वया ने वहते वया वर्गूर ने तुरा नश हैंन माने। येन मार्केश ड्वा हिंन हिंन नर महिन धेव प्रभागम्यान हिन्दि प्रनाम ह्वाम हुम प्रदेशम्य द्वार प्रमान होना हिन्दि प्रमान हिन्दि प्रमान होना होना होना यते हिंद्र नाहेश से दे हिंद्र नाहे तुस राज्य हुँ र दर्गेश यते ही दा विकेता दरे। येद्र राज्येद राज्य देश से प्रे क्षे[,]ह्मापाधिक प्रमास्य क्षे, हमापाधिक प्रति श्चिमाबिक प्रति प्रमापिक प्रमापिक प्रमापिक प्रमापिक प्रमापिक प्रमाप यर्ष्या न्रें अर्थे भेतर्यर्थे के ह्वाया भेतर्यर्थे वर्षे प्रत्ये के अर्थे सेवाया वेर्षे सेवायायर वर्षे ने वर्षे सेवायर वर्षे ने वर्षे ने वर्षे ने वर्षे सेवायर वर्षे ने वर्षे न वशुराश्ची न्याया नाया वर्षेत् व्यव निवानवे छे। येत्राया थेवा नर्षेत्रा में प्येत्राया वर्षेत्र से व्यव प्याया विकास विका देरःष्रवा वार्यवःसूर्यःग्रीःष्रवःवगुरःवारःदरःवारःवर्गेदःवदेःक्वे। ष्रवःदवाःविदेशःदरः। हवार्यःविदेवाःद्वरःद। ष्रवःदवाः यिष्ठेशः योश्रयः नः न्दाः व्याः स्वाः वाश्रुः स्वाः स्वाः स्वाः योष्ठेशः योश्रयः नः नदाः । व्यः स्वाः योष्ठे या व्यः स्वाः स्वीः योष्टः व। वलःद्याःगश्रुअःगश्रवःचःदः। गठियाःह्यशा वलःद्याःवः व्युदःवःगश्रुअःगश्रवःचःदः। गठिशःह्यशा अर्देरःवः ह्रम्यायायायाः क्वात्वारके स्वरुधारम् रावर्षे विदा का सात्तुदाव पाठिया उसा ग्रीयायायायायायायायायायायायायायाया रदारेश वेशानुः धेदायराम्या द्रिंशारीं धेदादा यदाद्वाधेदायशानुना सानुसायाधेदायरामया द्रिंसारीं धेदादा ग्र-इत्र-इत्र-धित्र-प्र-प्रत्येशन्तु-धित्र-प्र-प्रदेत्र-हेशन्त्र-देग्रश-प्र-प्राप्ति । ग्र-इत्र-इत्र-धित्र-प्र-प्रत्य। नेश-द्व-धित्र-प्रते द्येम न्यानकतमहिषामाणा विषानुः केषाकता विनाने विष्याना मान्या मानुषामाणी विषया निर्देशमा धेदायि द्वीर वेर दाष्ट्रवाया सामुवा हो। दे पद्वी वया प्रमुदाया हिवा से दारी व्यव व व व व व व व व व व व व व व व ग्रान्त्रायां भेत्राचरात्रायां अत्यायां भेत्राच्या वितायां सेत्राचेत्रायत् यदेवसारी ग्रायात् वित्रा । दे सूरात् यदा सेवसायते धुरा दरसॅं अः मुनः वा देरः वया देः वद्वेः वयः वसूरः दे। वेशः मुशः हर्नावी ऍदः सेदः मारः सुरः संवरः वयः सः मुशः नमामाना न्रिमार्समाह्मामानुमानदेशमानत् म्यान्यत् मानामान्यत् । इसामान्यत् । इसामानुमानामानामानामानामानामानामान सद्र.सवा.पर्कीर.वा.विय.स.लूर.सद्र.चीर.खेश.सद्र.सवा.पर्कीर.ची.स्योश.चीय.सद्र.दीर.खेश.सद्र.सवा.पर्कीर.ची.योशवायावा वर्देन् यत्र नहन प्रमा नेम नु धीत्र पर प्रमा धिन पर प्रमेन् पर पर्देन् हे मा है में प्रमा ने से प्रमा पर प्रमा ने प्रमा ने प्रमा है प्रमा ने प्रम न वयायशुरु श्री वार्याय वर्षे दाया वर्षे दाया वर्षे के। इसासि वर्षे अश्री धीदायर वर्षे दि के अश्री सेवाराय है दे प्राया

दे'वर्दे प्रवादक्यूर्दे। इसासिहेर क्रीशाईर विशेषि विश्वात्य मार्थाया विरादा धेर पर प्रवास स्वासिह कर क्री सामि या गुर्याणेदानराम् गुर्याना भेदानराम् विताना स्ति । स् वयायगुराग्री ग्रायायायाये दिनायत्र वेययायये श्री रावेयायये वयायगुरा ग्री हित्यया ग्रीयायये श्री रावेयायगुराग्री ग्रम्यानायायदेन्तायम् वन्नायाये छे। न्रेंसार्या भेषान् भेषान्ना भेषान् भेषान् भेषान् भेषान् । यन् साम्या से साम्य से साम्या से साम से साम साम्या से साम साम साम्या से साम्या से साम्या से साम्या से साम्या से साम्या से रैनामानेरात्। दे से रैनामानरामा दे पद्वे मयाप्यूरा कु नम्यानायाय दे दायदान्य पदे है। तुसामादिका से प्रेर यर वर्देर हे अ है देवाय पदे हिरा देशवा देर वर्दे प्रवा शूर दे तुस प्रया हिर वादी दूरे व व व व व व व व व व व व लुष्र-तर्-स्वतःभर-कर्-भुष्र-स्वाषाचिषाःसपु-सवारचीर-लुष्र-सपु-सुर-नुर-सवा सवारचीर-रुपु-सु-सी-स्वार-स्व ग्रीभागम्बर्धानाश्चीःसामाशुस्रास्थानेसान्द्रसान्द्रसान्द्रसानामान्द्रतिम् । देःश्वरःश्चनसाशुः इतसान्द्रते हें। दूर्रसान्देः हानदेः ग्रम्यानारे रेर् स्यून्यासुपद्रेत्या हिरासुहिरस्यार्षेत्रत्यराहानवे ग्रम्यानानवे ग्रामे दे सून्यासुपद्रेत्ये सुनाराधित चते द्वीम देशन मरास्त्रम्थाया वर्षा प्रमान वर्षे मार्स् वर्षे मार्स के मार् ठद-र्-अः नक्के न्यायान्ये विक्री न्याया सुर्या श्री विक्री ह्याया सुर्या श्री विक्री सुर्या सुर्या विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा श्री विक्री विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्र विक्रा विक्र विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्रा विक्र विक्र विक्रा विक्रा विक्र विक्र विक्र विक्र विक्र विक्र विक्र व <u>न्नः ख्रांप्रन्यते ख्रीम् न्नः संदेश्यळव्यावे प्यम्ने नुयायाळे याउवा श्रीम्यायाप्ये याप्यायायायायायायायायायाय</u> बेश्यानिक विकास के का प्रति विकास के विकास के बादि के स्वापन के बाद के का का का का का किया के का के का के का क ठर्ना शुर्भानाधीत्रामनाम्या भे स्वापाधीत्रामदे श्रीमाने भागते मानापत्र माने प्रीमा विश्वाम विश दे। नेश ग्रु केंश उदा स ग्रुस म पोदा मर मा ह्या म पोदा मर मा पर्देस से द पोदा मर मा केंद्र ग्रु द मुस स्ट्रेंट पोदा मवे भ्रीमालेशम्यावश्वामाने ने प्रीत मवे भ्रीमा मले मवे सक्त मले प्रीमाने महास्वाम स्वाम स् चया यन् अः ग्रुअः धेवः परिः श्रुमः में दार्ग्वेनः तु अः पः धेवः परिः श्रुमः हे वाः अः धेवः परिः श्रुमः विश्वः पर्वाः पर्वाः स्रोनः पेवः यदे.दीम्। वृ.स.सून्यावर्द्धम् वी.चवावर्त्वूम् वा.वाहेयाव्यम् हे क्रा.वर्षः सून्यावर्द्धम् वी.चवावर्त्वूम् न्या वर्ट्या विषया वर्षा मार्थे अपूर्व निष्ठ हो निर्देश सम्बन्ध निष्ठ मार्थे अपूर्व मार्थे अप्तर्थ मार्थे अपूर्व में ठवा स्रिन्यः स्रिवः प्रम्या स्रिन्यः स्रिवः प्रदे द्वेरः विशायदे वाया वर्षुरः क्वे हित्यशः श्वा क्रियः स्रियः प्रवा यवे द्वीमा विदेश सदि सदि सदि विदेश में विदेश है। वा नार्क शास्त्री के हिवा साधि समानि स्वा स्व स्व स्व स्व स्व लुष्र.चर.वजा पर्यम.लुष्र.चुर.खुर.खुर.चुर.वजारचीर.ची. ध्याम.चीय.चु.च खुरा.चुर.वजारचीर.ज.चिय.य.लूर. यदे-द्वेर-वेश-यदे-त्रवा वश्वर-दे-दे-धेद-यदे-द्वेर।

लायर्ट्रेट.क्षयं चरेचास्था प्रमासियास्था प्रमासियास्था प्रमासियास्था विषयास्था स्थासियास्था स्थासियास्य स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्यासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्थासिय स्य

बेरावा देखें रेवाशासराम्या देखद्वे मयावश्चराश्ची वाशवायायाय दिद्वायदानन महिनास्य हो द्वारा स्वासी वार्य स्वासी यवे छन् सार्वे न्यन् वर्देन हे सा हे ने वाका यवे ही ना ने ना व्याप वर्षेन निष्या के वर्षेन वा के साथा है ने वा विश्व वर्षे ने वा विश्व वर्षेन वा विश्व वर्षेन वा विश्व वर्षेन वर्षे वर्षेन वर्ष वयर ग्री हिर्यर लें र्या हिर्य पर वि हे ना वर में इस सहिद हैं मार करा रहे में रहें ना सब है कर सामित नननः पते : क्षे | क्षाः सहितः क्षाः सहितः नृदेशः सँ रः हिनाशः पते : क्ष्नः सः धीतः परः हिनाशः पते : क्षनः सः धीतः परः पते निकाः सः पति । रेनामा नेराता दे सी रेनामा पर प्रया दे पद्वे प्रयादशुर श्री नामाया वर्षे दाया वर्षे प्रयादि स्था सहित है। इसा अधिवः इसः अधिवः नर्देशः सॅनः हें नाशः यदेः छन् सः धोवः यनः हें नाशः यदेः छन् सः धोवः यनः वर्देनः हेशः हैः नेनाशः यदेः धीनः। नेनः वया इसासिव के साउवा नर्रे सार्य में निवासाय के न्या भीवायमा है निवासाय है निवासाय है निवासाय है निवासाय है निवासाय है निवास है नि चया न्हें अन्तर्भे महिन्या प्रते स्वत् साधिव प्रमाहिन अप्यते स्वत् स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स ळ्ट. अ.लुच. त्र. ह्रेचा अ.त्र. व्यू. अ.लुच. त्र. त्र्रेट. हु अ.डु. हु चा अ.त्र. हु टी हु अ.व्या विकास हिंदे हु अ.व्या न्रें अर्थेर हें गुरु पादे केंद्र अर्थेद प्रस्कें गुरु पादे केंद्र अर्थेद प्रमें प्रस्कें निविष्य है। विदेश के गुरु देश स्थान है जा स्था है जा स्थान है जा स्था स्थान है जा स् त्या वृः नहेनामान् नस्यासित्रेन प्रताप्तमान् ने मानासित्र मानासित्र प्रताप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व यद्विद कें भाउदा ने देश में माहे ना भावते किना साथित समाहे ना भावते किना साहे ना भावते किना साथित किना किना सामित्रानित्र हो मानित्र हो नामित्र नामित् <u>बेर-वा दे-शे-देनाय-सर्मा दे-वर्द्ध-स्य-वर्णूर-क्री-नायवान-वावदेद-वर्ष-वर्गन-प्रया ह्रय-प्रविद-ह्या-स्य-स्य-स</u>्य-स हें नायायदे :ळंट्रायार्षेट्रायराहें नायायदे :ळंट्रायाहनायराहें नायायदे :ळंट्रायाधेव :यरायटेंट्रा छेया हे :रेनायायदे :धुरा देरा वया इसासिव की भार्के न माने विभाव भार्ने सामे में माने माने किना सामे किना माने किना माने माने माने माने माने म ळ्ट्रासाडि रह्मानाङ्केषासाद्वसाधीद प्रवेष्ट्रा शुक्रा शाहित पादिसायस्य स्वासादित स्वासादित प्रवेश स्वासादित पादिसायस्य स्वासादित स्वासाद बेद-र्शेट-ढ्वान्त्री द्वाराम्बनायम् निर्मात्री दि दारे। हमान्दिशमाट सुटाधेद धरम्बन मिले सुनायदे ही र हेरा वर्दिन चित्राताला हेवातालेबरत्याहेवा हेवाद्र्यावादाद्वाताहेवा दिर्द्याचे सालेबर्यदे हिम् हिम्याया बुवादा दे दा रटा है व्यथः भ्रुक्षायः ध्येत्रः प्रया द्रस्यः द्राये द्रिम् इत्ययः विष्या वर्षेत् त्या हिन् हे व्यव्या वर्षेत् त्या श्चेश्वायाध्येत्रम्यते श्चेत्रा वर्देत्त्वा हित्हित् श्चेश्चायाते श्चित्त्वेयाध्येत्रम्यम्या हित्हित् श्चेश्वायावेयायायात्वेया वित्र हिंद्रिक्षे कुष्य नद्रवा विदेवा प्रदेव स्था से द्रायते हिंद्रा वर्षेद्र द्रायते हिंद्र क्षेत्र द्रायते हिंद्र के कुष्य हिंद्र के कुष्य हिंद्र हिंद्र के कुष्य हिंद्र हिंद्र के कुष्य हिंद्र हिं दे-हुद-५ब्रेल-धेब-५६:ब्रेस ५६५-वा ह्वा-४-क्रॅ-५-४वा हिंद-भेद-५२-५०। हिंद-ग्रे-क्रु-भेद-५६:ब्रेस बेर-वा इन्यर-५६५-याधीवर्क्ति । विक्रियादारी सेन्याधीवरवा हिन्धीवर्यराष्ट्ररायदे ह्यायाधीवर्यसाहित हेरावा ह्यायावि वर्के साठवा नेरा मया देवे भ्रेम सम्मुनाता हमामार्कि सम्मेन सम्मया दर्भ में मानि मुनाम हे मानि सम्मानि सम्मानि सम्मानि सम्मानि स शुरामदे ह्वापा धेरामरामया ह्वापा धेरामदे से ह्या वा हेवा दारे वा दारे वित्र से दान है या है या है या है या है य

वन्नदान्यत्राचा विदासेदान्त्रेत्राची स्वाप्ताची स्वाप्त मदे द्विम् पराम हेना दर्भ विद्रासेद महिका ही दर्भ साथेद मा विद्रासेद महिका है। विद्रास महिका ही वदावकाः धेवानाः वदेनसः दर्भेसः नविः द्वेर। ग्वसः नवः विः तः रो सः धोतः नवः धोतः नवः स्वतः वेरः देसः तः सेदः नवः सेतः वेरः व्यतः न्त्रीयायदे द्वीर वेराव क्रीं वाये हो। येनायायेव द्वायाययार्थेनाया ध्वीताययाय्येनाययाय्येनाययाय्ये होता धनाया हेना व रे। इन्दर्द्धार्थः दद्धार्थः विद्यात्रे अर्थः विद्यान्य विद्यात्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त बासी प्रतासी के प्रतासी के विकास के बार्च के बारी के प्रतासी के प्रतासी के प्रतासी के प्रतासी के बारी के प्रतासी के प्रता ब्रीमा नेश्रान्तरमञ्ज्ञान्तरम् वाप्तर्देशामाहेशाक्षी नम्बन्धन मान्यमा विष्य स्वर्तान मान्यमा विषय स्वर्ता स्वर गहेराक्षेत्रक्षाधेत्रमाधेत्। मन्द्रन्द्रमाधे न्द्रमाहेराक्षेत्रक्षामाधे न्द्रभाव क्षेत्रमाधे न्द्रभाव क्षेत्रमाधे न्द्रमाधे न्द्रभाव क्षेत्रमाधे न्द्रमाधे निव्यव न लुषी जुरा ची. लुषा ची. को साम लुषा ची. साम लिषा ची. साम श्चेर-पेश-द्यःस-पेश-सर-पिश-सूरस-पर-सॅटः। पेश-द्यःपेद-प-प्रदः-पोद-प-पदिश-ग्र-पिश-सूरस-पश्च<u>। श्</u>चेर-पेश-द्यःदे-धेव पर्दा ने वा मुख्य मुख्य प्राप्त के वा मार्थिव पर्दा विवाद के प्राप्त में प्राप्त के वा मार्थिक प्राप्त के व धोत्र-प्रमः विश्वास्त्र-स्वार-स्वार-प्रमुश-प्रमुश-प्रोर-प्रेश-प्रमः चित्रि। । । वाशुस्र-प्रम्यानानाने प्रमुश-प निवर्षाता निवानामिति हुमानिवानिवर्षात्राचिता हुमानिवर्षा हुमानिवर्षा मित्राचित्रा निवर्षा मित्राचित्रा हुमानिवर्षा ग्रानदे द्वावा वाले के शास्त्र हिंद हिंद दूर वाहे वा धोत सम्मान हिंद खेट सदे हिंद ले शासदे हता दि हुन हिंद है वर्रेन् यह यह यह वार्ष मायदे न्याया यादे न्याया यादे न्याया यादे न्याया यादे न्याये या विवास विवास विवास विवास चरःष्रवा देःवर्द्वेःष्रवःवश्चरःश्चैःवार्यवःचःवःवर्देदःवदःचह्यःचर्य। गःचदेःद्वावाःविःक्वेरःठदःश्चेःश्वेदःद्ःगःचदेःद्वावाः चया गानवे न्यानानि केंग उदा गानवे न्यानानि धेर प्रमाशका हिंद धेर प्रमान हैन । गान से दाये हिंद है से से से वयः वशुरु श्रीः मुख्यः नः यः वर्दे दः यदः नहनः स्था गः नवेः द्वानाः मुले र्के थः उदः श्रीः श्रेदः दुः गः नवेः द्वानाः मुले। गः नवेः द्वानाः याबि क्रिंश ठ्वा क्री क्रेंट्र न्या प्राचि प्रवास पावि क्रिंश क्रिंश के प्रवास प्रवास क्रिंश क्रिंश क्रिंश क्र गानासेन्यम् त्राचि न्यावानावि धेत्रपि स्वे स्वे स्वे स्वयायक्ष्यम् क्षे वास्यानाव स्वयायक्ष्यम् वास्यायक्ष्यम् नवावाःवाबिःळॅशःठवःश्चेःश्वेटःनुःगाःव। गाःववेःनवावाःवाबिःळॅशःठवःश्चेःश्वेटःनुःश्वेनःवरःवर्देनःवेशःहःनेवाशःववेःश्चेर। नेरः चया गानाळन् समान्येनमान्ये सार्चे मानाळे मान्ये प्राप्त हो हो हो सार्च हो से सारा हो से सारा हो सारा हो सारा ह ग्री न्याया निर्मात कर्ति निर्मात कर्ता माना कर्ता स्थान द्रियायायते यार्चे वाया गानाळन् स्रयायान्सेवायायते यार्चे वायाळे याउत् नी स्रेन्-तुन्त्रयायाधेत स्राप्टेन् हे या हे सेवाया यदे हिम् देश ह्वाश त्य सेवाश वर्षे हिम्मवाना विकेश करा दु हुश ग्राम हुवा श्रुप्त सेवाश वर्षे मध्य हिम्मवा स्वी न्यमायायायायात्राचेत्रमार्क्याचे सामरा चुद्री । विष्ठेना दाने। सुदे निनाना निने क्रिंस ठद्री न्रेस से राहेना से सिन होता विषय से से स् न्यायाः याबि : धोदाः सम्प्रान्यः धोदाः पदिः खोद्याः विष्याः पद्याः स्त्रीः याष्याः याः वर्षे ने स्वरः यान्याः स्वरः न्यायाः याबिः क्रिंभ उद क्री भ्रेट र भूते र नाना नावी। भ्रादे र नाना नावी क्रिंभ उद क्री भ्रेट र र दें भ में र में न में नाम सदे कर सदे र नाना नावी धीद यर वर्देर हेश है देवाश हेरता देशी देवाश यर प्रवा देवद्वे प्रवाद कुर की वाशवाद वाद देंद वाद प्रवाद मा श्रुवे

न्यायाः याबे र्के राज्य र सुरान् सुरे र न्यायाः याबे। सुरे र नयायाः याबे र के राज्य सुरान् सुरे र नयायाः याबे र के राज्य सुरे र न्यायाः याबे र के र न्यायाः याबे र के र न्यायाः याबे र न्यायाः यावे र ठव्रची क्षेट्र-र्-र्द्र अर्थे र हिंग्य प्रते छन् यदे न्याया यावे प्येव प्रतः पर्दे र छे या है र या या प्रते छी र । प्रताय छे या वर्षे या व न्यायाः यादी क्रिंश उद्या सिन्दार में स्टें स्वाया सदे क्षित्र स्वाया यादी स्वीया सिन्दार यादा दिन सिन्दार स्व र्ट्यार्चरार्ट्रेन्यायाये कर्मायाये स्थित्। वेयायवे म्याये म्यायाय्ये न्यायायायायाये स्थित प्रायायाये क्रिंग डव ची सेट र मुद्दे र नाना नावे। सुदे र नाना नावे क्रिंग डव ची सेट र र पित या सुदे र नाना नावे क्रिंग डव ची सेट र र पित यान्द्रिंशार्चरार्ह्रे वार्यायां कंत्रायां नावीं प्येतायर वर्द्रेता हे से वार्या हे स्थाप्य हे स्वरायर विषया ठदःशुः श्रेटः नुः र्षेदः सः न्देरः रेदः हेवायः सदे रहन् सदे नवावा वाले खेतः सरः वर्देन छेया है सेवायः सदे श्रेरा धटाव छेवा दः री यदे म्यादशुर श्री म्यायायाय देर् प्याय प्रमाय प्रमाय स्थाय दे प्रमाय मित्र क्रि एक श्री स्रेट र् पि प्या स्थाय दे प्रमाय म्बि:र्क्सं ठदानी:श्रेट्र नु:र्षेट्र प्रार्क्सं ठदानी:श्रेट्र नुस्रायदे न्याया मिबे प्रीद्र पर्र पर्रेट्र ठेस: हे स्यास वेर दा हे सी स्यास यर मा दे तर्वे म्या त्र्र में माया नाया वर्षे दाय प्रमान मा त्रा माये द्वा माये के साम माये में प्रमान माये में ठदःग्रीःभ्रेटःतुःतुअःमदेःन्यायाःगाविःर्केशःठदःग्रीःभ्रेटःतुःर्यन्या तुअःमदेःन्यायाःगाविःर्केशःठदःग्रीःभ्रेटःतुःर्यन्यः उदःग्रीः ब्रेट.र्.वुम्ययदे द्याया यादे ध्येद सर पर्दे द हे भा है से या भारते ही रा देश वुमारादे द्याया यादे हिंभा हत ही ब्रेटर् के भा हुदे इंस.जम.म.च.मूर्ट्री । अपिकाराष्ट्रिम.जसरमाग्री स्मानावना निवर्ण हो। सरामेश रामानावि क्रिमानवि हिंदा ब्रिं-र-नाडेना धेर पर प्रया नाले ज्ञून परे भ्रीमा लेग परे प्रया प्रयाम की नाम पर परि प्रयास की नाम प्रयास के प न्यायाः यादी क्रिंश कर की से टान् पुरा पदे न्याया यादी। तुरा पदे न्याया यादी क्रिंश कर की से टान् तुरा पदे न्याया यादी न्टर गरेवा'धेव'नर्यर्वेद्र'रेवा अर्डे देवा अर्डा वा विद्या विद् यदे-द्याया-मावी तुअन्यदे-द्याया-मावी क्रिंश ठव मी श्रेट-द्-तुअन्यदे द्याया-मावी-द्र-माविया-धोद-य-दर्देद-वेश हे शे सेयाश नरम्या नन्नासेन्धेत्रपदे द्वेर्न्तेरत्व वर्नेन्द्वस्याया न्रेंसावनायान्यत्रे देर्न्ते स्त्रीस्री स्रादेशके त्रे क्ष्र-धिदःग्राटः वर्देदः व्यवः चहनः चर्या वुसः धवेः द्वाचाचावेः क्रेंसः उवः श्रीः श्रेटः दुः वुसः धवेः द्वाचाः चावे। वुसः धवेः द्वाचाः चावेः क्रिंभारुद्र-शुः भ्रेटानु सुरान्ते प्राचानानि न्दानि वा धीदायर मान्य तुमानि स्ति मानानि क्रिंभारुद्र शुरानु नावि सुनामि द्येर-वेश-मदे-मत्य-द्युर-ग्री-मार्था-च-त्य-दर्देद-त्यद-चन्न-चर्थ। तुश-मदे-द्याना-मवि-र्केश-इद-ग्री-श्रेट-तुश-मदे-द्याना-म्बे केंश रुद्ध में दे दे निया मार्च निया मार्च निया मार्च केंश रुद्ध में प्रति मार्च में मार्च में मार्च में मार्च में मार्च मार्च में ब्रेट-५-तुब्र-पति-द्रमानामित-दरमानेनाधिद-धर-पर्देद-नेब्र-हे-ब्रे-इन्बर-पर्देद-नेब्र-हे-देनाब-पेट। दे-ब्रूर-पहेब्र-धर-देशन् नुस्रायार्केशच्ता ह्यायाधीदायरायर्देन्छेशाक्चेयेयार्श्वितायर्देन्यायाः स्वायाः धोदायमः चया देशाययम् शासु सामा हिना या धोदायमः यदे दिन हेश हैं। देशिया यश्री यदे दिन त्यदा से चित्र शासी दिन ह दसरमःश्चित्रासराद्याद्यात्रमादेग्द्रमाध्यमाद्यमाद्यमाद्यमाद्यात्रम्भूत्रात्यम्भान्त्यात्रमाद्यात्रम्भूत्रमद्या वसरमःश्चित्रासरादर्गासमादेग्द्रमाध्यमाद्यम्भूत्रात्वेभार्म् ।

वयः त्यादी वयः दशूरः यदः द्यायीः अळ्व हे दः येवः वेरः व व व ळ्या ठवा अः श्रुअः यरः वया ह्याः यः येवः येवः वेरः वेरः येवः वयायगुर्स्ट याउत्। यदाग्रीयार्थे वास्यस्थे त्यासदे वयास्याधिदासर वया वयायगुराधर द्वाराधिदासदे श्रीरा वितास विश्व सः बुनः द्वा दे तद्वे वया वशुरः क्रेश उदा वया वशुराधार प्वा स्या प्रता वया प्रता वया वशुराधार व क्षे। ग्रुमःमदे भ्रुमः वेमःमदे क्रूमःमः अराद्यादयेव वृमः ग्रीः मया दशूमः अराद्यायीव स्वरे भ्रुमः इत्यरः वर्षे द वर्षः यवै स्त्रीम् देम्प्रत्या यद्ग्यत्व त्यात्र स्त्र स्त्रुद्ध सेवस्य प्रते स्वय प्रते स्त्रीम् देम्प्रत्या दे त्य दे स्वय प्रते स्त्री यहनःचंदेःकें श्चःह्वाचःधेदःचःह्वाषःसःश्चुनःहेषःयदःवदेनषःदेवाषःचानःविवा ।श्चःह्वाचःसःधेदःवदेःश्चेर। विःहेवादः रे। रदः हेर् ग्री अप्ययस्थायदे रदा कुर् ग्री ह्वाशायदार्या प्याप्ता वयाय शुरायदार्या वी अळव हेर् प्याय वे स्वा न्ना धेत परे द्वेत इत्तर पर्ट्न वा ने पर्व रामका प्रमुक्त करा कर कुर परे दे परे माने पर प्रमुक्त पर प्रमुक्त पर ब्रिंट्-स्ट-क्षेट्-क्षेश्रायस्टशासदे स्ट-क्कुट्-क्षे-ह्रम्थायः प्रमाण्येट्-सदे म्बयायक्कुर-योदासदे मुन्ना ह्रम्यायया वर्देट्-स्री-स्था हे। ब्रिंट्राइंत्यामशुस्रायसेद्रासी:तुस्रासदी:मत्यादमा:इस्राट्नाधिदासदी:ध्रीम्। तिःहेनादामी ह्रम्यामस्यामारासुदासमेंद्रासदी: रवाधित्रत्व वत्तात्वीरात्रत्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वात्त्र्वा देरःषय। देवे:ब्रेस् अःग्रुवःब। देःव्हवे:ह्माशःर्बेह्यःक्रॅशःठव। ह्माशःमाशवःमारःसुरःवर्गेदःयवेःरमःधिवःयरःषय। ग्रुशः यःह्रम्याश्चार्याद्वार्यात्रे स्वार्थिवः प्रवेरित् हेरावया द्वार्याः ह्रम्याश्चार्यात्रे स्वार्याञ्चीराह्याः हरा नर वर्दे र से सुरु हो। हवार र्स्ने र दर वया वर्षे र तर वर्ष कार विषय विषय हो। वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष वर्ष त्यासी पर्टे दान पर्दे न पर्दे प्रता परि हता हिला प्रता हिला पर्दे न प क्रिंगाच्या देराम्या देवे भ्रेम अम्मुनाया दे क्रिंगाच्या वार्मेयार्था या से पर्दे दायवे म्यान स्रेंदायवे प्रवासी विद् यवे श्चार्केश रुद्या साग्रमाया देवारा लेवारा लेवारा लेवारा लेवारा हे माने स्वार के स्वार के स्वार के स्वार के स नभूत-नर्डे भार्स्न-भारत्योयार्के भारत्य ह्वाभावाभयार्के निवाली वासुसामा निवालय विवालया व्याप्तया निवालय विवालय चते भ्रेत्। वर्रेत् से तुर्भ है। ब्रिंत् ग्री ह्वार्थ वार्यवार्रेत् वादी वार्यस्य वर्षेत्र वर्षेत् सुर्भेत् चते भ्रेत्र वित्र ह्यायाधित्रपते श्रीम् विश्वापते वया वश्चमार्केश उद्या देन वया देते श्रीमा श्रामुनादा दे वद्वे वया वश्चमार्केश उद्या वया

वशुराधराद्रवाधितासराम्य। ररावी र्केश र्येवाररावी नेश वर्दे दार्केश ठता शुरिराद्र ररावी हवाश र्येवा सूत्राया द्वा मशुस्रायसे दाये प्रवादमा द्वारमा प्रवादमे द्वीर दिरायय। रदामी के सार्यमा ग्रुसायये प्रवास के सम्मान क्रूंश.व्य.स्रीत.स्रेट.री.स्ट.ची.स्चीश.जूची.स्ची.स.स्चीय.स.ल.क्ष्याचीश्रीस.यसुच.सपु.सचा.वचीय.लट.रेची.लुच.सपु.सी.पी. वया ब्राक्रिंग ठता भे हिना है। त्रुभ पते ही माने के पते हैं माने पत्री ने पद्रिमाय पत्रीमा के भारती है माने पत्री माने देःवड्देःचवःवशुरुःश्चैःवेशःवर्देदःक्वॅशःठदःश्चदेःश्वेदःदु। देःवड्देःचवःवश्चुरःश्चेःहग्नशःवॅन्।श्चेरःवादाःश्चेरःवदेःश्चेरःवःपदः न्ना धित परे द्वीता नहेश पर स्टासुनाया या वया दशुत्राया सक्त हिन्न न्त्री ना हनाया के या देश में स्वाया स्वरा मद्यायदे द्वायायक्तर्याद्यायक्ती दरार्दे म्बयाद्यायक्तर केता व्याद्यायक्तर केता व्याद्याप्त स्वादि स्वादे हे स षान्द्ये वर्तुः सरन्द्ये र वित्र दे। वर्षा वर्षु र प्यत्त्वा न प्रति । वर्षे दि हे वित्र व इसराशुः विन्यते द्वेत्र। वयाववुत्रायदान्याची सस्वति देन व्यति ने। सद्वित् वयाववुत्रायदानु स्वति विवास विन्या सञ्जदानर कुरायदे चया द्या द्या द्या पुर्वे वायाया दे दे भी दा दे हो त्या दे या विकास के स्वार्थे प्राय्य विकास त्रश्चरः त्राप्तः न्याप्तः । अत्राचेत् अत्येत्रः प्रवेष्वयः वश्चरः यात्रः त्राप्तः वश्चरः वश्चरः अत्राचेतः वश्चर <u> न्या मी अर्ब्य हिन प्लेन्ने। वया वशुराणदान्या यादा हिया । वर्ज्ञे यादें याद्धया याशुर्या स्वराने ने प्लेय पर्ले स्वराने हिन</u> वसेव पते चया वश्च राषदा द्वा प्येव व रदा हे दाशे र्वे दाशे दे व राष्ट्र देव राष्ट्र व मैशावशः त्रुद्रशः भेदः। कदः स्रशः सः मुनः पः दृदः। व्रिनः पः कदः स्रशः मुनः वेदः। द्रशः नवदः वः कदः स्रशः नशवः नः वृत्राशः सः याड्रियान्त्रों राष्ट्री श्रुवाचेन् त्रवेदायदे प्रवादिष्ट्रायान्त्र वात्राची स्वादिष्ट्रायान्त्री स्वाद्या स्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या स्वाद्या त्यर्थायते हें राजापर द्यापी द्याचरुराया स्त्राया स्वराया यावय हेरा द्विताया स्त्राया या या वे वायय स्वराया से र्श्वेर-न-लट-ट्या-ग्री-क्र्या-विच-भ्र-त्यीय-ज। ट्य-चक्टत्य-क्ट्र-स्थ-चश्रय-चश्य-वश्य-वश्चेर-प्रवे-श्वेयशः क्रिंशासी त्यापार प्रति ही मा सुना हो दाय वेदाय त्या स्टा क्रिनाय वेदाय देवा त्या द्या स्टापाय प्रति विद्या पर <u> न्दः से क्षिया सः स्टः से या अप्यक्षेत्रः सक्षः वश्चारः अपटः न्याः यो अरुदं से न्याः स्त्यः अपटः न्याः या स्</u>र्वा । क्षेयाः सः स्टः क्कुन्-रस्-न्र-रेग्-र्याचित्र-प्रविद्याचे देश्याचे के त्यान्त्रे क्षित्र-प्रविद्याचित्र क्षित्र-न्रि स्ट-प्रविद्याचित्र-प्रवित र्श्चेम्रायदे स्ट क्रूर्वेद सदे स्ट स्विद स्ट स्वाया सदे स्ट स्विद स्थिम्रायदे स्वया द्यूर् क्रूर्व स्वया स्वय रक्षेत्राक्षःसदेःस्टःकुर्दःदवेदःसदेःकुःद्दःदवावःसदेःदव्यकःसुःद्वेत्राक्षःसदेःबवःदवुरः। वितःसुदःद्वःदरःदवावःसदेः नुभेग्रास्ते स्टाक्नुन्त्रेत्रस्ते हिनानुन्द्रात्वायान्ते हिनानुन्त्रभेग्रास्ते प्रयायानुन् त्यायाहिनानुभेग्रास्ते स्टा हिनासर हें दासदे मिलेर हें भारत् हो हो हैं नभारते दें भारति सम् हें दास ली दार में मिला होना यर र्देव पति श्रीर विश्व पति श्रव पति स्वर पति श्रीर दे पदि श्रव पति श्रीर दे प्रवर्ष प्रवर्ष पति स्वर्ष पति स्वर्य स्वर्य स्वरति स्वर्ष पति स्वर्य स्वर्ष पति स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वरति स्वर्य स्वर्ष स्वर्य र्राचित्र'न्भेग्रायदे'र्राकुंद्र'द्येत्र'यदे'र्रायवेत्र'द्रायवेत्र'त्रवेत्र'त्रवेत्र'त्रवेत्र'व्याया हिन् ग्रीयाययम्यायवे से क्रिय्याके त्रास्या हियायम् क्रियायम् । से क्रिय्याके त्रास्या हियायम् क्रियायम् विमाय ळेद'र्सेश वित्र सर देंद्र स'स'धेद सर क्षुत सर वेद सदे रर नवेद र्दर विषय नदे रर नवेद र्दि विषय से रर क्रुट्यी

ह्रग्रथायाः प्रतायो । वित्राप्तायाः वित्र । वित्राप्तायाः प्रते । प्रत्यायाः प्रते । प मासायुनामा ने प्रदेश म्याप्रयुमार्के सारमा हिंदा मरामिने मामामिन मामामिन मामामिन मामामिन मामामिन मामामिन मामामिन हिनासर वेंद्रास ने सेंद्रा ने न्दर वनायानर नशेया रेना क्षेत्र केंद्र से याहिनासर वेंद्रास ने सेंद्रा ने दे रूट न वेंद्रास न वशुराधराद्रमा धेरायदे धेरा महिरायदे सळ्ता मिले धेरादे । इ.च.इमा धुरायरा मिलायर हैं तायदे मिले राहें साव सहिराय इन्। द्युरानमान्त्रियायरार्देद्यायाया वेदायम् वादायम् स्थात्रे विदान्ते त्युत्रात्त्रे विदान्ते विदानमान्त्रे वयायगुराने ने प्येतामदे हिरा ने पद्वे वयायगुराके या हु न्दायम्य पदि पद्वेयात प्रवेताय स्ति प्रवेताय है য়ৄ৾৽৴ৼ৾৽৻য়ঀ৾য়৽য়য়৾৽য়য়৽য়ৢ৽ৼয়৾ঀয়য়৽য়য়ৢয়৽য়য়ৢয়৽য়য়ৼয়য়ঀ৾ৠৄ৾ৼ৽য়ৣয়৽৻য়য়ৼয়৻য়য়৽ঀৢ৽ৼয়ঀ৽য়ৢয়৽য়য়৽য়ৢয়৽য়ৼ৽য়ৄ৾য়৽ यंने रुपाद्याः सुरावर्षा ह्यायर दिवायरे विद्या वारायव्य सुर्वे र होता हुवा कवारा सुरावद्य सामे प्राप्त सुरावर होता सदे क्रु-द्र-द्रम्यायानदे द्रम्यान् द्रम्यानानदे स्ट क्रु-भी ह्रम्यायायान् विष्याम् । विद्रम् क्रु-द्रम्यायानदे द्रम्य रक्षेत्रायायते व्याप्तक्षुराधे दाते होरा विदेशायाया वाष्ट्रीयाया हे प्यत्ते व्याप्तक्षुराक्षेत्रा क्षा क्षाप्त न्भेनाश्रासदे चया त्र्युर प्येत्रासर चया हिन् हो केंश्रासेना हुन ना इत्रास्त्र रामर हेंत्रास ने से स्वास हिन् से स्वास हिन स्व केंद्रार्थ्य हिनायर वेंद्राया दे वेंद्रायायायर बारायेया क्रुवाक म्यायायाय वेंद्रायाय वेंद्रायायायाय विवास विवास शुं र्येट हो न कुर कवारा शुः वादरा न रेयेट । हिंद ज्ञान तहारा शुं र्येट हो न कुर कवारा शुः वादरा न वारा शुः न वि वशुराधेदायदे सेरा वाश्वरायदे सळदावि व्यूनाने उदान्दा शे से वसाळेदारें माह्यायर देंदायदे वादेर के भाउदा <u>ॱढ़ॳॱ२४.ॼऀॱॹॖॱॹॖॕॖ</u>ॖॾॴख़ॖॳ॒ग़ॣॹऒऄॎय़॒ॸॾॶॣऻढ़ॎय़ॾॴ॒ऻॎय़ॶड़ॱॸॗॵॱय़ॱऄऀ॔ऀ॔॔॔॔ॹॳॴॴॶ॔ग़ॎऻॳॴड़ॣॸॶॎड़ऻॹॗॸॱॿॖऺॴ सद्यः वत्यः वत्युः स्टे दे त्ये व सद्ये क्षेत्र दे तद्वे व्यव्या वत्युः स्टे के व्यव्या विद्या विद्या विद्या व कुर्-प्रयेत-प्रये-चित्र-चेर्-र्-र्याय-प्रये-चित्र-चे-र्ययाय-प्रये-व्या-प्रचीर-प्रय-प्रया-चिर्-मीश-प्रय-प्रयो-द् बे क्रेंनशक्ते व स्थानिया सम्प्रें व सम्प्रे व स्थानिया है नश्चा के स्थानिया सम्प्रे व सम्ये व सम्प्रे व सम्ये सम्प्रे व सम्य सम्प्रे व सम्प्रे शुःनाद्रश्चानः सेन् स्य सुनः सरः होन् स्वते हिनः होन् न्दाः त्वावान् वते हिनः हान् सेनाश्चानते स्टः हुन् हो हनाशाधार प्राप्ति स्व वार विवा । हिंद्र हिन हो द्रार्थ वाया नदे हिन हा द्रिय मार्थ म्या द्रिय प्रति स्वा प्रति स्वा विवास मार्थ मार्थ स्वा विवास स्व विवास स्वा विवास स्वा विवास स्वा विवास स्व विवास स वशुरक्रिंश हर्ता हिंद्र हिन होद्र दर विवास निवास हिन होत्र से विवास हिन होता हिंद्र हो हिंद्र हो हिंद्र हो हिंद मुः अः र्वेष्ट्रनमः केत्र में माह्यनः सम्देत्र साने र्वेष्ट्रना नेते हिना होन् नुः अर्थेन माह्यनः सम्वेत्र साने र्वेष्टा ने न्दर स्वायः वरः बारः रेवाः क्रुवः कवायः शुः वावयः यः रेवेः श्रिवः व्यवः रेवाः वः क्रुवः कवायः शुः वावयः यरः रेवें स्वितः वि रेवा'य'क्कुर' कवार्य'स्'वाद्यय'य'हवार्य'स्'वर्गे द्र'यदे'चव्य'वक्कुर'धेद'यदे'द्वेर| हवार्य'द्र्य'स्था वादेर्य'य'स्याचुवाद्य| से' र्क्षेत्रभः क्रेत्र-स्थाह्याः सर्वेत्रपादी । इदाद्वान्तीः से प्रशास्त्रभः हितासर हितास्य हिताने द्विताने द्वित लुर्यस्तुः हुर्या चिश्रभ्यः भ्री चुर्वः सः चीयः यी विष्युः स्यासः क्षियः क्याश्वः श्वः चिष्यः सः स्री चिरः स्या क्षियः क्याशः श्वः चिष्यः वया ह्याप्याधेत्रपदे से त देशपदे वयादशुरादे दे प्येत्रपदे से प्राप्त होता दे प्रदेश वयादशुरादे के शास्त्र हिंद

क्षे-ह्रमाप्यरःक्षुत्रायरः होत्रायदे त्यायाष्ट्रितः दृक्षे मुकायदे स्दरः क्रुत्योः ह्रम्कायप्यत् न्यायितः विता । क्रित्ययायाष्ट्रतः न्सेनास्यत्ये मेयात् सुराधेत्रायते से नाहेस्या सुनासे ने प्रदेशे मयात् सुराधे केसार्यना मुन्याया ने प्रदायाया ह्यासायाद्यितः हेन्। हिन्याह्यास्यास्याद्यासदे स्वेन्। यहेशासार्वे यासायाव्यास्य स्वायाद्ये स्वायाद्ये स्वायाद्ये सक्दं हेन् स्पूर्ते विकायक्षिरात्राचीरात्रिया विक्तायार स्टाक्चिर्रास्टर्ट्याया स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित त्यान्त्री त्र व्याप्तिन्ते। क्रुप्तायायायि स्टायति स्टायति स्टायति स्टायति स्टायति स्टायति स्टायति स्टायति स् तुः नुभेग्रम्भः मदोः म्रयः त्रशुर्म । ह्युनः मुद्दे-नृदः त्रयायः नदोः स्टः निवेदः नुभेग्रमः मदोः स्टः मुद्दः त्रयेदः सदोः स्टः नविदः नृदः त्रयायः नदोः वियान्त्रीत्रम्भायत् व्यादक्ष्म् रदान्त्रीय प्रतायकान्त्रीय वर्षान्त्रम्भान्त्रीय वर्षान्त्रम्भायते । रदःचवित्रः नुभेग्रयः प्रदेष्वयः वर्षुर् वित्रः होत् द्वायाः चर्षः वर्ष्वयः तुः नुभेग्रयः पर्वः स्टः कुतः वर्षे तुः नृदः वर्षायः चर्षः विच.च.र्मभ्यामानाद्वः व्यापस्ति । रट.यद्वेदः रट.यद्वेतः रच्यायः यदे विच.च.रम्भगमान्यः स्टः स्त्रूरः व्यवेदः यदे विचःचेर् रटायायः यदुःररःयधुषःरश्चेयाश्वःसदुःस्यःवशुर् । क्वःतरःवयायःयदुः वियःशःतश्चेयाशःयदुःररः क्वितःवस्य सदुः वियःशेतः दर्यायः यदुःदर्यभायः रश्चेत्रभाषाः सदुः सवाराधिः म् स्थार्यभ्यात् । स्थार्थः स्टः स्थ्रितः स्वेतः सद्यः स्वार्थः स्वार सन्ध्रेम्यायदे रदाकृत विवेद प्रदेश्य प्रवेद रदाय विवाद से म्याय प्रवेद स्थे प्रकृत प्रकृत प्रवेद प्रवेद प्रवेद वर्षायायदे स्टान्नेवर् द्रियायायदे स्टाक्नुन वर्षेव पदे स्टान्नेवर् स्टान्नेवर् स्टान्यायायदे कुर्ने वर्षेयायायदे स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप त्यातायतु वियाची रश्चामा सत्। सराक्षेरी तस्त्रे सत्। वियाची री राज्यातायते क्षिण्याचे स्थापक्षेत्र। सरायद्वे स वर्षायायदे मुः द्रश्रेषायायदे स्टा मुद्दायये पदे त्यायायु पद्दायायायदे स्टायवित पदे प्रायायायदे स्वाय स्वायायु दवायायदे क्षुान्द्रीयायायदे स्टाक्कृत्रद्रोत्रये स्वयायायदे । विष्याक्षायदे । विष्याक्षायदे । विष्यायायदे । विषयायायदे । यिष्ठेशःगाः से त्य्ये यात्रान्यः प्रदः प्रदः मृत्रम् रायुः स्याकात्यः प्रदः प्रति त्यान्यते । कुः प्रदः त्यावा यदे । कुः प्रदः विवादा विवादा । रटः क्रुन्दिवेद्रायदे त्व्रकातुः नृदादि विवादा विवादा निष्या विवादा विवा यदे क्वि. दश्चे वाश्व. तदी वाश्व. तदी वाश्व. वादेश वाश्व. तदी क्वि. तदी वाश्व. तदी वाश्व. तदी वाश्व. तदी वाश्व. वकुर्ने वडु दुवा थेर्न्य दे हुर दर्भेदे सक्त वाले थेर्ने हो से सूर्व राक्षेत्र में राष्ट्रिय सर्भेद पाले राक्षेत्र कर् क्रॅ्रेनशः क्रेत्रः वियः यरः द्वेतः यः या प्रेतः यरः वय। यरः यत्र यः शुः व्येरः त्वेतः क्वायः याप्तः यदेः वियः यवैरः दे.दे.लुब.सवु.हुम् दे.पर्दवु.सवा.प्रश्नुम.क्रूबा.क्र्या हिंदाक्नु.पटा.पवाया.यवु.मटायावेष.पर्वायायावेष.मटा यवृषः न्दः त्यायः यदः त्य्याः नुः नृश्चे वायः यद्यः वयः त्युः राधे त्यः वयः वितः ग्रीयः तयः यदः योः व्ये वयः व र्वेद'स'दे। देश'द्यन'सर्देद'सदे'म्बेर। ग्राट'द्यशःश्चु'कॅट'ग्रेट्-क्वुद'क्वम्थ'सेट्-सर-श्चुन'सरे कुं-दट'दम्याय'नदे' रदःचब्रेवःन्श्रेषायःचवःरदःकुन्ःग्रेःह्षप्यःणदःन्षाःणेवःयःषादःब्रेषा ।हिन्रदःचब्रेवःन्दःव्यायःचवःव्ययःतःन्श्रेषायःचवः वयायगुराधेदायदे भ्रेरा महिकाराक्षा मुनादा दे यह दे वयायगुराक्रे का उदा हिंदार राम दे दारायायायदे यह का मु न्भेग्रायदे चया दशुर प्रेतायर चया हिन्शी केंश सेंगा हु से स्वित्र केंद्र से शहन यर देंद्र या ने सेंटा ने दे रहा ने द ळ:ब्रीटाश्चेनाचार्श्वेनशळेब्रार्चेशाह्यवाचारार्देबाचार्देश्वाचार्देश्वाचार्वाचारार्चेनाः क्रुवाळन्याचारार्देश्वाचारार्वे व्याचारार्वे व्याचारात्वाचारा

बटायब्रमाश्चार्यमाब्रीन क्रित्रक्षवामायाने स्ट्रा हिन्बटायब्रमाश्चार्यमाब्री स्ट्राह्म क्रवामाया हवामाश्चार्य विष्याय हुन धित मिते मुद्रीम्। मित्रेश मित्रे सक्त मित्रे मित्रे में हिन सक्त मित्र विचायम् वेदायायाधेदः यम्प्रया विचये मेणायाक्षुद्वाक्षण्यायाधेद्वायये द्विमाले यायये प्रयापित विचायये द्विमा माश्चारायदे सक्त्रमाने प्रिन्दी र्पन्त्रमा द्वारा स्थार मार्थित स्थार माने राक्षेत्र स्थार माने राक्षेत्र स्थार साधितानम्बर्धा बारानेनाक्तुत्रकन्यासासुग्नात्रसामाधितानवे स्वीतानवे सामित्रस्व स्वाति स्वाति स्वीतानवे स्व माने प्यूरे है। रे.य.र्या वैर.यमाध्यात्र प्रत्याच्या मान्या है यात्र मान्या है यात्र प्रत्या है यात्र प्रत्या वि'नवे'रेन्'न'न् क्रुव'क्रम्थाशु'म्वर्थ'न'र्वे'स्वेर'वेथ'नवे'स्वय'त्युर'रे'रे'खेव'नवे'स्वेर व्राव्वे'सक्व'नवे'खेर् द्यान्त्राची से सून्या केत्रार्ये याष्ट्रियायमार्देत् यादे याबेन्याके यावेन्याके यावेन्याके यावेन्याके यावेन्य यर मया श्रार मेपा क्रुंब कवा राष्ट्र वाव राष्ट्र प्रते श्रीमा बेरा परे मया वश्या प्रश्नीमा क्रुंब परे श्रीमा कु ऍर्ने। इस्तर्वाभी से सूर्वका के क्रिया हिया सर्दे स्पर्वा निर्दे का उसा दिसान है। से सूर्वका के क्रिया हिया सर्दे समा साधिदारामात्राया वारमायत्रमासु विरान्ने त्रम्यामा स्वापाय स्वा नतुत्रमितं सळत् नावि र्येन्ने से सेन्सळत् सेंदि कु सळें र ळें र छत्। से र्येन्सर नया तुना र्येन्सिर हिर विकासिर वशुराने ने धिदायदे हिरा वक्कर् वदे सळदा वादी स्पर्ने विरावी या दिवेद विरावि हा विरायि ना विरायि ना विरायि ना व निरा नर्त्रयार्राचित्रपरिक्षुनाहोर्दि। भेरभेर्यासस्य सिंदिक्ष्यस्य स्ट्रियं स्त्रा भेर्ष्यर्यम्य पुरानास्य पुरानास्य ঀ৾য়৻য়ড়৻য়য়৻ড়য়ৢৼ৻৳য়৻ঽয়৸য়ৣ৽য়৻ৼয়য়য়৻য়ড়৻ৼৼ৻য়ৣৼ৻ড়৾য়য়ড়৻ড়য়য়৻ড়৻ৼয়য়৻ড়য়ৢৼ৻ড়য়৻ড়য়ৣৼ৻ড়য়৻য়য়৻য়য়৸ঢ়ঢ়ৼ શ્રીઅવ્યવસાયતે સે સેન્યને સે સેન્સહંત સેંદે ક્રુપ્સર્હેન્દ્રના સેન્યન્સુનયન ક્રેન્યને ક્રુપ્સન્સેન્યન વેટ ફ્રાય न्वाः धेतः यानाः विवा । हिन् व्यवसातुः न्येवायः ययेः वयः वयुनः धेतः ययेः द्वीतः । वाहेयः यात्रायाता ने व्यविः वयः वयुनः हियः ठव। ब्रिंट्रत्यव्यातुःद्रियायायदेःव्यात्यवुराधेदायरावय। ब्रिंट्र्युत्याह्मायाशुःवर्गेट्रयदेःवयादवुराधदाद्रवाधेदायायारा ढ़ॏॴ_ॎऻॖॎॖॱय़ऄऄॱय़ॼॺॱॹॖॱऄढ़ॱय़ऄॱॺॖऀॸॱॵॺॱॸ॔ऄढ़ॱय़ऄॱॼॴॱॾॣॕॸॱढ़ॱक़ॕॕॺॱॸढ़ऻॱऄॸॱऒ॔ॸ॔ॱय़ॸख़ऻॱॴय़ॱऒ॔ॸ॔ॱय़ऄॱॺॖऀॸॱ ढ़ोशःसदेःचयःवशुरःर्केशःठद्या ह्यतःग्रेन्यःन्शेषाशःसदेःस्टःश्कृतःवसेदःसदेःस्टःनदोदःनशेषाशःसदेःचयःवशुरःधेदःसरः वया ब्रिंन ग्रीकारवरका यदे की रामे ने पिरा मीका नवे का यदे । व्या क्रिंस नुभा का सम्मान का विदास हो नाम । दे.पर्टतु.वजातवीरक्षूत्राक्ष्या व्रिट्रर्रायवेषात्रेयात्रासतु.वजातवीराज्ञेयात्राच्या व्रिट्र्यास्यात्रायात्रीत्रायाः दशूर-षदःदगःषेदःयःगदःवेग । यःयःवेदःदरःरदःववेदःगवेगःषेदःयदेःश्वेर। देःदगःयशः व्याप्यदेःवयःवशूरःवशुरःव देवे अळ्दा गृंदी प्यट देश या नदिद पु नव वा पु प्यें दादी हो क्षें तथ के दार्थ था हिनायर देव यदी गृंदी राहें श ळेद'र्से अ'द्युन' पन् देंद्र' स' अ'पीद' पन र मेथा। यह र ने यो मी 'हर्हे अ' कु दे 'हु अ' पा अबु 'ठद' पेंद्र' पदे 'ब्री अ' 'ब्री अ' पदे 'ब्री अ' <u>न्नार्भःन्ना इवान्वान्त्रे अःश्रृंन्याः केवार्ययान्त्रान्याः व्यान्त्रान्याः व्यान्याः व्यान्यः व्यान्याः व्यान्यः व्य</u> र्वेद'रा'स'धेद'यर'मय। म्राप्टेप'मी'देर्रेस'मुदे'तुस'रा'सम्रुउद'र्धेद'रदे'स्वेर'वेस'यदे'मय'दमुर'क्ष'तु'महिस'रा'द्रा'। से য়ৄ৾৾ঀয়৾৽ড়৾৾৾য়৺য়ৢয়৽য়ৼ৾৾য়৾৾য়ড়৾৽ৼঢ়ৄ৾ৼয়ৣৼয়ঢ়ৢৼড়৾৽ড়৾৽ঢ়ৼয়৾ঀ৽য়৾য়ৢঀয়৽ড়৾য়ৼয়৸ঢ়ৢয়৽য়ৼয়৾য়৽ঢ়৻ঀঢ়৾ৼড়৾য়৽ড়য় देश⁻चित्र-सर-ब्रेंब-स-स-प्रोब-सर-बजा चट-रेग-क्रुंब-क्रम्थ-सु-मवश-स-प्रेन-पदे-स्रेर-बेश-सदे-बल-दक्युर-क्ष-तु-मुसुस-स

<u>न्ना यन्यविरानेराकेशास्त्रा नेशाध्यासरा</u>हेत्यासाधितासराम्या विरमनेरानेताताम्ब्रास्य स्थाप्तास्य स्थाप्तास्य स्थाप हीरावेशासदे मारा त्यूराकृत्या विताना । यहामावे देराके भाउता देशा हाता सराके दारा साथिता सरामाया वारारे मानी न्द्रभःक्रुवे तुभागः र्वेषाभाग्येन प्यन् पवे श्वेमा विभागाः भृत्यः भ्रान्ता प्रमावि नेराक्रिभाग्या देशाद्यन पर्येत प्रमाया प्रमाय प् नर्मिया बर्प्यक्षा श्वर्ष्यक्षा स्थाप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्थापत स्था स्रमान्यान्यान्यान्यान्याः स्रमान्याः स्रमान्याः स्रमान्याः स्रमान्याः स्रमान्याः स्रमान्याः स्रमान्याः स्रमान नु नकु न परे अळद निवे प्येद परे हिम ने दस्य राष्ट्री सुन हो निवेद में निवेद से परिवास परे से साम होते। निवेद साम सुन होत् से प्रयोद मदे म्वय प्रमुक्त प्यतः त्वा वी सक्द हेत् प्येतः है। मय प्रमुक्त प्यतः त्वा वातः विवा विवा विवास स्वयः वासुस्य स ळद्राचादे दे त्योव प्रते ही रामळव पावे प्यत्ते हो क्षाळ्या करा की हमाना प्येव प्रतास प्रवास प्रति प्रति स्वीय प्रति प्रत त्युर-दे-दे-प्रेत-प्रते-ध्रेर| वयावयुर-प्रूर-धूर-वी-सळत्केद-प्रेद-दे| अत्र श्रानन-प्रते-प्रतः ग्रीश-क्र्वापर-त् रमाने प्रीतः प्रति स्त्रीता अस्त्र मिले प्रितः है। क्षुक्ति उठता हमा प्राप्ति प्रति प्रमाने का मिले का मिला प्रति प्रति प्रति स्त्री स्वाप्ति का स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप मवे मया वश्या वश्या में प्रत्ये में प्रत्य प्रत्या वश्या वश्या वर्गे दार्के दार्श में प्रत्या दश्ये प्रत्ये प् चुनःसदेः इत्यादकुर् इत्यायाः सुनःसदेः इत्यादकुर् छिनः सः सः चुनःसदेः इत्यादकुर इत्यादकुरः विदः सदेः इत्या वशुर-दर-वर्ते व्यन्-वर्ते श्रीत् दे नित्रते संकित्यक्त मानि इसस्य देस मानित दिन्त मानिया हु सालिदानराम्या ह्यापालिदायते स्वीराविकायते मया वर्षा स्याप्त स्वापालका स्वापालिका स्वापाल राणिद्रासदि द्वीराबेशासदे म्याप्याप्रमा मुक्ति सामान्या मुक्ति सामान्या मुक्ति सामान्या मुक्ति सामान्या मुक्ति सामान्या मुक्ति सामान्या सुक्ति सुक्ति सामान्या सुक्ति सुक्ति सामान्या सुक्ति सुक् सवै म्यादश्चराक्ष्यात्र मुस्याद्य सक्तर मिले प्येत केटा ह्या शहन मिले सामा शुन्य मिले स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य मिले स्वाप्य स्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य ळ्ट.स्रा.चीय.स्। वियःस्यात्रा.याष्ट्रेत्रा.या.वित्रा.चीट्या.चीय.स् स्यात्रा.क्ट.सत्रा.चीय.स.वित्रा.चीय.सी व्यानाळन् सम्मानुन हेराह्मामान्याञ्चरमानुमानुन सदे प्रतारक्ष्यात्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व श्चाळें भारत्या श्ची स्वापाधीत प्राप्त प्र प्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त त्युर-दर्ने दर्वे द-त-भूत्रअः शुःत्व-ददिः र्के वः तः देशः श्वा-हना-वर-विश्व-हत्य-वर्षः द्युर-देवे :हनाश्राह्य-विहेशः गाः छद्-स्थ त्रुवःकेरःद्यःवरुवःवःविशःत्रुवःत्राश्चेशःवयवःवःववयःवयःवयःववःवशःवदःकेषःवःवेःकेषःवःवेःवःववःवश्वरःषदःद्वाःहःकेरःवा र्मेल'न'नेश'भु'ह्ना'नर'विश्व'श्र'त्वरशद'ह्नाश'द्विन'निहेश'ग्।'कंन्'श्रश'गुन'गुर'न्शनठद'ल'विश्व'त्वरश'गुश'नश्रथ'न'श्रे वननःपर्भा वर्षावश्चरत्वे में वानाने वाववावश्चराष्ट्रमाष्ट्रमार्यमान वित्रामित स्त्रीमा महिकामित सक्तामित वित्र श्चेतान्त्रेशः म्चीत्र म्चीत्रः म्यतः म्चीत्रः म्वतः म्चीत्रः म्चीत्रः म्चीत्रः म्चीत्रः म्चीत्रः म्चीत्रः म्चीत्रः म्ची ठवा ह्यापाधिवायरावया सेयाप्वेकाग्री यत्तुराष्ठाधिवायते श्रीरावेकायते विकायते विकायते श्रीरा दे । प्राप्तिका हो दे क्षेर्रावर्यायेत्रपदेःव्याः वर्षाः मुर्गः मुर्गः प्रमाप्यः स्वर्षः स्वायाय्युतः त्रविः ह्वायाद्वितः वित्रायिकाः सुर्याः स्वर्याः स्वर् हरा रक्षाच्छतः याळ्दास्य प्रस्याचार्याच्यास्य स्याच्यात्याच्याः स्याच्याः देश्याच्याः त्याच्याः स्याच्याः स्या देशः श्रुः क्षे : ह्याः परः विश्वः व्रुद्धः द्वारा द्वियः विश्वः विश्वः यो विश्वः व्युक्षः यो विश्वः म्चर्या ग्री: तथयः नः प्याप्तः व्याप्तः व्याप्ते त्याः वयः तश्चरः त्रीः वयः तश्चरः प्याप्तः व्याप्तः व्याप्ते यादः वयः देयः व्याप्ते व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्यापतः वयापतः ह्यास्य रेंद्र स्था ग्रीता विश्व स्था स्वर्थ सवर सेदावी ह्याया हिन विश्व स्था ग्रीया ग्रीया ग्रीया प्रधान विश्व वननश्यश्य म्यान्त्रम् व्याप्तम् स्थाप्तम् स्थाप्तम् स्थाप्तम् स्थाप्तम् स्थाप्तम् स्थाप्तम् स्थाप्तम् स्थाप्तम् चुर्भात् ह्वाप्यश्चात्र्यात्रभावेत्रप्रते वाराववाची देना श्चाक्रभावता ह्वाप्याधेत्रप्रत्यता चुर्भाया विश्वप्यते श्चिरावेशायते । वयायकुराने ने प्येत प्रते हीरा ने प्याप्येत है। यारावयाने या क्षा था स्वाप्य राखन स्वाप्य स्वा विश्वाञ्चर्याः श्रीयाञ्चरा देवा वरुदायाः स्वान्ययाः वर्षाययाः वर्षाययाः वर्षाययाः वर्षाययाः वर्षाययाः वर्षायया त्रदेते.चारः वचाः देशः श्रुप्ते, हचाः सर्वात्व स्वात्रः स् ब्रुट्याग्रीयानयवानावनयानय। वाटानवाने वाचवावग्रुट्यायराद्यीयान्ता वाटानवाने यास्यायस्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य चैय। विश्वः चर्यः सवरः भुषः थी वतः पर्विरः रेते स्वाशः क्र्यः भः रटः वियः सः विश्वः चर्यः चौरः चौरः चरः विश्वः यथाः याक्षे व्यवस्थात्या वाराववार्ते व्याववारवृत्तुराष्ट्रराष्ट्रराष्ट्रराचा धेवायते खेरा वित्यते सक्वावि धेरिन्ते। क्षाह्रवाया ८८। हेवा.स.लुच.स.चीमास.लुच.स.चीच.स.चुच.स.चिमास.चुच.स.च्या.ची.हूरी म्री.कूमा.क्या माचीमास.चीच.स.चा.चीच. राषीत्रमदिःश्चिरःतेषामदेःवयादश्चरादेःदेःषीत्रमदेःश्चिर् देःष्यराषीत्रभे देःवद्वेःम्राट्यादेशःश्चात्रभःश्चात्रभ व। विचाराक्ष्म् सान्मा ह्वाराविशः सुम्याचिरा सुमान् विचारा हिना साम्याक्ष्म साम्याचा स्वार्था स्वार्थी स्वार्यी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी स्वार्थी ग्रीभागुनाहेरा द्रभानकदावानमाञ्चरभाग्रीभानमवानादननभागमा नरावनारे वारावनारे वारावनारावनारा देशः श्रु-द्युश्राचरः ळद्रास्रशः गुरा । विश्वः श्रुद्धाः सददः स्रोदाः । ह्याः साहरः । ह्याश्रावशः श्रुद्धाः गुर द्यानङ्यायान्यान्यान्याः त्वन्याया । वाराञ्चवाः देःवाञ्चवाः वृत्याः सूराः सूराः दुः श्वरः वादेः श्वरः देः सूरादः स्वरायः वृत्याः व नर्गेन्ॱळॅन्'ग्रे-क्रॅन्'ग्रे-क्रॅन्युं न्युं न्युं न्युं न्युं ह्या ह्याया महिया मार्थिया मार्थिया स्वाया स्व यः इतः। वियः हवाशः विशेषः गाः स्वंदः स्रशः व्यवः वा इसः वरुदः वा वस्यः वा सेदः यः इतः। विश्वः हवाशः विशेषः गाः विश्वः व्यवः विशेषः चुनःय। द्रअन्वरुदःयःवर्भयःवःभेदःवःद्रः। ह्रम्थःस्ट्राध्यःदः।विभःद्वरूषःचीभःचुनःय। द्रअन्वरुद्धःवर्भयःव सेन्'स'न्र'। ह्यि'स'ळंन्'स'न्र'ह्याय'वियाञ्चरयः ग्रीय'बुव'व। न्यावढव'व'वयवावयव'न'सेन्'सदे'त्रव'वश्वूर'वर्त्त'ते'रर' वर्गेन्'धुवःक्चै'र्केवःनव्यःब्र्रेशहे सूर्र्यूदःवतुवःन्नः। ह्वाश्वितःविष्ठेशःगाः कन्स्यश्चुनःवेदःन्यःवववःवःविशःव्यः ग्रीभानभवानावनम् सदे मवावगुराद्या ह्वाभाग्विनामहेभागा विभान्नरमाग्रीभागुनाहेटा। द्यानहवावाळंदासभा বর্ষকার্যরেবর্মরের বর্ষার ব यदे मया वर्षु मान्या हुन्य वर्ष्य सान्या द्वारा विकास विकासीका सुन्य से मान्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व दशुर-नर्द्दादे-रर-वर्गेर-राञ्गनमाशुननपदे र्हेवानायां हैं माहे पर प्वानित्ता ने प्वानित्ता है । स्वानिता स्वानित र्केल'न'ल'क्रेंश'हे'लट'न्ना'ननुब'ग्री'न्ट'र्से'ख्'र्ट्ट क्रुट्'से'प्येब'र्प'न्ट'। क्षेत्रामाहेश'र्ट्ट क्रुट्'प्येब'र्घरे'व्याप्यगुर'लट' नमयानायननः स्वापन्तना दुर्वे प्रवापन्त विकारम् स्वापन्त स्वापन्त । विकासित्र स्वापन्त । विकासित्र स्वापन्त स्व नमयानः विवाला वयावशुरादेवे द्रमानकवाया छन् समानमयाना वननाया विभावेराना धीवाकेरा। द्रमेरावा श्राकें भाकता

ह्यायाधीवायरावया विवायमें दायाक्षातुः वायदे दायवायह्यात्वा श्रुष्ट्यायराववायेवायम् विवायस्य श्रीह्यायावे स्वाय नमयानाधित्रपतिः द्वीम् वयावश्चमः देवेः द्वानकवायाविमः त्तुम्मः श्चीमानमयानाननः वनः वश्वावश्चमः देवेः द्वानकवायाः स्व स्थानस्यानात्वनान्त्रीयानायान्सेदाने। न्येराद्या श्चाह्मान्यरावसाञ्चरसानेदा। गुर्सानरायरावसाञ्चरसानाया श्चा क्रिंग ठर्ता कुः यम भ्रेमे मारा प्रेर पर वया व्रमाया प्रेर परे दे दे प्रेर दे मारा प्रेर प्रयाप व्याप प्रमाय विमाय प्रेर परे प्रेर प्रयाप प्रमाय प्रम प्रमाय प्रम प्रमाय प <u>รุพ.สอดเรู้.๓.โชพ.ฮีรพ.ฏิพ.สพ๗.ส.ชสน.ฉีร.ชุร.พพ.สพ๗.ส.ซู.เชสน.สธู.สุโ ซ๗.ชอี้ร.ฏ.</u>นัม.นัม.ชุมพ. युन हेश मादी वय वयुर देवे हवाश वय वयुर देवे केश वर्दे द केश हत मी केर दुर संग्रा युन मादी वा या वर्दे द द्वेश र्शे । पाशुअप्याह्माश्वार्केशार्देव,पाशुअप्देशपद्देव,ख्यार्धेदादे। वयायग्रुम्याविषाया अर्क्केव,वा हमायादे। श्वार्केश ठवा अप वुकाराधिदाराराम्या ह्रमाराधिदारादे द्वीराविकारादे प्रवाराद्यूरारेदे हमकारारा के हमारारे रे पद्दे प्रवाराद्यूरा की हमारा त्य्यान्दर। अ.चेश्रासानु,नु,तर्रयु,धकारकींसामी,धकारकूशान्दर। विश्वासानु,नु,तर्रयु,धकारकींसामी,कूश्वास्या। श्रीधका दशूर-देवे र्₹न्याबे खेद बेटा दे याबद लाखर देवारा वर्ष मध्येत संदे रीहरा वर्षे मध्य वर्श स्त्री संदेश की स्वाप वै। वयायगुरादेवे नश्चन नुदे कें शकें शकें शक वा मुंदार नुकंदा समाया निकार के ता वा प्राप्त स्वाप्त के शासा से यहार कें। वर्देन डेश यद निन्न स्र नु दिया वया वर्मू र देवे ह्माय केंश उद मी स्रेट नु क्र स्था सामुन डेट । रट या विश्व खेद विषयान्त्र देशान्त्र विष्टु हर्षे हर्षा सामुन देशायन वादन पर होते। विषय वशुर देवे देरे साह्य स्ट्रिय स्ट्रास्य सामुन देर ररःवीयाग्रदावयायाञ्चरयात् विवायायाञ्चवात्रेयायदावादवायरः व्यादविष्याया । वासुयायाङ्किरावायाविष्यादे द्वारे सु क्रॅंश ठर्ग स.चेश रा. ताबर तर हवा हेवा रा. ताबर ताबर हो रा. हे स. ताबर हो रा. हे स. ताबर हो स. ही या रा. हो स. वयःवर्गुरःधेदःपरःवय। रटःवर्गेदःपःभ्रवशःशुःववशःपवेःर्तेवःवशःयदःग्रीशःर्ह्मेषाःपरःशेःदुशःपवेःवयःवर्गुरःधेदःपवेः बुराबेरावासाविया ह्यायायुवास्त्री सुन्ह्यायाद्वाराह्यायाराव्यात्वार्वार्यात्वायात्वार्यात्वार्यात्वार्यात्वायात्वायात्वायात्वायात्वाया नमायन देवासमुद्राक्ष मेनमायते भ्रीमा वर्दे दासी त्रमा स्वाप विता निमान स्वाप कार्य विता विता विता विता विता वि ठवा वयावशूराक्षराश्वराधेवारावरावया वयावशूराक्षराश्वरावर्त्वार्वे वारासुराधेवारादे राधेवाव वार्यावादा है तर्तुः वतात्वीरक्ष्याः वर्षा वतात्वीराक्षराक्षरावर्षेत्राचित्राचीरात्रीतात्वीतात्वा हेवायाः वावात्वीतात्वीतात्वीता ब्रेम वर्नेन्से तुरुने वयावशुराधरान्या धेतायवे ब्रेम नेरावया रराक्का वयेत्वर यवे वयावशुराधरान्या धेतायवे । द्येम यर विज्ञान के के का करा है नाम के न विच.स.विश्व. विच.स.विश्व. विच.स.च. विच.स.च.विच.विच.ति.स.विश्व.विच.स.विश्व.विच.स.विश्व.विच.स.विव.विच.स.विच. धोदायदे हिरानेरात्रायात्वा ह्यायात्वाताक्षे दे त्यद्वे वया वर्त्तूरादे कें त्याया दे त्यावया वर्त्तूरा याराद्या हु सें दा कें त्याया देशःग्रदःव्यतःग्रीशःर्ह्मेग्।यदःशेःत्रायःव्येतःयदेःश्चेत्र। वर्देदःशेःत्रायःहे। घवःवश्चूत्रःक्षृतःश्वदःव्येतःशेतः वर्षःश्चेत्र। व्यदःविःतःते। दे·वर्ददे·घयःवश्वरःदे·ळॅंशःउद्या स्टःकेदःघयःवश्वरःषदःद्वाःकुःॲदःवदेःक्वयःवःर्वेदःधयःषदःषेदा स्टःकेदःघयःवश्वरःषदः <u> न्या पुः श्रॅ र न्यते क्रें य नश स्र प्रेन्य यत्र में दा स्र बुदा से प्रेन्य या प्यर प्रेन्य प्रेन्य वि स्र बुदा यर क्रुर प्रते प्रया र या क्रुय प्र</u> धेव पर प्रवा दे प्रवि मानि समुद्र पर शुर पर वि प्रवि प्रवादि माने पर वि प्रवादि । हिन्य समुद्र प्रवि प्रवि माने स्त्रीयः तर्मात्तीयः विष्याः विष्याः त्याः स्वीतः विष्याः विष्याः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः विष्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विष्याः विषयः व र्शेट्यदे में वाया व्याप्त वाया वित्र । यह हिन् मवा वश्चरायट द्वा तुः शेट्यदे में वायश्यर हिन वायद हिन समृद्ध से मेयशया

धोब मिदे ही में मिद्र पुर्वे देखे हैं मिद्र में मिद्र में मिद्र में मिद्र मिद् यर मया दे प्रदेव मिले सम्बद्धानिय म्यारमा स्रूर स्रूर पित परि से मिले साम मिला में या में या में या मिला में या मुख्या में स्या में या मिला में या मिल मालमानम्परायायामहिन्या नर्देशान्दा हिन्याचेरायदे ह्रमामालमामी न्दार्याची स्टार्मियाची सक्वेदिन स्टिन्दी हियाना यार विया । श्रुयः द्येत् । यस्त्र । यस्त ५८। र्मियं भूरायुरायाहे अप्पेरायि द्वीरा ५८ में देश अळव हे रायेरा दे। र्मियायार विया १८८ में श्वासी हार की राय विश्वास्त्र स्वे देव दे मानव सीश श्वादीव से नुसार दे दे भीव सवे सी माने सवे सक्व ने दे भी दे हैं। स्वे मान स्व बेग । रटःगे क्षुतः हो दःवर्गे दःवरः विश्वः क्षदशः विवे देवः देःगविवः ही शःश्वः वहीवः तुश्वः वः देः देः विवे वि अळव हिन पॅन ने। क्रियान मान दिया । शुरु पद्चिव नाईन पर प्रायम खेव पदे मान बना ने ने खेव पदे हिन। न् हे व पाहे भा प्र दे। यर द्वादर। क्षर श्रूर विकेश विर चिर विदेश द्वार विकेश सक्षेत्र केर वित्र है। क्ष में वा ही में वा हुवा वस प्राप्त विर विदेश व्यूर-(ब्रुवाश-प्रते व्यूर-व्यूप-दे-दे-प्रीक-प्रते दीरा प्रते क्रियाश्वर प्रति देश व्यूप-प्रते व्यूप-प्यूप-प्रते व्यूप-प्रते व्यूप-प्रते व्यूप-प्रते व्यूप-प्रते व्यूप-प्रते व्यूप-प्रते व्यूप-प्रते व ळर नार्डेर् परि र्पर में र्र न्या शुक्ष प्रेर परि से का अळव नावे रेका मानवित र् पति नात्र प्रेर में के स्वार मिन दशःहिन्यायेवाशहेशःश्राश्चित्यये वाराववायः भृतुः न्रायः न्रायः व्यावश्चित्रः वादश्यायः विश्वायः विश्वायः विश्वाय त्रचेन्यन्द्रिन्याः विद्यान्यन्त्रः क्रिन्यन्त्रः विद्यान्यन्त्रः विद्यान्त्रे व्यान्त्रः विद्यान्त्रः विद्यान्तिः विद्यानिः विद्यान्तिः विद्यानिः वि र्क्रॅ्रिन्यायार्थेज्ञायायदेर्क्क्रेंद्र्याळ्ट्राच्येन्यदेरच्यात्राच्यात्रुष्या यदेर्यळ्द्राचित्राचेत्राचेत्रा यवे द्रमान्वनात्वा नाराय हें रायवे नादमा है व्यू रहें रायवे ख्या रा हें राया है राया ह इ.चदु.सूचा.क्रैं.नटी लुट.कुरासदु.ध्यारा.चडुरायरा.चडुरायरा.चे.सदु.सुच्ये.सुचाक्रैं.नटा.याश्यालूट.सदु.हुटी हे. वहेंब्र-पतिःक्क्षें वहेंब्र-प्राप्त व्याप्त विकान विका वदःवसःभ्रेवाःश्चरःवाहवःवःववेवसःश्चेदःवःवाहेसःव्यद्भेतःश्चेदःदरःशुवःवश्चेवःवहिसःव्यदेशेदःवदेशेदः ददःर्वःवःवहिसः र्थिन्ने। नश्चनः मुन्तः मिन्तः स्वायान्तः स्वायान्तः वश्चनः मुन्तः मिन्तः यान्ते स्वयः मिन्तः स्वयः स् यास्त्रायाद्येत्रायाः प्रतायाः प्रतायः प्रतायाः प्रतायाः प्रतायाः प्रतायः प्रत्यायः प्रतायः प्रत्यायः प्रतायः प्रत्यायः प्रत्यायः प्रतायः प्रत्यायः प्रत्य नर्गेन्यान्या हेशासुरवर्गे व्यापादान्य विदायहेन् हेट वर्षेन्य विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय विदाय निष्ठभाराःशुद्रावद्यीदाःश्वरःश्वरःवानाशुद्राव्येत्राचे। ह्वाभान्नेत्राःसळेंद्राळःविःश्चेत्राभारतः। विवासान्नेत्राःस्वार्द्रभा <u>२८। याश्रयः याश्रेन्यः सः चः नृत्या वर्ह्स्स्राः ग्रीः वयः वर्षु रः नृतः याश्रुसः व्यन्ति । याश्रिसः सः हेः कृरः हेन् यदेः द्ध्यः या याश्रिसः </u> ल्र-नी क्र-क्ष्यान्ह्यान्न क्र-क्ष्याची लयायायात्रेयाल्य क्षेयाल्य क्षेयाल्य क्षेयाल्य क्षेयाल्य ने क्र-क्ष्याल्य ने क्र-क्ष्य क्षेया क्षेय क्षेया क्षेय क यरः द्यानः न्दा नदः वर्षे नः यरः द्यानवे देवः नुः केवाः वीः ययः श्वेनः यरः नुः नियः श्वानः यदेः भ्वनयः देवः यय यवे कुन्दा सहस्थायवे कुन्दा हैंदायवे वस्रायाद्या हैंदायवे द्वे द्वाव वि स्वित्यवे ही द्वावे वा वा वि ૽૽ૼૺ૾ૻૡ૽૽૾ૡૢૼઌૻૻ૽૽ૼૢૼૺ૾ઌૹૻ૽ૡ૽ૺઌૻૹ૽ઌૻઌ૽૽ૹ૾ૢૺૹઌ૽ૻૼૢૼઌ૽ૡ૽૽ૺૹ૽ૢૺ૱ૢૢૢૢૢૢ૽૱ઌ૽૽ૼૹ૽૽ૼૹ૽૽ૼૡ૽૽ૺઌ૽૽૱ૡ૽ૺૹ૽ૹ૽૽ૡ૽ૺઌૹ૽૽ઌ૽૽૱ૡ૽ૺ૱ૡ૽૽ૺ૱

वरेनसम्बद्धियायाम्सुसर्पेदारे। सर्वे मिर्चानिक्षामान्दा इसम्बर्धिनार्दा नहरार्द्धेससासुनिब्नामराग्नुमा ऍर्पिते हिर्म महिरामा हिर्मा साम्यामया महिरामा सहस्यामहिराम हिराम हिरामी सुराम हिरामी स्वाम स्वाम स्वाम स्वाम मुं कर् था में भुरावादर। ररादरावाववा में वाविराया येवाया परामुहारा मुस्यया में हिंदाराया स्वायया सदि मुंदर। हिंदाराये ळें'चबेत'ग्रे'न्ग्रेथ'वर्षेर्यत्र्ह्रंभ'य'द्रा' र्नेत'द्रा'क्ष्याबेट'ग्रेथय'य'वह्रभ'ववे'च्या'द्रा'क्ष्य'य'द्रा' क्षेत्रे'व्याप'द्रा' र कुल सेट्रा इसका है किंद्रा सामें का मादे कुर पीदा पारे ही या बाह्य सामें दिन पारे पारे समान साम प्राप्त हैं द सुवानु न्तुदान महिकार्ये न ने। मार्सेवारी न्यवानर वर्ने न मवे ले सूरान्य। रहाहे न सर्वे न सर्वे न सवे वर्ने न कन्या मान्या <u>न्ना मान्न मुक्त स्मार्ह्म नक्षयान्य वर्षेत्र प्रदेश प्रदेश स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स्मार्थ स</u> इसमाद्गे क्रिं न्याये नमसायासुयानु ज्ञूनायाधेदायये स्त्रेम्। यद्गे मार्केन्यये प्रयोग्याधान क्रिं मार्थित स्त्रे मार्थित स्त्रे स्त्रे मार्थित स्त्रे <u> न्या सदे न्ये पढ़िश ऍन्ने ह्न सदे केंग न्या र्वे शहे नर यहिगशास है तु न्या पढ़िस तु न्या सकें ता सकें ता सकें</u> नःष्ट्रं तुःन्नः। दःर्रे क्षे श्रुव्रायम् वर्षाचेन्यानःष्ट्रं तुः द्वय्यादे हिन्यान्वराने न्तान्तान् वर्षाने स्वापानि हिन्या वर्षिर-तें भृतु-त्र-। शुद्र-विद्युद्ध-तिशक्षे मार्थे निष्टु-ते भ्यान्त है निष्टु-त्र-ति क्षेत्र-त्र-हेंद्द प्रवास तु प्रता हमा महा प्रतास है ने प्रते प्रवास तु महिस प्रति हो। रह हिन हिंद से रस समाधी प्रतास निवास हिन ही नकुः सन्। सरः में भः र्से नः परः ने नः परः । के रनमः नावनः नुः इसः क्षेतः धेनः नुः से के दिरः नरः वर्षः निः नर यदे र्हेन्यदे त्व्या तु न्दा हें नाया ययेया वया पर्या क्रिन्य प्राप्त दिया भूत पर्या सूत्र पर्या व्याप्त पर्या हिनाया प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र नभूत्रायानश्रुटानवे कें शाक्की कुरार्थे र्वेनायम प्रकृतान स्थार है स्थायम प्रवास वे केंद्रित प्रवेश स्थार स्थार है स्थायम प्रवास के स्थार स्था स्थार स व.र्बर.ययर.सपु.सु.सु.सु.सू.सू.सू.सू.सू.स्.म.म.इ.र्के.य.सप्.चिश्वर्थाः द्वारा सु.सू.सु.सु.सु.सु.सु.स्.स्.स्.स्. য়ৢয়৾৽ঀয়৾৽ঀয়ৢৼয়৽ৼয়৽ঀয়ৄৼয়৽ড়য়ড়৽ৼৼয়ঽয়৽য়৽য়য়য়৽ঽৼয়ৣ৽ড়ৢয়৾ঀ৽ৼৄয়য়য়য়৽ৼয়৽ঀয়ঀ৽য়ৢয়৽ৼৼয়য়য়৽ৼয়য়য়৽য়য়য়য় ग्रीः र्से व्यानान्त्र वायान्त्र यात्र मुर्याग्री नमूत्र या यहेत् यम वश्च मा श्चीत्राचरायावन्त्र्यरायरायविराचरायकेरान्त्रेन्। श्चीत्र्येयरायश्चीराचयात्र्या वन्नाचने येन्यायाः शुप्तर्देन्। सम्यया श्चिमान्ने पात्रमात्रदे द्यात्याञ्चर देरासायक्ष्यापर हो दायात्रिन सुरावाचयमा द्याँमाने। देयामा क्षुतायमा दे स् नभर्यते हिर्मित के के विषय के रनःग्रीःर्देवःयःन्यानाञ्चनःग्रुयःवयःयरयःग्रुयःग्रीःनधूदःयःयद्देवःयरःवश्चुरःयःधेदःग्रीः गुवःश्चेदःग्रीवःदेवःययः न्वावाःश्चुनः होन् यात्रे विष्ट्राचरावकेराववे श्चु केत्रचेरावश्चुरावाधेत्रायम्। वन्वायोवासासु वर्ने पात्रस्य सा न्याःयःयावयशःसरः चुर्तेः विशःयाश्चरशःसवेः ध्वेरा

ब्रिंट्रासाधिक पालाका केंद्रा मा ब्रिंट्र क्री में कर सम्मानक कर की जीवन के वा धेर्य प्राप्त कर की प्राप्त कर की प्राप्त कर की प्राप्त कर की प्राप्त की प् द्येम में रातु पर्दे रात्रा दे के भारता हैं मारा भारती में मारा में मारा में मारा में मारा मारा है में मारा मारा वर्रेन्दा ने केंगाज्य हिंगाप्य क्वें चहुनाया था प्रेन्य प्राप्त हो। यह सामित क्वें प्राप्त क्वें प्राप्त क्वें र्ये सा गुना द्वा दे रे के सा उदा है। सकद पीदा पर पा दा दिया गुना पा दे वि है सा उद्घा है। सकद सा पीदा यरम्या रत्या रत्या क्रिया विष्या विषय दे के विषय है से मार्थ के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स [यः ठेया दः रो केंश देवे क्विं यावद शेवा धेव दा केंश देवे यावद शेवा धेव स्था हिना बेरादा देवा राम केंद्र प्रदे केंपा यातार्देव रदासळव साधिव यात्र भागा सरासूदान के भाउव। देव रदासळव मुः नावव से याधिव यर स्वा देव रदा सक्द्रची र्ह्नेदि नाव्दर सेवा धेदायदे रहेरा हिनायाम्या सामुनादा देरात्रया तुसायहेद हिनायाया तुसायासा धेदायाया र्वेवायम् भूराव। तुरुप्तरे द्वेदे वावद सेवाधेद पदे दीम। सामुनाद। तुरुप्त के माउद। हिन वहेद हेवायाया हिन साधेद यालकार्त्विन्य सूराव वित्रिः के किंदानिक्र केया किंदान्य वा वित्यन्य के प्रावेश के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ ठवा रूटा सक्तवः धीवः परायवा देवः रूटा सक्तवः श्रीः याववः सेवाः धीवः पर्वे द्वीरा वर्दे दावा देः क्रिंसः ठवा रूटा सक्तवः साधीवः यरम्या श्रुम्बळ्दाचेदायदे श्रुम् अम्मुनम्दा हे केदारुदा हेन्स्या ह्याया छेदायदे श्रुम् विकेषाद्वे केदाहेदे सेद <u> न्याया यो यालवर खेला प्रोवर वा के खा ने वे यालवर खेला प्रोवर या शाह्य र वे स्तर सह के स्तर सह स्तर सह स्तर स</u> माबे समुद्रान्य में द्रान्य के भारत्। देंद्रान्य सक्त मु माबद से या धेदायर मय। देंद्रान्य सक्त मु से प्रान्य माबद शेवाधेदायदे द्वेरा द्विरायावशा अयुरादा र्देदाररासळदरळेश उदा हिंदारराहिंदासाधेदायदे पादे समुदायशास्र्रीराया हिंद्रा शुः सेद्राद्माना मी मान्तर सेवा प्रेत प्रस्ता हिंद्रा सद्मा सेद्रा प्रेत प्रदेश में द्रा दे हिंदा दे हिंदा स्तर सक्द क्षे. याबद से ता सा से दार प्राया के दार प्राया मी पाबद से ता धीव पर दे ही है। वि के पाद से ही के सा दे दे पाबद से ता धीव प व। क्रॅंश-देवे:नाव्य-सेवानाशुक्ष-सें-नाद-सुद-धेद-समाद्विन-बेर-द। तुक्ष-स-क्षेत्र-स-वर्षना-स-क्रॅंश-उद। देव-रदाक्रद-शुःगव्यर् अवान्त्रश्रस्त्रं मद्रद्राधिवासराम्या द्वार्यास्त्रस्य क्ष्यां मुवार्या विवासायम् सामुनावा दे क्रिंग उदा देर मणा नुसामते दिंद रूर सक्देर में जावद सेया धेदामते में राजर परेंद दा नुसामास धेद मायस सेवामा क्रॅंभ उदा देव रूर अळव क्री पावव सेया पाशुसारी पार सुर साधीव सरामाया देव रूर सळव क्री देव रूर सळव क्री पावव र श्रेषासाधीत्रामामादीय । र्नेत्रास्टासळ्त् ची पावत् श्रेषाची सामादीसामादीसामादीसामादी हिमा ह्यासान्टा सामादीसाम तुसमासाधित्रमायसार्वेनामार्केसाउत्। देवामारासद्या गुर्दिनमासस्य गुर्मायस्य गुर्मायस्य भित्रमास्य । स्वासेवायम् होदासाधित परे हो ने सार्वे धित परे होता हमाया महिया मासाया ना नुसामा साधित पाया विया पर के या है ता र्रासक्त में में देर पावत सेया दर्श देत ररासक्त में से प्राप्त में पावत सेया पहिसार प्राप्त स्था हिंदा र्रायळंत्र प्रेत्र प्रेते होत्र साह्य त्रा हिन पर्यो ने प्राप्त स्था ने प्राप्त स्थान स्था यवे भ्रिम् मि हेपाद में केंश देवे पानद सेवा पास्त्रमा विद्या केंश देवे पानद सेवा वा केंश देवे देव स्टासक्त भ्री पानद शेवार्श्रेवाशावाशुसानुः बार्श्वारेशारश्याद्यवा वेरात्। देवार्याः सळवाचीः वाववाशेवाव। देवार्याः सळवाचीः देवार्या म्वर राज्य म्या मार्थ मा बुनादा देरामण र्देदाररामळंदाकुंगावदासेयागासुसार्दे रे दे दसार्थेदामदे हिरा साबुनादा देरामण र्देदाररामळंदा संधित पायस विवास दित रूर सळव की दिव रूर सळव की वावत सेया धेत संवास वार विवा दिव रूर सळव विवास है वा

यात्यार्देवास्टाअळवासाधीवायात्यसार्थेवायसास्त्रह्मात्य। देवास्टाअळवान्तीः क्वेंदेरावालवासेत्याधीवा देवास्टाअळवाद्या देवा र्दासळंद्रासाधीदारावे मृति समुद्रास्य र्स्ट्रेटाम। देवार्दासळंदानी सेट्राट्यामानी मृत्वदासेयाधीदारावे स्वासारे दे वश्रा में रात्रावर्षेत्राचा रेवास्रायक्त में मानवर्षेयाया रेवास्रायक्त में रेवास्रायक्त में मानवर्षेयायायायाय नुः म्राम्याः स्थाः म्राम्याः म्रामः म्राम्याः म्राम्याः म्राम्याः म्राम्याः म्राम्याः म्राम्याः मर्भासाद्विन मदे द्वेरा सामुनादा देरावया देवारा सळदा मुगाबदा सेया द्वेरसामहिसारी मारा सुराधित द्वा देवारा सळदा शुःगाव्य सेवासाधिय नर्गे सामिता सामिता हो न्या हे नाहिसासी नामिता है नाहिसासी नामिता है नामिता सामिता सामिता है नामिता सामिता स मदे हिन स नुन दो देर वया दे निहेश में निर हर थेदादा है। सक्त थेद दर्गेश मदे हिन विदेश हिन से दिन हिंद्रिक्षे क्षेत्रिक्ष विद्रासेत्र सेवा से किंद्रिक्ष कर्या हिंद्रिक्ष किंद्रिक्ष किंद्रिक् ब्रीमा विनामानमा वर्देनमा ने वेदान के मानमा विदान के मानमान कर्मा विदान के मानमान के मानमान के मानमान के मानमान यात्यश्चार्यमायमाश्चराया हिन्दी हिंदी मान्दरशेया प्रेतायदे हिमा श्वायुनादा ने हिंसा ठदा ने राम्या हिन्दि हिनायाया हिंदासाधिकारात्मसार्वेनापरासूदानहिंदानीर्देकार्श्वीधिकारविष्टीम्। सान्नुनाक्ष्री देश्केसाठका देरामणा हिंदानदनासेदाधिका यदे भ्रीता विक्तान के विक्तान के विकास के वितास के विकास बेन्-न्वावानी वाववर खेला खेन्-चरा हिन् सेन्-चरे हिन हिन सामिषा वर्नेन्दा में में न्यू के का हिन् ही सेन् न्यायाःचीःयाबद्राश्चेतःस्परःचया हिन्न्नाहिन्साधिदःसदेःयाबिःसत्रुदःसशःश्केतःस। हिन्निःसेन्न्नायाःचीःयाबद्राशेयः व। हेश-द्यमार्केश उव। दम्मानाराधिव यर प्रमा दम्मानारे हुसाराश्वर वाधिव यदे हिरा हिरारा विश्वा सामुनाव। दे क्रिंशाच्या देरावया द्यायायदे इसायभ्याद्या द्यायायायायायायास्यात्र स्वायदे देयायायी साम्यायाया हे क्रॅंश ठर्वा देर वया दवावाय दर्रेश शुर्हेवाश यदे कदाश धेर यदे हिरा हिराय धेर दे। दवावायदे इस य पर दश दे.हीर-मानयान्त्राह्में मार्यः याधिया । श्रुपानीदानान्यान्त्रवे स्टामनीदानी । हे यामाश्रुरयामवे हीरा में रात्रिया हे या महिमाधिदायिः द्वीरा द्वारायायाविः दारी हेशाँद्यमाधिदादा द्वामायासाधिदास्य । द्वामायासासाधिदायसाद्वामायासासा लुयान्तुः हुरा हुरा वार्त्राची वार्त्राची हुरा रचया सालुयाना स्थाना स्थाना स्थान हुरा रचया नियाना सालुयान स्थान लुब्र-चयु-द्विर् वियानायम् अत्युवात् दे क्रियाच्या देराचया हेयान्यवासालुब्राचायम् लुब्राचायालुब्राचाया व। हेशन्यमासाधेदायायसार्वेमायावितियासाधेदायराम्य। वित्येन्यवे मुन्न विन्तुत्वेन्त्व। हेशन्यमासाधेदाया त्यसार्वेजानार्क्रसाठ्या द्याचानार्धिदान्यस्था साधिदाद्याचाधिदान्यदेश्चीत् साधुनाद्या देश्क्रसाठ्या देरावया स्टाबेसा चर्हेन्-पर्वः श्रुभः रनः नी न्वावा ग्रुः वगावा श्रुषः नुः रनः नी । तयन्यः ग्रुरः ग्रुरः पर्वः कें भः वाववः श्रुवः यः वये वः यये वः राधे वः न्वावाः लिव निर्देश का मुनावा दे ने ने मानवा हे का निर्वास लिव निर्वास के का मिल मिल के मानवा का लिव निर्वास के का निर्वास के का मिल के न्त्वार्यायाययेत्रायदे द्वीत् वाश्चातात् देत्राचया देत्रद्वे त्यादेश हेर्याद्यमासाधित्रयाययार्थे वायदे त्यावादा हेर्या न्यवाः सः धेदः सः न्द्रिं सः शुः नगावाः सः वादः विवा । ने सः स्टः वीः दयदः सः गुरः यदः क्रिं सः वाववरः श्रुवः सः हे सः न्यवाः श्रुवासः सः

वसेत्रपति द्वीमा न्दर्भे अम्बान दो नेरम् वा नेरम् वा नेरम् वा नेरम् वा हे अन्यमा अधित पर नेर्मे अम्बान वा वा वा हेश-द्यमाळेंश उद्या ब्रिंद्र सप्पेद प्रायश वेंमापा देश प्रते प्रमादेश ब्रिंद्र सप्पेद प्राप्ते स्थानमापा प्रदाय श्चेन्यवे न्द्रिंश वें प्रेव्यवे श्चेत्र में न्ये ह्या श्वाविष्य वाहेश्य वा वे प्रविद्ये प्रया ने शक्ति शायावत श्चित्र वा हेश्य न्या न्वायायायवेदायरात्रया देवद्वेर्पादेयादेयाद्वायान्वायायायवेदायवे स्वेर्पादे हे देव्हरन्वायायायहें दायवे हिरा या बुनाव। हेशन्यनार्केशावव। हिन्याधेवायायशास्त्रनायावेशायदे प्रनादेशहिन्त्नाशायायहिन्यम् विन्धेवाया श्चेन्'सदे'श्चन'स'धेव्र'सदे'श्चेन्। म'हेन्'व्'ने रस'नी'न्देर्रभ'क्षेत्र'नी'सबर'न्नानळेना'श्चन्ता न्नान्।'सदे'सळव हेन्'बेर'वा तुअप्यश्य नेवापितः शः श्रीवाशः केवा वह वह वह देन प्रवा वह विष्टु देने हिन्दी वा वा वा ने केवा वे ने प्रवा निरम् न्र्रिंशक्षेटायान्वानाक्रिम क्षुरानायीक्षानिकेष्ठीत्। वानुनावा नेर्क्रिशक्ष्वा नेरावया नदानी न्र्रिंशक्षेटायानुवास्यान्या बेश-पंते-क्रेना-श्रुर-पंते-श्रुर। इ.चर-पंर्ट्र-यी शःश्चिमशः बेश-तंत्र-क्र्या-दे-रंचाया-क्र्या-लंब-तंत्र-वंता येश-तंत्र-वंतिः शः र्चे नाया ने प्रतानी प्रत्या के मा के ना क्षेत्र प्रताना के ना क्षेत्र प्रतान के नाया के नाया के ना धोत-दर्गिश्र-प्रस्पत्राच्या वर्देद-प्रवे द्वीता विकितात्र-रे। स्ट-वी-दर्दश्राक्षेट-वी-क्वेवा-वेत-व्य-द्वावा-क्वेवा-क्वुत्र-विव्यक्वंत्र-वेद-वेत्र-वा ने पा क्रिंव प्रचेव प्रमाविष्व मे। के अर्वेद कि अरवा अर्वेद के प्रचा अर्केद वा ने वे प्रचा वा ने के अरवा देरावया हिंदायासहसायर मान्यापित हिंयापाद्याया हिंया धेरापित खेरा हिंदा में दादु वर्षे दाता हिंसा हिंदा के साहेद ळेंना बेद त्या द्याना केंना श्रूमः नदि केंद्रा साधिद सम्स्था केंद्रा देश सदि केंना दे त्याने त्याना केंना साधिद। हेद हेद्रा सदि केना <u>देःलटः द्यायाः क्रियाः अत्रः सदेः श्रीकः श्रेकः स्याकः याद्विकः स्थान्यात्रः स्थ्री हिदः हे कः सदेः क्रियाः दे द्यायाः अत्रः सदेः श्रीकः । अः</u> बुन द्रा देर वया द्रवान केना देखा बेद केना ने द्रवान केना दरा क्रेंट केना ने द्रवान केना हिद केना ने द्रवान केना र्श्रे नामानुः साबिनाः विन्ताः प्रतिन्ता नाब्दाः वाद्याः किंभान्ने नामान्याः विन्ताः स्वानाः विनाः सुन्तान्ये क्रिंयाधेदायरात्रवा हिंदाबेयायदे क्रिंयादी हिंदा है। देंदा सेरासेराधेदायायारा बेया हिंदाबेयायदे क्रियादे द्वाया ब्रीमा न्दर्भिः सा सुना द्वा दे रे के सा उदा दे दे रामिया हिंदर से दिन प्रति हो हो हो हो हिंदर बेश्यायते केवा ने न्वावा केवा धोदायर वया हिन पहेंदा हैवा याने नवावा हैवा धोदायते हिमा अञ्चयादा ने केंशा ठदा नेर चया हिन्द्रनाना संभित्र सदे हिन् वि हेना तरे मुन के अने स्थान हैन सि हिन्द्र सहे हिन्दे सहे हिन्दे से हिन्दे स साधीत्र मदि के सान्वावा मदि सक्त हिन धीत्र मन् मवा न्या नव कर ने दे ही ना वर्ने न ता हवा माया धीत्र मदि के साथी हवा मदि क्षे[.]ह्मारा:ळंट्र:सस:देस:सदे:म्हा:सेत:दों स:सदे:धुरा स:गुन:दा देर:मया श्च:हमारा:स:सेत:केंस:सु:स्ट्र:सस: देश'सदै'वार'वन'भित्रत्। क्षु'से'ह्ना'सर'ळंद्'सश्रादेश'सदै'वार'वन'भित्र'द्र्वेश'सदे'स्र्रीर। स'शुवाद। देर'वय। ह्ना'स'स' थेव्यास्त्रुम्भास्त्रीत्रास्त्रम्भूव्यास्त्र होत्याचे ह्यासायान्य स्त्राम्भास्त्रे स्त्राम्भास्त्रम् स्त्राम्भ न्यायाचान्द्रसाशुम्बर्द्रमाधीसाहेवासाचन्याचा न्यायास्य सक्तिहिन्हेराह्य सुरक्षाह्यासाहेसाह्य सक्तिहा देरावया सक्त हिरादेवे श्रीमा सामुनावा दे किंसा ठवा देरावया क्लिस सरामी द्वापा मुझ हवा रादिसा सुनवर प्रवे हुंया ह्रम्यायायायाय्येत्रायान्द्र्यास्यान्द्र्यास्यायदे श्रीम् सामुनान् देनाम्या क्षन्यस्याभ्यास्यायायायायायायायाय

द्येम् निहेश्यास्य सुनात्व र्ह्नेश्व से हिनास हेनिश्यास प्रेत्र सम्प्रम्य सुन्धे हिनास हिनास सिंहे स्थाप प्रेत्र स्थाप सुन्धे स्थाप स्थाप सुन्धे हिनास स्थाप सुन्धे हिनास सुन्धे हिनास सिंहे स्थाप सिंहे सुन्धे हिनास सिंहे सुन्धे हिनास सिंहे स हीरा विरहेनान्त्रारी द्यानार्यानात्वेन विराधहेंद्रास्ते ह्यानार्यात्वानान्त्राच्यानास्त्रात्त्राहे स्वाधने स्व <u> न्याया यो अळव के न न्याया साया साया देवा । स्ट महें न सदे श्रू अ स्ट यो न्याया यु स्याया स्वर्ध सावद से दिसे द</u> दे। बेद-द्वावा वी सळद हेद बेर दा दे व्याव हेवा वीशा दे वेंद्र कुरू है शहदा सळद हेद दूर वें साथेद सर बया साथेद न्यायासाधीवासवी द्वीता सामुनावा ने किंसाउवा ने त्रावा से नामधीवासवी द्वीता में नामधीवासवी देवा में निर्मा के स बेर-द-स-द्यन्त वर्रेन-द्या ने केंग्र-उदा हिन-न्यायान धेर-सर-घय से । रूट-स्याय ही क्रिंद-दी पर्या सेन-स-धेर-स-ध र्वेजायदे नद्यासेट स्था अर्के वा सर्के वा नद्या देश है न देश है न देश है न ह्या वा वा वा वा वा के वा से देश है यर्ह्रेन्यते सुर्भान्त्राची तयर्भा सुर्मा सुर्भावते स्वापाना प्रयोग सामित्र स्वापानी स्वापित स दे'धेब'मदे'धेर। धराव हेवाब रे। दवावाम वार विवा । सर वर्हे द मदे सुरु सर वी दवावा द्वानगावा स्वार हें रूपावब र न्र्राश्यात्रवेदारान्। साधिदान्यायांची सळद्रकेन्। न्यायाःचानावेया । स्टावेसायहेन् प्रदेशुस्रास्टाची न्याया द्वायाया ·প্यः नुः क्रिंशः मान्तदः नुर्देशः शुः शेः प्येदः संने। शेनः नुमाना मीः सक्षदः होनः धीदः होनः दो नेः यः श्कृतः प्येदः सः । यः हे माः मीशः यूशः व्रीतः र्क्षतः र्वे देन स्टान्न राष्ट्र स्टान्न स्टान्ने साराहे दारावे सुर्या स्टानी प्रामा व्यापा सुर्या दुर्य सामान्य प्रामान्य स्टान्ने साराहे सार वसेत्रायाधीत्रायम् माया साथीत्राम्यायाधीत्रायवे स्त्रीमा सासुनाता दे स्त्रिया उत्ता देमामया प्राचामा सेवा । दूरियार्थी सासुनाता यवे श्विर बेर वा के प्यम् दे। दे ह्माय धिव यवे श्विर इ यर पर्दे दावा श्वर श्विर कें वा कें वा स्वर वा स्वर प्य देश। ञ्चरान्चेतरळॅतर्ने अळतर्ने अः न्नानाने प्रदेश शुः वयेतरा धोतरम्य प्रमान्नेतरळॅत्ने के हेतरम्य न्नाने नामाने नर्हेन्-पर्वः भ्रुषः रहः नी न्वावा द्वान्वा वा स्वावः नुर्देषः वावदः नुर्देषः शुः वयेदः या धीदः पर्वः द्वी हा वर्देन् द्वा हे वहवे ह्वा हे श खूकाच्चित्रःक्षेत्रःस्राम्बद्धाःस्राम्बद्धाःस्राम्बद्धाः वर्ष्ट्रम्यदेश्चित्रा वर्षेत्रःस्राम्बद्धाः वर्षेत्रःस्राम्बद्धाः सक्दरहेर्रेर् से त्वर् सर्वर वर्ष राज्ये राज्ये द्वारा के साम म्बद्राश्चन मः भ्वारा प्राया प्रमेद प्रायो सामित प्राया महिला स्वारा स्व <u>न्ना वेश संदे मातृर मी नश्रू में तम्मुन संदे श्रीमा मातृत प्या नम्मा से मात्र प्या से मात्र संदे सम्मा से मात्र सा</u> संधितः द्वावाः धेतः सरः वया द्वावाः सःधेतः सः वादः विवा । सदः वर्द्धेतः सदेः श्रुरुः सदः वीः द्वावाः श्रुः वगावाः भृतः पुरुरुः स्वतः न्र्रिंशाशुःवयेदायाधिदायवे भ्रीमा ह्यायाप्तराया गुनाकेता वर्षेत् से तुर्याकी से दादाया धिदायवे भ्रीमा ह्याया यहियाया बुनात्। नन्नासेन्साधेत्रारात्रसार्वेनापदे नन्नासेन्द्रसाठत। नेरावय। रतावहिन्दि स्वीस्तान्यान्नाना नन्ना बेन्साधेदारानग्वास्वयानुः केंसाव्यवदार्देशस्यायवेदाराधेदार्यदे द्वीत् सानुनाद्या दे केंसाउदा देरावया रहार्वहेन यदे श्रुभः रदः मी द्रम्या ग्रुः यद्रम् सोदः सः धीवः यः यम्या स्थ्यः त्र् कें सः मानवः यद्रम् सोदः द्रिम् सः धीवः यदे श्रीम् । सः विचात्रा दे त्याविचारा स्त्रादे । तुमारम्भाद्यारमदे सार्चियमादे । स्टान्ट्रेंद्रायदे सुमार्यः नी द्याया विचात्र स्त्रास् म्बर्स अस्त्रिम्बर न्हें अस्त्र अस्त्र हो हे स्टर नहें द्रायं के अस्टर ने द्रम्म निम्म निम्म निम्म के अस्तर निम्म विचायदुः बुद्रा अः वीचाया देरावया विकायकार्यायदुः अः बुवायादी स्टाबेश वर्ड्र प्रवेश स्टावी प्रवापा विवायायायाय र् क्रिंश नावद र्रेड्श शुरविदेव रा धोद रादे ही हा अनुवादा हुआ राया रावी राया राये राया हिना का धोद र नावा

यदे वद्यासे दारे। स्टाबेस वर्हेदायदे सूस स्टाची द्याया द्यावद्या सेदास धिकारा वयाया शुला दुर्के सामाबदा दूरिस सु वसेत्रायाधीत्रायम् प्रत्या देशाम्मायी प्राप्तम्यासीम् साधीत्रायायायायायामायायाम् विया दिशायन्यासीम् पर्देशासी वसेत्रायते । द्येम ह्वारानिहरामा अपन्ति हे निम्मा द्वारामा स्वारामा स्वारामा स्वारामा स्वारामा स्वारामा स्वारामा स्वारामा स र्ट्सःशुःवयेदःपवेःश्चेर् । वार्ष्ठवादारी द्वावायावारावेव । स्टावर्ड्स्यावेश्वयारावीः द्वावायावास्त्वात् । स्टावर्ड्स्याविदः र्केशामान्त्र सुनामासी प्रमेतामा है। सेनानमामी सक्ते हिनाधिता हैना सुसामासाधितामा स्थितामा स्थितामा स्थिता सक्त हिन्दर्धित्र्रम् ही सन्दर्भावा साधिवर्वानाधिवर्वित्रहीत्र। सम्मुनावा दे के साउवा देनावया नवानायर्वर दिसार्वित माबे अश्वराधीव परे श्रीमा प्रमापाय मारा बिमा । प्रमाणीव परिवार के स्वार्थ श्रीमा हमार्थ श्रीमा समारा स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ श्रीमा स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स् यालीव्यविष्ट्वीराहे। तुम्रायामालीव्यायामालीव्यविष्ट्वीरा मानुवाव। तुम्रायामालीव्यायामालीव्यायामीव्य यर मण तुम्रायातुमाराधितायते भ्रीता इत्यर पर्देदात्र तुमारासाधितायात्र मण्यात्र वाराकें भाउत्। स्टाबेश यहेंदायते श्रुश्राक्ष्यामावत् श्रुवायावर्द्द्रियम् त्रया स्टावेश्याचे द्रियावेश्रुश्यास्य मी द्रवामा निवास मित्रा मित्र स्थापति यदे द्विम् स गुनंत्र दे के राज्य देम्प्या मह ले राज्ये मुराय में प्रायम मान्या वसेव निर्देश हिना मान्य वर्षे देश वर्षे देश वर्षे मान्य के मान्य मान्य के म म्बद्रश्चर्यात्र में द्वारायक्षेत्र द्वारायक्षेत्र विष्यायाः स्वारायक्षेत्र स्वारायक्षेत्र स्वारायक्षेत्र स्वा र्हेनायायदे नारावना धेतान्त्रीयायरावना वर्हेनायदे खेरा वर्हेना से तुयाना सुनायराय से तायदे सके दार्श्वेना स्वा न्नायर्वेन्-न्वेंशःश्चे न्नाः वनार्धेन्-प्रदेश्चेन्। नाव्याधाः। हनान्नेंशान्वेशःश्चेशः श्चेन्-प्रदेश्वयायः केशः उद्या समायहेनः यदे सुरु र र में र माना मुख्य र रहे र मानवर सुराय प्रें र प्रें र प्रें र प्रें र प्रें र प्रें र मानवर सुराय प्रें र प्रें र प्रें र मानवर सुराय प्रें र प्रें र प्रें र मानवर सुराय प्रें र प्रें यर शुरायदे प्रदेश में भी दायदे श्वेर वित्तु पर्दे पदी दे प्रदेश सुकार के भारती रहा में दिया में प्रतामा सु नगानाशुवानु क्रिंशानाब्द सुनामा से विवेदानर माना रटा बेशानाईन मिते सुनाक्रिंशानाब्द सुनामा से विवेदान है। रटा विभान्हें नार्यः श्रुभाश्रुनाया श्रे प्रयोदायदे श्रीमा सागुनादा ने रहें भारुद्वा ने मात्रा हिन् विभानहें नायदे श्रुभाश्रुनाया सा यायसेत्रायम्प्रत्य। म्टान्ह्रिन्यते स्रुभाम्टानी प्रयम्भाग्नम् स्रुम्यते स्रिभाग्वत् स्रुमाययसेत् यते स्रुम्यो वी प्रि. स्ट.जी क्ये. ट्रेश. चार्रुश क्रिंस क्रिंस खेर त्यंत त्युंश तक्ष्य क्रिंस क्र वर्हेर्-प्रदे:श्रुश्र-र्रा विष्ट्र मुर्ग्-प्रदे प्रदेश वर्षा सेर् प्रदेश विष्ट्र मित्र मित श्रुभःररःवीःवर्हेर्-वर्रावुरःवर्षःवर्वास्रेर्-वर्हेर्-पर्वः द्वीरा सः व्युवः सा हेर्स्कः वसा हेर्-वर्हेर्-पर्वः श्रुप्यं पर्वः धैरा वेॅर-रु:वर्रें र वा हें र छेर छे: श्चा थें र वा वरवा से र वहें र यस छिव यर प्रवा वर्रे र यदे छेरा वर्रे र से तुस है। नन्नासेन्सन्हेंन्सवेहेंन्सवेहेंन्स्केन्स्केन्सवेद्वेन्। सन्तुन्त्व। नेन्स्वय। नन्नासेन्रक्न्स्सर्सेस्यवेस्नन्सवाद्यन् चया तुम्रानातुम्रानाधित्रत् तुम्रानामाधित्रानायमार्थेवानातुमानामाधित्रानायमार्थेवानायधित्रान्वेत्रानिमाने

हिन। वर्नेन्त्र। श्रुनःसरःश्रुरःसदेःतुसःसःक्रेंभःठत्। हिन्सःधेदःसःसभःसेन्।याहिन्सःधेदःसःसभःसेन्।याधेदःसरःस्य। ब्रिन्द्रिन्द्रन्ते स्वेर्द्राचित्रायाम्य। यागुनात्। श्चुनायमागुन्द्रायदे तुयायाक्रीयात्रक्षात्रत् श्चुनायमागुन यर्ष्या श्रुवासान्दातुसामान्द्रेसामाधिदासदे श्रिम् इत्यर्ष्ट्रिन्द्र। श्रुवासर श्रुम् सदे तुसामासाधिदासामान्या क्रॅंश-ठत्। क्षुत-पर-ग्रुर-पदे-तुअ-पःअःभेद-पः-पशःभेवापःअःभेद-पर-प्रवा क्षुत-पर-ग्रुर-पदे-तुअ-पःअःभेद-पदे-द्वेर। सामुनादा दे के भाउदा देराम्या दमाना सरम्भूरायदे तुसायाधिदायदे मित्र सामुनादा मुनायर मुनायर स्थापार साधिदा यात्राक्षात्रां व्याचार्या हे माना वरा मुद्रायदे तुषाया प्रेषे प्रमाण प्रायमा प्रेष्ट प्रमाण प्रायमा प्रमाण प्रम प्रमाण प बन्देन्देर्ज्ञया तुम्रामामाधिदामायमार्थेवामाने। द्यायामाद्रानुसमायाक्षेत्रामाधिदामवे श्वेरा वेदायी सक्देरहेदादे था र्भ्रुवायसेवायामः हेना । गासुसामारासुरामारादेना । सुसायासाधिवायार्केशा हवा साधिवादमामाधिवायरामारामारा बिन । रटः नर्हे र पते सुभारटा ने पनामा ग्रानमा मुखार हुँ भागवर सुनाया प्रेराय देवे राय हुँ र । आसुना सा मानुसामा स् यार विया । तुरुषारा साधितारा दे। सर विश्वास हिंदा सदि श्रुशासरा यो द्यायाँ तुरा याया शुला दुः केश यावत श्रुया सादसे दारा धेता यरःष्रया गाःतुस्रामित्रेसः सेन्यानाः वैमा । क्रियः रेम्यासः नदः त्रसः सम्यासः सुदः महः वैमा । क्रियः रेम्यासः सेवासः सिन्। र्राबेश निर्मित स्त्री सुर्थ र्मा निर्माना मुखा मुखा मुखा मुखा निर्मा मुखा मुखा सामित स्त्री सामित सामित सामित स्त्री मुक्त सामित सा कुल देवाब द्वारा बेद देवाब वाद सुद वाद बिवा । कुल देवाब साधिब दा बेब दिवे कुल देवाब दावा वाद वाद देवाब दावा वाद <u> इतु. स्वायात्त्रव्यत्तात्त्राच्या । यथा इतु. स्वाया स्वायात्त्राच्या स्वाया प्रत्यात्त्र्या स्वाया स्वाया स्व</u> क्रॅ्रिनशःग्रीशःवसेत्रःपदेःस्रीरःहे। मृतिःमृत्रेमान्त्रुयःसेमशः५८ः ज्ञसःज्ञेदेःसेमशःमृतःसुरः५ःदेशःवेदः। क्रुयःसेमशःनगमाःपशः ब्रमाबेदे देवाया धेदारा भूत्रया भूत्रया भूत्रया भीता देया तुर्या पदि भीता हात्र पदि देता है किया उद्या है । साधिदाय प्राया भीता न्नाना धेर्यस्ते द्वेरा सः गुनः द्वा गाः तुसः नारः तुरः नारः देना । तुसः सः केरा ठ्वा हिन् सः धेरः रामाः धेरः समः स्या र्रासक्त में मान्तर से या प्राप्त में के पान्तर से या माने साधित प्राप्त माने मान्तर से या पराधित। दें ता में प याप्पराधितायदे माने समुद्राया है। हैं दार्य सक्दा शुःमान्द्रा से त्या शुःसकद है दाधित हे साथित हमाना मी मान्द्रा से त्या लटालुची ट्र्याचेटाचेयातालटालुचायतुः याचु सम्बद्धायाक्त्र्याच्या हुट्यायाच्या हुट्यायाच्या हुट्यायाच्या येव पर मय। हिं न दें र र सक्वें ही मानव सेया ही सक्वें हे न प्येव से साह न वा दे ताह न पर प्रेन पर मय। दें व र्रायक्षत्रं श्री मान्तरं शेषा श्री सक्षत्रं हे दाधीतात्व। दे र्वे हिदासरा श्री निवेश मार्थ हिदास्य स्थित हिता इन्नर्दिन्त्र रेन्द्रिन्सेन्यर्भ्यावदेश्वयादश्चर्यन्त्रेया साधिवन्त्रवानानीनाववर्ययायायादी र्द्वानेन्द्र्याया धीद्र-पादी-पादी-समुद्र-पान्य-पोद्र-पान्य-पान्य देश-ह्याय-दर्देश-पादीय-ग्री-श्रेंद-पादी-तुस-पान्य देश-पादी-समुद मदे हिराहे। देशह्या द्रिंश यहिश श्रीश स्ट्रिंट मदे तुसमादे। साधित द्याया वी याबत सेवा दुः धरायसायेत। देशह्या र्देशःगहेशःग्रेशःश्रृंदःसदेःतुसःसःहै। देवःग्रेदःतुसःसरःधदःष्यायःसेवःसदेःग्रेर। गहेशःसःसरःख्वायःसवनाःसः। द्वानाः यः इतः मान्यः सोत्यः मान्ने स्वा द्वास्यः स्वा द्वार्यः द्वारे विष्या से सामान्यः सामान्यः सामान्यः सामान्यः स चल्रन्यः वाहेश। न्यः वेते न्यः वहेत्रः हेवाः यशः नवावाः चः न्यः शः चडनः यदेः ह्वाः चोः हेवाशः यसः चः व। स्यः हेन् न्वावाः यः धेव'मदे'मळ्व'हेन्। धराव। सरावहेवाहेंनामभासरानीन्नानानुमठन्मदे।क्वेंच्यान्हेंनाभामसन्नाना सराहेन् न्यायाः संभित्र सदे सळ्द हिन्। यहिषास न्द्री साम्पन्त स्थाया यावद सेयायान्द्री हा सामिद न्याया यी यावद सेयान्दा

भेर्द्रमानानी मान्तर सेयामहिसार्ये । देनाहिसार्से सेंद्रिसस्तरहेर्दि। स्टालेसार्से र्मस्य स्टानी द्रमाना नुप्तमाना न्तृयः नुःस्टः वहें वः हें वा सवे वाववयः ग्रुस्य स्थाना या प्याप्त विष्यु द्वारा या प्राप्त स्थाने स्थाना स्थान ष्पराधेव मदे माने सम्बद्धा सम्प्रमान सम्बद्धा सम्प्रमान सम्बद्धा सम्वद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम्बद्धा सम श्रेषान्दरसाधीतान्वानानिकार्देतान्वेना । साधीतान्वानानी नावतासीषाचा देतान्दरसळतानी नावतासेषान्दर। ह्रेंदिः मावतः सेवामावित्राः सित्। दे से सितः सक्तं के दावे। साधितः दमामामी मावतः सेवाधाराधित। देतः दसायर देतः हो दावा <u> प्यराधिव रावे मानि सम्रुव रामर प्रवेश माना प्राप्त में कि स्मार्थ कर मानि सम्मार्थ कर मानि स्मार्थ कर मानि स</u> ष्यार्थेनाचान्यः सु। साधिकाद्यानाची मान्द्रासेवाष्याच्या हिनाचरार्झे नहन्यरा ग्राटाधिकावि समुदासार्झेवे मान्द्र शेवाची सक्तरहेत्। साधेतात्वावातात्वात्वीत् रतावेशावाहेत्यते श्रुशास्ताची वसरशाच्याच्या चुरावते केंशावावता श्रुवाया न्र्रमःशुःवयेवःमवेःसःधेवःन्यायाःन्रः। न्रावेशःम्र्रेन्यवेःश्रुमःन्रायोःवयरमःग्रुनःश्रुनःमवेःर्क्रभःयाववःश्रुनःमःश्रुपमः षायमेत्रपते साधित न्वावा न्दा रदावे सावहून पति सुसारदावी यमदस्य ग्रुर ग्रुर पति स्रियावत सुनाय देरे साम्या महिरामात्यावयेदायवे साधिदान्यायान्य। स्टाबेशाचेईन्यवे श्रुरास्टायी वयर्षा ग्रुरास्टे केंशायाबदाश्रुराया भ्रम्य अर्थे प्रमाणीयात्र प्रमा र्चे वारु १८ १ रे से १ स्वे १ वर वाहे रूप १८ से देश सक्त वादी खेता तुरु मारा साधित मारा रूप वाप १८ १ दूर होता से साम यदे मिले सम्भाति सम्भा ॡ्र्यात्तरःक्रैटःयःचटः। ध्रूयात्तःकःयिकःयःकालुष्यःवात्तरःक्षेटःयःकेःयेष्ट्र। । प्रटःखेकःयक्रूयःयःक्षेकःप्रटःयोः नगानानुत्यानु स्टायदे वाहिता हिना मारे पाद्या वाद्या स्टाय स्यापा स्थित। श्रुवा माराय स्थित। स्थित। स्थित। न्याया पाराध्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त तुअन्यन्दन्तुअन्यस्थित्नविन्यमुद्रम्यः क्ष्र्र्दन्यः भूदन्यम्यन्दन्त्रेन्न्यम् निम्मान्यस्य स्थितः स्थानिहे सन्दिन महिम । सेन्-नम्मान्य-न्द्ये द्वा रन्-मे-नम्मान्य-नेश्व-न्यः श्वेन्-प्यते सेन्-नम्मान्न-। रन्-मे-नम्मान्यनेश्व-न्यः श्वेन्-वनानी निर्मा से न निर्मे सामा धिवाय है सा निर्मे हैं सुना हो न है। तुसाय से न मास्य निर्मा ह ने साहाय से न प्रो न्यायाः धेदायराः विष्यायाः धेन्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान्याः स्थान <u> न्दर्भा अञ्चलका ने सम्मणा नुस्राया से ना प्रेना पर्वे अञ्चल्चित्र मुन्ना नुस्राया से ना सम्मण्या नुस्राया मु</u> दमा नुसन्यासेन्यन्देसासुन्देन्यदेन्धेर्न्ते। नुसन्यासाधेदन्यायमार्येष्नायातेमान्देन्यदेन्धुमा नुसन्याधेदन्या ष्यार्वेनाप्रतेन्नन्त्रानुस्यायाध्येत्रप्रान्देशस्यान्यान्त्रम् नुस्यायाध्येत्रप्रात्यस्यव्यान्तर्देशस्यान्देन् तुस्रायासाधीत्रायात्वेसायते प्रवादिस। देते प्रवादानुस्राया प्रदेसासु प्रवादास्य। तुस्रायासाधीत्राया प्रदेसासु प हे। ने प्रदर्भ स्वानेश तुम्राय प्रेर्स्म सुप्तनावाय वादावीय । नेश तुम्राय माध्येत या प्रेर्स्म सुप्ती हेन पर पे सामुन व। तुमामकेंगाउव। हिन्याधेवामबेगमवे प्यानेम। हिन्निमास्यामाममामा हिन्निमासे धेवामे

महिरानासाम्यान्त्रा नुसानासाधितानाक्षेत्राच्या हिन्दिरानेसान्त्रान्त्रा हिन्दिरान्त्राम्या हिन्दिन्त्रासान्त्र धिव मित मित्र मित् म। रदानी द्वावा मु:वेश मु:वा से सेदाय के सेदाय वा वा विकास स्वाया के सिंदा के सिंदा के सिंदा के देवा वा मु:वेश यद्विय दिन्द्राध्येत्रम्भेशन्त्रात्याक्षेत्राच्याक्षेत्रम्भित्रम् <u> न्याया द्वालिय स्वत्या वित्रा से न्या से स्वत्या से मार्थ साम के मार्थ साम के मार्थ साम के साम से साम से साम</u> हें वा प्रथान्य मान्या वा प्रतिष्ठ अप्रवाद के अप्रवाद के विषय के कि वा प्रवाद के विषय के कि वा वा वा वा वा वा व दे किंशान्त्र देरान्नया मान्त्र से या धेतायदे हिया सानुवाता दे हेरानया ह्वायास खेतायान्त्र से या धेतायदे हिया र्वेट.रं.वर्ट्रट्रेट.वी में हेवा.रा.मा.लुच.रा.क्रू.भा.क्षी पटा.वहूच.हूंचा.रामा.पटा.ची.ट्याचा.ची.ट्र्यूमा.श्री.चकट.रामा.चा वर्ट्रट.राष्ट्र. धैरा वर्देन्ता ने केंश रुद्या रट लेश नाईन पारे सुशारट मी प्रापा द्यापा द्यापा दें र पर प्रापा वर्दे न परे से से साम वरेर्स्याद्या वर्रेर्द्रा श्रुम्तायायाधेदायावेषायवे श्रुम्तेषा श्रुम्तायायायार्देषाशुमिर्द्रियास्या रेषाश्रुम्तायाया खुर मोर्देर हो र र प्रदूषा परि हो र मा हो र र मा हो हमा पर र में हमा पर साथे के पर हिर परि हो र मोर्देर हो र नुःवह्नाःचवे द्वेरा अञ्चनःवा नेरःवणा अन्तनाःच अधिनःच वेशःचवे अन्ते अन्तनाःच वर्षे अन्तनाःच वर्षे अन्ति। ह्रण्याप्या इत्यरावर्देरात् श्राह्मायासाधितायराहेण्यायवेत्रदेशाक्षेत्रयाहेयात्वाचीाध्यायात्वराश्चात्रश्चात्वा , प्रद्वापर प्रया इ.चर पर्ट्र तर देवे ही पर्ट्र अप्तान के अप्तान का का का का का का किए अप के<u>न न्यत्रेन संस्थित। विकास</u> के स्वायत्त्र के साम स्वायत्त्र के साम स्वायत्त्र स्वायत्त्र स्वायत्त्र स्वायत्त्र स्व र्देशःशुःवठर्परम्था श्चःहवायासाधेदायर्हेवयायवे हेशःर्यवारेश श्चःहवायार्देशःशुःवठर्पवे श्चेरा सःग्वया देरःचया ञ्चाह्नवाराः अप्येदायरहें वायायवे हे यादयवादी ञ्चाह्नवारा अप्येदायर प्रेटें या शुहें वायायवे उद्यायाये हो स र्वेटर्रुखर्देर्न्त भ्राह्मायासाधिवरयर्हेम्यायदे हेम्यायर्थे भ्राह्मायायार्द्र्याशुम्बेर्र्ययम्बा देशःभ्राह्माया न्द्रभाशुम्बद्रम्पतिःश्चेरा वर्द्रम् बा साहवानासाधिवनम्बेरम्बद्रम् स्वान्यावान्त्रम् अपूर्विन्यरम् देवे भ्रिम्बर्स साह्या वर्देद्दात् वश्चवया बेदार्हे । ।वाचेवा । तुसायार्केश उत्ता श्चवाया साधेदायम् वया दवावाया धेदायवे । धुरा अ.बीय.यी टे.क्ट्र्या.क्यी ट्यांगा.य.लुय.सर.वजा वावय.सच्यालुय.सच्याचीरा अ.बीय.यी ट्रेक्ट्या.क्यी ट्रेस्या हिंट. वहेंबर्हेन्यानाने। नाववर्षेवरक्षेत्राकुरध्याक्ष्वराचेतरे हीमा सामुनाव। तुसानाक्ष्याक्षा नेमानवा हिनावहेबर्हेन्यानवेरस्वा याराधित। यान्तराशेषायाराधितायादे याने समुदार्थितायादे स्वीता वे सामुना वा ने सिका हिताया धोदायायमार्थेनायादी हिंदायहेदहेन्यायदे सुवायदा धोदा मानदामेवायदाधेतायदे माने समुदायाधेदायदे हिंदा लेबन्याश्चिन्यदे नेबा द्वार्णेबन्यदे श्वेत्र। वेदन्तुः आह्वना सळस्य साथा दे वेदन्तुः ळेबा दवावाना लेबन्यरा हिन वहेंब हैंग मने। नगना मने पुत्र कद पीव मने ही मा बाना वा ने किया करा हिन वहेंब हैंग मने पुत्र पार पीवा न्यायान्याधान्याचे स्वतास्त्राचे स्वतास्त्राचे स्वतास्त्राच्या सामुनात्वा ने स्वतास्त्राच्या हिन् मी स्वतास्त्र ष्य स्वापायान्। ने प्रदेश माने समुद्राया धेदाय है स्वाप्त में माने स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व सक्त मुःगान्तर सेवः न्दा क्विंदे गान्तर सेवः न्दा सेन्द्र गान्तर मेवः गान्तर सेवः गास्त्र स्तर स्वर स्वर हितः स्ट सक्तर शेवासाधीत्रामशाह्यतामदि। द्वीताचेतान्त्र देशी त्यम् सम्मा मान्त्र सेवावान्त्री साधीतान्त्रामा मान्त्र सेवान्ता सेन्-न्यायाची याब्र सेवा याद्रिसा सुः विन् हेन्। साधित न्यायाची याब्र सेवा वा क्विंच याब्र सेवा न्या हिंदी स्टा म्बद्धान्त्रे वात्र के वात्र के वाद्य क द्यावार्यः धोत्रः प्रते : श्रीत्रः व्या विराधिया विराधिया । विषयि । विराधिया विषयि । विराधिया विषयि । विराधिया हिना केना बेद परे पर महिन प्रांची असी । असी वार बना मी नर्ना के अरुदा हिन परेंद में नाम हैं ना परेंद यर मा ब्रिंट वहें दे हैं वा या दे। यह सुवा दु कुर पर दे दिवावा यह दे साम कर पर पर हो है वा से ब्रिंट हो है । क्रिंग उदा देर वया हिंद से द रेश पीद सदे हिरा देश होरा वेंदर में दर्द देश महर वया में यद या से दर पर वया महर वया देरः वया दर्देशः सेदः धेदः पदेः धेरः हे। ह्रमाः पः धेदः पदेः धेरा इः यरः पर्देदः दा यदमः धेदः पदः पदः पदः धेरः हे। मावतः रोयः सः धोतः सर्मा तुसः वहेतः हेना सः यः सुसः सः यः स्वार्मा सरः सूरः म। मावतः रोयः सः धोतः सहै। देरमेद्रायदेर भ्रिम् सः मुनः द्वा देरः वया तुसः यहेद हेवा पाया तुसः यासः स्पेदः याया स्वीता प्रमः से सूरः वदे स्वीमा सः सुनः द्वा देरःचया तुसःवहेंद्वःहेंगायःयःतुसःयःसःधेदःयःयसःवेंग्यःयःदेः सेःसूरःववेःद्वेरःबेरःदासाह्या सःग्रुवःदा तुसःयःसःधेदः यायमार्थेनायार्केमाठवा तुमावहेवहेनायायार्हेन्छै। इसायम्पराचरात्रया वहेन्यवे द्वीरा वहेन्त्रा तुमायार्केमाठवा ब्रिंद्र प्रहें के हैं माना दे। स्ट सुवाद् मुक्त प्रवे द्वामा प्रवे द्वामा प्रवे द्वामा प्रवे के के माना प्रवे थुवानु क्षुरायदे तुसायासाधीदायावासार्वे वायदे द्वायावास्तरे वेदारे वायदे त्वायाची स्वायाविका वर्दे न द्वायावास क्रिंग ठवा हिन्नियाना धेव पर प्रया हिन् धेन प्रायान देवा हिन्य देव हैं या पान या हिना धेव पर देव हैं या प्राया वर्देन्से तुराही सुनाम धेदायते सुना इरामायार्थि दारी रे वेंदार वहेदाहें वामाया रे वेंदार साधेदामायर विवास श्रूराच। रे वें रामुते क्वें वाववारोता साधिवाधराधवा। रे वें रामुते क्वें वाववारोता से प्राप्त के साधिवा के विकास के साधिवा के कि स्वाप्त के साधिवा के स्वाप्त के साधिवा के स्वाप्त के साधिवा के स्वाप्त के साधिवा के साध धिराबेरावासाधिया सामुयावा देरावया देर्वेरामुखेरायवे धिरा मेरित्यहेरावा देखें साम्याधिरा साधित्रपायसार्वेनाप्यमाञ्चरान। हिन्द्रीः र्वेदियावत्रसेयाधित्रप्यम्बय। हिन्दिरहेन्द्रिन्यायायाहिन्साधित्रप्यसार्वेनाप्यमा बूर्यान ने हिंद्र ही देव ही स्थित प्रति ही मा देव । देवे मानव से वार्षेद्र प्रत्य हिंदी मानव से वार्षेद्र प्रति ही मा व। बेर्-मदेः नावतः केषः वेर्-मरः नष। देः वेर-मृदेः नावतः केषः वेर्-मदेः हीर। वर्रेन् व। बेर्-मर्नः बेर्-मः वायेतः वि मिले समुद्रामका केंद्रामा केंद्रामिल के का प्रोता मिल के केंद्रामा केंद्राम केंद्रामा केंद्राम केंद्राम केंद्रामा केंद्रामा केंद्रामा केंद्रामा केंद्रामा के धीव पर प्रवा स्त्रिया विवासी वा विवासी वा विवासी का वा विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास व ग्वित सेया धेत प्रते हो न सा श्वापात से न पर के सा उता हिन प्रति हिन सा धेत प्रते प्रवि सहत प्रस हिन हो हो न हो न द्यायाः वीः याब्रुदः श्रेत्यः धोदः प्रमः प्रद्याः विदः प्रदे प्राप्तः स्रोतः याब्रुदः स्रोतः स्रोतः स्रोतः स्र <u>रद्यर्प्यर दुर्दे । प्यर्प्य हे मानुस्य महिस्य प्येद्राय स्यं मान्य मानुस्य महिस्य द्वी मानुद्र सेवा</u> धेदायम्बर्ण मानासाधेदायात्रसार्वे माना मानदे मूँदाममासहंदामु मानदि सेराधेदायायात्रसामासहेम । तुसायासाधेदायायसा

र्वेवाचा तुम्रायदे र्देवास्टामळ्वा शुःवाववा सेवाधेवायदे शुःस वेस्वासा ह्या दटार्वे माशुवादा गायाळे सारवा हिंदासा धेव पायश्चिमा हिंदा ही देव परायह वा ही पावव सेवा धेव परायश हिंदा धेव पाये देव प्रायश हिंदा धेव पाये हिंदा महिशासायायायार देनाशायमे। में हार् पर्हे दाता मासुशामहिशासाधितायायशासिमायार्केशास्त्रता देते हितारहा सक्दामी म्बद्रासेतासाधितास्य हिन्द्रियास्य सक्तरा ही माबद्रासेतासाधितास है स्ति से हिन्सेन सि से हा सामुनाद। मा तुसमित्रेशक्रिंशक्रिंशक्रिं। हिंद्रसाधिद्रसायसार्वेनासासेद्रस्मा हिंद्रही धेद्रसासेद्रस्मेद्रस्मेद्रस्मेद्रस्म क्रिंग उदा हिंद : ग्री : धेद : या सेद : या सेद : या सेद : यो दें दें यो सेद : यो सेद : यो सेद : यो सेद : यो से व्यर्भाविषाचा गानुसामहिसामी देवारा सक्तामी मान्तरा सेवा विषय मान्या ह्या देवा महिसामी सामिता मानुसा महिषा मानुसमाहिषाक्षी में द्वारा सक्त की मान्त्र सेया धिता परिसा हिमा सामुना वा मानुसमाहिषा के साम्या मानुसमाहिषा द्र्रमः नहेमः ग्रीमः मूर्तः प्रदे हिंदः दी हिंदः ग्री देवः यहः सक्त ग्रीः नाववः मेयः धेवः ययः प्रवा हिंदः धेवः यः भी हिंदः प्रवे द्र्रमः सं धोदायदे द्वीमा व्यायात्वार्वे दामे। ह्याप्ट्रियायाहेयाचीया स्ट्रियायाहेयाचियायाहेया स्ट्रियाचियायाची स्वाया स्व र्ये साधीव पर प्रवा हिंद धीव पा श्रीद परि परि परि साधीव परि ही है। साधीव परी है कि साधीव है पर है है पर है है प सक्द नी मान्द सेया पेद निर्देश सामुन दा दे किया करा देरा मान्य मान्य दा देरा मान्य मान्य प्राप्त मान्य प्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य मान्य प्राप्त मान्य प्राप्त मान्य मान्य मान्य प्राप्त मान्य मान म्बद्रासेयाधिद्रापदे हीर हेर द्रासाह्य साम्यापदा दे के साउदा देर ह्या मानुसामहिसाग्री देवार सास्त्र ही माबद सेवाधित मदे हिन्। सामुनाता ने ने धेता मनामा गानुसामहिसामी में तर्मा सक्त मी मान्तर सेवाधिन मदे हिन। सामुना व। गानुसामहिकार्केकार्केकारुव। हिन्दे में नेंदरान्य सक्त ही मान्दर सेवार्षेन सम्मान्य हिन्दे कार्य प्रेत सके ही मान्दर म्बद्धार्था में मुद्राम्बद्धार्था स्वर्धान्य स्वरत्य स्वर्धान्य स्वर्यान्य स्वयं स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वयं स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वर्यान्य स्वयं स्वयं स्वर्यान्य माविषा चुः धिवादा सेन् न्याना धिवासी साधिवासी। साधिवासी साधिवाना माविषा चुः धिवासी साधिवाना चुः धिवासी साधिवा यर गुः नवे के दः धेव सवे श्वेर

यह स्वासालिय सम्स्वता प्र्सिम्प्रले हीमा पर्स्सिम् हिंगामाळ्या स्वास्त्र मान्य स्वास्त्र स्वास्त्य स्वास्त्र स्वास्

लाक्षी तहिवा सम्प्रमा मना स्वास कार्या कार्या कार्या हिवा सम्प्रमा कार्या सम्प्रमा कार्या सम्प्रमा कार्या सम्प वनावादीनात्याक्षीत्वहुनात्माधीदासम्प्रम्य। वर्देन् सवे हीमा वर्देन् स्री तुमाने। नादी नुनात्व। हिन् नी स्थानि समानि समानि स्वर् बुर् मूर्यं म्याधियः भक्षभावा रटालीकाकाकाविभाशी बुर्या पर्येवा सपुर सूर्या सामूर्या मूर्या सरामिता प्राप्त स्व ब्रीमा वर्देन द्वा दे के अञ्चा महाधारा वाक विश्व का का का विष्ट का विष्ट का विष्ट का विष्ट का विष्ट का विष्ट का सीयात्यात्राचुयात्वात्र्या । तयात्राचुयात्वास्यात्राच्या स्टासीयात्वाक्ष्मिकासी हियायाय्या वर्रेन्दा ने केंग उदा रूप्यायनाय दीना या भे वहूना यर प्रया वर्रेन् प्रवे ही रा वर्रेन्दा ने केंग उदा रूप्यायनाय बिनात्यः से त्रह्नात्यः सः सेदः सरः त्रत्य। निवे सुनः त्रा हिनः स्त्रीः सुनः सेदः सिनः। सः सुनः त्रा हेरः त्रता हेरसेनः यादः विम ।मविः शुनः द्वा हिमः पदेः खुवः धेवः दर्मे अः पदेः द्वीता । यः हैमा दः ते। श्वः हिमः अवः वहमा धेवः वेतः द्वा देः अः धेवः पतः प्रवा श्चारोत्यायहुवाची श्चाराधीव प्राये द्वीरा सामुनावा देरावया श्चारे वहें र हो र ही शुक्ता स्थित प्राये द्वीरा सामुनावा देरावया कुंदे: श्चारे: श्चार्थित प्रदे: श्चीरा विचित्रात् रो वात्ववार प्रदेश शुःहेवार प्रदे पुत्य उदः धीव वा श्चार वह वा धीव प्रदेश वात्ववार वि र्देन हुवि द्धया ही हिन्य प्रति पुरा उदा धेव दा शेवा यह ना धेव दिनी साहे र दा दर में ता से सिन हो के सा उदा देर हाया देवे भ्रीमा सःग्रुवःमा दे के सःसमा देमः प्रया वितः पात्रुवासः वात्रुवासः यद्दिमः सर्दिमः सुसः ग्रीसः सुसः स्वी धेव परि द्वेरा इ नर पर्दिन वा दे किंग उवा दे साधेव पर प्रया मेया पहुना धेव परि द्वेर है। ना ना ना में दे हैं दे हुया ही हें नायायदे 'धुवा उद 'धेद 'यदे 'धेद 'हे। हिंद 'ना बुनाया ना बुनाया वहें द हिं ना यदे 'क्कें द या है नाया यदे 'धुवा उद 'धेद 'यदे 'धेदा देशक्षक्षक्ष्मीख्रम्भावा देग्महेशक्षिक्षक्षक्षेत्रस्य स्वतंत्रीत् स्वतः हिन्न हिन्न हिन्न स्वतंत्रस्य स्वतंत्र न्यासु हो द्रमान सेवायह्या मी सळद होता हे त्यात् होता सेवायह्या मी स्त्रा सेवायह्या मी ही हेदे से साहार हा मशुस्रायसान्दार्साया सळवाहेनान्दा नुद्ये नामहेसा स्टासुयायाळस्प्रसाद्ये वसायह्यासदे सहदाद्या सेयायह्यामी श्चितः सक्तवं केना ने त्यान् हो वा ने ते श्चार्मे व सम्बन्धान ने ते श्चार्मे व स्वाया सम्बन्धान स्वया सम्बन्धान समित्र समित्य मदे सक्त गुर्ने दास्त्र में दूर में दे सक्त के दा सक्त माने है। गुरा माने सामि के स्वाप्त में प्रमान के सम्बन् दे। गहेशप्रविष्यळव् हेन। यळव्याने दे। दे विर्मेर मुलेशपि श्वाप्त हुन से त्याप्त हुन ने श्वाप्त हिन हो मुलेश देव क्षे⁻सम्बद्धान्तिक्ष द्वित्त्र महिन् । क्षेत्र प्रह्मानी क्वें प्रायक्षक क्षेत्र प्रमान प्रमान प्रमान क्षेत्र प्रमान क् रेगाया देवे सळव छेना ने न्दर्हेगाय गहेश र्नेव गडेगा ने त्यान हो वा देवे हैं र्नेव समुव न्दरा देवे हैं र्नेव से समुव समुद्र-पार्द्ध भार्त्द्द पार्द्ध पार्वि हो। द्रेर-द्रा तुस प्ट्रिंद हैं पारा क्षु तु। रहा सुवा प्रकार सम्बद्ध पार्ट्य है पार्ट्य है पार्ट्य है पार्ट्य प्रकार सम्बद्ध प्रकार है पार्ट्य प्रकार है पार्ट्य प्रकार सम्बद्ध प्रकार है पार्ट्य प्रकार सम्बद्ध सम मर्दिन से समुद्राची महिकामदे सळद हिना ने निर्दर्हे मार्या देवा समुद्रामहिका देवा । सळद मादी दी। निर्देश देविं रु:वहेंबर्हेन'रा:कृ:वु। रट:धुत्य:व्य:क:वश्य:शु:बे:वश्य:वहना:ववे:क्रेश्वेश:वु:दे। शेव्य:वहना:वी:वाट:बना:वी:अळंब:हेट्। अळंब: मानि है। द्वेरात् इरासर्वेराक्षात् मानिकाराञ्चनायम् नामा रहाया स्टाध्यायाकार्यकार्यात्रात्रात्रात्रा हेरे सक्द हिन् ने त्यान् होता हेते हिं त्रा ने देते ही साम सक्त हिन निर्मा सक्त हिन निर्मा सक्त हिन निर्मा सक्त हिन शुः साञ्चीः चरः वहुवाः पवेः रेवाः या देवेः सळदं केता देवः या द्वेः वा देवेः क्वें रेद्वाः समुद्रान्य विकास मान रदासुयायाळान्यात्रायाची परायहुणायवे सेणायार्दे दासमुद्रा दरार्वे वे सळद्राने दा दे प्रतासदे दास्यायाने यार्दे द

महिम । स्टासुत्यात्याकः पृष्यासुः सस्यान्य दिमान्यतेः सेमानार्दे दास्री सम्रम् निष्यान्य से सम्यान्य स यह्ना'यदे'श्लेश'त्। श्लुन'यह्ना'मी'मदःबना'मी'अळद'देन। अळद'मवि'दे। अदशःकुश'ययम्भ'य'वृ'द्व। ईन्'य'र्श्वेर'य'या र्वि'दारी विरादेवा'गुद्र'हु हैं नायदे छै। त्रानाविषा श्रूरावी न्यराविषा देशायी त्राविषा त्राविषा त्राविषा श्री श्रूरायदे न्यराविषा ढ़ोशःतुःचरःर्वो प्रवेशिशःश्वी । देःष्यरः। ह्वःचःवाहेशःश्वरःवो प्वरःभोशः क्वेशःक्वा श्वुवःवह्वाःवोः क्वें ध्वेदःवरःवय। हेवाः सेपः क्यान्त्रेशक्षेत्रमदे हिन्। दर्नेन्त्रा ने क्रिंश उदा ह्वाना विनात्य ह्यानी ह्वें क्षेत्र मन वया दर्नेन मान दिन श्चनःवह्रवानीः श्चें स्थेदःद। हिंदः सः नाडेवायः श्चनःवह्रवानीः श्चें स्थेदः दर्वे यः यदेः श्चेरा वर्देनःदा देः र्केयः उदा हिंदः यः सः न धेदायाञ्चरावरात्रया त्रामित्रमात्र्वा विवाधेदायाद्या त्रामित्रमात्र्वे वामित्रमात्र्या हे वाद्याचित्रमात्रमात्रमात्रमात्रमात्रम् इसामिडेमामार दिम । वर्रेन् साने वे स्वीमा नरारें सामुनामा ह्वामिडेमार्के साठमा हिन् हिन् प्रीमास नरा हिन् मिडेसारें प्राया नुसार्यानितान्यार्थे, सामे जीवार्थे हसामिता विवासितान्य विवासितासितान्य विवासितान्य विवासितान्य विवासितान्य विवास न्नरःभेशःर्द्धशः उत्र विन्तः सः विना सः विना संवाधिवा धिवा संशेष्ट्ररा न्या विना धिवा सः विना सेवा धिवा स्वाधिवा स्वाधिव हीर नेर दायाहिया दें दा मिर्ट या है या पहिया सूर पदे प्रतर की या है पाया ही पाया ही पाया ही पाया है पा नवे दीमा धरावि तमो ने के शास्त्रा हिंदाया ह्या विवास व नवे भ्रीत ने त्रामा हिना सामुना द्वा देरामा हिनाया मुनाये ना सूरानवे भ्रीता मिना प्रामा दे हिनाया मुनाया हिनाया मा याद्यता द्वारा महत्त्र योड्याः च्रित्रः शुःश्रूनः प्रदेः न्वरः वित्रः ध्रेत्रः ध्रित्रः ।। । यश्चित्रश्चरः स्वर्त्तरः स्वरः विद्याः वित्रः वित्रः विद्याः वित्रः विद्याः विद् यहें व नुस्यान स्वार्षिया हिस्या हु। सर्वे या सहंदा यदे या सूर्या हु। स्वे या स्वीता यहें पा ते विकास स्वार्षित स्वीता स् क्र-सर्वायर नश्चुन नश्चेय पर्दे ।

ळ्ट्र-अदेःनाबुदःर्देवःदचेद्र-पदेःनश्रूअःमुदेःह्यःनाबनाःरेनाश्रात्यस्य द्युवःमुःश्रे सेनाःहेशःमुःनःवशःरेनाश्रात्यसः क्रे नःधुवः धुवः ठवः दृदःर्ह्वे रेनाःने ह्यः परः चन्द्रायः चबुनाशःश्रे ।

इस्राम्बिमार्रम्भात्मस्यस्यस्य मुःश्रेष्रमात्मस्य स्यास्य स्थान्तर्भात्मात्मस्य स्थान्तर्भात्मात्मस्य स्थान्तर ढेनान रो सुयारेनाम क्वेंदेर अळव हेना क्वें यारेना यर द्वान सुया क्वें अळव हेन नुपर्हेना वेर वाळ दाय केंद्र या केंद्र रैनाय धेर पर प्रया क्वें धेर परे द्वेरा स नुवारा हिन सार्केश रुदा क्वें धेर पर प्रया रेनाय धेर परे द्वेरा हायर पर्देर वा क्रन्सक्रिंश ठवा धारा के माना धारा है माना है माना है माना प्राप्त क्रिया क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रमा क्रम क्रम क् धुवान्वेशानासाधेतानम् त्रवा धुवान्देशार्यास्य स्वान्यते द्वीम्। वावतासमा क्वांस्य द्वांस्य स्वान्यते क्वांस्य स्वान्यते द्वीमा नर बना श्रुकः २००० | देवान क्रिंटे अळव हे र लेव नवे हो ह्वा अपना वर्दे र वा श्रुक अहे वा साम हे वा साम हो वारा वा वी कृर्चे क्वें के अवस्था स्थाने के स्थान के कि स्थान के स्थ अर्हे नार्थासंदे नाराबना ने कुर् के क्वें प्रेर्व संदे क्वेर्य हिनासबदारे प्रूर नाशुरसादर्ग करा नाराबना ने नदना से दास हें नार्यासदे नाराबना नी क्रुप्ते या नाराबना नी निर्मास्त्रेन हें नार्यासदे खेराद्यें राखेरा हे या निर्मासदे की मिरानी स् सक्द हिन् पहिना ना भूति प्रति ना विक्षा विक्षा विकास करा विकास करा है सारे वा सर हा ना से का कि सारे हिरा क्कें संप्तृत्वासाराधीत्र प्रति द्वीरा सामुनाता हे किंसा उता हेरा मया हिंगा मसा नहमासारा धीता परि द्वीरा सामुनाता हे किंसा ठवा देरावया रदावहेंबाहें वाराया नहवाया याये साथे हीरा बेरावा या हिना वें बाविंगराया में वेंदारा केंगा ठवा हैंवे धुलाधेवामाम्बर्ग रदावहेवामवे क्वेंदेखालाधेवामवे द्वेता विवामाम्बर्ग सामुनावा दे र्वेदार् केंबा उदा देरामया रदा वहें तर्हे वा मदे खुवा धे तर मदे ही हा सामुन दा दे के सार दा दे राम या नद्या से दाधे तर मदे ही हा धर मिं तर दे हिंदा क्रिंगः उदा धुत्यः देवा माधीव माराधवा धुत्यः क्षेत्रः समादेवा मादे ही रावेरावा सामुनावा हे क्रिंगः उदा हेरा मा ळ्ट्रस्रस्ट्रियाचराद्याचाधवायदे हुर्या सामुनावा दे र्केसाउवा देरामणा धुलामानवाद्याधिवायदे हुरा विचित्रावादे री र्ह्मे असेर्द्र शुंस नु हें नाय सर द्वारा धाया द्वी सळद हे न हे र हो नार हमा मी न न मासे र के या हिया से हित शुंस नु हें नाया नः अधीतः परः चया क्विंशः अर्देतः दुः हैं नाशः पायाः भीतः परिः द्वीरा अः गुनः ता देः क्वेंशः उता देरः चया क्वें गिरः नीशः गुरः अर्देतः शुस्रानु हिंग्रस्य साथा सेदार होता सेदार शुस्र हो साथा सादेव शुस्र नु हिंग्रस्य साथा साथा सेदार होता हिंस न्या नी सा सर्दि शुस नुर्हे नाम पास पीद परे दीन नर में साज्ञ नादा ने के माउदा ने पास सर्दि शुस की मासरें नु जूर परे खुरा श्रीभासाहित्रभारावे श्रीम् साश्चान दाने के भारत्या नेमान्या सिंदाशुमासाधित प्रवेश श्रीमाने। सेनामाना धिदापवे श्रीमा विष्टा <u>हेश-द्यमामीश-सर्देद-शुस-दु-हिंगश-य-सेद-यदे-धैर</u>| स<u>म्म</u>य-त| देर-ष्रव्य| हेश-द्यमाहिंग-य-धेद-पदे-धैर| ग्रुश-य-व-विं तःरी वारः वना नी नद्रनाके दः हे अर्द्यना नी अरक्षेद्रेत शुक्ष दुः हे ना अर्था के स्वर्मा दे हे अर्द्यना नी अर्द्देश शुः हे ना अर याधीवायविष्ट्वीरावेरावायाद्वा वात्रावाद्वा देखें या उद्या देरावाया है या द्वाया वी देश यावाया धीवायवे ही या नुवादा

दे के अंख्वा देर वया गवि गुन परे द्वेर गुअ राया में दरे। मह वया में नहमा से दर्के अंख्वा हिंद से देव सुस दुर्हे गुअ यासेन् यर त्रवा हिन् सर्दे त्रु सुर विदेश हैं विश्वाया सेन् यदे हिन् सेन् न्वाया धेत्र यदे हिन्। हिन् सेन् न्वाया विश्वाय है विश्वाय सेन् व। याद्यनाते। इसायद्विनान्त्रीयानानावनानी नन्नायेनास्त्रीयान्त्रीयान्ति हिन्यायायेनात्रीयान्ति। हेसार्क्रयावस्य र्हे गुरु पदे दे हो । पर गुर बग में पर्ग से द इस सहिद की सार्ये द द मुल्य से दे हैं या महासार में प्राप्त स्वा नन्नाःसेन् इसासित्रं मुकासित्रं सुसान् हिंगायान्यते सिन्ति। इसासित्रं मुकासित्रं मुकासित्रं मिन्ति। सिन्ति सिन्ति। मदे हिर हेर दाया हिर है। वि हे वाद रे। धुवा धेदादा धुवा दर धुवा हद विहे या हु महे पदि धुवा धेदाय या हिर हेर दा इसासिव के सामित के स धुवासाधितामाम्बर्गा धुवाद्राद्धवाउदाविषासु से सु हो निया अवस्थित स्वर्था सुनामा स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था चया क्रम्'स'प्रेत्र'मदे'स्रेम् मान्त्र'प्पमः ध्रायः उत्र'पेत्र'त्रा ध्रायः न्द्र'मित्रेस्यः स्त्रास्य स्त्राम् नरःवया ध्याः धेवाये व्याप्तरः ध्यायाः उदायित्र व्याप्ते व्याप्ति । व्याप्ति व्यापति व्याप्ति व्यापति व्या वेदारी: श्रुक्तिंश हता देरावया देवे दीरा वायुवादा वहेंदा वेदारी श्रुक्तिंश हता खुवा हता धेदाराया विदारी खुवा खेदा रायुः स्त्रीम्। नावन प्याः। नर्हेन् होन् हो सुराध्या उन्नाध्या नर्हेन् होन् हो सूर् म्याः प्राध्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्व मदे सक्त नु जीत मदे ही मा मुनाता ने किंगा कता ने माना में या यह मानी मु जीत मदे ही महे । महें न ही न हें न ही न यदे हिन् याद्यन व द्वन पर्वे ने वर्षे न नर्हेन् नुन् मुः क्षुं के का उदा धुलान्द धुला उदा पहिका शुः सुः नदे धुला उदा साधिद समः मला धुलान्द धुला उदा पहिका शुः सुः धुवा उद विहेश सु हो नदे खुवा उद विदान साहित सर सवा विस रें कियादी खेवा नर खेवा उद विहेश सु हो नदे खुवा के स मार्केशाच्या सुवान्द्रासुवाच्यान्त्रामुक्षासुन्त्री नार्वे सुवाच्याच्या स्वान्या स्वेशामासीदामवी स्वेमा वर्देदाया दे केशाच्या ब्रिं-मु:स्वार्स्य-स्वर्ध ब्रिं-सिवारवरात्रुवारायुः स्वार्धिन वर्त्त्या हेर्क्यारवी ब्रिं-मु:वाववानुःस्त्रायया ब्रिं-मु: सुलार्सेन् मिते ही रावे रावे साह्य साह्य साह्य साह्य साह्य साह्य से में रावे रावे से से साह्य सा थुवार्थिन्। संदेशक्षेत्र देरावया ने सेंदर मुंदे में हुन क्षे क्षेत्र खुवा क्षेत्र स्वेत क्षेत्र का सुन का क्षेत्र का क्षेत्र की की कि की की कि की की कि क र्ने त हु हिंद प्रहें क हैं वा सदे हूद पुत्य प्रेत पर हाया हिंद पर वा से द प्रेत प्रेत प्रेत है मा दे त्या व हे वा वी या कद सादी प्राया दि धुवा उदाविका सुरा हो नदे । धुवा सामित वदा सुरा सहिदा है। धुवा नदा धुवा उदा विकास सुरा हो नदे । धुवा नदा धुवा स वर्देन्दा क्नास्त्रक्ता स्वाप्तान्दास्य क्रामहेशासु से निर्देश स्वाप्तान स्व ऍन्पाधेदायान्यतिन । ऍन्पाधेदादा धुवाधेदायशहिनायदे द्वीमा बेमादाना मरामेना के शास्त्रा महाराज्या वहेंत्र-पानिक्राशुः श्रे प्रति मात्रु-प्रताधेत्र प्रस्था हे निक्रेश शुः श्रे प्रति प्राप्त प्रताधेत । व्यवस्था ह्यानि हो हिनामाय होना । वर्ने नासी सुरूप हो। ने महिसा सुरहे। नवि वर्ष के मार्थ के मार्य के मार्थ के म वुकारात्वार्वित्वारी रदारेवार्क्किंगाठव। र्ह्हे दिप्युवार् वुत्तात्वे काशु हो विदेश्चे देश हित्या विदेश हैं वि वर्देर्-मदे हिम वर्देर्-भे कु म है। क्वें प्रस्थि महामहिम सु ही मदि भे महा भे महिम हिम हिम हिम हिम महिमा

शुः बुे निते : प्रेन् ना प्रेन् नित्र के कि नित्र में कि धुवा उद महिका वका नद में दी क्वें कारेवा वर मुना धुवा ही अबद हिन् नु वर्षे वा । धुवा वा नु वर्षे वा विद धुवा वहुना'सुवः न्दः नक्षाः मुस्याः सुः स्वि क्विः नेवेः स्वदः सुवः निवः नेवेः नविः नविः नविः नवः सुवः सुवः स्ववः स हिनः है। न्रें अर्यः भेवः वः अर्देवः शुम्रः शुम्रः शुम्यः भेवः नम्यः हिनः यः ग्वादः वित्व । हिनाः यः भेवः व। हिनाः यदेः श्वदः शुम्यः भेवः यसः न्द्रभःसः भवन्द्रन्द्रवःश्रुअःश्चेःश्रूदः सुव्यःभवन्द्रवेषः यद्रः वय। न्द्रभःसः भवन्द्रवःश्रुअःश्चेषः सद्दर्नु हिंग्रासराद्यानाधिदान्त्रीयासदे द्वीरा इन्ह्रग्रयाम्ह्रेयाना चुनास्री हिंगासदे सूराध्या न बुराध्या ह्रगास ह्रय स्टिंडिंगा लेब नदि ही मा पर सर्दे हा सह मा सुवा नदि मा सिवा नदि मा धुत्य देवे वहें तम्मूर्य में अपने देव के पावि मुन व हिंगा पादि में पाये प्राप्त के प्रा थुवः धेदः प्रशास्त्र । दिनः वहेदः हेवा प्रवे वहेदः भूत्रा श्चीः खुवः धेदः वहेदः स्थाः स्थाः खुवः धेदः वहेदः स्थाः स्थाः खुवः धेदः स्थाः स्थाः खुवः धेदः वहेदः स्थाः स्थाः खुवः धेदः वहेदः स्थाः स्थाः खुवः धेदः स्थाः स है। दे-वॅट-रू-दे-हॅन्नायदे-वहें द सूरका ग्री-खुवाका धेदायदे श्रीमा देम त्रवा दे हें नायदे खुवाका धेदायदे श्रीम है। दे ह्वेंदे धायायाधीत्रापते द्वीराहे। दे क्विते धाया पुरावा स्वाराधीतायते द्वीरा दे क्विया उत्ता स्टायहेत हिंगायते यहेत सूर्या ही खाया धोत्रायमात्रया नम्यासेमाधोत्रायते द्वीमा ग्रुसायायामित्रामे नुसायाकेसाउता ममावदे वहेत् सूर्या ग्री खुवा लासूरानदे हिरान्यसाहन सानुनान रे कें भारत्। हिंदारायदे तहें नामालासूरानर नवा हिंदानद्वासे दाये हिंदा लटार्वि.य.मी चोटाचवा.ची.चरवा.शुर्ट् अ.कथी रेट्र्अ.त्रु.लुथ.तम्.वता श्रुट्य.श्रीआची.श्रीट.लीवा.लुथ.तपुराही चोटाचवी. वी'नन्ना'सेन्'हेंग्रस्ति'ह्रयायदेंह्रिंस्सर्देव्'सुस'ग्री सूर्यायायेव'सदे'श्चेर्याहे। ने'ने'याग्रस्यानर सूर्या यर शुरानवे श्रेराने। दे तदवे द्वया वर्षे रासर्दे तासुसा श्रीसा मारा वर्षा मी यद्या मी सादवेद पवे पद हो दे राहरे सा साहित्या स्था यारः वयाः वीः यद्याः सेदः श्वासः त्यः हिं यासः प्येदः यदेः द्वीरा प्यरः विच । श्वाः केंसः उदा ह्याः सः दरः सेदः सः यारः सुरः प्येदः सरः मया भुःह्ना'व्हेत्रहें नामदे भूराधुवान्दालेत सुवानार सुराधित प्रति स्वीमा नेरामया नेरे सुवाधित स्वीमात्रा ह्रग्राश्चुताक्षे दे देवे द्रियाया सुवा स्वेत प्रदेश स्वा स्वा हिता स्वा स्वा स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व द्र्य म्रि.टे.ज.कॅट.वर्ग.इच.तर्म.ची.च म्रि.ट्रुंट.कॅट.लेज.ची.शक्य.कुट.लुच.तर्म्यत कॅट.वर्ग.इच.तर्म.ची.च.कॅट.लेज.ची. यक्षव हिन् धोव नवि ही हवाय नहिया वहिन वा श्वाहवा नवि हैं व श्वी के रहवा श्वाहवा वहिव हैं वा नव स्वयं स्वयं नवि वहेत्राहें वायते खूराध्या धेतायरावया हिंदायद्या सेदाधेता केदावी में दादी हैं। वेदादी हिंदा के विकास के किया हैं ह्यायहें के ह्या मार्थ में या प्रमास्त्र का ने त्या स्वराह्य में त्या स्वराह्य स्वरा हें नायायर द्याना धेरायर प्रता विर्देद स्वा श्वाहना वहेर हें नायय हें नायाय धेरायर प्रताय विर्देद स्वा श्वाहना हैंगायक राज्या हिंद्र है मार्थाय सेद्र यस मार्थिद्र से मार्थिय से से से से मार्थिय से से से मार्थिय से से से स म्बरायर क्रिंने अन्ते मान्यर क्षा क्रिंने दे पुत्र क्षी अळद के ने प्येत प्रमान क्षी वर्षेत्र प्रदेश क्षी मान्य क्षी क्षा करी

बुनाव दे कें भारत देरामण देवे सूराधायाधीव मते ही मा बानावी मा बानी के मार्क भारत देवे सूराधायाधीव मार्म मार्म दे त्यासूर नदे हिन्। साम्वन त् त्वान महिसासूर मी प्रवर ने सार्के साउता हिन् त्यासूर त् हिन् ही सूर सुत्य स्वेत प्रवर्ग सारा चया हिन्द्रिंगासेन् ही ने साराधिद सदे ही मा स्वानादा ह्वाना महिसासूर मी न्वर ने सार्के साठदा हिंगासेन् ही ने साराधिद यर मा द्वर भेश धेद यदे हिर् वेर देंदा हा विवाह मा है या है या है या है या है या विवाह से साम है या साम है या स धोदायमः त्रया देशः मेनायमः द्वानः धोदायदे द्वीमा ह्याशायशः श्री । यहिशायः धुया ठदाया सळद हिनः नहा नही नायहिशा <u> इंटर्स है। रट. सुरा हे रेग्न रट खूद पढ़े प्रेंस में है। रट है दासुरा उद की सक्द है दा गहे सार दे ता दी वाट बग</u> <u>न्ना क्विन्ना वर्हेन् क्रीक्वान्यवर्षमा न्याया स्यावी सुराया व्याया मार्ग्या वर्षे सुराया वर्षे सुराया स्याया स्याया स्याया स्याया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स्</u> विद्रान्य वार्षी अळव विद्रा नद्रना द्रान्य वार्ष वार्ष वार्ष के विद्रान्य विद्रान्य विद्रान्य विद्रान्य विद्रा हेद उद ग्री क्षेत्र तु भू तु। गर्रे भ पार्से वा अस्व हेट दरा द्री पार गर्रे भा दर में दे। देवा पार्से के पार में रैना'च'ले अ'चंदे'अळद'हेर्। क्वॅं'रेना'च'ले अ'च'नाशुअ'र्नेद'डेना ।नाहे अ'च'क्वॅं'व''न्द्वे'दा ळंन्'अ'न्ट्। ळंन्'सेद'ग्री'र्क्वें मित्रेशायमा नदार्था तारिक । भी क्षु नदी देवा पाळदा सदी सळदा हिता हे साम नहीं निकार के मार्क साम स्वा बे क्षु नदे रेग र जेत मदे मुरा व मुन दा दे केंब र दा देर मा र में प्राप्त में प्राप्त में स्वाप्त मदे में साम द्येम् इन्नरपर्देन्त्व न्युन्त्वेशक्रेंशच्वा वासर्हेवाशःग्रेन्त्रवाशःभवन्यस्था क्रन्सप्थेवन्यवे स्वेम् हवासन्देश वर्देन्दा ने केंग उदा नामर हैं नाम के नाम प्राप्त कर मान कर हैं नाम के मान के नाम के न र्षें दः द्या हिंदः सेंदः समाहितः समः वया हिंदः संदः सदेः सक्षेत्रः सेंदः सेंदः हिमा हवामावमा वर्देदः द्या सुसः संकेषः उदा रमनी मानवा द्वारा की क्षुप्त के मेना मार्थिन मारा केना केना को मार्थिन वर्देन्द्रा तुम्रानार्केश्च्या रत्ने मानवान्त्रायाम् भ्रानवे देवानामे निर्मान स्वा रत्ने मानवान्त्रामे स्वानाम तुस्रायाळ्या ह्या न्या हिन्दी वालया हु सेन्या हिन्दी सेन्या हिन्दी सेन्या हिन्दी सार्वे सेन्या हिन्दी सार्वे सेन्या हिन्दी सेन्या हिन्दी सेन्या सेन्या हिन्दी सेन्या सेन्या हिन्दी सेन्या सेन्य ढ़ॊ॔॔॔ॱॺॱय़ॿॖॎख़ॱय़ढ़ॆॱॻऻॺॸॱॸॖॱॿॆॱॾॣॖॖॖॗॱॸढ़ॆॱॸॆॻॱय़ॱॺॸॕढ़ॱॺॖॺॱळॸ॔ॱॺढ़ॆॱॺळढ़ॱढ़ॆॸऻॗ<u>ॏ</u>ॿ॓ॸॱॺऻॗॸ॓ॱॺॱॺॎॱढ़ॆॻऻॱॻॏॺॱॾॺॱॺॿॎॖढ़ॱॷॣॸॱ डेगान्दर्भे र्केश उदा सर्कें दारी ने रामणा सर्व हेट हेरे ही रा वर्दे दादा सर्दे दाश्या के रामणी दारे दायी । द्येम् वर्देन्से तुर्याते। सर्देव शुस्राभून हेना नहिरामा सर्देव शुस्राधिव मित्र साहित। स्टाखन्या स्टी सुस्रादी क्रिंग ठर्ता सक्रव हिन नेर वया सर्कें व दी ने दे होता हमार माराया श्री विषय हो हिन दाया ही ने वा या सर्देव श्रय ही : ळद्रासदिःसळ्वादेर् चेरावा वारमार्ने र्सेवार्यरास्या दिवार वेमाळ्या कर्षा सहितासुसानी मार्चितार स्वा हिंगा ज्ञानी देवाना धोव निर्मा वा वा वे कि वा विकास के विकास के वा विकास के वितास के विकास बुरा इन्नरपर्देन्ता देळेंगउदा सर्देव शुमा की कंदा सम्माधिव मरामणा सप्तियान देली मानासाधिव मदे ही रही विष्याक्षेत्राधित स्वीत्रा सार्याचा दे के शास्त्रा देना हिना के मार्थित स्वीत्रा स्टास्या सार्याचा वास्त्र स्वीत्रा स्टास्या वास्त्र स्वीत्रा स्वीत्रा वास्त्र स्वीत्रा स्वीत्रा स्वीत्र स्वीत रेवा'प'ळंद'सदे'सळंद'छेद्। ळंद'सदे'सळंद'छेद'ग्रे!बुर'दु'व|सर'दु'द्रद'से'क्षु'च'द्रद'रेवा'प'बेस'वाशुस'र्ब्कूस'य'प'दर्वेष्स' यार्थिन्ने। मार्थ्यन्तुं विश्वायश्चन्त्रं विश्वास्त्रं विश्वायार्थिन्। से श्चायाः विश्वायश्चित्। से मार्थिन्। याबेशायशाद्यरार्थे मात्रुमाशास्त्र यास्त्र साधितायामीर्थे दायाधितायाथे स्वीता स्वतायाप्त हो स्वीता सर्वे सुसामी हेशाशुः न्यवाः यदेः ळन् साविष्ठेशार्येन्। से सेदेः सळद्वः वेन् सळद्वः वविः सेवाशः देवाः तुः दळन् नि । हिवाः यः न्याः विदासः विष्यानवे नेपान क्वें सहें सहें अस नवे सक्दे हिन् क्वें सहें अस न यान्ते हो न न न से से सहें अस से न से सहें म रदःरेगासर्देवःशुस्रा इत्यावर्द्धेरःसर्देवःशुस्राददःवित्यसा ददःर्ये त्यासस्य हिदःददः। द्वे वागहेर्यात्यसा ददःर्ये दे। रदः वी'बुद'र्सेट्रास'पीद'रादे'चर्वा'क्वेद'र्'बुट्र'च्यूर'रादे'र्'व्युव्यास'ठद'रा'वा'चहेद'द्र्या'सेुर्य'रा'वार'वेव । हेवा'रा'र्'र्घ्या बैरासप्तिबयासरे रेगाम। नगरासर्देन ग्रीसळव हेन। गहेशाम ने त्यान ग्रीम नगरासर्देन नु ग्रूरान दे छन्। नग्रन के सा ग्राचुन्य प्रदेश न्य न्य स्त्र अप्त के या यहिषा साथ पुरत्रि । यहास साथ है। धिन सुरस्य सूत्र प्राप्त स्वाय प्रवेद स्त्रे अ सर्दि। दे पहेंद्र नगर सर्देव। रे पहेंद्र नगर सर्देव। रेग पहेंद्र नगर सर्देद्र नगर सर्देद्र नगर स्थान धेव परे निर्मा केव पुरास्ते से मार्निर प्राप्त मान्य में वार्य केवा मान्य मान् ऀवेग |हॅग'स'न्रप्त्र्व्य'वेर'स'यह्न्य'वदे'सेग'स| ग्राह्यम्य'दहेर्द्रप्त्यर्यस्त्र'द्येथ'सळ्द्र'हेन्। ने'चवेद'न्'स्र'मे'सम्रुद्र बॅर्यासाधिव मदे निर्मा क्रिय पुरावदे द्वावदे प्रवर्ष प्राय प्राय प्राय प्राय क्रिया महेव प्राय प्राय क्रिया महेव प्राय महेव प्राय क्रिया महिवा प्राय क्रिया क् र्सेन्यान्ते साम्राम्यान्य प्रत्ये । विदेशायान्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप *बुद*ॱसॅटःस'भेद'यदे'यद्वा'क्रेद'र्-यूर्ययदे'भेद'द्वटःस'यदेहद्वर्यस्त्रेस्यायात्वेष ।हेवा'य'द्द्यस'द्वर्याद्वरायदे श्रूरायासारेसामते क्वें दराम्स्रुसायस्। दरार्थे दी मान्द्रासेससम्वेसामते सर्वे सर्वे साम्नुर हेमादरार्थे तथे व दी नावम् रोम्यानियान्ते सार्त्य के मासून् हेना नाहेश राष्ट्र नुही । शुमारा ही धिन ना नुनाया सार्रिया राष्ट्र मास्याया नविवासवे भ्रे भारतवे मुन्यो भ्रावहेव भेना सर्वे प्रावहेव। विश्वसाय स्टारेवा सर्वे असाय। सर्वे के नामा निवास विश्वसाय लमा न्दार्भे है। वहें तुस्मान्दार्भे नामी सक्त हिन्। हैं नामान्दान्य हिनासावहितासि विदेश समा न्दार्भे नास हैं न अळव हिन्। नहिश्रासाने त्यान् हो व। स्टानेना अस्व शुक्षान् शुक्रान् वे रूप्ता स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व लमा न्दर्स दी। भिनाने माहममा शुः ही दानदे रद्दर देना सदि शुमा भूद हेना न्दर से भू नुदे । नहिमान दी। भेना ने मा क्षमा शुः श्चें दः नवे : स्टः देवा : में देवा : विकास : क्षे : स्ट : विकास : व लुयात्रेश्वराशिश्चिर्ययुः सरामुचा । शहूयाशिशात्रा वि.चेचात्रकुरीकि.चनु.चनुश्वरालुश्वरालुश्वराशिश्चिराचतुः सरामु सर्द्रवाश्वराद्या क्रियत्वेव प्रते क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया श्वर्था श्राश्चर्य प्रति विद्या विद्य वर्चे रासर्देव श्रुसाया सक्व हेन। न्हे ना नहेश ना ना है । ना मी मुकार्से रासायी वा मिन ना मी का ना निवास ना मिन वर्त्रेषाची हेटारे वहें दाया नहें दाव मा भूभाया नाटा है ना पार्ट न्याया है टासा विहास विदेश वर्ष नामा की विदेश है ना ना महिदारादी क्यावर्द्धरामदेवासुमान्द्री मक्तवाने निष्याद्रीत्वा क्यावर्द्धरामदेवासुमान्द्रीयाद्रीयान्द्रीयान्द्री देशपरा होत्। हेशपाशुर्यपारि द्वेर। इत्यप्दर्हेर्यस्व शुसर् गुस्य पदे नहात् भेशप्पेत् गुरा। गुर्वासहिदाधे भेश भूत

डेमामहिरासाक्ष्रातुः दे: द्युद् केरासाधिदः हे। गुदासिह्येदाधे केराधिदाद्या कदासाधिदास्याद्यतास्ये स्थितः हे। इसामक्दास्य लयान्यका होन् लया कि के बि कि कर हे हिन्य अवसाही उसान समय हारा गुन्यहोन ले के ला नियम हिन्य हो साम हिन.स.स.क्रूर.र्र् । विमास.र्टा. क्र्य.म.लूर.ग्री.श्रेय.म्बा.समा क्र्य.म.क्.ममान्य.याचीमार्या क्र्य.स.म. गुन्यहोन्यो ने यासून हे ना नहे या पहे या प्रकार हुन ने या सुरावयान से नाया सावयाप्य परि नहें ना से नाया स्वर्ण नभूत'नर-तुर्दे | विभागशुरभानवे दुरा हेंगानान्दावयावेदाग्यर-तुःश्चाश्चानवे सेगानाने। यहेंदाशुराक्ची स्वन्यवे बळद हिन्। बर्देद शुक्ष मुी:ळन् बालान् मुी:दा नराने ना बर्देद शुक्ष मुी:ळन् बा ननराने दे विश्व से सुक्ष मुी:ळन् बा धीन मुी: सर्दर शुस्र शुः क्षत्र स्था द्वीर सर्दे शुस्र शुः क्षत्र स्था निष्य स्था विषय स्थित स्था स्था स्था स्था स्था स शुरायदे हिंगायान्यान्या बेटायाश्वरान् के क्षुप्यदे सेवाया न्या न्यायेदे अळव हेना स्यायी मुद्रासेटा साधिव प्रदे प्रमाणी के प्राप्त के स्व क्रूर-विदे द्वर-वे मानुमार उत्राच के त्वर द्वूर-विदे हे माच दर ज्ञय विरामार र जो से सु विदे रे माच। महिरा विदे अळव[.]हेना ने त्यान्त्रे ता मात्रमारा प्रहेव न्वरासर्देव की करास्य मारा हा प्रती सरामी शुवासे रास प्रेव पर्वा की वार् शूर्यंतरे भीत्रत्वराया वहेत्रत्व राष्ट्रा विराविरा विराविराया वर्षे स्वाप्त विराविराया व <u>न्वेः वा नार्नारायदेव भी नार्येक की स्वत्राय की मार्ग की मार्ग म</u> वहेंबायानहेबाब्याद्यानदेखें।ह्यायान्या वारावयायी वद्यायो स्वायायायान्यान्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र अप्तरा ग्रेराबनानी निर्मासे प्रस्ता अप्यास स्वित् सुसार् हें मुकारादे कितास प्राप्त । मिराबनानी निर्मासे प्रास मी सूर सुवाया विद्यास वे देवा या सर्दे सुरा क्षेत्र सूर मी सळव हिर् दे र्रा दि विद्या के या दिवा की या है या देवी व। नर्वःर्षेरःरी हैंगःमःसर्देवःशुस्रःसूरःद्वगःर्दः। हैंगःसेर्-सर्देवःशुस्रःसूरःम्हेगःहेःनर्वःर्षेर्-मदेःस्तेःस र्से दुना स्पेर दे। यहाय परे हें नाया गुर हें न यी हैं न या है सर्यना नी हैं न या है सर्अ र्यना माय स्था दुर वि हैं नाया दर यदे हैं गाया सर्देव वर्देन के हैं गाया इससा शुर्णेन यदे हैं मा सक्त गाने देसाया हुमा | निरासे हैं। क्षाह्मा वर्देव हैं गाया हु। द्या निहेशन है। श्रु से हिन हैं ने सारी है सार्यना सुरद्या निश्याम है। हना वहें दासे स्थार शुः श्रु सारी हैं ना सासू द्या निहेश त्री हेश⁻द्रयमानी हेश शुन्तुर नवे हेंगाय क्षात्री व्ययात्री दे स्टरमी दुश शुप्तद्रश यदे स्वाद्य सवे हेंगाय क्षात्री तुमाया ेवी दे-देर-वी-तुभ-शु-अ-वेर-अदे-देव-अदेव-यर-वर्देद-यदे-हेवा-य-क्ष-तुर्वे । हिवा-सेद-सदेव-शुस-क्षर-श्वर-वा-तु-स-व्यद् धीद्रभीशाशुः शुरुष्यते दे द्रदा द्रवद्रभीशाशुः शुरुष्यते दे वाहिशायश द्रदार्यते सळद्रावादी वीदार् दुव्यत् विशेषा यात्याप्यरम्बे र्वे प्रहिता क्रुप्त हेताया विद्या मुग्निता क्रुप्त क्ष्या विद्या मुग्निता विद्या मुग्निता क्ष्या विद्या मुग्निता क्ष्या विद्या मुग्निता क्ष्या विद्या मुग्निता क्ष्या विद्या विद्या क्ष्या विद्या क्ष्या विद्या क्ष्या विद्या क्ष्या विद्या वि क्रेंब या व्याप्त ना निर्मा निर्मा निर्मा है। से मार्य में ना क्री श्राम से ना क्री साम से ना से ना से ना से मार्थ में मार्थ में से मार्थ में यहिषासुः सूरायदेः द्वराये वासे सार्वे द्वीरा यहिषाया है। युराल्याया सास्य दुः पीता है। देः वास हेत स्वा हूँ तर्वे रावर्ते वरा वर्षिर सेर मूर नदे नदर ने अ मे अपवे ही रा नदे न हो। धेर दे मूर मी न मुनार भे न से हो। दे त्या नहे द द अपवे न न्यर-वेर-ब्रू-विदे-न्वर-वेश-भ्रुक्य-विदे-हिन-बेर-केन-विका हिन-बेर-अर्दिन-श्रुम-श्रूर-। बेर-व-न्यक्य-श्रूर-उत्र-शुःलेशनाः इस्रशः देवाः वेपाः वे । रटायोः हेवः हयाशाधाः प्रवाः यात्रेवः वशः प्रदेशः शुःश्लेशः याश्वरः द्याः वाश्वरः देपाः दे। हेश शुन्यमा मदे कंद अदे अकंद हेन। दे त्य द्वी दा दर्देश क्षेत्र या श्री हेश द्वम । माम्य पदे हेश द्वम । धेद केश मुःह्र्यान्यनान्द्रानाशुर्यात्ययः ग्रुयाह्नन्यायाः मुश्राह्मन्याह्नेन्यायाः मुश्राह्यान्यान्द्राह्यायाः स्वाद् हेश-द्रम्यान्थ्र-तुःमाशुस्र-सदेःसळ्द्र-मादीःधेद्र। म्यास्य-सदेःहेश-द्रम्यान्य-द्रदेश-स्रेनशःहेश-द्रम्या-मीश-हिन-हरः। सर्देदः शुसाधिदादासदिताशुसान्तीः स्वतायाधिताः स्त्री वात्तवायायद्वितान्तराद्वितान्तराद्वितास्त्रस्ताशुसान्त्रम् स्वतायाय धेव परे छेर देरा देरामण दे दरा भ्रामे हिना हैं नाया छै। हे या दाना भ्रदा हे ना नहिया नाहिया नाहिया है साम धेव परे ही राहे। त्यन् व्यन् व्यन् स्वा सर्देन सुसान् न्यों मुन्देन मन्ते भून हिना निर्मे निर्मे स्वा ने निर्मा नी मुन्देन सुन नदेःमःशेःददःसवेःश्चेरःश्चेःसःम्रम्भःतेःसद्भःस्थितःमःश्चरमःसर्वे । विमःनश्चरमःसवेःश्चेर। धरःदेःधःश्चर्मःस्वरःश्चेः र्भे वर्षान् हो वा नरार्ने वाहे शान्यवान् रावाववार्ने वाहे शान्यवा वाहे शायशा न्रार्थे न्राहे शान्यवार्ने वाहे शायान्य श्चनः द्वाः भर्तन्त्वः देवाः चर्तेः श्चेर् वाः देवा । स्टः वीः हेदः हवाशः भरः द्वाः द्वाः द्वाः त्वः वहेदः दशः श्चेशः यदेः स्टः वीः वावयः श्चः क्रेंगा सुराया ग्रायर पुरिश्चा विदेश रेग । हे या द्वापाळ दाया येदाय विद्यालय के दाये विद्यालय है प्रायत विद्यालय है प देरः वया अळेंद्र चुःदेवे खुरा अः बुवः दा दे ळें अः ठदा हे अः दयवा ळंदः अः धेदः यरः वया हे अः दयवा हे अः शुः दयवा यवेः ळद्रासाधिदासदे ख्रीम् साधियाद। धियासाधिदादे। हेसान्याप्ता हेसाश्चाप्तवी खर्मासदे छ्रासान्या। स्टार्नेदाहेसान्या माशुसर्देव हेना धेव पति होरा वर त्या हना पहें वर शेसमा नित्र तथा सक्व हे दान हो न महिमा वर हो दि रह हे द म्नै.चेश.त.र्टा, चेश.य.मु.६वा.तपु.विय.त.वाट.पेट.ज.मु.भ्रै.य.लट.लुपी रट.वा.कै.मुप्र.चेश.त.व.यहेप.यश.वीट.यपु.वीश. वरःश्चरःवदेः द्वे कें वःष्परः द्वा वी क्रुन् द्वे रेवा यः दे। रदः हेन् द्वश्यवे हवाश्य द्वेशः श्चा श्रेशः श्चा श्वरः श्चा यदे हवा वहें द श्रेयशः ग्रीः यक्ष्यः देन्। विदेशः यद्भी देः त्यः द्विः द्वा श्रुः ग्वर्शः यदः यदः ग्वरः यदः हवाशः ग्रीशः श्रुः श्रेः हवाः यदः हवाः वहेंत्रकेसकान्ता ग्रुकात्रके ह्यापका विचायावहता नवे ह्यापहेंत्रकेसका यहिकार्येत्। सळत् हेन् देसाया सूर्य। स्टाहेन् श्च नुषायायासे सुप्तायायाये । रामी कु क्रें वार्यायायायहेव व्या नुप्ताये निष्यायायाये हिष्यायायाये । सदे हे अ न्यमानी कुं प्यन प्येत मिले स्वर्ति सम्बुत प्रमानु सदे नु अ सदे हम् अ शो अ क्षा से हमा प्रमान सदे हो के प्राप्य निमान वी क्रून क्री तेवा संन्देश सक्त देव स्टाइन क्रिन क्रा दाश हिनास शहित संस्था श्री सुप्त स्टावी शहू क्री दा क्रा साथा यहेब्रव्याच्याः वदेः त्यायाः क्षायाः क्षायाः क्षायाः व व्याप्याः क्षायाः व व्याप्याः व व्याप्याः व व्याप्याः व यदे नुर्यायदे ह्वार्या ग्रीराश्चा से ह्वाप्य राश्च्या यदे श्चे सेवाप्य द्वापी श्चेत् ग्ची सेवाप्य विशेषायदे सक्त हेत्। त्रासे व्याप्य द्वी व। मु.च्रमःपरःपर्वायदेःच्रमःपदेःहण्यायोभःभुभःभुःभःहणःपरःभूवःपदेःहणःपर्देत्रःभेभभःशुःगुरःपदेःभर्देत्रशुभ। हेमः <u> रिसम् । रिस्टर् क्षेश्वर मार्था प्रत्ये ही स्थायदे हमाश्व स्थाय स्याय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय</u> चित्रास्य त्रह्या नवे अर्दे अराष्ट्र नविदेश । वाहे या स्वी देवे कुर् ग्री श्री चित्र स्वा त्रह या नवे हे या देव । वाह्य स्वा स्व द्ये। देवे-क्यू-ग्री-क्यु-ग्रुअ:समः प्रह्मः नवेवे:हेअ:द्यमा श्लदः हेना महेअ:सः त्यः श्रेन्या साम्यः सुर्वे। । महेअ:सः यः प्राप्तः स्री ह्या.त्रभाष्टिय.त्रात्यद्वा.यदु.येभास्याभाग्नीभाश्चा.भु.स्या.त्रम्या.तदु.स्या.तद्द्वा.भुभभाश्चा.यी.सर्ट्या.श्रमाह् भा

हेश-द्यमान्ध्र-तुर्दे। |मुशुअ-यन्त्रे। देवे-कुद्-ग्री-तुश-द-शे-हमा-यश-द्विन-य-वेह्य-यवे-हेश-द्यमा-भूद-हेमा-महेश-य-य-र्सेनार्यायान्यात्री । प्यतःस्तर्यायान्त्रीत्रां स्टाय्यानेयान्तान्ययान्यात्रायान्यात्रीत्रात्रीत्रायान्यात्री विन्दर्भ न्त्री नामविकासका न्दर्भे त्या विकित् । स्टर्वेन स्टर्ने साधिक सास्टर्वेन ग्रीकारेका सदि माक्षर नुः सी क्षु निवे से मा मा रम्हिन्यम्था स्थानिका स्यानिका स्थानिका स्थान रम्बेर् ग्रीमारेमाममाह्याम्या द्रमानकवायम्या वर्षेत्र वरत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत चया वर्देर्-चवे-च्चेरा वर्देर्-वा रे-धेव-वा हिंद्-ग्रेश-हिंद्-हेंगश-चश्राह्म-चर्या वर्देर्-चवे-च्चेरा देंद्-वा ग्रुगशः वहेंब-द्वर-अर्देब-क्रेंब-क्रा देर-वया देवे-धीना हिन-पाममा वर्देद-वा दे-क्रेंब-क्रा हिंद-ही अपन्न व्यवस्थित-प्र सर्देव.स.स्वां भारत्या वित्रित्रीयाना वात्राया विद्याप्ता वात्राया वात्राया वात्राया वात्राया वात्राया विद्याप धैराने। हिनाने पादेशा ही वरावशापाइ पाशापि वदे प्याया उदानु देशा प्रदेश देश पराव देशा ही वराया स्थापि वह वा विकास र्रे देन क्षेत्र क्षेत्र स्वरं स्वरं देन क्षेत्र शुं श्रीत्र स्वरं स्वरं स्वरं शुं श्रीत्र श्रीत्र स्वरं स्व क्रिंग ठर्ता देर मा देवे हिन प्रायामिका ह्रमाया मुना हो। सरायका देवा ही क्रिंग हो। स्वायामा मानिका मानिका हो। रुटःगटःबेग । श्रेःसःसःधेदःपदेःश्रेर। दटःर्रेःग्रुवःश्ले। क्ष्यःसःधेदःपदेःश्रेर। गृहेसःयःग्रुवःश्ले। गृह्यासःदहेदःद्वटःयरःसर्देदः म्बद्धान्यकारेका क्री क्षत्राच्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्यकारेका क्री क्षत्र स्वति स्व चुश्रानात्वार्मित्राने। र्देतात्वा अदे। वार्देना प्षेत्रावेदा अदे। वार्देना प्षेत्रा अत्याने अत्यान र्से के भारत्। हिन्दि निर्देश मित्र मित्र सित्र मित्र धैरा इ.चर.तर्रेर.वी र्वेच.तह्य.रचर.अर्द्रव.वेशकाशीश्चिर.चतु.रर.द्रवी.अर्द्रव.श्वेश.द्रेश र्वेच.तह्य.रचर.अर्द्रव.क्र.अ. हॅम्थाः ग्रम् देशने स्वन्त्राधेदायम् अहिम्यायदे । ह्यन्यम् यदे । ह्यम्य विष्तुम् । विष्तुम् । विष्तुम् । विष्तुम ळद्रासाधित्रपर्यत्वत्र्राचेराची साध्या ह्यायाचुयाक्षे देशाक्ष्र्रित्यदेत्रप्यरास्त्रिक्त्राच्याधित्रपर्याचुराधरा दे.क्ट्रायाधेवायरायाहेवायायय। यावतुरावाद्रावरावरावयायेवायवे द्वीरा वाववायरा। क्वेंवावहेवादवरायरेवावयया शुः शुं रानवे र्रा रे ना अर्दे दाशु अप्ते। क्रें दायदे दार् प्रता अर्दे दा अर्थे दाय राम से ना अर्थे दाय दे दा सर्दिन्ती रे ने न्दर्भेव पहें व न्वर्सिक ने अन्य धीव सर्भेव मान्य व अन्तर में दिन पहें व न्वर्सिक निवास के निवा लका द्वीका प्रद्वीता वा सूर्वा परि कर्षा मान्य ला महेदादका देश दर्भी का परि द्वीता स्टाल्य का है। ह्वी देवा सेवा क्विया का ळ्ट्रासामाराद्वेम । स्रामी मादाया द्विराम् मादाया हो दासाय से दार् मादाया स्रोमा स्रोमा स्रोमा स्रोमा स्रोमा स यायदेवात्र्याया स्टाय्यादेयाग्री कदास्ये सक्व हेत्। कदासामाटावेम । स्टामी मावयाग्रीये मदमाहेतास्या स्रेटात् मावया यासेन्त्र। स्टावेन्से वहुत्यायाम्बदार्सेन्सा ग्रीयाने यामवेशाया वहेत्र न्त्रीयायाने। माब्दायाया नेया ग्री स्टिन्स वे सहित्र हिन्। डेस्राम्बुर्स्रासासूरावर्हेमारीमासाधेदार्द्वामहिस्रासान् हो नाम्यन्तासाय। विडिम् । स्टायसारेसान्सा माबदायसा

देशःग्रीःळद्ःसःमिक्षेत्रःगाःय। सर्देदःसुसःद्रः। ह्रेत्रःसुःद्यमायदेःळद्ःसःमिक्षेत्रःसिद्।वेरःदःदेःसेःदमद्रे। रदःवसःदेत्रःग्रीः ने से प्रम् ने अर्दे व शुस्र शुः कं न साया ने महिषामा व्यान गुर्मा हे यान्यमा विवाद। महाव्या से या शुः कं न सावित ने मिया मवे श्वेन। यदाव हेना दिव त्या सेवे ।वर्षेना येव ।वेदा हेना प्रमा सेवे ।वर्षेना येव सेव सेवे से सेव सेव सेव सेव द्यराययायायदिवायवे द्वरायवे द्वरायदेव दे। मानवाययारे या भी कदाया थेवा वेरावा के प्यवपादे विद्यापाय विद्यापादे व यदे भ्रीताही अदे पार्ट्या धेवावा हिंगायमा अदे पार्ट्या हु हें यामायमा ह्यायदे भ्रीता तराख्यामा है। सराख्यामा है व। रदायश्रादेशःश्रीः स्वत्याधेवायश्वाद्याते। । यस्वतायि देशायाक्ष्म। ददार्ये दे। सेशातुशः विदायश्रीपायवे देवाशेनावे यर पहें त. सपु. रे यर अरू थे. सी. योष्ठे अ.स.ची. योषु. सी. योची अप. पहें त.सपु. रे यर अरू थे. योची योषु अप. नेयाक्ष्ययाशुः श्चिरानवे स्टारेना सर्देव शुक्षाकृत्व। नवे पाने। नवि सेना नो पीर पोका शुः नुसार हो दा साहोद कृता। स्पा वै। श्वाःक्षेत्रमार्हेन्याराश्चीःहेर्यान्यनाःक्षातु। नावदाययानेयाःश्चीःकन्यायाःश्चानहेन्द्रम्यायाःश्चीःक्षेत्रयान्तिः र्च.जा सर्ट्रय.श्रेश.लुट.स.चायेटी सर्ट्य.श्रेश.वहिंज.मै.वय.टे.च्याश्रेश.लूटी सक्त्य.चांबु.दुश.च.केंटी रेट.स्.बुी रूट.क्षेट्र. लासक्रास्त्राह्यात्राच्याः वारावना वी क्षुन् ही खिद्वालदे ।वार्ने वा तहें दायदे । नविष्याया विष्याया विषया विषय सहसारातात्र्वाराम् कवासायत्वेदायदेः भ्रेसात्रदे कुरायुदे मुन्या सहदार्वार्याय सहस्यात्र स्वाप्त स्वाप्त सहस्यात्र सहस्यात्र स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप वहेंब्र-वर्ते क्वें वर्देवाब्र-दिंब्र-शु:क्वेंद्र-वर-होद-वर्ते क्वेवा-ह्वेंद्र-विदेवा-वहेंब्र-वर्ते द्वेंद्र-वर्ते क्वेंद्र-विदेवा-वहेंब्र-वर्ते क्वेंद्र-विदेवा-वहेंब्र-वर्ते क्वेंद्र-विदेवा-वहेंब्र-वर्ते क्वेंद्र-विदेवा-वर्ते क्वेंद्र-वर्ते क्वे रेग्रायाः क्षेत्र्यान्त्री स्वार्या स्टाय्या रेया भीता। यदेवाया ग्राव्याया यथा रेया ग्री स्वाराया स्वाराया विदाय स र्नेना:धेब:बेन्। बेवे:बिर्नेन:धेब:बेब:बेरळेंब:बर्नुष:ग्री:कुन्नेन:मेन्नेन:न्बर:बे:ब:बेन्व:बेर्नेन:बर्नेव:ब्रु:तु। महिरायाची र्देवायाचाना धेवाबेटा। जानाधेवाक्षेवाचे क्षेत्राचानुर्याणी ध्यामार्थे विद्यान्याचे विद्यान्या सर्दिन्ध्रन्त्। नाश्वसानन्ते। मिन्दिसार्स्ट्रन्सासस्दिन्दसासासस्दिन्ध्रसानदेन्ते।स्टेन्दन्तन्तिन्दिन्दिन्दन्तन्सर्दिन् क्षु बुद्री | ने क्स्यायान्द्र्या नम्नाया ग्री हिन्यम् प्यन्ते | न्यन्याविष्याविष्याया स्थाने साम्याया विष्या ने'नन्न्यश्रासन्ता नेवे'त्रम्त्र्वश्राम्या नम्पर्याने'र्न्द्रम्यासेवे'वि'र्न्न्याधेत्र'वेम्। सेवे'वि'र्न्न्याधेत्र'सेत्'सेत्'सेत्'सेत्'सेत्'सेत् देट सेंदि |वर्टेव| द्रुअर : ब्रुअ: स्ट्रांब स्ट्रांब स्ट्रांब हे खार स्ट्रांब के का की कि का विकास की । दे हे व द्यम् त्यस्य सः स्रोदे । तः मृत्या व्यवस्य स्याप्त व्यवस्य स्याप्त विष्य विषय स्थाप्त । त्राप्त विषय स्थापति । याणिव पार्व द्वीमा सर्मेम् वा नावव प्ययानेया ही स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या हिन हिन हिन हिन पार्व विद्या पार्व प्राप्त स्वत्य प्राप्त स्वत्य स्यत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत्य स्वत ळंद्रासाधीत्रत्व र्ळेसादेरवाळंद्रासाधीत्राप्तसाहितासे। क्रिंसादेरवाळंद्रासाधीत्रत्व क्रिंसादेरवार्यस्तरायसादेशाहीर संस्थित नमाद्विन नदे द्विन में । यदा कर्न साया सुमान हें न मेना की सिंग करा नदे हो सुमान करा सा निमान करा सा न्दःवाशुअः धॅन्ने। न्दः वे। नर्द्धेवः यः सद्याः सुर्याः सुर्याः विषयः यति नतेवः नवेवः विषयः विषयः सुर्याः वाशुअः यः वे। सर्देवः शुस्रान्दरहेशन्त्रवास्त्रातुर्दे । बाद्यरदेशते हो ह्यत्याया सर्देवरशुस्रा ही ह्यत्यान्त्रते ह्या स्वापित्र हो स

<u>न्वेर वेंद्र हेरा ने वस सर न से न्वेंस ने रा हुर द से नुसर है। हर साम ने पहिसा सुर महिस से सिर है।</u> मंदे भ्रीता इस ग्री शित्र मंद्र हो सर्दि हेस महिस इस मिडिया प्रित हो। सर्दित शुस हेस त्यम द्रा हम मिडिया प्रित संदे भ्रीता यानुनाम् अर्देन् सुस्राक्तें भाउम्। हे भादममाद्या हर्षामाठेमाधिन प्रमानमा हे भादममाद्रस्य सुर्ह्णे द्राप्त स्टारेमा सर्देन शुअन्दरःह्रथः गुडेना धेदः पदे द्वीत् । अन्विनः द्वा हेर्यः द्यनाः क्रॅयः ठदा हिंदः द्रथयः शुः हीं दः पदे रदः देनाः सदेदः शुअन्दरः ह्रथः विवाधित्रत् हिन्द्रह्र्याविवाधित्रद्वेषायर्था हिन्द्रहिन्द्र्ययाशुर्हित्त्वर्थार्यहेवास्वर्थाया शुं अर्के अरु विदाहे अरु समा १३ स्था शुर् श्री द्वार स्टारी मा स्वी स्वार स्था में द्वार स्था स्वी स्वीत स्था स्वी स्वीत स्था स्वीत स्वीत स्था स्वीत स्वीत स्था स्वीत स्था स्वीत स्था स्वीत स्वीत स्था स्वीत यादःविया । हे अप्तथया १३ अअप शुः श्रीदः यदे पदः देवा अदिव शुअप दे श्रीदः श्री श्री श्री श्री या पदि । विवाद विवाद विवाद विवाद । हॅमाप्तर्द्रम्मासेर्ग्युक्षेत्रपानाहेत्राह्र्याम्हेन । यहायक्षेत्रप्ता सप्तह्न्यामहेत्रास्त्रम्भामहेत्राह्र्यामहेता इसाम्डिमार्म् सुनार्चे । सिडिमान्दरो हिमानि इसान्दर्सान्दर्सान्दर्सान्दर्भान्ति । सिमानिस्सिन्दर्भान्दर्सानिस्सिन्दर्भान्दर्सानिस्सिन्दर्भान्दर्भान्ति। र्रमेनासर्विस्त्रास्त्रिम्हिनास्ति ह्यापि द्वाराया स्त्रिम्हिना ह्या हिना ह्या स्त्रिम्हिन हे। सर्वि सुसासिक स्तरे द्येरा इ.चर.वर्ट्ररेथी टु.क्रूश.क्षी हूंचा.चषु. इश.रेट.चेल.च.श.लुषे.चर.घली हूंचा.च.रेट.लेंब.रेश.रट.चखुष. चेट.ल. <u>न्रस्थुल न्रान्य विदानार ल क्षेत्र ने ज्ञुन नरे व्यान विदाले वा लेव सम्मान विदान के सम्मान विदान वि</u> दे पद्वे अर्दे अर्दे अर्थे अर्थे अर्थे हिंगा पर्वे ह्या अप्ये प्राप्त हिंगा से दृष्टी के अर्थ वे ह्या धे दृष्टी दे हिंगा पर्वे ह्या से स्व बुनावा दे केंगावता देरावता हेंगा से दारी केंगा से दारी हो ने माने हैं माने रेगान्दर्ज्ञयानान्। हॅग्नाज्ञयाज्ञीः सळद्रिन्। ज्ञ्यानायावित्राने। सर्देद्रश्च्याधेदान्। हॅग्नानान्दराज्ञयावित्यायवेर रेवा'प'धेद'प्रश्नात्वत'प्रराचया हेवा'प'द्राच्याबेट'स'यह्नवा'पदे सेवा'प। क्वें'स्र्टेद'सुस'पदे सळद'हेट्'धेद'पदे 'हेरा वर्देन नुभाराचा त्रामिकेमात्रामिकार्था सूरामिकार्थे प्राप्तिमार्थे सामिकार्थे सामिकार्थे सामिकार्थे सामिकार्थे राणिव परि द्विमा सामुनावा ने किंसा ठवा ने माना सम्बन्ध सम्बन्ध माने माने सामुनावा ने किंसा ठवा देराम्या सेदाराम्ययासूराठवामीःविषायाधिवायवे में मासेदार्यम्वेषाधिवायवे सीता मुकारायाधिकारे म् याद्याम् माद्यम् माद्यम् स्वतः द्येर बेर द्या दें दार्वे रराया तुमाया सूर सेराया केंगा कर्या दर्भायें प्येत प्रमायया वासर स्रेमा पेता प्रमाय सेरायें हिराया वे भ्रुव उद क्षी वद वदेवया से विदा स्यापायदा सहदिया या योद है। । सामुन दा नुसार है या उदा स्र से दानायर भ्रेस धेव पर प्रया नामर भ्रेम धेव पर दे हैर है। देर में धेव पर दे हैर। धर पर हैन । म्राम हैन म्राम है मार्थ पर प्राम नेयार्क्याउदा सेन्यार्क्चित्यासूरावरावण हिन्सेन्यावयासूराउदानीययासूराउदानीस्वाराधेत्यारे सुरावेरावेरादास्वार् विष्याः विषयः स्वार्थित्रः स्वार्थित्। स्वित्रः विष्याः स्वार्थित्। स्वार्थित् मालार्विक्ते हे त्या हु निक्त ह्म महिरासूर पर मा दे ता ह्म महिना ह्म महिरा हो राव है राव है राव है राव हो राव है राव

सक्द हिन्द्र ने नामहिन्। दर्से या विचित्र दे। दर्मी बिद्य खुवायायहित्य परि देनाया क्रम् सेद स्रीत स्री मार्थ सक्द हिन् बेरात्रा सर्देतासुसाञ्चर हेनामहिसामार्केसा रहा रहानी लेतासुनामा प्रायम्बन्धान प्रते देनामा सेतासमा स्वर्ग सेतासी सेतासी धीवनविराधीयाते। द्वात्राचे वाधीवनविराधीया वाधीवनवा हे होयावया वार्षेवाश्वया आर्रेवाश्वया अर्थेवाश्वया वार्षेवाश्वया अन्-डेना-नाहेश-स-न्युन्-भेश-धोद-सदे-युन्-स-त्यवन-सदे-युन्। कः न-र-दर्न-ता अर्दद-शुअ-अन्-डेना-नाहेश-स-ळॅश-ड्रा र्वेनामेशाधित सम्प्रमा वर्रेन् मदे हुमा वर्रेन् से त्रात्र मिन्युन त्रा सर्देन सुस स्निन् रहेना निहेश स्यार्हेन रादे हिराहे। नावे शुनाव। इसासहिद ही साहिना समाहिन सादे हिरा स्टासुना सामा नामर प्राप्त स्था साहित स्वापा ळ्ट्र-भव्र मुं में अळ्ट्र-भेट्र मिलेश-यादी क्ट्र-भव्र मुं स्वर मुं स्वर मा स्वर मुं स्वर स्वर में में स्वर ल्यानेशन्दरक्ष्म अप्ट्री दरस्य है किया हिन स्वाया सदि स्वाया प्राप्त स्वाया प्राप्त स्वाया स्वाया स्वाया स्वाय व। बर्देव शुरु न्युन् भेषा हैं नारा न्युन भेषा ने नाहे भ नार नुर साधिव पर ग्रुर परि न्युन भेषा नर नाशुरु। नर से न्या ननरअर्देश भेन्स्स्रेश ररन्येगस्रद्धा इतार्द्धरास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त न्धन्भे अन्तर्थः अळव निवे ने अप्याक्ष्म न्याये वे वे विवादिव निवय अर्दे व निवय विवादिव निविध विवादिव विवादिव व सर्देव सुम भून देवा वादेश रा हा त्री वहीं रा दी। सर्वे रायम वर कन सेन त्यम भून देवा वादेश रा हा त्री सर्देव <u>न्ना हेशन्यम्मोश्राद्यायाते हिमायान्यन्ते शामावेश न्याये हे स्वायहे स्वायम्बर्धे स्वायम्बर्धे स्वायम्बर्धे स</u>्वायम्बर्धे चवे देशके शर्देव समुद्राक्ष मुन्न विश्वान है। क्षा से हिना हैन शरी है शर्म मन से ना कि साम है। मुन्न मन से स् धीन्-न्रेंन्-अन्-डिना-निहेश-स-टिंश-डिदा न्युन्-विश्व-धीद-स-रामणा हिनाश-विद-हिनाश-सदि-नेना-स-धीद-सदि-दीना स-युन-दा दे के भारुदा देरावया रहावी वावया दा है वाभावेद है वाभाय दे रेवा या धेदाय दे ही हा सामुदादा धेदाद है दास्र है वा महिरायाची धीन्न्रींन्भून् देवामहिरायविष्यु महिष्याचे हेवाराचे सेवाराधित स्वरायाची हेराधिन्न्रींन्भून डेमामहेशस्त्रे म्वत्य मुह्माशस्मानस्विम् । धेन नुर्मेन स्वमान स्थित मुह्मा धेन नुर्मेन स्वमामहेशस्त्रे माववा मु र्हेनायायदे हिन्दोन्त्रात्राह्म ह्नायानहेयाना साञ्चन हेन्दा धेन न्हेन सून हेना नहेयायहेयानवा हिला हा हिना <u>न्युंनःभ्रनःकेनान्नःनाहेशःमहेशःमश्रहेनाशःसरःवय। धेनःन्युंनःग्रेशःहेनाशःसदेःग्रेरःहे। मानेःग्रुनःसदेःग्रेरः। मेनःन्ः</u> ब्रैर है। गुरुर हिंगुरा क्री रेगा रा धेदार दे ब्रैर है। धेदार दें दार पेदार दे ब्रैर। वुरुर राजा विष्तर रो धुरा साहें गुरुर पेदार ग्री वनानीयाधुताहेनायावरावता देवे कुट् ग्री क्वें स्थाधुताहेनायाववे श्वेरा देरावता देवे कुट् त्याधुताहेनायाववे क्वें ब्रीमाबेमाबासावित। साबुनाव। देमाबल। देवे क्विमालाधालाहितायाचे त्योताची स्वामाना क्वामाला होता हो स्वामाना स्वामाना सदे निर्वाचना नी कुराया श्रासे हना यर हिनाया यदे थिरा र्येरायदे श्रीरा देरावया श्रासे हना यर हिनाया यदे हे या न्यवाःने। न्दःवीःन्देशःग्रीःकेरःवेदःश्चाःशेःहवाःयरःहेवाश्वःयवैःथेन्।न्धेन्।वशःश्चेशःयवैःश्चेरःहे। नेःश्चाःशेःहवाःयरःहेवाशः यवै:हेशःशुःन्यवायवे:ळन्:सप्तेदायवै:बीम् विवेशःयापीन्-निर्देन्। सळवावेन्-निर्दे। निर्देशे मन्त्रायाः *ऀ*बेद'मश्_{री}'नदे'बेद'रेग'र्नेद'समुद्रा थेन'न्धेंन'ग्रे'सळद'हेना ने'स'न्द्रे'दा क्रु'सळद'सेन'मदे'थेन'न्धेंना क्रु'सळद'नन वर्षायानवे त्रीन् क्रिंशक्ष्य भारेशासवे त्रीन् क्रिंशक्ष्य साचीयानवे त्रीन् क्रिंशक्ष्य त्रीत्र विश्वास्त्र त्रीत्

वेनर्यायते धीन निर्देन निर्देश है। इत्ये है। क्षार्या हेर्या हेर्या व्याया नहेर्य हर्या है। ह्या प्राया प्रदेश श्चाः क्षेत्राक्षेत्राचित्राचेत्राक्षाचित्राचित् र्बेट मी हवारा त्यरा श्रुप्ती हवा पर प्रदेश पर हो श्रुप्त हो। देश हो ट्रिय हो एत्र से हवा प्राप्त प्रवादा प्रवादा प्रवादा हो सा वार्ष यादी वावियाद्यते हवारायराञ्चारी हवासर यहें दासते हैं स्वाद्य हो। वावियाद्य हे हे हुन ग्रीसारे रायते वाहद स्वेवाराधिद यदे दीन वर्ते यते से से मिले अ के मात्र राहिर हमा अ त्य अ क्षा से हमा यन राहे हमा यदे के से हो से माले अ के मात्र राहिर हो रे श्चनःग्रीः अः ग्रुनः यदेः गाहनः केंगायः प्येदः यदेः श्वीम्। व्यः यः दे। श्चाः ग्वाः यः यः प्राः ग्वाः यः यः व चुँ अरह्मा अराय अर्भु : क्षेर्या सम्प्रदेश स्वरे : क्षेर्या : क्षेर्या : क्षेर्या सम्प्रे : क्षेर्या : देशमाहत्रायास्रायेनसामवे श्वीम् । वार्षमात्रामे । श्वीमानम् मानम् । हेत्रमानम् वार्यस्य विकासमानम् । यदेवायास्यवत्यावेयाः तुःयास्य द्वार्यः विवादेयाः देवादे। धिदाद्युद्धः क्षेत्रः स्वाद्याद्वाद्याद्वाद्याद्वाद्या वहेत्रप्रशाह्यत्रप्रस्था अळत्रेतेन्ने त्यन्यते श्रीम वर्नेन्त्रा श्रीम्यते त्याया त्याया स्थान्यते स्थिन् न्यीन् स्थान्यते । वया देवे सुरा वर्देन से त्या है। ह्या प्राय हेत त्या सुराय है साम है। ह्या प्राय विकास के स्वाय प्राय के साम स ॻॖऀॴॱॷॖॱऄॱह्याॱय़ॸॱॷॖॖॖॖॖॖॸॱय़ऄॱढ़ॖॻऻॴॎफ़ॱॸॣॻॱॸऒॕॸॱय़ॱख़ॱॸढ़ॖ॓ढ़ॱढ़ॴॱऄॗॖॴय़ऄॱॷॗॱऄॱढ़ॻॱय़ॸॱढ़ॆॕॻऻॴय़ऄॱऄॸॱॸऻॗॕॸॖॱ दे ह्यॅर न दर र से हे व ह न का जार पार का जार का जार का जार की की स्वार्थ के साथ है से अपने की पार की प्रार्थ की स्वार्थ देॱळॅश[.]ठवा रटावीॱहेवॱहवाशःषटःदवाःवःशःवहेवःधरःषया वर्देदःधेरा वर्देदःश्चेरा वर्देदःशेःतुशःहे। रटःवीःहेवःद्यशःहवाशःग्रीः श्चाः क्षे न्हणान्य स्थ्राच्या स्थान्य चया दे.वर्दरे.लुटे.ट्रेंटे.लूटे.चटु.हुट.धे. श्रे.श.६वा.चर.हूंवाश्वाच्छट.वाट.चवा.वी.क्टेट.वा चेश.६वाश.कुश.श.६वा. यरःश्चरायरः द्येन् प्रते ह्यायाप्यान्योन् प्रायायहेत् त्याश्चा स्री स्यायाञ्चा दे त्या श्ची स्री त्या हिं या प्राया स्याया ढ़ॏज़_ऻॸ॓ॱढ़ॾढ़ऀॱक़ॣॕॱॸ॓ॱऄॸॱॸॣॾॕॖॸॱख़ॺॱज़ढ़ॺॱऒॕढ़ॱॶॖॺॱॸॸॱ*ख़*ॸॱॺॱॸॸॱॸॹॖॸॱऄॺॱज़ॸॱॸॖॱख़ॸॱढ़ॾॕज़ॱऄॱॸ॓ज़ॺॱय़ढ़ऀॱॿॖऀॸॱ र्रे । । वि देवा दारे | तुस परे र्देव हैं हे नुस परे देव हैं वा परे खुवा पत्ने वा विस विस हो है से हैं हैं के साद है द हें नामते बेद सुराधिय सेद स्वया देवे सुरामते मासेद स्वर्म हन्या मिया वर्दे दादा दे के या उदा तुरा वहेद हें नामते मानया नुः धोन्नानरा नेते नेता नेता स्वीता धोना स्वीता स्वी विष्यानि देते हिं भीत्र नर म्वयार्थे। वर्दे दात्रा दे हिं राज्य हिंदाया नुसानि देते हिं तुसानर से सूर नर मयार्थे। वि हे वा नुसारहें दे हें नामाने। नुसामिर दें दाश्चे नुसामा रहें दायरे हिं प्येदा हे माना है सामिर है नामा है सामिर सामिर चया तुसामते दें तम्भे तुसामर पहें तमते क्वें प्येत मते स्थित। हमायामया परें दाता दें के या उता विकास विकास प्य मय। क्वें दें त' समुद्र प्षेद पदे 'में र है। हैं ग' स'रें द' समुद्र प्षेद पदे 'में र है। पेद 'द में द पदे 'में र मामुद्र दा प्राप्त प क्रिंश रुद्या हिन् प्रदेश हें नाया धीन नहीं न धीदायर प्रत्या हिन् माले सुन प्रते हिन्। वारे नाय रो हुस प्रदेश हें नाया धीन नहीं न याधीत है। देर शुरायदे त्या प्रेया प्र यवै क्वें ने नुस्राया विन्यमा विकास माना विक ऍन्यरव्हें त्रयते वें वास्ते या धेत्रयते ही मा शुक्षाया दी। यह वी वह वी खुवा नु हुम यदे यह सक्द वायवा वर सूरावा ष्पराधेव। ररावी पहुवा धुवा नुः कुरामदे ररा सळवा वा देशामा प्रदेव सी वुशामा ष्यराधेव प्रवे विवे समुवा मराकुरामदे सेवा

म। रदावेदाश्चरायासादेशाक्चीक्विदासळवावेदायीदाण्या रदायुवादुः सुदासादे रदासळवावासवासराश्चरायायायीव। रदा क्षेत्रपुः से प्रहें वा स्तृयाने साम्यान् से । वार्याने सें सें से से स्वारानियान के से सामित्र के से से से से न्गर-र्रे तार्श्व-र्रेर-श्वर-वर्ग्व-रहानी वहुना खुवानु नुर्मर परि सहासक्ति न्यास्या वर्षः श्वराखाना श्वराखायाना सेरी वि र्देण'न्गर'र्से'र्श्वेद'र्सेर'सेद्र'नदीवर'नु'ग्रम्थय'नर'श्वर'नस्य-र्स्युय'र्न्स्यक्वंद'ग्रम्थय'नर'श्वर'दीर'। ने'य'रेस्र'स'यहेद'से' व्याने। दे.वा.स्याप्तराव्याप्तरावे द्वीरार्से। बिरावा सार्थरा की क्विंद्रा प्राव्याची द्वी कि.स्यार्थ्य क्विंद्रा सार्व्य स्थाया स्थापित नु ने क्रिंय प्रदेव पर हो न परि क्रिंव परिवर्ष परिवर्ष स्वरं अस्त शुयान्त । क्रिंक क्रिंत हो न हो प्रविष्ठ परिवर्ष वया सळव हे र रेवे हिमा सर्देव सुम ग्रीम सर सुवायाय रेमाम पद्देव में तुमाम दे हिम हे। रे रेम ने माम प्रीम संदे हिम हेर व्याद्यियः हो। सर्देवः शुक्षः क्रीं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं शुक्षः क्रीं स्वरं द्येम वॅदिन्तुः सः शुनावा सर्देव सुसाश्ची हर्दा सार्के भाउता देश लेश साधिव समाधवा है वापास संविद परि हो ने पाविव हा र्श्व पावर्या हेया इव भी अर्हेव भी यार्के या उव भी या धीव पर प्राया र दा धुवा इव परी भी या धीव परी ही र वा धाराया हिन। सामुनाद। देरावय। ररासुयानु मूरायदे क्रिं मुनावत है या सु रहत पदि ले या ना ये दारी ही र दर्देन से सुकाने। हेंनापासाधिदायदे भ्रिमाहे। सर्देदावेसाधिदायदे भ्रिमा चलेपाया विष्ठेन । ममाधिवाया मेंनिसासी हे स्टेंसासी सस्दर् व। रट.लीयात्रार्ट्र्यात्राराहे योटा वया क्रूपा के क्रूपा हे स्क्राली दे त्या प्रतालीयात्रा हिन प्रतालिका साबुनाता दे के साठता देरावया रहा सुलाया देवा सावदाना येता सावदा सावदा सावदा है। साबुनाता दे पदि सावदाना दे रह धोत्रायमः त्रया देः यद्वेः यामः त्रयाः धेन्। सः शुनः त्रा देमः त्रया ममः सुवः यः यदे वात्रः यदेः वे के संस्कृतः क्षेत्रः स्वातः व बनाः स्ट्रिन्यते हीन। सः मुनः द्वा रदः सुत्रात्यः देना स्ट्रिन् के स्ट्रिन् के देने के स्ट्रिन् के स्ट्रिन् हो क्षिंयाधीदासदे भ्रिम् इतमः वर्देन द्वा महासुवावार्दे वायायदे वाहा चवार्क्षेया उद्या हे क्षियायाधीदा समाया वीयायाधीदा यदे द्विम् वि देव म्दः सुवावा में विश्वावा में विश्वावा है के स्वावी सक्त हो ने में स्वावी में स्वावी विश्वावी क्रिंग ठर्ना सक्रेंद्र ग्रुप्तेर मणा सक्रद हिट होते श्रीरा ह्याय श्ला वर्देट श्री त्या ही सेसम ग्रुट संपीद परि शं शुना दा दे.क्र्यांच्या देरावया वार्ष्ट्रांशेस्यात्त्रांचेरा वावयायता वे.क्र्यांचरासक्दर्यात्रेयं क्रीं संस्यानी विद्या क्रॅंर-पर्केश रुद्या बेर्केंश पीदायर वया अक्रंद हिर्देश होरा वर्देर द्या देवे वर्षेर पु क्यूर पवे सेस्र पुर पीदा दा बेरकेंश धिदाप्रशाह्यताप्रमाम् वर्षे । वर्षे प्रभी तुर्वा है। वे स्वयाधिदादारम् वर्षा ग्रीशासवदान्द्रे वार्षा सुर्वा से समानुदाधिदा नमाधियानपुरान्ति मुन्ना प्रतानि प्रतानि मान्ति मान् सर्दरमाध्य में भेरा में प्रति प्रति में प्रति सबतः महिशाशुर्देन्य यायाया धीदार्दे। विः स्वाया प्रदी दिताय मुद्रा मुक्ति हो स्वाया मुक्ति स्वाया मुक्ति स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वय ळॅं सन्दर्गाशुस्र दरसे दे। सुस्री हमायासम्भायती हे ळॅस १५ तु। महिरायादी सुरह्मा मासम्भायती हे ळॅस १५ तु। गशुस्रायाने भुगह्मा नासासी हमा नासासूस्रायाचे हो किंसा सूर्या विष्या दिया हो सामित्र के सामित्र के सामित्र के स नुप्देंद्वानवे में केंबा केंबा केंबा के बाब के बाद मान के केंबा के केंबा के केंबा के केंबा के केंबा के केंबा के

हैं ना-प्र-हें ना-प्र-लें ना-ले र्या-हें ना-धेव-प्रवे-धे-प्रहे। श्रे-पर्व-धेप-धे-धे-स्व-सेव्य-ध्या-धेय-हें ना-प्र-लें ना-ले र्या-हें ना-प्र-लें ना-ले र्या-यिष्ठेशः र्देवः देवाः देदः। बेशः यश्चिर्यः प्रदेः द्वेत्। याववः प्यदः। व्यवाः वेशः द्वाः वेशः द्वावः वरः वया व्यवः र्हेवाः द्वाः वर्षेवः वर्षे क्षेप्यायानदे हिम्। क्षुप्या केम्ह्रमाया के सूक्षायदे हे केंक्षा दे। केंगि हें पान्ट हे केंक्षा पहिला पा के स्व यादी शेष्यम् दे। श्रुप्ययाक्षेम् ह्याप्यशके श्रुश्चानुष्यदेव प्रदे हें या पार्ये या हें या श्राधिव प्रम्याप्य परि श्रुर्थान् । विश्वान्या देशःत्रा सँगाः हॅगदरः नेः क्रॅंशः दगवायः नः सेदः दें। विशःगशुरशः सदेः द्वेरः रें। व्रिः सः सँगः विशःवा सक्रदः हेदः दरः द्वेः नः महिषा नर्से दी मिडिम नर्मो बिदाधारा प्रावृत्याचि स्वापा मित्रा मि र्यर श्रूम नवे न्वम ने मार्के भारत्व सक्त हो महिमा सर्के व द्वा में वे में मार्थि मार् वया वर्रेन् मदे हिमा वर्रेन् से तुर्य है। हैं ना सेन् ग्री केश मा धेव मदे हिम है। नवह केश धेव मदे हिमा सह खुनाय है। र्र्स्युवावाद्वीत्र हे वें वातुः बुवायायदे देवाया वें वाक्षेयाची अस्त हेन्। वहियायावें वाक्षेयायाद्वी ता हें वायावें वाक्षेया <u>न्ना हैना सेन सेना के सामके सामके सामके सामक का मान प्राप्त के मान प्राप्त के सामके सामके सामके सामके सामके स</u> धीर्भेशन्ता न्नर्भेशमहिशम्भा न्रासेति ही ही स्यमानी हें तर्रे में न्यमान न्यम्यान महिष्या ही से सामानी तु। दे के राज्या धेद्भेश हैं ना सेद श्री भेराया वे ना भेराना सुरा मा धेद है। देस या निहा ही सामा श्री भेराया धेद यदे <u>ब्रीम-प्रमा श्रुप्तें प्रदेश मुर्प्त, प्रदेश प्रदेश के प्रमाण प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण के प्रमाण</u> स् वाञ्चवार्थार्थेद्र र्थेर सेट्र विवेद र्थेद र्थेर विदेद स्वेद क्षेत्र स्वेद सेट्र विद्या क्षेत्र सेट्र दे'द्वदःवेशःदेवःसम्रुवःधेवःवे। । याद्वेशःयःद्वदःवेशःशुःग्रुदःयवे व्यवान्वेशःवे। यादशःदेःश्वॅदःयेदःसूदःववेःद्वदःवेशः हें नापानभृत्यास्त्रास्त्रस्य स्वाप्तान् स्वोत्या स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्वाप्तान्य स्व धुवानु चेन् मित्रे में विश्व के अपनिष्य निष्य के अपनिष्य निष्य विश्व कि विश्व विश्व कि विश्व कि विश्व के कि विश्व कि विश्व के कि विश्व कि विष्व कि विश्व क पडेश उर् पुरित देव परि लेव रेग हिंग परि अळव हेर्। रे प्यर श्वर्षित लेश परि श्वर्ष श्वर्ध हैं वर्षे रेंव श्वर्ध रेग हैं गरिश पडेश यर पहेंद्र यादी ने पादेश के पादा पहेंद्र यदी । दुर याद्वेश यापादा विकास प्रेम प्रमास प्रम प्रमास प्रम प्रमास प्रम प्रमास हेंनायानसूप्तरेप्तम्भायार्षेत्परेप्तेप्तेप्तेप्ते होत्तात्रीक्षेत्रण्याहेषाञ्चात्त्रेयास्त्रेयायराक्षेप्रदेवाण्या वहें त' रा रुं स' प्रेत में दे हो महि स' स' हैं मा साया नहीं ता श्रु श्री किं त' वहें त' सदे हैं मा सा कें स्व र्देव महिकामा पहें वा संदेर हैं मास दर माशुका सका। हैं हो रावनका तुका हु हों रावी देव हो दाव का साम स्थित सर की से का यदेः श्रुभः तुदेः क्रुन् ग्रीः तुभः यदेः श्रुः रुभः यः यहेवः वशः श्रुभः यदेः तुभः यदे तुभः यदे तुः तुः तुः नुनः विदे क्रुन् ग्रीः वृदेः ब्रैराना अर्बेराना उसात्या नहेतात्र अर्भे अरमदि रहें ब्रैराना यहेता मदि हिंगा मालू नु मिल्री अरम दि । नुसाम भे आमदि र से अरम नुसे क्तु-भी तुर्यायदेत हैं गाना कृत् नाश्यानदे यस्त्र नाले प्येत नदे हो न तुर्यानदे श्रु ही नदर्देत ही नाम लेखा है गाना नियान है गाना नदि से हेंनायानाशुर्यायायात्र्यायाय्या हें। धेरावासूरावदे के सुन्धे प्राप्ते के सुन्ति सुन्ति । देवा सुन्यायाया से स्व

है। शुःरुवायानहेवायदे हिंगायदे सूरायाधेवाण्या। शुःश्चे विंत्याधेवायदे श्चेरा देरात्रया दे से वेट से शुः हुः नट देवाश्चे महिरामाधित पति हैन। यद्भिमायाया नही ता केट हैं माया प्राप्त दिन हैं माया महिरामाधित प्राप्त मिर्म है माया पहिरामाधित प्राप्त मिर्म है माया परिराम प्राप्त मिर्म है माया परिराम पर मर्ते श्रूयान् प्रदेशमाने में पाने में पाने सामा धीव परि ही में में स्थान विवान स्थान के साम स्थान है वा साम स रेगा भेत मंदे हो र प्राप्त हिंद में कि स्थान के अधिक स्थान है के स्थान है के स्थान स हेंनायाधिकायकाकाद्वाक्षे। क्षेत्रायावदे दे द्वायायाकवार्वे। । श्रुकात्यदे देवायदे हेंनायादे दिवार्श्वे सहेनायाधेकायदे खेराहे। दे⁻। इत्राम्बि-भुर्यान्त्रात्या । इत्रास्कि-प्रमुद्यान्याः भूरावस्य निवान्याः स्वान्याः स्वान्य धेव'नव्याम्चारमान्त्रवाद्यात्वे तुम्रान्द्रमान्द्रमान्द्रमान्त्रभात्त्रमान्द्र <u>न्वे न्या हैं मार्य हैं के समुक्त हैं मार्य हैं के समुक्त मिले सा क्षेत्र पदेश के स्वार्य के समुक्त है। हैं मार्य</u> र्देवासबुदाबी सक्दरंत्रेत्। गावी बुनादा बिनायहेदायदे हिंगाय हिंगाय देवासबुदाधेदायसा छ्या क्यार्देवायहेसा सुनाद यदे विदारेगार्देव से समुदारे। हेंगायार्देव से समुदा की सक्व हिन। यवि सा सुवाव। हिन यहें दाहेंगायाहें यायार्देव से समुदा धेदान्याह्यनार्चे। महियानायासळदाहिनान्चे नामहिया न्दार्चे दे। न्दामी सूदाध्यायासायह्यान्वे मययासूदा उदाचीः रैनान। रदक्षेत्रहेनासेत्रसन्बालानवेक्षेत्रानाधेवानवेष्यक्षात्रहेन। तेन्द्रह्मिसर्देवाश्चरानाहेश्रादेवाचेन। द्वीता न्वरः अर्देव। धेन् अर्देव। रूरः रेवा अर्देव शुर्य। इत्य वर्द्धेन अर्देव शुर्य न्दरः चिन धेन् पर्वे र न्त्र चिन पर्वे अपन्र ह्यों। माशुस्रायायासळत् हेरान्हे नामहेस। नरामें है। नरामी सूराधुयायायहियानवे मास्यासूरा हता ही नेपाय। नरहेरा र्हेना: सेन् प्रहाय: पेश: प्रेक्ट प्रकेश क्षेत्र । इत्ते: क्षेत्र देन: क्षेत्र । देन: क्ष्यून: प्रेक्ट प्रकेश हेना सेन् शूरायदे थे दादाराया न हे दाव का क्रेका प्राप्य न्ता वालकः देवा वाले अव्यक्षा नदः सँ नदः। विः कदः विं तक्षः सुँ वाक्षः सवे स्वे अवः सः देवः के वा । वाले अवः सः नदः। विः बुँ । वाले अवः सः विः वाले अवः सः व विः वाले अवः सः वाले अवः सः विः वाले अवः विः वाले अवः सः विः वाले अवः वाले अव विः वाले अवः वाले अव नेयानार्द्रवाडेन । न्यन्यस्त्रा धेन्यस्त्रा इत्यावर्द्धन्यस्त्रास्त्रम् हिनाना इस्यानिहेयानिहेयानि सक्तानि धेन। ने इस्य यार-दुर-धेद-द-यावद-देया-वी-वेश-र-धेद-रश्या दर-देया-दर-। यावद-देया-दयाय-ग्रुश-र-व्या दि-द-दे। श्रदश-क्रुश-वसवासायवे कृत् क्षे रात्रे वा कें साठवा वाववारे वा साथे दायर प्रवा रात्रे वा धेदायवे क्षेत्रा साग्रुवादा सरसा कुरा वसवाकारावे कुँदाग्री रदारेवा रदारेवा खेब पर स्वा देवे कुँदा खारदारेवा खेँदा खेर है। देवे कुँदाग्री खेदाने का क्रमका शुःश्चिरानवे स्टारेना अर्दे व शुक्षा दे। देवे क्वून क्वी स्वाप्त स्वाप्त का व्यापता अरका क्विन स्वाप्त का विदा ग्रे कुर्ग्ये भेरिने वे वाक्ष्य श्रे श्रें रामदे स्राम्य कर्ष्य श्रे वा किर्मे यारः वयाः धोदः यदेः श्वेर। रदः रेयाः पृदः यावद्यायायायः यदे हो यद्धंदः श्वीः श्लेयः पृदः यदे वे अवदः पृद्धे प्रवयः याशुरः याद्यायः वि नर्गेन्याधेदाबेन्य रत्यां भेदादें । इयन्यदेंन्दा ने केंगाउदा मानदारेया धेदायर प्रया विश्वे प्रथा में ने यायाधेद चत्रे भ्री महिताका क्राचिका क्रियाका महिता का महिता का महिता का महिता का महिता का महिता महिता महिता महिता का महिता महिता का महिता क्रूमालीयारी खेराता लुपारा लुपारा क्रूमा क्रूमा अप्राचन स्थान स्था यदे हिन । अ यद्भें देवा या सेसस दूर सेसस हुर विहेस यस। रद्धा ही दें विहेस यदे क्षें द्रायत विवास दे विहेस इसन्तान्। वर्षे सेसर्क्षेत्रस्त्रे सक्तं हिन् वर्षे सेसर्क्षान्ता सेसर्क्षान्ता सेन्ता इसर्क्षान्ता स्राप्ते स

बर्यास् । दि.स्व.स्.सं.वयार्वे.वी स्वा.वी.क्षात्रेयात्यात्त्री.क्षात्यात्त्रसंत्रात्त्रसंत्रात्त्री.वसंत्रात्त नेयान्या धीन क्षेत्रक्षेत्रमाहिता सुरत्नुद्धा । धीन न्या धीन नेया महित्रा या सुरति विषय मित्र स्था महित्र स्था तुः धेन धेन थेन भेन साथेन सदे सुन्ता धेन कु इस सम्भेन सदे दिन मुन्न सदे के मान से स्वीत स् धीन् साधीक् मदे खु। धीन् ग्री : इस मद्भेषामा क्षु नु : धीन् भीषा माहिषामा धीन् महेषामा से साम मित्र से साम से स वर्षिर-तृः त्वूर-वर्षे क्रॅर-व-११:त्वा धेन-नर-धेन क्षेत्र-विश्व-गाःस-धेत-वर्षे सु-धेत-वर्षे सु-धेन-वर्षेत्र-वर्ते यद्वियायासु यद्वी थे प्रेयाद्वा भेयायद्वियायद्वी यद्वी यद्वी यद्वी यद्वी यद्वी यद्वी यद्वी विद्वार स्वर है देवाया वहेंब डिट र्रा र्रा सहस्य के वार्ष के स्थान के स यः इटः दुशः इटः इश्राम् श्राम् अर्द्धः श्राम् विदेशे वार्षे श्री श्रामा हेत द्वारा विदेश वार्षे वार्षे वार्षे व गर्डें सेसस-दक्षेण्यानान्यानहेत्रत्याञ्चे नादे त्यसादिर्ध्यस्य हुट क्षेत्र वार्डें सेससायापुतानार वी दसान भरान हिर.पर्ट्र.श्रेशश्चिर.ट्र.प.ट्रेट्र. क्रा.स.चर वार्ट्र.श्रेशश्चरवार.व्रा.क्र.श्रेश.स.स्ट.श्रेश.स्ट.प्रह्मर.श्रेशश्चिर.क्री.स गर्डे सेसरान्दाविंदासेसरा हुटा इसरा हरा देवारा वाडेवा वीरा हिटा सरान् हुरा दरा क्षे छै। इसादेवारा घरान्य से क्षे नवे.ब्रीमःहे। सर्हेन्त्यमा र्नेदानविनाःसेससान्दाःसेससान्धुत्रस्यमा ।सर्ह्यत्यानमान्ध्रत्यान्याः स्वा ।वेसानश्रद्याः मान्त्रात्युर्त्तराते स्थाया शुर्पे द्राये होता दर्भे शुर्वे विद्या से स्थाया से द्राया देवा से मान्य द्राया से स्थाया से द्राया से द्राया से स्थाया से द्राया से स्थाया से स्था वै से सम गुन क्रीम प्रिंम दुर्ग नम गुन पर्में लेयान भूत परि ही में हु में नार मुह महिना सार्कर मा धुल क्री सिर र्श्वे ५ से म्हेन्य १ स्वे से स्व १ से स्व १ से वार्य वार्य वार्य वार्य वार्य से स्व १ से से से से से से से से स्रोधाना स्रोत्ता स्रोता त्या त्या स्रोता स् र्थनाःश्रेन्याःश्रेःश्चेर्राःस् । दिन्याराने न्याः सर्वा सुरानु स्थितः स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य <u>र्</u>र-१९८ ः अळ्ञराश्चर-अन्त्रन्यते पुरान्दायमें वाचाया श्वेष्ठराया स्वित्राया स्वत्राया स्वित्राया स्वत्राया स्वत्राय स्वत्र वनायावाववे द्वाया क्रीयायहुनाया द्वाया प्रवेश प्रवेश हो हो हमस्या क्री वह वस्य हिंदा हो क्रिया विकास करें के हा हमा विकास करें के हमा विकास करे हमा विकास करें के हमा विकास कर हम विष्य । विष्य सार्विः वाल्य विष्य सार्विः वा वास्त्र सार्विः वा स्वर प्रविः वा स्वर प्रविः वास्त्र सार्विः वास्त्र सार्वे सार्विः वास्त्र सार्विः वास्त्र सार्वे न्दा अंश्रयार्क्षेत्रः वाहेशः शुः व्यदः श्रीत्रा न्दः वेदः न्वरः वेशः शुः शुः त्वदे रक्षेत्रः वा श्रीदे रक्षेत्रः वा स्थयः हें द महिम ।महिश्रासन्दा धेन्नेश्राशुमूर्यदेखेरान। ब्रामीळेरानाह्रथ्याहेषा ।धरानेखामहिश्राखेन्ने। बराबेरा <u>न्नावरुषायदे स्त्राचा बन्वेन सेन्यदे स्त्राचित्र प्राचित्र प्राच</u> वनासेन् ग्रीक्टॅर्स्य में वार्षियान् । नाश्च्यान् प्रत्री व्याप्त प्रत्री क्ट्रियान प्रत्य में वार्षियान प्रत्य में वार्षिय में वार्ष्य में वार्षिय में वार्ष्य में वार्षिय में वार्षिय में वार्षिय में वार्षिय में वार्षिय मे तः नृतः भूना नर्यः नृतः युत्रः या स्ति । यहः भूस्यः या स्ति । यहः भूष्यः या स्ति । यहः भूष्यः यहः भूष्यः यहः भू <u>५८। ५ वो न न इ वो न वो वर कं व ५ वो र परे पर्व पर्व वि न व व व वि वि व</u> ब्र-निवेश्वर्षित्ते। क्रें-निवेश्वर्ति क्षेत्रवि क्षेत्र नदे'भीत्रत्व नदे'न'भीत्राम्भाष्ठ्रनाग्रहा र्वेंद्रानायाय्द्राद्वे नदे'न'साभीत्रामभाष्ठ्रनास्त्रे। र्वेंद्रानायाय्द्राद्वे नदे'न

नःलेबन्दा सुभःक्षेत्रःनदेःनःलेबन्द्र्मेश्वःनदेःश्चेत्रा देःनिबद्गःद्या सेन्द्रिःनेन्सेन्द्र्याःसेवःन्यःस्वतःस्वतः क्षेत्रः नःवः ब्रूनः नृत्ते नित्रे म्यूनः न्यूनः व्याप्ते । क्षेत्रः नित्रः व्याप्ते नित्रे नित्रः व्याप्ते नित्रः व्यापत्रः वित्रः व लुष्ट्रेन्य्यात्रम् वर्षे वर्षे वर्षे व्यवस्त्रम् वर्षा वर्षा वर्षे वर्ष लूरे.ही वर्षेत्रची भूभावी रथा हेरारा हेरारा हुया नुमार्यातराहराक ही लीवा मूर्या मूर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा श्चिराने। यन्त्रामश्रास्यायायायन्त्रादीरार्देतानुमा श्रीश्रामशाने यान्यायायरायहूवा। इत्रामशान्श्रीवाशाह्रसायहेता नेरारे वहेंत् ग्रीश हे गिठे गारु गात्रश लेश रव ग्रीश से स्वर्म र्मेंद्र प्रस्ते ग्रीत प्रदेश प्रस्ते ग्रीत प्रस्ते प् गहेर-इससर्दिन गडेगानस्य केंस-देन्य देव-गहेर-शुः नतुव-मः स्दिन्व केंस-देवे केंद्र-तु-नर्हेव-वशुकार्हेस्य मः वशुद्र-नवेः द्येन नशुस्रायान्त्रो पायदुः नहिना धेन हो इना है स्टब्लिशाया विषा धेना सास्र ना वे सूरासेना परि से समा हुरा वी'ॡॅवा'र्स्डेवार्यासाम्बर्धान्यसार्द्धवान्यदे'र्स्केव्सान्वो'यम्बर्धान्यो'यान्यस्वतिवान्तेसान्यस्यान्यस्यान्य त्युअप्यन्त्रम्थानास्थेत् क्षेत्रे क्षेत्रम्भेत्रप्रक्षेत्रप्रकाह्यन्त्रम्भः निवेष्त्रम्भेत्। विवेष्त्रम्भेत् कुष् पर्देन्रक्षण्या विराह्या रामुत्या अर्चेनाया बेर्क्टिं अर्देन्अर्थर अत्यादेन क्षेत्र अर्थर अर्थर विराह्य विराह्य यदे इ.च.व.व.दे र्चामा होन् प्रमान इ.क्रेंब लेगा चार्रेन त्यदे होना वर्नेन क्यामा निर्माण वार प्रमाण वार हिराली वासी <u> न्वीं अप्ते वित्तत्त्वन अप्ते कृत्यो ने न्ना इक्ति स्वाधित प्रते वित्ता ने न्ना वे श्वतान्त स्वाधित के स्वाधित स</u> र् त्रामाकुरानदे हिरारी | व्यामाके केंत्रामाके पुर्णिता है। विज्ञा विज्ञान विक्रमामा विक्रमामा वर्षा में मार्थित विक्रमामा वर्षिता वर् नार्ला मिनायाना द्रयातको हालायाना हिलायाना स्थाना स्थाना माना माना माना माना नार्ला नवायाना नहेनारेया जेया विवासीवाम। इसामधिराद्राके पुरवे स्राम् इर्के वायमा सुरावेरा दे प्राप्त हो है के वायमा स्राप्त हो है कि वायम स्राप्त हो है कि वायम स्राप्त हो है कि वायम स्राप्त है कि मान्तरायमुरार्थित् हो। मानेत्रात्रा वर्मेत्राया हिमाया दर्मित्यायने हैं दिमाया वर्मेत्रामाया वर्मेत्रामायाया वर्मेत्रामाया वर्मेत्रामाया वर्मेत्रामाया वर्मेत्रामाया वर्मेत्रामाया वर्मेत्रामाया वर्मे <u>ने ॱक्षर-तु-चर्हेन् चत्ते : ख्रेर-हे। वाहेन्-तुर्य-सु-नर्गेन् सर्वेन व्यान्न-त्यो-ध्रेवा व्यान्य-वर्केन्-सेवार्यकीन्-सेवार्य-सेवार्यः क्षर-</u> वर्णुर-श्रेद-सर्व-ब्रिट-र्स् । बर-ल-ब्रीय-सबद-पर्दूद-क्ष्य-व्री च्रि-ब्राय-श्रु-व्रा सर्द-क्रि-प्रवेट-प्रवेट-स् द्यम् क्रिम् क्रिम क्रिम् क्रिम क्रिम् क्रिम देशपरायादिंद्रपाणीवाहे। दे क्रायाणीयारायादेव स्थापित स र्रोहेर्-तर्दः र्यं अन्तरः क्रिन्-तः इस्या क्रिया सर्द्र श्रमः क्री स्वरं स्वर सर्वाशुमा इत्यावर्त्ते मासर्वे शुमान्यानवे मात्रायमा देशायमा वर्षे ना सर्वे शुमाया सावित्या वर्षे भी साम हिनाया सर्वे हैं। नमानमानेत्राचेत्राच्या मेस्रमानस्यानमान्त्राचेत्राते । सेस्रमानस्य स्वाप्तसान्त्रमानस्य स्वाप्तसानस्य स्वाप्तसानस् विश्वास्त्रेयास्त्राम्यायेद्रायदेः द्वेरा यानुवासा देयादे।वियायेद्वायराचया देयाद्धरायवेदाये नुवास्त्राच्या सर्द्रमधेन्यान्यम्याभूनाउद्यान्तीः क्रिंनाव्यायोद्यान्यते । द्वानायाः विष्या । द्वानायाः विष्या । द्वानायाः विष्या । द्वानायायाः विष्या । द्वानायाः विष्याः विष्या । द्वानायाः विष्यायाः विष्यायायः विष्यायाः विषयायः विषयः वि स्राह्मराची किर्ने की व्यवस्था प्रतिस्था विश्वस्था विश्वस्था स्थानित स र्श्रामान्त्री सामाने वार्या होता द्वारा होता होता होता स्वारा होता सामाने सामाने सामाने सामाने सामाने सामाने स यासायिकाराष्ट्रात्रेशास्त्राधियासायमात्र्ये हे। देशार्क्ष्यास्त्र्य्ये ग्रीमृत्ये निवास्त्रायात्र्ये साम्या

विश्वाचेत्र प्रति श्री मेश द्धमा सर्वे मानी कुन श्री वाह्य वाश्वाच प्रति । या वाह्य म्बन्या दी देव दिन माने के के कि के माने के के कि के माने के के कि के कि के कि के कि कि के कि कि के कि कि कि कि <u>५८। ५८.५वा.मध्रेमामन्द्रेयाम् १५.५व.मध्याम् १५.५व.मध्याम् १५.५व.मध्याम् १५.५व.मध्याम् १५.५व.मध्याम् १५.५८</u> <u>बुःर्</u>देवःक्षेःवर्देन्:ग्रुटः। रटःरेवाःवदेवःग्रुवःहुःविशःखेवःयवेःचेवाःकेवःग्रुःग्रुवःस्ववःश्चःववेःवाटःचवाःश्रेस्रशःरवेःसक्वः हे<u>न् प्रेत्र प्रते ह</u>िन्। ने प्रूर प्यतः शुनः सबदे इस मानगा इसस प्यस मासुर साम प्रते हिन। सर्दे त्रुस प्र साम हिन म र्श्रे वायासर्हे सेस्या वाहेसर्टा रट क्विरायसायहेरायाधे स्त्री वयाय क्विरायसायसाय विसाय है ही स्रायक्विरायसासी सवै देवा सक्त सवै सक्त हिन्तु।वराये व हिन्। न्युन् के राया क्ति सर्था हिन सन्ता। सर्देव सुरा ही क्ति साया पर हिना यः दरः हें गाः से दः ग्रीः भी सः या गरि सः गाः स्पेदः यरः वते दः स्था या साविदः स्था से । यहः या दे । साविदः से साविदः साविदः से साविदः साविदः से साविदः स रैनायायदे मुः यर्के त्यया वर्देर कंदायदे यक्त हेट से क्षुप्त है वहेना हेत दाहे क्षुर वहें नाया वित्त प्रात्वेद पाया विहेना हेदादानायरानुः भेष्यक्षुप्रवेष्टिन् सास्रेष्टरास्य स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्थाप यदे-न्धन्नेश्वस्थ्राम्यान्यात्र्यन्त्रस्यन्त्रवेन्यम्स्यम्बर्देव्दि। ।नेदेःध्रेम्हेन्यायदेःसन्सायायान्यम्बर्धाम्यान्यम् बेशनाशुरशनदे स्ट्रेम् अर्देव शुरानवेदे में मेशशायर दे सूम नर्मेश है। ह्ये देव सेवाशनक्रुव यश। अर्देव शुरानवे मे वदेः वें देशकाहिः क्ष्रमादेश वे दो दे वें प्राप्ती क्षा वर्षे मार्थे दार्शका वर्षा कार्या कार्ये कि विश्व के वि मावरमाशुर्यास्मार्थे स्त्रीप्ता वसमायायात्रेयामादे मुद्दार्याय्येदास्य द्वार्ये स्त्रास्त्री देवे द्वार्ययाया क्षमा शुः श्चें राज्या धेवायमा प्रतास्त्र । प्रतास्त्र वा विषेत्र विष्ठा मा श्चें राज्ये प्रतास्त्र । स्वास्त्र विष्ठा वि - द्वरः अर्देवः क्रुः धेवः प्रश्नाः द्वरः प्रश्नव। धेदः अर्देवः प्रव्यवः पुः धेवः प्रश्नवः प्रश्नवः प्रश्नेवः प नर्हेन् चुःर्ने न्यर चेन् प्यते महत्वा रूट हेन् नर्हेन् चेन् ची सूते सक्त हिन् ने प्यारे में ते स्वार्थ मा सेट केना थे मे माश्चर्यार्थे। प्रत्ये न्या अळव हे प्रप्राप्त ने प्राप्त के या प्रत्ये हो। प्रत्ये में प्रत्ये में प्रत्ये माह व हो। प्रत्ये के प्राप्त में प्रत्ये में प्रत्ये माह व हो। प्रत्ये में प्रत्ये माह व के प्रत्ये में में प्रत्ये में प्रत्ये में प्रत्ये में प्रत्ये में प्रत्ये में में प्रत्ये में में प्रत्ये में सक्दिक्ति देखाद्वित्व द्रियासेटाद्दा वहवायासेटावित्य द्वित्तेखादेत्त्मुयार्क्षवास्य वहवासुरावायाराधेदा देवा देवे⁻शेद-वी-वर्षे-वें-प्यद-प्येद-यदि-यदि-सबुद-यर-दशेवाश-य। देंद-देवे-दर्देश-शेद-वी-शळंद-हेट्। देंद-दे-प्य-हेश-गुव-हु-यहतः श्रुमः यः प्यान्या देवा देवे से देवे से दाया या प्यान्य प्याने सम्भावन सम्भावन सम्भावन सम्भावन सम्भावन सम र्देशक्षेट्यो सळद्याविदी रेप्याया क्षेत्रक्षार्या स्टानी वियामहित्य हेर्पा स्टानी स्टानी स्टानी स्टानी स्टानी नःक्रुःसळ्दः नुः ग्रुः स्वरे वित्रम् अस्य दिः । विशेषायाः क्रुःसळ्दः नुः ग्रुः स्वरे वित्रम् स्वरे वित्रम् वित्रम् वित्रम् चसाचेदे हित्राव के सूरह्माया से दानो विसान हैं दारि दमा हू । तुर्था हो दारी इसार होया यस। से दानो चसाचेदे हित्राया | दे व्हरानर्हेर्नारायरायहेनाहेरार्थेर्। विभागश्चरभागवे श्वेर। निहेशारायारे श्वुरायश्चेयाक्वास्तर्भारावे पहनामाश्वर न्या न्यानिक्रमायन्त्रेयाक्नुः अळत्तुः नुस्याये न्यानिक्रमाये न्यानिक्रमाये न्यानिक्रमाये न्यानिक्रमाया न्यानिक्रम्यानिक्रमाया न्यानिक्रमाया न्यानिक्रमा वन्नामाभीरान्ता वर्माभीराकुःयावन्नामामवे वन्नामाभीरान्तानाहिमा न्रामेवे सळ्तानाहि है। हे सदे देन हेरायाहे सा बेश-वर्हेन्-पर्वः स्वाःक्षः स्वा वाहेश्यः सः दी। श्वनः स्वाःधरः न्वाःषा। हेश्यः न्यवाः सेशः वर्षः स्वाःक्षः स्वा वाहेश्यः सः नन्वाः महिमायहोयाः क्रुप्यळ्त्र पुराह्म प्रदेश्य प्रमाशासी प्रक्रिया मिल्य प्रक्रिया मिल्य प्रक्रिया प्रमाणि मिल्य प्रमाण यहूरित्वतुत्वी किंगतालापूर्वित्रे इ.सूर्येश्वर्षित्वा कुंगतहूरित्वतु में कूर्यात्वी वर्षुत्वराधीयायहूरीयायूरित

र्देव र्ष्पर चर प्रत्या वर्देर परे खेर व साह्या वर्देर से से वुस है। देव से र ग्री सु धिव परे खेर है। ग्री से कि परे नभूत-नर्डे अर्देत् सेट्री: नभूत-नर्डे अप्येत पर्वे श्रीता | यद्वि तर्दे हे स्वे र्वेट्र हे स्व हे साबे अप ने हे दिन है दिन्दी वर्त्रेयाः क्रुं सळ्त् पुः तुमामदे निष्यासीट साधित सरम् मया है सदे दिन् हेर हैं सप्टर ने हुट वर्त्रेया साधित सदे हिर है। दे हैं स्रदे त्यां स्राची स्र र्हेनानी है न्दर से हैंना नहे श ह्र निवेदा पीत परे ही र बेर द साहन साहन साहन से हैंना के शावता ही र ही हैं नहीं है न महिराहरा महिराहर माहिराहर माहिराहर महिराहर यरम्या देक्षे सायसा हुर वदे हुरा सामुन दा देरम्या ह्मानदे दें दे हेर हुर तय सामुर वदे हुरा सामुन दा देरम्या मुःसर्द्धदे सः क्षत्रभः मुःसर्द्धः त्यभः चुदः नदेः भ्रेतः । देरः नवा वह्ताः नः तथा हेः सूरः क्षुरः त्रेभः नभ्रवः नभः मुःसर्द्धः दी के.जम.के.केचम.वैट.च.ट्रे.चबुब.टी बुम.चीशेटम.चढु.बुटा लट.प्र्.बे.टी बम.मावढु.उहंद.क्र्यूमेवट.जम.वैट. नरःवता क्रिःभक्कृतः सः भ्रत्याक्षः भक्कः त्या श्रीरः नतुः स्त्रेरः नर्भाष्ठिया वर्दे दः त्या वयः यावदः वहतः स्वरं सावदः वयः यावदः व ह्यूरावरात्रणा वसासावरायसाहुरावासेरायदे हिरा साह्युवादा वसासावराहें साउदा हिंदायसाहुरावासेरायरात्रणा हिंदा ह्रमानाधितानवे स्त्रीता महिकानाकी अळव हे नित्ती हिनामिल हिनाके का श्रूतानवे महिनाके महिनामिल हिनामिल ह हिन्। अळवःगविःदे। क्रें:अप्टर्याञ्च सहस्राक्षाक्षे:ह्या । क्षेरे:विन्य देयायदे:क्रें याउदा विरायाक्षात्रीं । याशुस्रायादे धीरपोदेः नडुः थ्रुः तु। ने व्यार्वि दः रे प्ये नोदे नार्हे न तुः सेन प्यम् वया थि नो ह्मापा प्येद पदे ही सेन हिमापी नो मासुस हमापा प्येद यवै द्वीर है। दे नशुस्र मा दर्देश से द प्येत प्येत द्वीर है। इस प्रचेत प्यम। के मार्से मुस्र मात्र प्रमा से देश से द प्या । विश गशुरशःचवे द्वीर वेर व साव्य हो देवे देव देव के से स्केंग थी मो गशुरा की देव देव सम्बद्ध मा देव से से देव के स ढ़॓ॴय़ढ़॓ॱॸॕॣढ़ॱॵढ़ॱॿॖॏऻज़ॾॕॣॖॕॸॱॿॖॆॸॱॹॸॱख़ऀॻॱॵॱॻऻॶॴॸॕॎॣॕॴॸॕॱऒढ़ॱय़ढ़ॱॿॖऀॸऻऻड़॓ॸॱॿॴऻड़॓ॱॾऺॴॸॸॱॻॏॱक़ॗॸॱॹॗॸॱय़ढ़॓ॱ भ्रेयानुदे गुरुर्भेट मे नेयानायय भ्रेयानदे हिराने। इसादर्यायय। धार्मा गुरुर्भेट नेयानायय। भ्रियनेयानयम् भुद्। विमानश्रम्भानवे स्त्रीमा नर्हेन् स्त्रीन् सामानहेन् स्त्री सम्मानहेन् सामानहेन् सामानहेन सामा यद्गियार्स्प्ता ने याद्गिया की वित्तान के या निष्यान हिन् की श्वासी महाने प्रति निष्या महिन स्वासी वित्तान स्वासी स द्येम हिन न मान्या सामुन न ने या हा के या हिन ने या ना हैन न के मान्य न हैन हो मान्य न हैन हो हिन से ना या हिन से ना या श्चे धिव पते ही में में प्रति प्रति विश्व हो बेश महें प्रति श्चार्केश हता वार्य र तुरा महें प्रति श्वर हिं पर हा विश्व हो। यद्विमानाम्या यावरायरा विभाग्नाविमानाहित्यते मुन्ति विभाग्नामान्या विभाग्नामान्या विभाग्नामान्या यर विया दिन्ते अन्तराया श्रुवाय ह्या अप्योत्सरे ही दार दें अन्तरी दे त्य दें श्रुवा दे त्य प्रह्मा विषय दे त्य दे। दे.ज.ट्र्स्अ.अ.पर्या.सपु.मुरा अ.मीय.यी जुजायी.क्रुअ.वर्षी व्विट.बुजायकूट.सपु.मीव्रिट.ज.ट्र्स्अ.शीपर्या.सपा हिंद्रमाति सुन परे हिंद्र में दियो हमाया महियाया या सामा निया हो निया हु दिया हिंद्र परे हिंद्र में प्राप्त हिया महिया मार्ग में प्राप्त है या महिया म

वहिवासर वया दे:वेश द्वाया श्रुवावहिवा धोदायते श्रुरा हवारा वर्षा वर्षेत्र द्वा वेश द्वाया वहिवास ते स्वाया वेश वुःषः नृदेशः न्वरः वीशः वहुवाः वर्रम् वर्षे दुन् विदेशे वर्षे निष्ठा नृदेशः विदेशः विदेशः विदेशः विदेशः विदेशः वीयायह्वायम् मा नेयान्यायानेते भीमा वर्षेत्रमा वर्षेत्रमा न्याया वर्षेत्रमा निया वर्षेत्रमा वरमेत्रमा वर्षेत्र ब्री-रवर्देन् से तु राहे। ने पहिरादरेश पासे सीन् पवे सीना सामुनाता ने रामणा नमासक्तानमा से सकता पहिरादरेश पर क्षे-श्चेन्-पति-श्चेन्नरेन्न्य-नर्हेन्-श्चे-श्च-त्र्वन्य-नर्हेन्-श्चे-श्चेत्-श्च-त्य-त्य-स्-नर्व-त्य-तर्हेन्-श्च-श्च-त्य-हिन्-श्च-श्च-त्य-हिन्-श्च-श्च-त्य-तर्हेन्-श्च-श्च-त्य-तर्हेन्-श्च-श्च-त्य-तर्हेन्-श्च-श्च-त्य-तर्हेन्-श्च-श्च-त्य-तर्हेन्-श्च-श्च-त्य-तर्हेन्-श्च-श्च-त्य-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-श्च-श्च-तर्हेन्-तर्हेन्-तर्हेन्-श्च-तर्हेन्-तर्हेन्-श्च-तर्हेन् नर्हेन् भी श्वासाधित स्वते स्वा स्वासान हिन् भी श्वाधित त्या सेवासान हिन् भी श्वासाधित सवे स्वा हे जाते सामाधित सवे स्वा हे महिषामासाधित्रपदे सुन्दानवे स्रम्भासु विदायदे हिमा सुन्दार्य विदाय विकाश विकास हिन्यदे सुन् देवा का नहेंदा ही धेव पान विवा नि स्वा मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्य के मार्थ के मार्य के हिंद्रावेश नहेंद्रा परे श्वार्के वाश नहेंद्रा ही श्वार भीवाय पर हाता हिंद्रा स्वीय में श्वीय स्वीय स्वीय स्वीय हे। न्रेंसर्गिःसप्पेत्रपदेखेर। सुप्तिस्यप्पेत्रपे। गानुस्ताकिस्विस्तिस्यित्यादेत्यते सुरो सैपास्यपेह्रप्रीः सुप्पेत्रपानारः ढ़ऀज़_ॎड़॓ॱॸ॓ज़ॺॱॸॾॕ॒ॸ॒ॻॖऀॱक़ॗॱॺॱऀॺढ़ॱय़ढ़॓ॱॺॖऀॸऻ*ॸॸॱ*य़ॕॱॺॱॻॗज़ॹऻॱॴॱॹॖॺॱज़ढ़ऀॺॱक़ॕॺॱढ़ॴॱक़ॕॗॸ॒ॱढ़॓ॺॱॸॾॕ॒ॸ॔ॱय़ढ़॓ॱॿॗॱॸ॓ॱक़ॕज़ॺॱ न्हें न्यति श्वादी देवाया नहें नृती श्वाया पेंद्र न्याया हिन्देवाया श्वेष्य पेंद्र प्रति श्वेष्य पेंद्र श्वेष्य पेंद्र प्रति श्वेष्य पेंद्र प्रति श्वेष्य प् ग्रै च्रे च्राना सेन्य दे खेन सुमास्य प्रान्त निवास के सम्बन्ध का मानिक का मानिक का मानिक का मानिक का मानिक का इसामकुन्यन्त्रामी में दायाहिसामा धितामये द्वीया सामले ना पिताने हमान्य सामिता में मानिसा यारायरासाधितासित स्वीता सामुनाता दे किंसाउता देरात्रया देवा नार्हे दाग्री क्षाराधित सामाराहिया किंवासा नार्हे दाग्री क्षारा धीव पति द्वीरा न्दर्भे सा मुनावा ह्वा न्द्रें सा वाहि सा के सा कहा हिंदा हो सा वाहि देवा सा वाहि देवा सा वाहि स चया ब्रिन्ने नाया क्षेत्राया के त्राची हा हमाया महियामा या वा ना निर्माण का महियामहिया के वा विष्टा हो ना निर्म दे। व्हित्रायान्त्र्यान्त्रम् व्यापीद्गायम् वया हिन्द्रित्वायाः श्रेष्ट्रम् याये स्वीत्रायाः हताः दूर्यायाहे याक्ष्याः वया हिन्द्रित्वायाः श्चे साधिव पर प्रवा शे प्रहेवा परे के बाधिव परे श्चेरा समय प्रमाने बाद के बाद के वाद का विकास होता है। पर थी | इस्र नभून के ना कुर दिने र हे द नार । | कु के द रे नारा खरा कुरा चुर हे ना । । | हे राय दिने प्यर । अ में र राय हुन स सर्वेद्र-कुल-नवे : नन्दर्भ सुद्धेदः नकुः माशुस्रायः केत् चे स्सर्के मात्रस्य नस्य स्वते । न्यत् निका स्वत्य स्व वहेंत्रस्र र्द्धेन् नुअश्रामः द्ध्या विश्वश्वाक्तां अर्द्धः द्याया नवदः र्वेशः श्वेन्याये हे सुव्या नवे तदा द्वराद्धया सुव्या विश्वश्वाक्तां विश्वश्वाकतं विश्वश्वश्वाकतं विश्वश्वाकतं भूरत्दे है। है के छे ने भूर द्वा कहा पर्व है देव पक्ष के स्वेर के र है अर्दे अर्दे के स्वेर क ८८. विर्.सरःश्चेत्रःबाद्धेरःलावाबरःबिवाबाद्मश्चात्रःवाच्चावाबाद्याः राष्ट्रं वाचायःकुरावाबाद्याः वाचायः विदेशः मर्दे । वर्देवे विरायम् सेमान्ने सार्दे रावरानु मत्वासा । स्वरास्त । । ।

ळॅ८.अंटु.योबी८.टूर्य.तचे८.यर्बेश.यंटु.४.यंटु.४.यंटु.४.४.४.४.४.४.४.४.४.४.४.४.४.४.वी.वी.ची.ची.वी.वा.चा.ची.वी.वी.व

रेग्रथःग्रेःक्रॅरःचल्य्रथःश्री देवारायसप्तस्य विष्टे सेवायस्त्र देवारायसप्तराक्षेत्र हवारादेवारा ही हसावादवा विवास किट्र स्वर हुराया वर्षे वा चबेर्ना र्ह्में त्राचरे न ने न शर्में वाया सुना वस्या वे । विशास दे न न ति शास दे शास दे श्री स्थास दे रहे ताय त्रभाष्टिरं सर्रिं तस्त्रम्भारते रेष्ट्रें स्पार्क्त् सर्प्यम्भवरहे। वर्षे त्यास्तर् नवेदान। वेशास्त्र। रदाक्वी नशस्त्रें रास्त्र स्वित्रें वाश र्देवःश्चर्यायःसुवःळेनायःदरः। नाववःदेवःहेनायःयःसुवःळेनयःनाद्वेयःयदयःययःवःश्चेतःयःव्वःवःयेदःयरःवय्ववःयःधेवःहे। इसायम्यायायम् हेनायदेः इत्याइसायमयावेटा विभागश्चरमायदेः श्रेम दे सूरारर सेदे सूँदाया दे सूँदाया हेदे खुटार्हेग्रयाची नम्भूताया देता मुद्राया । देते खुटायया मुद्रायते कंट्राया सर्वे तह या देते कंट्राया है या मुद्रीया स्वीत्रीय स्वीत्रीया स्वीत्रीय स्वीत <u> २ण । क्रि.चयमः श्रुं र सुव क्वें गया वे क्रयमा सु ज्ञर चुवे त्यया हमा र्या कु हे गा गोवे क्वें गार्रे व यक्तर ग्री श्रुं वया श्रुव यर सहर्रा</u> म्हिस्त्रात्रे में देवाया विदायया देव्हा सून द्वार प्रत्ये विद्वार विदाय र्श्रे प्रभागी में स्थानिया निविद्या में स्था मे भ्रेनशःशुःगहरुः क्रेंगशःनभूरःशःश ह्रमशःशुःश्रव्दःहेर्। ह्रमशःशुःर्न्धेःन। ह्रमशःर्नेः श्रेंमशःमशुःश्रेंद्वः स्वरान्तरः यः प्रः माशुर्य। प्रः संग्या हमायः शुः नर्गे प्रः मायः शुः यस्त्रः हित्। पे स्त्रुचः शुः हमायः शुः नर्गे प्रः स्त्रुचः शुः हमायः शुः सक्द हिना लूर मुर्थ त्यार प्रस्ताया हे सैय कि स्वाया लिया है। हे लूप प्राय हिना है। हे लूप प्राय किया की स्वाय यदे भ्रिम्हि। दे विद्युत्त दे विकारवा के हमा है। दे विद्युत्त प्रवेश भ्रिम्हिम विकाय दे हमा का का विवास के विद्युत्त विकाय के विवास के विव यरः श्रुवःयरः द्वेदः प्रवेरः हवायः शुःवर्गेदःय। श्रुः श्रेः हवाः यरः श्रुवः यरः द्वेदः यवेः हवायः ग्रीः अळवः वेद। द्वयः हवायः ग्रीः श्रुः श्रेः हवाः यरःश्चेतःयदेःहग्रथःशुःनर्गेत्या इश्वःहग्रथःशुःश्चाश्चःयरःश्चरःयदेःहग्रथःशुःशब्दतःहित्। देःवदेदःतुःग्रवदःयःयरः यः पर्देश दर्सः वा ह्याश्राप्यर प्याची हूँ श्राया वे रदा शक्य हो । द्वे या यत्नि सादर प्राया श्री प्राया है प्राया है स् શું ઃફ્રેંશ નાલે બેશ તર્ફે દ્રાર્કેશ કરા નબદાના દાના દાના વાલે ઃફ્રેશનાલે અશુરાર્શેના શાનદા સાંસાના નાના નાના મ <u> र्राचा नेशवर्र्र केशक्र ज्ञाध्यक्ष क्षेत्र सक्ष्य मही वराया मुना हुवे केशर्य सम्बद्ध प्राप्त मुना प्राप्त</u> हिंद्रानुभारावे ह्वाभाग्रीभाञ्चा से ह्वाप्यर ञ्चनापवे हेंद्रावविर वज्जरायाप्य सिंद्रानुभायर स्वाप्य स्थापे हिंद्र से ह्यायाधित्रसेदायाने यादर्देन वियायायप्रेयाया स्वारास्य प्राप्त स्वारास्य स्व ग्रीयाञ्चार्याः ह्याः यस्युनः यदेः वियायर्दे दार्के या उत्तर्श्चे दाये दाये या वित्याया या वित्याया वित्या चिते के भागी सक्त होता नत्वा से ता विद्या न मुन्त निर्मा निर्मा के भाग निर्मा होता होता मुन्त निर्मा हिता मुन्त निर्मा होता मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा होता मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा होता मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्मा मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्म मुन्त निर्म मुन्त निर्म मुन्त निर्मा मुन्त निर्म मुन्त निर्म मुन्त निर्म मुन्

पर्वे नञ्चुन नुवे कें भाशान नुदान श्रु भे ह्या पर श्रु नं पर्वे नश्रु न नुवे कें भागी सक्त हिन् ने पर नुने हा ने श्रु न ग्री निर्मा ने श्रु न ग्री ने श्री ने नश्चनः चुदे के सन्दा ने श्चुन चु स्वाम छी नश्चन चुदे के समित्र सक्त हैन देस मन निवा ने श्चुन चुन स्वाम चुन ૄ વુલે ર્ક્ક્સ શુ. ના તુ. ક્રુન છે. તુર્દે માં છે. ના ક્રુન ના વુલે ર્ક્ક્સ છે. મહત્વ કેના તે. ક્રુન છે. બુના માં છે. ના ક્રુન વુલે ર્ક્ક્સ શુ. ના કુન ના दे क्षुन ग्रे भुगम ग्रे नक्षुन ग्रे के मारी सक्द हे दा सक्द गिवे देश मानविदा से हमा मादि में में मादि से हमा म यशर्येवाराविष्ठेशराधीत्। यराश्चे हवाराद्राद्राञ्च विषयाविष्ठारी देवाराविष्ठेश से से विषय विषय विषय विषय विषय विषय - इति :कॅश-८८१ दे निहेश साधिद सायश :कॅना सानहिश से से दे निहास हो : सुना की स्तुन शा कि साधिद के साधिद के सिहा ठवा भे ह्या से। जुरु पदे से ह्या बेरा नर्गे दायदे के। शुर्शे राम दे शुन ही के हिया माने शुन हो न शुन हो है किया ञ्च-भे-ह्रण-य-वञ्चय-द्या द्य्य-य-ह्रण्य-प्य-द्रण्या ह्रण-य-द्याया-द्यये के स्या ञ्च-ह्रण-य-श्चित्र-य-दे-श्च्य-प्रो-द्याया-द्य-वर्ह्म | देशमाव्युम्पाप्तरं मेयायायो । श्चुना हो दावी श्री हिम् सार्क्ष्य उद्या हिम् श्चा श्री हिम् श्वा स्वर्य चुदेः क्रिंशः धोदाने। यस्त्राहेन देदेः क्षेत्रः दे। । अन् देवाया क्रिंश हता श्रुः श्रेष्ता स्त्राह्म नाये देश हिमा चुदेः क्रिंशः या धोदः है। ने श्रुन ग्री ह्वाया प्यतः प्रवाधिय प्रवेश विकास हिन प्रवेश हैं या विवास हिन स्वर्श हैं वाया प्रवास विकास विकास विवास न्दें भावभूतायात्रा वरायास्त्रुदान्ये प्राप्तास्त्रुदान्ये वभूतायभूतायात्रिमा प्राप्तायात्रे स्वाप्तायात्रे स्व क्षे[.]हनाःचरःङ्मुनःचवेःनङ्मुनःकुतःन्दःसञ्चतःचरःक्षेःहनाःचर्याःक्षेत्रःच। ङ्माक्षेःहनाःचरःङ्मुनःचवेःसञ्चतःकुनाः ૹ૾ૺઃ हवाः सः ५८: देः क्षुतः क्षेः अञ्चतः क्षेत्राचित्रः अञ्चतः अञ्चतः क्षेत्रः क्षेत्रः च्याः विष्यः अञ्चतः अञ्यतः अञ्चतः अञ्चत या ने क्षुन ग्री के त्यह्न क्षुन का ग्री अळव हेना के हमा या आये या निर्माण के वाहिन अहमा ये वाहि का माने वाहि क ર્યા ન્બિઅ:ગ્રઃગફેઅ:મા ह्रग:મ:ગશુઅ:મ:ખેતા ગશુઅ:મ:ત્રી ને:ક્ષુન:ગ્રે:સશુત:ર્શ્કેનઅ:ખેત-તા ને:ક્ષુન:ગ્રે:સશુત:ર્શ્કેનઅ:ગ્રે:ક્ષુ यन्तर्र्षेर्प्यमाह्यस्यातेष्व वर्षेष्यस्य मुख्यस्य दे स्युनं श्रीयास्य स्वतः स्वित्राया वर्षेष्य स्वतः स्वित्र यन्तर्नु सेर् रावे स्त्रा यहिकाया ध्वेत्र सवे स्त्रा यहिकाया साधिव सवे स्तरे स्त्रा स् यरः श्रुवःयवे अन्तर्भे विषय धोदाया हे श्रुवः ग्री अन्तर्भे विषयः ग्री श्रुवः विषयः भ्रेतः विषयः भ्रेतः विषयः श्चुनः ग्रीः सह्य हिं न्या स्वान्य हर्ना स्वान्य स्वान हेवासर क्रिया से स्वासर क्रिया महिया महिया मारी साम स्वासर क्रिया स्वासर क्रिया स्वासर क्रिया स्वासर क्रिया स्व सम्बद्धिन्य ग्री: श्रु न वि द्र प्रें न प्रें वया श्रेन्यायाधेवायवे हिना ने के भारता नेवे ह्या चन्त्र हो हिन्न हो हिन्न हु या है भारत हिना यर हिमा सही स्वर् हिंद्राग्रम् से म्हनाया धेता स्राध्यम् से म्हनाया धेत्राय देते स्राप्त मान्या धेत्राय देते स्राप्त स्राप्त स्रा श्चुनायादी दे के भाउदा दे श्चुना ग्री सम्भव स्थित सम्भव। से म्हणायास सिवाय से हे मि दे के भाउदा दे दे श्चाय भद <u> २, त्रेर-५। हिंर-२८-झ</u>-महेश-झ-इन-य-४-क्रिंश-झ-स्व-स्व-हो-४-हो। हिंर-इन-य-न-इन । झ-झ-इन-य-प्येर-स्व-स्व-हो-१-१-

श्च-नन्द-दुः विद्वा दे श्चित्र की सबिद सुर्वा मालवाद में मानविद्वा दे श्चित्र की मानविद्वा मानविद्वा मानविद्वा ब्रुवःग्रीःवब्रुवःग्रितेःक्रिंशःभेवःप्रथाद्यवःस्री श्रुःशेःह्याय्यःश्रुवःययः ग्रेदःप्रवःस्रुवःश्रुंवायःवियःपरेःश्रुवायःदःदेःश्रुवःग्रीः र्स्येयाश्चर्यात्रेयात्रात्रे स्वित्यात्रात्रे में स्वत्यात्रे स्वत्यात्यात्रे दे·ब्रुवःग्रीःश्रेषुद्रःश्चें पाश्रःबेशःवित्रश्चें पाशःदेःश्चें ने प्राप्तः प्रोत्ते । वित्रे वा प्रव्याप्त वि श्चें भें सम्बद्धिम्य श्चें भ्वाप्त प्राप्त प्राप्त दे भ्वाप्त भ्वें भ्वाप्त भवाप्त भवापत भवा त्रद्भायान्त्रयान्त्रीः त्रयायानदाने सुन्हना सर्स्युनः यदे स्री सम्बन्धे नायानी सुन्निन निर्मुन निर्मुन निर्मुन स्री नायाया धेव'मदे'खु'धेव। तुस'म'ने'क्चु'से'हम्म'मर्'क्कुनमदे'मिहेस'म्।साधेव'मदे'खु'धेव। दनुस'स'तुस'तुस'में'त्रस'सम्बद्धे यम् स्रुवायदे से सम्रुवार्थे वाका क्षेत्र स्रुवार के स्रुवा के सम्रुवार के सम् ર્શ્વેતાર્યા ખેતુઃયા ને સ્ટ્રુન ગ્રેગ્સે અક્ષુત ર્શ્વેતારા ગ્રેગ્સુ નન્નન નુ સેન્ સેન્ સાત્રે તે સેન્સીન ગ્રેગસા સક્ષ્યાન માને સાત્રેન ને સ્ટ્રુન શે.શુ.સાશુર્વ શું વાયા શે.શ્વાન બન નું પ્રોનાન યાદ્યના વારે છે.માં નહે. ના સાશુર્વ શું વાયા નું માશુર્વ શું વાયા વારે યાદ્યના વાયા न्हें अप्यायायायायी तरि से असुत्र सें पाया सेन् प्रये से माने मुना ता समुत्र सें पाया या समुत्र से प्रयायायायी র্ষ্ট্রদাম এব নম ছিন নর স্থিম। ই নে ক্রি ব মী স্থাম ধ্রুব র্ষ্ট্রদাম ঐ নম মন্ত্র ক্রম ক্রি মানম ক্রুব নম স্থিম र्श्वेमशर्येद्रपदे श्वेरद्राद्रा केशसासम्बद्धार्म्य राम्ने स्वाप्य राम्य स्वाप्य राम्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य सञ्चत-द्ये-द्र-स्थ-सञ्चत-द्ये-वन्द-स-त्या सञ्चत-द्ये-द्य-त्या सञ्चत-द्ये दे सळ्त-द्ये-द्या वद्या-से-द्ये-द्या-स हिनः है। गावे ग्रुनः दा दे प्येदः मका हिन। गावे सा ग्रुनः दापरा दे प्येदः मका हिनः मदे हिन। दरः में दे रामवा तुसामा दे रे प्येदः यःवारःबेवा । सर्द्धरशः मदेः श्चेर। वाहेश्यः मेर्राराचा रेर्नेरः वी रेर्नेरः वी रेर्नेरः वी सर्द्धरशः मदेः श्चेर। परार्ने स्थानुनः व। रे.व्र. रे.क्र्य. २४। रेर. वय। श्र. श्र. हवा. यर. श्रुव. यदे. यहद. प्रवेर. प्रहेर. प्रहेर है। श्र. क्र्या श्र. हवा. श्रे हवा. श्रे हवा. यदे हिन् निरंतर हिन्य विवादि स्वाप्त हिन्य विवादि स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप ८वा ग्राम् १००० विकास स्वास्त्र यन्यासेन् धोक्राक्ष ने धोक्रास्था हिना स्थे। यावी युनाक्राबेशार्से यावा रिया विकास देवा हिना स्था धारा स्था प्र समुद्य-द्येर-वमुद्द-वम् से-समुद्य-द्येदे-सळ्द्य-हेद-स-धेद-हो से-समुद्य-द्ये-से-द्ये-से-दे-हो विवि-मुत्य-द्ये समुद्य-द्ये-धट-यःह्रम्यायः परः द्रम् मी अळद् हिन्यम् न्याया द्रम्यः मा सुर्यः प्रदेशः यळद् हिन्। द्रम्यः मासुर्यः महिन्यायः हिम् इंश विया क्रिया विया माश्या में दि। इस्था से स्वारं से देश सक्षेत्र मिली सुन हो ए हो हे माश्या पर से से हो है ब्रुवाशिक्षेशवर्देन्हें साउत्रुक्तियोन् होन्हेन्द्रुविष्ट्रियान्यसम्बद्धान्यस्थिन्यहेन्द्रुक्त्यस्यस्थान् ने ब्रुवाशिक्षेत्रस्य ૹ૾ૼૹઌ૽૾ૺૹૹૡ૾૽ૢ૾૾૾ૢ૽ૺ૾ૢૺ૾ૢ૽ૡૹૢૡૻૹ૾ૢૼઌૣૹૡ૽ૼૡઌૡ૽૽ૼૢૡૢ૽ઌૡ૽૽૱ૹૹૢૡઌ૱ૡ૽ૼૢઌૹૢ૾૾ઌ૽૽ૹ૽૽૾૽૱૱૱૽ૺ૾૽૱૽૽ૺ૾૽ૺ૽૽ૹ૽૽ૺ૾

इंशाधिय ग्री अक्ष्य होता हे स्त्रीय ग्री नहूं भागी चस्त्रीय ग्री हें स्था ग्री हें में पान हर हो या में स्था में स्त्रीय ग्री से स्त्रीय ही मान <u>बारक्त्रीर क्वार्य सम्बन्ध सम्बोर संबेर संबेर क्वार्य सम्बन्ध सम्</u>ते हे श्रुव श्री श्रेव श्री संबन्ध के ता विवर के सक्वर हे ता हिन स्वेर सक्वर हे ता है ता स्वर्य हे ता हिन स्वेर सक्वर हे ता स्वर्य है ता स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्व ्थ्यादि में निया है में निया के कि मार्थ के कि मार्थ के कि मार्थ के कि मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार् गाः भेतः ग्रमः अर्द्धतः ग्रम् द्वार्यः दे देवया या भेतः प्रदे । विषे त्या श्वरः हे । कुषा प्रमाय विषे प्रदे । श्वरं ने श ૹ૾ૺ[ૢ]ૡਗ਼੶ਜ਼ਸ਼੶ૹૢૣਜ਼੶ਜ਼ਫ਼੶ઌੵૺૹ੶ૡઽૣૼૼઽૐૹ૱૱ૹૢૢૼૼૼૼૼૼ૱ૹ૽ઽ૽ૹૻ૽ઽઌૹૺૢૹૢ૽૽૱૱ૡૡ૾ૢ૱૱૱ઌ૽૽ૹ૾ૡ<u>૽ૹ૽૽ૹ૽ૹ૽</u>ૡૺૹૢ૽ૡ૱૱૱૱ૹ૽૽ हनायाचीयाञ्चाक्षात्रात्रम् अत्याद्रम् नायाक्ष्यान्त्रेयाचे वाची स्वाची स्वची स्वाची स् શે ક્વાપર સ્રુવપ્તરે સગ્રુવ શું વાચાર્વે વાયત્વે વાહવા વારા સગ્રુવ વર્ષા છે વાલે વાલે વાલે વાલે વાલે વાલે વાલે श्चनःमदेःहेशः विनः धेनःमदेः सळ्नाहेन। विनः ग्रेःहण्याश्चेशःश्चाः सेन्याः मनः श्चनःमदेः हण्याः केंशःनदः स्वनःमदेः से संबुद्धान्ते प्यत्ति । वित्रिक्षे ह्वाप्य वित्रे वित्रिक्षे हित्ते वित्रे वित्रे वित्रे वित्रे वित्र व <u>ने भ्रुतः ग्रे व्याद्यतः धेरायदे अळदाकेत। अळदाविदी उभामाने उभामदे ह्वामाग्रेमाञ्चा भे स्वापमाञ्च</u>तामदे श्रुवामा क्रिया हेर्याद्यवा क्रियाद्यवास्त्रामाध्येता स्रुवाद्येत् हो स्वायायादी। ह्यायाक्रियावता स्रुवाद्यायाया क्रिंभाधीदासराम्या सक्रदान्नेरारे प्रीदासदे भ्रीरा इन्हिनासार्यराष्ट्रीया मुनक्रिंभा मुनक्रिंभा मुन्ने स्वासार यर श्रुव परे भे अ परे देन के अ उद र्श्नेव से द प्येव पर माना हिन् हु अ परे देन माने अ स्था से अ से से से से से त्रबुट्यान्यान्यातेन हिंद्युर्यास्य स्टिन्स्य स्टिश्य द्रशाहेद्य से प्रमान्य स्थेद्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्व <u>बुन्। ८८.सू.८८.वजा मृ.कूरा.कथी मु.६वा.क्षी चैरा.तपु.बुन्.वुरा.तपु.मुँर.य.लूर.तपु.बुन्। व्यक्षा.त.८५८.वजा मै.चेरा.</u> यर.क्ट्र-अश्चरेश्वस्थाञ्चाक्षेत्रम्यराक्ट्र-अश्वस्थादेश्यदेशम् वत्यत्ये द्वेत् इत्वश्याविष्ठश्यः साम्यान्त्रम् क्र्याच्या हेर्म्या हिन्सुन्यस्व द्वायन्त्रम्य विवाहिन्सुवे स्वेत्रम्य द्वापात्रम्य द्वापात्रम्य द्वापात्रम्य देशपदि होन्। गहिशपर देरम्य। हिंद्रिं ग्रेम्स्या स्वित्र ग्रेस्ट्रिं स्वार्थ ग्रेस्ट्रिं प्रस्ति । स्वार्क्षित स्वार्क्षित्र स्वार्क्षित्र स्वार्क्षित्र स्वार्क्षित्र स्वार्क्षित्र स्वार्क्षेत्र स्वार्क्षित्र स्वार्कित्र स्वार्क्षित्र स्वार्कित्र स्वार्किते स्वार्कित्र स्वार्कित्र स्वार्किते स्वार्वे स्वार्किते स्वार्किते स्वार्वे स्वार्वे स्वार्किते स्वार्किते स्वार्वे स्वार्व क्रेट.र्-हिंद्-लिद्-चिद-चिद्- ह्वायाद्वययाञ्च। ह्यायाक्रियाक्ष्याक्ष्या हिंद्-श्चायाद्व-स्याय्याद्व-स्यावित-लिद्यायाद्व-स्याय्याय्याय्याया हेन्दे'धेद्र'यदे'स्ट्रेम् इन्ह्रम्थ'न्दर्भे'देर'घय। तुअ'य'ने'हिंन्'ग्रे'ह्रम्थ'ग्रेश'क्च'क्षे'ह्रम्'यर्भक्षेय'सहेश व्यन्त्रे अस्तर्मा अस्तर्भात्रे स्वर्षा स्वर्णा स्वर्षा स्वरं स् য়ৢ৾৴৻ৢ৻য়ৢয়৻ৢৢয়৻য়য়৻ড়ৢয়৻য়য়৻ড়ৢঢ়৻য়য়৻য়৻ঽয়৻য়য়৾য়য়৾য়য়৻ঢ়ৣ৾ঢ়৻য়ৣ৻য়ৢ৾৴৻ঢ়ৣ৻য়ৢয়৻ঢ়৻য়য়৻য়৸৻য়ঢ়য়৻য়য়৻ঢ়য়৻ঢ়ঢ়৻য়য়৻ঢ়য় म्रे। चुर्यायदे स्रेम न्येम्प्र, तुर्यायायविदावेयायदे र्स्युम्प्रायदे स्रेम वाहेयायायायायायायायायायायायायायाया য়ৣॱয়ऀॱह्रण्पर्रःळद्ॱয়য়৽য়৽देয়৽য়देःয়॒ॱঽॕয়৽ঢ়ৢ৽तुয়৽য়৽য়৾৽हण्पर्रःळद्ॱয়য়৽देয়৽য়देःॸॖ॓ॱয়ॗॗज़ॱॻॖऀॱय़ॗऀॱक़ॕ॔য়৽ড়ৼ৽ঢ়ঢ়৽ড়৾ঢ়৽য়৾ঽ৽ <u> ક્રેમ ક્રુઃક્ષેઃફ્ષ્યાઃઘરઃક્ષુતઃઘરેઃક્રેઃર્કેત્યઃખદઃદ્યાઃબેદ્દાઘરા ક્રેમ ક્રુઃક્ષેઃક્યાઃઘરઃક્રુતઃઘરઃક્રેઃર્કેત્યઃખદઃદ્યાઃદેઃદેપોક્ષાયાં ક્રેમ</u> <u>ड़॓ॱॷॗज़ॱॻॖऀॱॺॖऀॱक़ॕ॔॔॔॔ॴॴॸॱॸॖॺॱॸॗॣॱऄॱढ़ॺऻॱय़ॸॱऴ॔ॸॖॱय़ॺॱय़ॸ॓ऄॱय़ॱॺऻॸॱढ़ॏॺॱऻॸ॓ॱॹॖॺॱॸॱऄॱढ़ॺऻॱय़ॸॱख़॔ॸॖॱय़ॺॱढ़॓ॺॱॸऻढ़ॱॺऻॸॱ</u> वर्गाधित प्रति द्वीत्र। हर्गाया परिया के सार्वे या के सम्बन्धा के सम्बन्धा के प्रति स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व यदः द्वेर इन्ह्रम्भः मश्रुयः यन्देरः वया हिन् ग्रेन्ह्रम्भः ग्रेभः ने श्रुवः ग्रेन्द्रम् प्रेवः यो त्र्वेनः यो विन् ग्रेवः यो विन् ग्रेवः यो विन ग्ये यो विन ग्रेवः यो विन ग्येवः यो विन ग्रेवः यो विन यो विन ग्रेवः यो विन यो विन ग्रेवः यो विन

धेवा हिन्से ह्नामधेवा हिन्धेवता से ह्नामधेवन्त्रीय स्वर्धिमा नम्से महिरास निर्मास स्वर्धिमा दे·ब्रुवःग्रेःक्षुवःक्ष्यःभेवःश्रुवःदरः। ऍदःग्रुवःगरःतुरःगरःवेग ।ध्रेःयःयःभेवःयवेःध्रेर। दरःर्वेःदेरःवय। हिंदःदेःश्रुवःग्रेः हर्गायाश्चारम् द्रायते स्वेरा महेयायाया स्वापात्वा स्वापारम् स्वापारम् द्रायारम् स्वापारम् स्वापारम् स्वापारम् वह्रमायवे हमाराधित प्रत्य हमा दे सुन क्षेत्र स्त्र हिमाराधित हिमाराधित हिमाराधित हमाराधित स्त्र हमाराधित हिमाराधित हमाराधित हमारा क्र्याच्या चित्रायाल्येयायाच्या भ्राप्ट्यायाल्य्यायाच्या हेयायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या त्युर्-र्रे। विभायःक्रेंभारुवा श्रुःक्षेन्त्रम् श्रुवायदेःक्ष्यावियःधेवायम् अर्क्षदेवेरादेःधेरादे सहयाभार्यःस चुनाहे। दर्भायानुभाग्ने क्यायावदादे प्येदायदे होरा इन्हिनायान्तिभागाहेशायाङ्गेदा इन्हिनायान्त्रयाम्यायान्त्रया सामित्रायायात्वर्भायासेन् सदे स्थित। मासुसायाहमार्थायात्रामी द्वीत्यायन्त्रन्याय। दे सिंदी स्थ्रीत्रस्य वर्षाया क्रूपा ग्री क्षे त्राप्त हो न व्यक्ष्य श्री क्ष्य क्षेत्र श्री द्राप्त न व्यक्ष्य हो क्षेत्र हो न व्यक्ष्य हो क्षेत्र हो हो क्षेत्र र्रे न्या में व्यानवे क्रिंच्या र्ये न्या प्राप्त विश्वास्त्र विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास विश्वास यदे ह्वारा पर द्वा दर वार्षिया रेट हु का अक्ष्य हो रेडी या अक्ष्य वार्षित हो रे अक्ष्य हो रे रे अक्ष्य हो रे कि या हर्गाया के या के या के या के या विकास के या प्रतास के या का विकास के या के हन्या के सार्वे सार्वे स्था के <u> ने भ्र</u>ुतःग्रीःवज्ञर्यःह्रम्यःष्यरःन्याःषेत्रःयदेःसळत्नेन्। र्हेन्यदेःळेन्त्रा वज्ञरानुदेःळ्याम्शुसःषेत्रःया वज्ञराह्रम्यापरः - प्रांची अळव छेन। ने प्रायम् अप्रायम् अप्रायम् अप्रायम् अप्रायम् प्रायम् प्रायम् । प्रायम् प्रायम् । प्रायम् प यदःद्वाःवीः सळ्दाक्षेत्। वीं चःद्वः श्रुकः व। हिंदः देः श्रुवः ग्रीः हवां सः यदः द्वाः वादः विवाहिंदः ग्रीः हवा सः ग्रीः स्वादः ग्रीः द्वेतः ग्रीः न्रभूनः गुदे कें भः शुः न बुदः गुदे गिर्ड कें प्यदः धेत्। हिंद् ग्रे कुं प्यदः धेतः पवि सब्द शेतः याते। हिंदः दे श्रुनः ग्रे प्यवसः हगासः लट्ट्या. यी. शक्त होती योहेश स. दे. या. टेंडी. यी की. ट्रूर अ. श्रीय. यी. प्टीश हेया श्रीय. यी. प्टीश होता हो. प्टीश होता हो. प्टीश होता हो. हनायापरान्नान्दाः सक्तानावीः देसाराः भूमा नुः स्वनः ग्रीः यायाके या उत्ता से व्यन्ति नुः नाविः स्वीमा वियानमेन मदि छै। तुःन दे तुः ध्वायाया से प्येदायर स्त्रुन मदे स्तुन हैं अस्तुन ग्री प्रवस्थ हवा अप्येत। नर स्रूट वी तु न स्ट्रिंग्सें र्से प्रेस ठवा रमक्रु थे ख्रास क्वार्य तर्जिम विश्व है। तुर्व ध्येद प्रदेश हो मा विश्व वि रटः क्रु. शे. श्रं शर्श्व, पु. श्रं ट. चरः श्रुवः यदे । क्रुवः श्रं टः श्रुवः श्रे टः श्रुवः श्रं वायः यद्वा । वित्रः यदे वित्रः स्थि । वित्रः जुर्ने मुंदिर्मु र्रा मैंदिर वश्यानर मुनामदे मुंद्री वयार हो निम्नु निम् ठवा रत्यो न्येग्या क्रेंद्र न्त्य क्याया धेदाहे। रत्यो न्येग्या क्रेंद्र येन्य स्थे क्रेंप्य स्थेत्य स्थेत्य देश नर्गेन् प्रदे छे। रदावी प्रेमेवाश क्रेन् सेन् सर्भेन् सर्भे प्रदे प्रेमेश में ने स्थित स्थान स्यान स्थान स्य नरःश्चेत्रःसदःश्चेदःश्चित्रःसरःश्चेतःश्चे तत्त्वयःस्वायःलरःत्व । विविदःशुरःसःश्चेदःसुदःस्रेदःस्र स्वायःस्य स्व माञ्चम्याञ्चीः साञ्चीद्राचित्र कुष्रायार्थिद् दे। तुःर्रे दाक्षायार्थिद् प्यते श्चीया विष्यायर्थिद् प्रते श्ची तुःर्रे दाक्ष्र यादी प्रति प्रति । र्मेट.ये.दु.क्रेट.री.ये.रू.कं.श्रथ.येर.योवीयाश.ही.श.यक्षेट.तद.येश्वरातालूट.तर.श्रयःतद.श्रीय.तद्वराह्या.वी.पर्यश.ध्याश. लट्ट्यालुक्क्ष्री।लट्ट्राक्ष्याचेक्ष्रालूट्ट्री ट्राचाने,याक्ष्राक्ष्याकात्वाचान्त्रीयाकात्वा

<u>चिनःचेन्-तु-पहन्नान्वे-प्रच्यान्हन्ययान्-पु-प्र-पे-तु-प्र-प्र-प्र-प्र-प्रमुच-प्रवे-सम्बद्धन्ययान्।</u> यदे दर्जन हेर्चामा स्वीय प्रति ही हे स्त्रुत ही सम्बन्धिय स्वीत स् यमाह्यन यदे देव दर्ग दे त्य इस महिमास्य दिना यदे देव दी से प्यत्वा दुन प्यत्य सम्बद्ध देव प्येव दे । श्रुन होत् दे। तुःवःक्रेंशःठद्। हिंद्रःतुःवःदरःध्वःवदेःवःवःक्षेरेष्पंतःवरःवश्चवःवदेःवन्नशःहन्वराधेवःहे। हिंद्रःदेःश्चुवःहःवनशः लट्टियान्यान्त्रं विव । हिंदि सेदायम् ती लेवान्त्रं हिन्। विवास देश सेवान स्थान्त्रं । दिन दे दिन सेवान से लिदा सम्बन्ध यदे हवाशायर प्वाप्तर ने श्रुवा क्री वर्षे दार्तर सेंदा सेंदा केंद्र वाशायिश स्वाशाय के शाया प्रवाश कर स्वाशाय स रुप्तर्ष्येर्प्तर्पत्रे देश्च्रवर्ष्यः हर्णेश्वर्षात्र्वर्षात्र्वर्षेत्रक्षेत् नश्चनः चुदेः के अप्योदा से प्येद्रान्दे दे श्चनः ग्री नश्चनः चुदेः के अप्दर ने में दिस्ते ग्री नश्चनः चुदेः के अप्दर । दुः नदेः हवा अप्रीकः दे·ङ्क्षुत्रःग्रीःनङ्क्षुत्रःग्रुदेःकेंशःषेदःग्रुदः। देःङ्क्षुतःग्रीःशेंदःकेंदःग्रीःदेःश्राधेदःहें। ।शेःकद्श्यशःद्येषाशःपःदरःकंविदःवश्रेषाःगः हनायापराद्यापीवारावे भ्रिम् देवा ग्राम्ने माहियामे स्वयाद्यात्र महाया ग्रीयामे स्वयापीया महिया महिया स्वयापीया ऍर्प्यदे:ह्येर-र्रे । महिश्रास-रत्यवेद-ग्री-हमश्राध-रम्यायश्रिराया सर्वद-हिर्। र्रेग्रा सर्वद-मवि-र्प्याश्रुस। र् र्भे दे। रटानविदाग्री द्वारा महासाधिदाय। रटानविदाग्री ह्याया पटानवानी सकदाहेन। ने ख्रुनाग्री रटानविदाग्री द्वारा महासाधिया धेवना ने श्रुव ग्रे रूराविव ग्रे ह्वायापर न्वावी सक्व हिन् । यह व हिन् ने श्रुव ग्रे हवायापर विवा हिन् ग्रे हनायाधियाने स्त्रुना क्षेत्राची निस्त्रुना कुर्वे किया सुन्त स्त्रुन स नवनायाने। हिन्ने सुना ही स्टानवेद ही हनाया परान्या में सक्द हिन् महियायाने त्यान्ते सानि से सुना ही हिन्य से हिंया स यदे र्रायतिवारी ह्यां अप्याप्ता दे श्रुवारी हिन्यर प्रायाय वित्र ही ह्या अप्याप्ता वित्र ही ह्या अप्याप्ता वित्र ही हिन्यर प्राया वित्र ही है वित्र ह चवनाया नदःसद्वःश्रस्त ने ने नदःवेन । नदःचर्हेन् यदेःश्चरः नदः नी होन् यः से से यसे स्यवे स्वतः स्वताया निहेशः सदासक्षत्रकृति न्दार्सात्यापदा न्दानी होन्यार्सान्द्रभाश्चात्यव्यवस्थायान्दा नेस्तुन्यात्यात्यवस्थायान्त्रेशार्धेन नश्चियाया सक्त्रमित्री हिलाचुरादरा भ्रेमान पुराश्चाक्षेत्राचर श्रुवाचित्र दिलाचित्राच चुरावर श्रुवाचर श्रुवाच श्रुवाचर श्रुवाच श्रुवाचर श्रुवाच श्रुवाच श्रुवाच श्रुवाचर श्रुवाच श्रुवाच श्रुवाचर र्देशर्थे श्चार्थे ह्यायर श्चयायर श्चयायर त्यायर प्राप्त स्टाय हिन्द्र स्टाय हिन्द्र स्वाय नविवाग्री हनाया परान्या निर्मुन ग्री समुवाग्री सम्बद्धिनाया या विचा ग्री निर्मुन ग्री स्टान विवाग्री हनाया परा <u> न्यान्ता ने स्रुचः ग्रीः सम्रुचः स्रियायाया स्र्यायिके या स्रुप्त स्यायि ने स्रुचः ग्रीः स्टायिक स्यायिक स्य</u> रेस्रायाः क्षेत्र। बुर्स्रायाः प्रदानिता बुर्स्रायये बुर्ग्वाया केस्रायाः धेर्या हे साक्षेत्राः क्षेत्रायाः वि श्चनः क्री राम्या विकास क्षेत्र क्षेत् र्थेव है। दे दे क्षुन क्षे रूट नविव क्षे हमारा प्यान होगा । के हमारा प्येव वा दे प्येव राम साहित सदे हिरा 🛊 मासुसारा सन्धेम्यान्यान्ते ह्म्यायाप्यान्यम् नाय्या यस्त्र हिन्। नृत्ते न्या यस्त्र मिन्ने न्या सस्त्र मिन्ने न्या सस्त चल्र-य-त्र-वाश्वर्य। दर-वें दी हिंद्-दे-श्चर-छे-हवार-प्य-प्य-विवा हिंद्-छे-हवार-छेर-दे-श्चर-छे-देंर्य-छे-श्चर-छदे-

क्रूं अ.शे.चर्थियः व्यात्रात्तात्रात्तात्रात्तात्रात्तात्रात्त्राच्यात्रात्राची हिंदे.चे.श्चेयःक्री.अ.रश्चेयात्रात्यात्रात्यात्याः सक्दे हेरी चेहेशन सम्मित्र प्रति हेर्चाश्रास्तर देवा सम्मित्र हो से स्मित्य सम्मित्र समित्र सम्मित्र समित्र स सन्देशम्यान्यत्ते ह्रम्यान्यत्त्रम्यान्ते स्वा न्यान्ते स्वा स्वान्यत्ते स्वान्यत्ते स्वान्यत्ते स्वान्यत्ते स यर शुराने हो बेशारदाया श्री श्रूदावा उसा श्री शामावदाया विदान हो हो सु सु से दि हो से माना परि हैं दे से हिंदा साया इसारम्बायायम्। हिन्साइसमाद्वीसायह्याम। सेन्या सेन्या सेपद्वापद्वमातुः उद्या वेमार्सेष्म ग्रीमायस्वा ने स्रूनाग्रीसा <u>न्रिम्थायदे ह्यायापा प्रत्याय प्रत्याय प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्रत्याय क्षेत्र क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र क</u> ॻॸॱॎॸॸॎऄॖॸॱॸ॓ॱॣॖॖॖॖॖॖॖज़ऻॴऄॕॴढ़ढ़ॱॸॖऒ॔ॸॱॿढ़ॱज़ऻॸॿॴॱॵॱख़ॸॱॴॵॱॷॸॱॸॸ॓ऻऄॕॗॸॱॸ॓ॱॣॗॗॗज़ॱॻॖऀॱऄॱॷॸॱज़ॴ न्भेग्रान्दे ह्रग्रं प्यत्त्वा में अळव हेत्। ने त्यान्त्रे त्या ने क्षुन क्षेत्र क्षेत्र वदे त्यत्रे त्या क्षा व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र व्याप्त व्यापत व्याप न्न । ने ख़ून ग्रे के खूर नदे दम्म क्रून के मार्थ हमारा पर न्ना महिरा महिरा ने खुन ग्रे के खूर नः सः नृश्चेन् सः प्रदेः ह्ना् सः प्रदः नृत्वाः ग्राहः प्रदे । यह स्वादः स्वादे । स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स ब्रूट-च-स-द्रिवार्य-सदे-ह्वार्य-पट-द्वा-ग्रूट-पेदा स-पेद-द्वावा-दट-ब्रुव-स-वाट-उट-पट-पेद-सदे-वादी-सम्बद-सा वाहेर्य-सदः सक्तरं हेर्। र्राम्यान्त्रे ता से सूरानदे हैं। हिना होर्। र्राम्बेदासार्से नुस्तरा सदे हिना साम्यान यावि देश संक्ष्मा अनुदान्ती यावि वदेर केंश उदा भाग नम्भाय देंद्र नु र्शेट चिर याद जार जा नी कुट या भाग देश दिहा भी श र्नेत्रसमुत्रःसेन्नो भः वः नभ्रयः र्नेतः नुः सेन्यते वारः ववाः वीः क्षुनः यः भः वः नसेवासः द्वेनः क्षेत्रः सेन यदे कें। भावायभ्रायार्देव दुःश्रेंद यदे याद वया यी क्रुदाया भावादी द्वीया शाही दृःशी क्षदा सामे दिव सी यादी दिव से स्थान नभूवः र्नेदः नुः र्शेटः नवेः माटः बनाः मीः क्रुट् व्यक्षः बाटेशः यवेः नुसुन् क्षेत्रः समुद्रः स्रोतः प्रमः भूतः यवेः नृटः सें व्यो वि वः व्योतः प्रमः यानञ्जयार्देवानुः र्वेदानवे मादावना नीयान्या वर्षेदायाळेन् ययायान्ययायात्री यनुवानी मादी यदीरान्या वास्त्रीयार्देवानुः र्शेट्र नदे न्वाट्र वर्षा वीश्वाल्य वर्षेट्र हेश द्राय नहत्र से न्वाय स्मून सदे नहिशास खेता न्वाय मूल हैं तर् से हिर नदे न्वाट्र बनानी क्रुन्त्यभावाने साहेत् हो नहान् भे अर्देव सह्य सहन समायान्य निमान हो। । सन्व ही नावे प्रेन्ते ने प्रवि न वी क्रुन्यंभा वारे भा होन् भी महिन्ये भार्ने दास बुदा सेन् यान्य वा मुकाया से दा निर्माण कर्ता वा सहता ही यादी यही सहता हो स नरःश्चेन्द्रा न्वः व्यान्त्रेन्द्रे क्षेत्रः वान्त्रे श्चित्रं व्यान्त्रे व्यान्त्ये व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्रे व्यान्त्यत्रे व्यान्त्रे व्यान्ते व्यान्त्यत्यत्यान्त्रे व्यान्त्रे व नविदानुः र्स्तु नगुरान्तरः से तुरानरः भेषायदे के दानुर्दे । दे स्त्रु नग्नान्नुदे के बार्षा नम्माष्ट्र से दिन्या है स्त्रु ना ने स्त्रु ने स्त् <u>र्वाचा चित्रे के साधित स्था साधित स्थे। सर्वा की चावि तर्र स्था वा नम्भाय ह्या है तर्ते स्था ना नम्भाय ह्या म</u> <u>न्यन्त्रेशर्मेत्रसम्बद्धार्थेन्यनेनेत्रदिर्देशन्यन्त्रेशर्मेत्रसम्बद्धार्यस्यम्यत्रम्यत्रम्यत्रम्य</u> देवे द्वावा चुवे कें अविश्वामा भेव ची। वा बद्द दे देवा बवे द्वाद के वा देवा बहुव विश्व के अपने दे सुव ची द्वाव क्रॅंश-शु:चन्नवाश-घतेःर्नेत्र-धोत्र-ग्रुट-नेते-नवावा-ग्रुवे-क्रॅंश-स-धोत्र-घते-श्रेम् । न्ट-र्ने-श्ला श्रे-स-स-बुच-ता व्यान-प्ट-ने-प्रेश-घतेः <u>२५५% अर्दे दासबुद महिसारे रे द्रारी कुरा की दामा कुरे के सार् प्रायह मार्थ में दार्थ है। हे कुरा की की सार्थ स</u> देशःसर्द्रःग्रीःग्विःपदेरःभः वःर्षेद्रःसेद्रःवेद्रःकेदःवेद्रः विष्यःद्रः देशःदेःपदः प्रदेःद्युद्दःभेषः देवद्या नवे भ्रेम ने निहेश रे रे दश ने श्रून ग्रे निवान हो के शाया धेद है। श्रुर भारा धेर प्रवे श्रीर पर । पुरार शयक से विका सर्क्षेत्र-तु-तासेन्यत्र-सूत्र-प्रतिन्त्राचात्रिः क्रिंश्याः भेत्र-प्रते स्तिन्याने। सन्ति क्रिंश्याने स्तिन्य

यदुःवारःववाःवोःकुर्वःव्यक्षःवःदेशःवेदःग्रीःद्यद्विष्वेशःद्वःसम्बुदःसरःश्चवःयदेःश्चःश्चरःयदेःदवावःव्यव्यवः षटाद्वाः धेदार्दे । श्चिरः र्ह्ने त्यार्द्धे अप्यते व्यञ्जाला देवाया वाश्वास्त्र प्रति । स्वयाद्वास्त्र प्रति स्वयाद्वास्त्र प्रति । स्वयाद्वास्त्र प्रति स्वयाद्वास्त्र प्रति । स्वयाद्वास्त्र प्रति स्वयाद्वास्त्र प्रति । स्वयाद्वास्त्र । स्वयाद्वास्त्य । स्वयाद्वास्त्र । स्व हीरा ८८.स.ची ४८.८८.हूं चायाचवारविष्टिं स्ट्राचायाच्याचारवाच्याचा विष्टिताचारका विष्यिताचारका विष्टिताचारका विष्टिताचारका विष्टिताचारका विष्टिताचारका विष्टिताचारका विष्टिताचारका विष्टिताचारका विष्टिताचारका विष्टित ऀॿ॓ढ़ॱय़ॱॸ॔ॖॸॱढ़ॹॖॖॸॱॺऄॱॸॖॖॴढ़ॱॾॆॱढ़ॾॱॹॗॸॱॺॱॸढ़ॹॗॸॱॺऄॱॶॎॸ॔ॱय़ॸऄॹऄॖ। ॸ॓ॱढ़ॖॺॴऄऀॱऄॗॗॸॱॺॷॴॎॱॕढ़ॱऄॱॴॸॱॸॸॱॺऀॱऄॗ॔ॱ यार्भ्रेश्रामदेग्नभ्रयार्नेदार्दे। । माश्रुश्रामादी। सराम्दाने मात्रामादेशमादेशमादेशमाद्रेत्रमाद्री । माश्रुश्रामाद्री। सराम्द्रमाद्री मात्रामाद्री । न्यात्रात्रात्रात्रीत्रम्यात्रात्रीत्रे के अर्थानहन्यात्रात्रात्रे द्वानश्चात्रे द्वानश्चात्रात्रात्रे द्वानश्चात्रे प्रति स्वत्रात्रे प्रति स्वत्र स्वत्र स्वत्रे प्रति स्वत्र स्वत्य स्वत्र स्वत्य स्वत्र दे[.]त्य:द्र्यु:त्र| श्रूद:रुद:वी:द्र्युत्य:ङ्क्ष:स्याय:पदे:ह्याय:पद:द्या:द्र्य:श्रूद:रुद:वी:दयाय:ङ्क्ष:याय:द्रि:ह्याय:पद: न्यानाहेश सळ्द्रहिन्देशन्वेदा ने सून है। सून स्ट्रास्य देशनाश्चार देशनाश्चार प्याप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व म्बि:सब्दाना न्दःसदिःसळ्द्रदिना ने:श्रूनःश्रे:श्रूनःशःन्द्रम्यान्यःसदिःह्रम्यान्यःपदःन्याःश्रदःसद्वा सःधेदःन्यमन्दःश्रूनःसः यार रुर भर भी वार्ष राया वार्ष राया वार्ष राया राया वार्ष राया वार धोत्राचा न्टार्सिवे सळत् हेना ने सार्दिना सा इससा त्या रेना सारित्रो। सळत् नावि रेसा ना हुरा से से ना ना रेसळत् से वे सु सर्वे स्व त्रु-वासेन्। स्ट्राम्युन्यास्ते प्रत्येन्यान्। स्ट्रीन्यान्। स्ट्रीन्यास्यान्ये व्यव्यक्तिः व्यव्यक्तिः स्ट्री यिष्ठेश्वासाधित्र त्रुवासास्त्रम् स्वर्थायान्त्रेयायान्त्रम् त्रुवासास्त्रम् स्वर्थायान्त्रयायान्त्रम् स्वर्थायान्त्रम् स्वर्याप्तिम् स्वर्याप्तिम् स्वर्याप्तिम् स्वर्याप्तिम् स्वर्यम् गशुअन्यन्ता नर्देशव्यकानुन्यसेन सन्। नुन्यसन्वेदायदे हेगार्भूनन्तुन्यदे न्देशन्देशकुसेन्यम् सुन्यस्य वित्राधिद र्वे। । वि देवा वीका से से द दूर वें दरा विद से द वादिकार पाली के से देव देव के किया है। से देव के से देव के स लुयंत्रपुर् होन्। लट् इ.सूर्य र.मे.कूर १ व.य. होट् त्यर वा चीट होटे.लुयं तपुर होन् वियाय विश्वापा हेयारा प्रियाय हेयारा विश्वापा हेयारा विश्वापा होता. है। गिवे सा गुन सदे हिम वर्दे न से बुका है। नु न से दे न्दें का वह का निमा की स्वाप के स्वाप है। सूर नु न में वनायः ह्वः न्रेमायः सदेः हमायः परः न्याः यः नृष्ठेः व। व्यवः वेनाः येः मावयः वनयः यः नहेवः सदेः श्वरः नुरः वनायः न्येमायः ग्रीः ह्रमार्थाः प्रत्मान्ता वदाद्धंत्रः श्रुद्धाः वयावावावावहेत् स्वते श्रूदः सुदः वयावाद्धेयार्थाः श्री ह्रमार्थाः पदः द्वायावित्रा व क्रुंब:कवार्यास्रोद:सर:स्रुव:सदे:स्रुद:सवाय:दक्षेवार्या:ग्री:हवार्याया:दवा:ग्रीट:खेद। वार:देवा:क्रुंब:कवार्य:दि ळ्याशासेन्यम् स्रुनायदे स्रुवाचे नायो पावशायायाय नहेवायदे स्रुन्य न्यायान्य पायायायाय स्रिनाया स्रिनायायायायाय ने त्यान्त्रे त्या स्ट^{र्}नत्वेत् न्दार विवास निवास के स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्व ह्रम्यायायाराच्या व्यवः क्षेत्रः स्टार्यायायवे स्टार्यादे स्टार्याद्यायाया स्टार्याद्यायायाया स्टार्याद्यायाया न्भेग्रान्यते ह्राया प्रत्ना क्रुप्त व्याया प्रते व्याया स्थान्य विषय स्थाया स्थापता स क्षे⁻क्षेत्रशः क्षेत्रः स्वरः क्षेत्रः स्वरः देश्यः स्वरः क्षेत्रश्चेत्रः स्वरः श्वरः स्वरः स क्रुवं कवाराये दारा सुवाये दिए में दिए। से स्वित्रा के से साहिया सर में विश्व सिर्धा दी। से स्वित्रा के विश्व सिर्ध

र्वेदासदेभ्नरः ग्री:न्रेर्भः सेंदिः श्रेरःनुः ग्रारः तज्ञ साञ्चान्य स्त्रीत् क्षायान्य स्त्रीत्र स्त्राचित्र स्त्रीत्र स्त्राचित्र स्त्रीत्र स्त्र स्त्रीत्र स्त्र विचायम् ब्रेंब्रायदे प्रेंब्रायं है। ब्रेग्ड्रेव्या क्रेब्रायं याविष्यायम् ब्रेंब्रायदे प्रमाधी प्रेंब्रायं है प्रायदे से मार्थिय क्याया सेन्'सर्'क्रुन'सदे'म्स्सुस'स'न्र'। नु'न'इम्'नुस्'न्यश्विन'सर्'ह्रेत्र'सदे'न्रेर्स्स'र्से'न्। नु'न'इम्'सुर'नस्'ह्रिन'सर'हेत् यदेः भराष्ट्रीः न्द्रं भर्यदे स्रेटः नुः श्रदः रेषाः क्रुवः कष्मभः स्रेनः यसः स्रुवः यदेः यदेः विः यदः निः नुः यदः विः स्रोतः स् र्देशः रेति नुः नः न्वाः श्रुरः नशाद्यनः सर्दे दः सदेः भर्ते देवे स्रोदः स्रोदः नुः न्वरः द्वारः द्वारः स्रोदः स्र हनाराधराद्रनाधिताया नेरायराश्चरायदे खूता हेना ही नात्र यात्र यात्र यात्र यहेता यदे यनाया द्रिमारा श्री हनाराधराद्र ना है। नियम् वारावनानी निर्म विदेवा की निर्मेश माने वारा महिला है वार्त महिला महिला है वारा महिला है वारा महिला है वारा वनानी नन्ना वहें त न्दर नहिंदा है न है न है न है न त कर है। न्दर वन ने निष्य के निष्य निष्य निष्य है न ढ़ोशपर्गोर्पपः भ्रुप्तुर्दे। । <u>भ</u>्दासेदप्तुप्तुर्प्तुर्प्तुरप्तदे भ्रुद्रप्ते पाद्रश्चित्रप्तायायायाय सहेदप्ति प्रवायाप्तियायी ह्याशास्त्रप्त न्यादी भरार्श्वेष्यश्ची द्वार्स्यार्केश ह्वा द्वारा न्यार्वे नार्येन देवा द्वारा विश्वार्ये विश्वार नर्गे न प्रते के त ने १ दे त ते हिं । श्च हवा म अप्येत म म श्चुन म ते प्रवाय न से वाय श्चि हवाय प्रताय न स्वाय म स्वाय प्रताय न स्वाय प्रताय स्वाय प्रताय स्वाय प्रताय स्वाय प्रताय स्वाय प्रताय स्वाय डेगा से गात्र सार्याया साधीत माया प्यादी मावी सम्बन्धा माने। भ्राम्न माना साधीत मनः श्रुन मादी मत्र स्वन स्वन यदे सूर रुर द्वाय रुथे वार्य भी स्वार्य प्यार र्वा की सर्व हित्र मुख्य सादी देवे सर्व वाले प्येव सर्व की वीर स्व संभित्रान्य सुनामित्रे त्यायान् सेवासाम् मानासामित्रा हिन्दा स्वायान स्वायान स्वायान स्वायान स्वायान स्वायान स माबे सम्भन्ता सम्भन्ता सम्भन्ता माने सम्भन्ता सम्भन्न ह्रग्रथायर प्राची सळत् हिन् रुष्ठत ने नेवे सळत् गावे धेत्। ने या न्हें या स्थान स्थान प्राची पा सवे ह्रायायर न <u> २८१ देश मश्राक्षेत्राम वर्षे वामवि ह्वाया पर न्वायित्र । यस्य यादी में या प्रमाय वेत्र मार्थ स्वाय पर वा</u>त्र स्व यदे के दाने ने क्षुन की हैं अपमारियाय वर्षिया मदि ह्वाया पर निया प्रीया की कार्या के या कर है पर हिया पर स्टाय अपिया वर्चरावी कुं क्रेंब वाबब या से क्रेंब हो। ररा गुना डसाब बावहेवा रेया धेव परि होरा बेया वहें रायदे के वा रे रे सून हो रेया यसार्हेसामायवेषितामादे ह्वासाधार न्वाधी द्वा रेवासामायदे त्याचहेत दसाव हेवासी हवासा रे सु नुसाम सुवासारे ह्वास षर-द्यासाधित-सर-मत्या ग्रुम-स-देश्चासे-ह्या-सर-स्युत-सदे-ह्यामाधित-सदे-स्वीत्रा वेत-सदि-स्वीत्रा वेत-स्वाक्य-हे। नेम-ग्रु क्रिंगाड्या रटा मुनाडं सात्र सारहे मारे सारे। मुनारा रेटा है नायर रटा सामी सामी सार मिल्या में हैं ता मिल सारी श्चनःमदेःह्रम्यायः प्यान्यः प्रेतः मन्त्रम् मन्द्रिनः यहेषाः यः स्टाय्याः स्त्रीयः यस्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स् दे। ग्रुअःसरःसरःग्रुवःरुअःत्रअःदिवाःरेअःशुःश्चवःसदेःहवाशःधरःदवाःधेतःसदेःश्चेर। ग्रुअःसःवःविंत्रःरे। मृःठतःर्केशःठता सर्वाकी:मूर्यात्राक्ष्यात्राक्ष्यात्राच्यात्रच्यात्राच्यात्राच्यात्रच्या धेद'सर'मय। दे'श्चुत'ग्री'त्याय'द्रभेगार्य'ग्री'ह्यार्थ'स्पर'द्रम्'ग्यार'विग ।ह'द्र'ह्र्य'म'द्र'द्रित'सेदे'ध्रीर'नेर'द्र'स'ह्या दिं'द्रा हिंदि-स्टाली क्रिया हार्क्क्या इसामा स्थान स वा बे न्दर्नु न महिष्य के राज्या देर मा देरे में पर्दे न वा दे न महिष्य के राज्या महिंद्र महिंद्र महिंद्र में वर्देर्-मदे स्रीम् वर्देर्-से तुरु हो सव वर्देवारा द्वार देवारा होर् प्रेव मदे स्रीम हो स्राप्त स्रीम सक्त वाले दे *ब्रेट*-५.सळ्द.केट.ट्रन.चेट.की.क्ट.स.चलट.स.ला ल.ब.चभ्रल.ट्र्य.ट्र.ब्र्ट.चट.बाट.बवा.बी.क्रूट.ल.ल.ब.ट्रसेवार्य.चेट.की. ळ्टा अप्रेन पार्के अप्रवा अर्व में माले प्रेन स्थान में अप्रेन प्रेन प्र वदैरभा वानभूषार्देव पुर्शेद वि वाद वापी कुराया भावादेश प्रदेश प्रदेश स्त्रित स्त्रुव से प्राप्त प्राप्त प्रदेश हिरा षर-दे र्केश उदा दे स्वान शे से सूर-वास-द्येवास-सदे हवास-षर-द्वा-धेद-हे। दे स्वान शे स-द्येवास-सदे हवास-पर-द्वा-नित्वेन । हिंद्रेन् भूनायायार्सेन्यायार्स्य माराज्य माराज्य नित्य माराज्य मारा क्चे·पवि·पदेरःभः वः नञ्जयः देवः रु. र्शेरः नदेः गरः वगः र्केशः ठव। हिंदः यः भः वः नञ्जयः देवः धेवः पदः रवः विद यदे द्विम् वाव्रस्य न्यान्त्र वार्ष्य क्षेत्र क्षेत्र प्रति वारा विष्ठ वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष वार्ष क्चै.यादी.यदीर.त्व.च.यभ्रता.र्देव.र्.शूट.यदा.याटाचया.यी.क्चैट.तात्त्व.च.इश्चात्त्व.ट्वीट.त्वीश.टूव.श्चीश.क्चैट. नदे दर्जेल ह्वास न्रेमिस परि हम्सा प्राप्त प्राप्त हो। दे ह्यून ग्री से सूर न स न्रेमिस परि हम्सा प्राप्त ने म स्त्रीत्राचार्याचार्याक्षेत्राची क्ष्याचार्केकारुम् काराम्याक्षेत्राचेत्राच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच्याच येदायादी यदेवान्नी विषद्भावान्य व्यवस्थात्रीयाद्भावान्त्रीयादायात्री मुद्दायात्री विष्याद्भावान्त्रीया यरः श्रुवः यदेः श्रेः श्रूदः वदेः दब्ने यः ह्नदेः स्कुः सः दक्षेण्यायदेः हण्यायायः प्राध्येदः है। देः देशुवः श्रुवः श्रुवः वदेः दब्ने यः ह्नाः सः दक्षेत्रायायते हत्रायाया प्राचीता । भावाद्येत्राया होत् ही स्वाचीत्रा भावादेयायते प्राचीत्राया विकास होता ही ही ही ही ही हिंदी हैं यदे द्वेर देश देश माने अप्यारे माना विष्टा विष्टा मार्के अरुदा की माने प्रति स्वार माना माने स्वार माने स्वर वी-क्रु-(यम्प) वादेश प्रते (न्युन् म्वेश र्देव स्ययुक्त स्रोन प्रतम् स्थ्रुव प्रति । स्वाया क्ष्या विष्या स्था विष् <u> ने श्रु</u>तःग्रेःसन्द्रेम्रम्भःसदेःहम्स्रायःसन्त्रम्भानःदिम्।सःस्रेतःन्यम्।न्दःश्रुतःसम्।सःनुदःस्रेतःस्रेनःस्रो <u>ब्रेम् इश्रायःक्रेश्राच्या श्चाह्यायायाधेदायमञ्जूतायदेःश्वरातुरायात्र्याव्यायदेःह्याश्राधरात्र्याधेदायमञ्जा</u>रे श्चुताग्रीः यः न्रेशेन्य भारते : ह्नेन्य भारत्ने न्या निर्दे निर्दे : श्चेन्य स्था स्थित । स्थित स्था स्था स्था स्था स्था स लेव्यत्रहें हो न्दर्भ हो सामा मुनावा हिमारा ही हमारा सामित्र मारा से मारा से मारा से मारा ही मारा है म क्रिंग उद्या हिन्य ह्मा या नभूत्य देवा साधिव यम स्वया हिन् क्रिंग उद्य दे प्रीदा यो से देन से से साहित साहित ही सर्क्षेत्र-तु-तःसेत्-सर्र-सूत्र-सित-सूत्-तु-स्वी-प्रदोत्य-स्वान्य-परि-ह्वान्य-पर्य-त्वा-प्येत-हे। दे-सूत्व-श्री-सूत-तु-स्य-दियान्य-यदे हमारा धर दमा मार विमा । ये द दमामा धेर पर दे हिरा ने या हा है या उत्ता ये ये दाय दे यह है यह है यह दे हैं यरःश्चरायदेःश्वरः रुटः वीःक्तुः सः दक्षेत्रायायदेः हवायायार प्रतायाये देते । दे दे :श्वरः श्वरः सुदः सः दक्षेत्रायायदेः हवायायार प्रताया यार विया । से र् रचदे कु विदायदे हो रा देश यावद इससाय रेया साय होते। यार हा साय हिंसा रहता ह्या हा साय साथ दायर श्रुवासदे श्रूदानुदानी त्याया ह्याद्रीयाया सदे ह्याया पदाद्वाया पदाद्वाया है। श्रूवा ही श्रूवा ही श्रूवा ही स्वाया सदी ह्याया पदा र्गानार विना । साधिव र्नाना र्ना क्षून या नार सुर धिव यदे हिर है। क्षून या धेव यदे हिरा विश्व हिरा के सहित्र स ळेत[्]र्यशाह्यनः सर्राद्वेतः सदेः नृर्देशः सः नृ। येः क्रूं नश्चाळेतः संशाह्यनः सर्वेतः सदेः भूरः क्रुं नः नृत्वानः सेवाः क्रुंतः ळ्याशासेन्यम् स्रुतायदे स्रुदारे वासे यादशायायायायहेत्यादे त्यायान्से वाशासी ह्याशायायायायायायायायायायायायायाया ग्री'प्याय'न्श्रीयाश'ग्री'ह्याश'प्पर'न्या'यार'विया । से'र्झेनश'क्रेत'र्सशाद्यत'यर'र्तेत'यदे'न्रेस्थरें'ने'ग्रार'रेया'क्रुत'कयाश'न्रर' व्यव देवा से मात्र भारत्याया प्रव स्वर से मा स्वर मार्क भारत्या हिंद सु हवा मारा सामित स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर

नहेद्र-पदे विषय निर्माण में हिष्म अध्यान प्रमाणिद पर प्रमाणिद में मुक्त में विषय में प्रमाण में में में माना प बिन । हिंद्र-हना-य-द्र-१ धूद्र-हेना-से-नाद्र-यन्य-स-योद-योद-योद-हो। हिंद्र-हना-य-द्र-१ स्थाप्त-द्र-१ साथेद-योद-होना हनाया क्रिंशर्द्रियाशुस्रव्यान्त्र्यान्त्रात्या द्रमानकत्यवानान्त्रा श्रुवाद्येत्रत्येत्रामानिकात्रिमान्तर्ये से सेन्यि से सेन्यि हनायाण्यीयासळ्दार्सेदे:कुःसळॅर:रु:पासेर्पर:क्षुपापदे:नार्वःकिन्याधेद्र। से सेर्परे:रेदेःहन्यायाणीयारे क्षुपाणी चतुरः चुः निहेशः गाः भेदा रु: सेरारे रे निहेशः गाः सः भेदा रेश भीरः सेरार्शेनाशः सः रेगशः दहर्दे । वुसः सः स्टर् <u> रक्षेत्रायायात्री व्रयायाळ् राययायात्र्येत्रयायाये याच्चेत्र्यायाय्ये रायम्भूतायये त्राह्मेत्रायाय्ये त्रयायाय</u> दे। तुम्रामःळद्मम्म्याम्याद्येन्वाम्याद्येम्याकान्त्रेम्याद्येम्द्रिम्यात्येम्ब्रुमःतुदेर्क्ष्यःद्वाः देश्चुमःत्ये द्विमात्रीः शुःच बुदः चुः गिहे भः गाः धेवा दे भः गावदः इस भः यः देगां भः द ग्रेदे। भिः वः दे। सर्वः ग्रेः गाविः यदे दः भः वः व श्रीयः देवः दुः र्रेदः च वेः यारः चयाः योः क्रुंद्रात्यन्यः चेत्रः पद्येः द्युद्रः नेत्रः द्विदः सेत्रः स्वादः द्वाद्यः द्वाद्यः द्वाद्यः केत्रः स्वादः द्वाद्यः सेत्रः स्वादः द्वादः सेत्रः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः <u></u> नेॱॾॗॣज़ॱॻॖऀॱॸ्वावाॱॻॖढ़ॆॱक़ॕॕ॔॔॔ॴॵढ़ऻॱॴॖॿॱॸॠॣॴॸॣॕढ़ॱॸॖॱऒ॔ॸॱॸढ़ॆॱवऻॸॱॿॻॱॺॊॱक़ॗॗॸॱख़ॴॿॱॸ॓ॳॱय़ढ़ॆॱॸॗॿॸॗऄॴॸॣॕढ़ॱॺॿॖढ़ॱ थॅर्नरारी रे.श्वराग्री:न्याया द्विरे कॅशन्ता रे.श्वराग्री:न्याया द्विरे कॅश श्रायह्याया स्वरे र्देव यहिषाया थेवा र्पायरे स्वर र्धेदे कुः सर्हें र-रु-च-सेन्-पर-स्नुन-पदे र्नाम इदे हें साक्ष, नहमास पदे र्दे द प्रीद ग्रुर्ग ने स्नुन ग्री र्नामा इदे हें सामाधीदा देर-५.च.लूर-स.ट्री अक्ष्य-भद्र-भिःअक्ष्रूर-५.च.भर-सम्बन-सद्य-दवाबा-चेद्य-क्ष्य-श्र-चर्यमा-सद्य-ट्र्य-दर्ग हे-भ्रीच-क्री-निवानाः चित्रः क्रिंशः वाहिशः गाः धित् । हवाः सः ने । श्चः हवाः सः स्थानः स्थानः स्थानः चित्रः क्रिंशः स्थानः व <u>२े.भ्रूनःग्रे:८्नानाः चुत्रे:र्केश्रःसःष्येदःर्दे। ।</u>ৠ महिश्रःसःहनाश्रःषटः८्नाःसःनश्रुनःचुत्रेःर्केशःग्रे:र्स्सेदशः८्चे:द। श्रूनःहनाशःषटः नवान्द्रा नवान्द्रनामान्यदान्वान्वहेम। मळ्त्रहेन्द्रमान्ह्रम्। हिन्देन्ज्ञुनःग्रीःह्रनामान्यदानान्वना हिन्ग्रीःह्रनामा ग्रेमाने स्नुनाग्रे निर्मा ग्रेम्मून ग्रुदे के मास्य नहार ग्रुप्त मास्य ञ्चुनःहग्रायः परः द्वाःगे यळवः हेत्। देः यः द्वेः द्वा यव्याः हग्रायः परः द्वाः दरः विवः ग्रेः हग्रायः परः द्वाः गहिराधेः द्वा रें महिरामा के माना सुरामा मुक्त हिर्मा अपरान्य अपना स्थान हिर्मा सुरामी हिर्मा सुरामा स्थान स्थान स्थान स्थान ग्रीभाने स्रुवाग्री निर्देश ग्री निर्सुवाग्रिके भारा विहान ग्रीमा स्थित प्रविश्व के स्थित <u> न्यायाः क्रयाशाः भर्तः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं न्यायाः कृषाशाः भर्तः स्वरं स्वरं</u> यांडेन | ने क्षुत्रः क्षे निवाना हवारुष्या प्रमान्ता ने क्षुत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः स्वारुष्या प्रमान्त्रा निवाना हवारुष्या प्रमान्त्रा श्चुनःहनामः धरः दनायः है। इमः सः देः देः निहेमः गाः धेदः यदेः द्वेरः है। देः श्चः हना सः सः धेदः यरः श्चुनः यदेः दनानाः हनामः लट्ट्याद्दा श्रुः श्रे न्यायर श्रुवायं श्रे श्रुवा ह्याया प्यापा विषया । प्रियाया श्रे या विषया या स्वाया प्राया श्रुवाया । म्री:र्स्स दर्भ न्त्री क्षेत्र स्रुत: स्वाय प्रायत वास्त्र न्यूत स्वाय प्रायत विवास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र सक्षव हेरी सक्ष्य नावी श्चित होर हो स्वायाय प्राया महिर हे श्चित हो हिर हो श्चित हो हो हो हो है नाया हो या है स ब्रुवाग्री न्दिंशग्री नब्रुवाग्रिके के श्रावतु नग्री प्रमाणिका अस्त्र हिन्यान प्रमाणिका प्रमाणिका स्वापन स्वापन য়ৣৢঀ৾৾৽য়ৣ৾৽हঀয়৽ড়ৼ৽ঀঀ৽ঀ৾৽য়ড়৾৾য়ড়৾ঀঀ৾৾ঀ৾৽য়ৼ৽ঀ৾ঀ৾৾ঀ৾য়ৢ৾ৼৼঀয়৽য়ৣয়৽ঀ৾য়ৢৢঀ৽য়ৣ৽ঀৼয়ৣঀ৽য়ৣঀ৽য়ৢয়য়য়ৢ৽ঀয়ৢৼ৽য়ৢ৽ড়ৼ र्णेत्। यर्क्टॅब्र्नुः पराधेत्रायदेः गिविः यद्युवः श्रेन्या हिन्ने श्रुवः ही । श्रुवः ही ने गिरा

विन । हिंद् ग्री हनाम ग्रीम देश्चुन ग्री दिसम ग्री नश्चुन ग्रीदे के मासु नश्च नश्च प्याप्त प्याप्त माने प्याप्त स्थाप निर्विन । हिन्नि हिन् मिन्नि स्वाका मिन्नि निर्मे विषय होते हिन् मिन्नि स्वाक्ति स्व श्चेन। अर्क्केत्रः ग्रु:प्पटः प्पेत्रः पदिः पदिः स्थितः श्चेनः श्चेनः श्चेनः स्थितः दिन्यः स्थितः स्यतः स्थितः स्यतः स्थितः स्यतः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थित ৾ঀ৾৽য়ৼ৽ঀ৾য়৾৾ঀঢ়ৣ৾ৼৼয়৵৻ড়ৢ৵৻৾ৼয়ৣয়৽ড়ৣ৽ঢ়ৼ৾য়৽ড়ৣ৽য়য়ৣয়৾৽ঢ়ৣঽ৽৳৵৻য়ৢ৽য়য়ৢৼ৽য়ৢ৽ড়ৼ৾৽ড়য়৻ড়য়ৼড়ৼ৽ড়য়৽য়৾ঀ৽ यमुद्राश्चेत्। यर्क्केदानुः प्यतः प्यते विष्यमुद्राश्चेत्राय। हित्ते सुद्रानु देवत्तरः मुद्रामहेशामा सुद्रानी स्वाराधितः स्वार्याः सक्तं हिन्। सन्दिनासाने स्थान सन्दिन् सामान स्थान स्था श्चे दे स्वानाश्चि हवानायाय से तरि हे दे रहे ते हवानाय स्वान से तरि श्वान स्वान से तरि से से से से से से से से <u>৾ঀ৾৽ৠৢ৾৾৾৵</u>ঀ৾৽ড়ঀ৾৽য়ৼ৽ড়৾ঀ৽য়য়৽য়ৢ৾ঀ৽৾য়ড়৸৽য়৽ড়ৼ৽ঀয়ড়ৣ৽ৼৼ৽ৠৢ৽য়৽ড়ঀ৽য়ৼ৽ৠৢয়৽য়৾য়৽য়ৠৢঀ৽য়ড়৽ঢ়ৢ৾য়ঢ়ড়৽য় षटाद्वाधिदाग्रहा श्रुरादेश्वाता के प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के प्रतास्त्र के प्रतास देशपदिः र्केषायदेः देन दिन्दा मध्या मध्या मध्या मध्या मध्या मध्या मध्या मध्या विष्या स्वाराध्या विष्या स्वाराध चुदे द्भें दशन्ते त्र द्रें त्र कें दश्चित्र कें त्र के त्र गशुम ने भ्रुन ग्रे हमाम पर नग मर दिया नि भ्रुन ग्रे न भ्रुन ग्रुन महिला में नम ग्रेन मा से नम महिला है न से महिला र्येदे सक्दर हेन्। ने मार दिना नि सून ग्री नसून ग्री न से प्रीत के या ग्री हे या न्यना कंना या नसून ग्री न महिया यदि सक्दर हेन्। वर्चमःस्टःमःर्भेगमःसदेःहगमःषटःर्गागशुमःषम्। सक्त्याविःरभःमःसूर् रुःगःरुःस्वायःयामे प्रेरासःसूर्वायः र्ट्सः क्रॅ्रेन्यः ग्रीः दर्ज्यः ह्वायः प्यान्त्रायाः मुद्रायः ह्याः स्ट्रायः प्रदे । द्र्यायः मुद्रायः स्वायः प्रदे । द्र्यायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः सेन्'स'ने'सळ्द्र'सेंदे'क्कु'सर्ळेन्'न्'न'सेन्'स्यून'सदे'न्देंस'स्ट्रेन्स'ग्रे'स'न्सेन्स'सदे'ह्नास'सद'न्ना'धेद्। निहेस'स'स' लट.पश्चम.रट.म.रश्चमम.तदु.क्ष्मम.लट.रचा.चश्चम.लम। रश्चर.चश्चम.श्चम.ची.सदु.खट.र्रे। श्चैम.तम.सूटम.श्चिर. ॿॖॎऀॺॴॼॖऀॴॸॸऻ॓ॿॎ॓ॴॸढ़ॎॱज़ॸॸज़ॏॱॸॺॢढ़ॱॻॖढ़॓ॱॸॕॣढ़ॸॎॕॣज़ॴॸढ़ॎ॓ॱढ़ढ़ॱॴॺ॒ॱॴऄॕढ़ॱॸॖॱऄॕॸॱॸॸॱॿॣॗॸॱॸढ़॓ॱॵॸॱढ़॓ॴॼॖऀॱ वर्च शःहर्वाशः परः देव । दे.दे.वर्ददुः खेरः सरः वी. यह्म वर्द्धिः हुं य. वर्षः वर्ष्धः वरः ह्यू यः वर्षः छो र तरः वर्षे वर्षे छो. हेवाशः षर-देव । दे.दे.दर्दु, खर-रद्या चक्रेय चेतु, ह्यू ता चक्री ता ता ही ता ता हो ता ता है ता ता ता ता ता ता ता ता त <u> न्याः भेदः द्वी । याश्वरादाः यात्रोद्धरायः या हे याः भुवाद्धायः द्वी दे दे द्वारा ह्वायः ह्वायः विश्वराद्धीयः विश्वराद</u> यर्ह्-रिन्द्रः सः त्रोत्रः सम्बन्धः सदेः सम्बन्धः सदेः सम्बन्धः स्वात्रः सम्बन्धः स्वात्रः सम्बन्धः स्वात्रः सम्बन्धः स्वात्रः सम्बन्धः स्वात्रः सम्बन्धः सम्बन्यः सम्बन्धः सम लायह्वाद्धयाची क्रीं वर्षा नहीं व। सहवर्षीं वर्षा वाह्य हो न तहवा निर्वास के मानिक वाह्य हो न तह वाह्य वाह्य व सदे ह्वारायाद्यात्वाहेरायय। श्वासे ह्वाप्तर श्वाराय सहर श्वाराय सहर श्वाराया ह्वाराय स्वाराय स्वाराय स्वाराय दे श्चनःग्री:न्दःसंदे:सळ्दःहेन्। ने:यःइसःगहेशःसुःयह्नाःमदेःद्धयःगसुसःधेदःम। ने:श्चनःग्री:गहेशःमदेःसळ्दःहेन्। ग्रुसःमः व। रटार्नेवाञ्चर्याक्षीः हवायापटान्वान्टा वाववार्नेवाञ्चर्याक्षीः हवायापटान्वाविष्ठया । विन्यञ्चर्यायम् ञ्चरायदे हन्यायापरान्यायाराधेत्। हिन्योःहन्यायायीयाने स्त्रून्योः श्रीतियापरान्यायोन्यापराधेत्यपतियावी यश्रुत्या न्रासि

यक्ष्यक्षेत्री शृ.स्याप्तरः वीयापरः क्षेत्रया च्यापाञ्चा ये क्षाप्तरः श्च्याप्तरः स्वाया खार्या स्वाया स्वाया व यरःश्रुवःयदेः रदः देवः श्रवशः ग्रीः हवाशः धदः द्वाः धेव। हिंदः देः श्रुवः ग्रीः हवाशः धदः प्रवा हिंदः ग्रीः हवाशः ग्रीशः देः श्रुवः ग्रे.में में नापराद्याधिदाराधराधेदारादे यादे सम्बद्धारा यहिकारवे सक्दाहिता ग्रुकाराञ्चा से ह्यारवर सुवारवर यादि भूतर्था ग्री ह्यार्था प्यान्य प्रत्या प्रत्या वीया ग्री श्री स्वान्य भूत्र प्रत्य स्वान्य स्वा श्चुनःग्रीःगवदःर्देवःभ्रन्यःग्रीःहग्याधारःद्याःगहेयःगःधेदःवेरःद। ग्रुयःयःक्रेयःठद। हिन्ग्रीःहग्याग्रीयःश्चाःशेःहग्यरः श्चनःसदे श्चे में वापार न्वा से रायर मा हिंदा रे श्चन श्चे रायर देवा भूनका श्चे म्वा वापार न्वा प्रे रायर श्चे रायर रायर श्चे व्या दे.लूर्यराचना व्रिट्रंद्रं श्रैयः क्री.वाबयः ट्र्यं स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थान हन्यभाषान्त्रमा सेन् वेरावा से विषय हो। स्वारा मुक्ति स्वारा सुवारा के स्वारा स ग्रुरुप्तःश्चुरक्षे ह्रम् यस्य श्चुर्यायदे स्टर्दे त्रः भूतरुप्ते श्चे हम् यायदे स्वर्ते श्चे स्वर्त्ता स्वर्ते स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्ते स्वर्त्ता स्वर्ते स्वर्त्ता स्वर्ते स्वर्त <u> न्वाः ऍन्यर म्बा मुक्ते ह्वायर मुक्तायर मुक्तायर र्मेन्य मुक्ताया मुक्ताया मुक्ताया मुक्ताया मुक्ताया मुक्ताय</u> श्चाः से म्हणान्यर श्चुनः यदे म्हण्यायाद्या निष्मुनः से महण्या से स्थानित्र स्वाप्ता से स्वाप्ता से स्वाप्ता स गुनःमःदेवे द्वेरा वर्देर्त्वा ग्रुमःमःश्रुमे स्वानम् श्रुमःमवे रत्दे त्रभूनमःग्रीःहवामः वार्त्वाः हुमःमः हैमः ठवा ने अन्य ग्री र्रा में प्रमाण के माना कार्य करा है अन्य कार्य करा है अन्य कार्य के स्वाप कर स्वाप के स्वाप क गशुम। गल्वरण्या ग्रुमाराञ्चामे ह्नापराञ्चनायर सुनायरे रूटार्देव स्निन्मामा ग्रीहिनामाण्या । त्राप्ता स्वापी दे दे सुना ग्रीहि मान्दर्भेद्राभ्रान्या भी हिमाया प्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्राप्त प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प्र प् र्देवःभ्रम्यर्थः ग्रेः ह्वार्यः प्याः नीः र्श्वेरः यः इसः द्वाः प्रेयः यदेः श्वेरः। देः यः विष्यः देः हवार्यः श्वेरः श्वे यदुःद्वे:भूजालटार्या. सुरायदुःक्ष्र्। विश्वायदुः स्वाशाक्त्रीशः श्वीयायराश्चीयायदुः द्वे।भूजालटार्या. सूरायराश्चा য়ऀॱहवाःसरःञ्च्याःसदेःररःर्देतःभ्रयशःग्रीःहवाशःषरःप्वाःषुःश्रॅरःयदेःळे। ग्रुश्यःसःञ्चाःश्रेःहवाःसरःञ्चयःयदेःवावदःर्देदःभ्रयशःग्रीः हनायायार्या स्वायायायाया विकास स्वायाया विकास स्वायाया विकास स्वायाया स्वायायाया विकास स्वाया स्वायायाया स्वाय ग्रीभाञ्चाक्षी हन्। सम्बुनायके श्री क्षियापार द्वाको रायके स्वी श्रीभाञ्चाको स्वाका स्वीत स्वीत स्वीत स्वीत स्व र्ल्य-प्रदे:हीम् इन्यूर्णम्या विक्रिनानीया मरार्मेद्रःभ्रम्ययाग्रीःहन्यूयायरःन्यास्त्रेन्ग्यमः। ह्यूयायरःश्चास्रीयः र्ट्ट्रिंबःभ्रवश्यः श्रेःहन्यश्यः पटः द्वाःहः श्रेटः वदेः कें। श्रुशः राञ्चः श्रेःहन्याः पटः श्रुवः यदेः रटः देवः भ्रवशः श्रेःहन्यशः पटः देवाः प्येवः <u> इत्राचाक्षात्वन्त्री स्टार्ट्स् भूत्रयाची ह्यायाध्यात्या ध्यात्राच्या श्रुक्षात्वर म्ह्यायस्य भूत्रयाची ह्यायाध</u> <u> नृषाः स्तर्भित्रा श्रम्भाश्चाः स्वास्तरः स्वास्तरः स्वास्तरः स्वास्तरः स्वास्तरः स्वास्तरः स्वास्तरः स्वास्त</u> ढ़ऀज़ॱऻॎॖ॓ढ़ॱख़ॖॱॻॖॺॱय़ॱॿॗॱऄॱढ़ज़ॱय़ॸॱॿॗॗॸॱय़ढ़॓ॱॸॸॱॸॕॖक़ॱॣॹॸॺॱॻॖऀॱढ़ज़ॺॱख़ॸॱॸॗज़ॱख़ढ़ॱख़ॖऀॸऻॱढ़ज़ॺॱॺॎॺऻॱज़ढ़क़ॱज़ श्चे.शु.६वीतर.श्चेय.तपु.४८.ट्र्य.श्चेयथ.ग्रु.६वीथ.ल८.ट्यी.लूट्.तर.घजी चिश्व.त.श्चे.शु.६वी.तर.श्चेय.तपु.४८.ट्र्य.श्चेयथ.ग्रु. हवारापटाद्वार्हुःश्रॅटाचर्षेद्रायदेःश्चेत्र। श्चरायादेःश्च्रवाश्चीःस्टार्द्द्रस्थ्रवराश्चीःहवारापटाद्वार्हुःश्चरावदेःवदः <u> ब्र</u>ीर हे। रु.च.रु.ख्रुवःवःवःवःबेःपॅर्यरःब्रुवःवदेःररःर्देवःश्लवकःग्रीःहन्यशःवरःप्राःहःर्यरःवदेःगरःवनःपॅर्यःविरा वरः શ્રું) ન મૃત્રું છે. જેન્યન શ્રુન નહે. ફળ માર્શું ને દ્વી શ્રેં શ્રું પ્રહે. વિ. અહે. એ અઅ શ્રુન હેળ કારા હેં કરા છે. છે ન પ્યાં શ્રું ના શ્રું છે ન यदे देवाय द्वीया प्रत्ने वित्रक्षिया वर्षा क्षुत्र क्षेत्र क्ष सम्बन्नामिते क्वें क्वा स्टानी सेनासम्बद्धान्य स्थाने स्वाप्त स्थाने स्वाप्त स्थाने स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व चबित्र बिश्वासाक्षु सुर्दे । वाहेश्वासाह्रवाश्वासाम् वाची विवासी वाह्य वाह्य क्षेत्र स्थान वाह्य क्षेत्र स्थान वाह्य विवास वाह्य विवास वाह्य क्षेत्र स्थान वाह्य विवास वाह्य व यः पर्देश दर्भाः या द्यायाः यवयाः पर्देशः थय। दर्भाः या विष्ठेयाः यो सार्वेशः सार्थेशः सार्थेशः या विष्ठ क्षेयासार्थे सार्थे सक्द हिन बेर दा से त्यन हो नाहत केना सा स्वर से स्वर से नाय होता से नाय होता से से सा से सा से सा से सा से से स हीरा महिरासर्रास्य वारा है। हे सुन ही स्थान शुस्रासाधित या हे सुन ही महिरासे के मार्थ हिरासे स्थान है। महिरास यान्द्रक्ष्याया सःश्चर्यायान्द्रक्षयाः नदःयाशुस्रा नदःर्यः त्या सस्द्रक्षेत्रा न्यत्रे ना सस्द्रयाविः श्चराये ने स्थाराय्वे न यान्यान्ति न्यान्ति श्चाह्मायम् श्चनायम् श्चनायाने श्चिमायाक्षेत्रायाम् अति श्चाह्मायायायाया विष्यायाम् अति स्व माबे समुद्राना है। मुं हमा मर मुन मंदे प्रमाय हमाय ग्री सक्द हिन्। महियान हो मादे साम हो से समुद्र में माया हान हो न है। दह्ना परे दम्मा मन्त्र मार्थ स्वास्त्र हिंगाराया इसामहिरास्य प्रति मार्थ प्रमाया हमारा महिरा मार्थ सामार्थ स्व चुर्यायाञ्चार्यः स्वाप्तायायाय्ये वाप्तायायाय्ये विष्याचीत्रायाञ्च विष्याचीत्रायायायायायायायायायायायायायायायाय श्चुन ग्री से सम्म महिना महिना स्वित्वा स्वित स्वाय हिना स्वित स्वाय स्व हन्य अधित सम्मान होने । भ्री हन्य सम्मान स्वाप्त हिन्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त यरःश्चरायदेःवन्यायःहन्यायावे स्वर्यायः इत्यायरःश्चरायदेःवन्यायःहन्यायावे स्वर्यदेः श्चेरःहे। देःश्चरः श्चेर्यायः ह्वर्यायरः विन । हिंद्रिं ग्रे हनाय ग्रेय देश्वन ग्रे हेय हिन हैन हे वेन हिन हेया प्रति हैन नवित पर । दे के या हता है हमा पर हुन परि वनायाहनायाधितायरावय। अप्रेशहनायराञ्चनायवे हनायाधितायवे छिर्। वितरो अप्रेशहनायराञ्चनायवे वनायाम्बन्यास्त्राच्या सुम्बन्यास्य सुनासम्सुनासदे वनायाम्बन्यास्य स्वित् स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वासम् श्चुनःसदेःगहनःक्षेत्रभःसूरःसूरःभेन्त्र। देःश्चुनःग्रेःसदेशःसदेःगहनःक्षेत्रभःदरः। देःश्चुनःग्रेःसःग्चुनःसदेःगहनःक्षेत्रभःगरः दुराधेद्वार्त्वोत्रायदेः धेरा विष्ठेवाः वीत्रा देः श्रुतः ग्रीस्त्रयः वास्त्रयः विष्ठेवः ग्रीः ह्वार्यः वास्त्रयः विष्ठेवः हेत्रः चेरः व। नेश शुक्र श उव। श्वाहना पर श्वुन परे हेना श पर दिना पर पर पर श्वाह के ता पर श्वुन पर श्वुन पर श्वुन पर श्वुन हियामायमा सामुनामा देरम्या देसुनाम्भेर्म्या है सुनाम्भेर्म्याम्भेर्म्याम्भेर्म्याम्भेर्म्याम्भेर्म्याहिया लूर्यसमुद्रीम रेट.सू.चीय.है। विभाता.रे.हैं। ध्या.तम.हैंयातपु.सू.या.क्ष्यालुयालुयातु.हीमा साचीय.यी रे.क्ष्या.वथी रेम. वया दे ब्रुवः ग्रे त्वायः हवायः भेदः वदे रहे । ब्रुवः वदः व्यायमः ब्रुवः वदे हवायः यदः दवायः भेदः वदे रहे । वहियायावायः हो क्रिंग-प्र-भूत्रकेषाःसःसःधेद्र-पदिःपदिःस्वदःसःदे। श्च-ह्याःसरःश्च्रूतःसदेःह्रेराह्यतःधेदःसदेःश्चेर। सःग्वुतःद। देःक्रिंगःठदा ने वया हिन् हो हमार होरा ने क्षुन हो हमार है रामहिरा हमार हो सब्द हो सब्द निम्पाद निम्पाद हो महिन् क्षुन हमा सर श्चुन मदे सम्बन्धिन स्तिन ता पर्वे दिक्षा दि सम्मित्र सम्मित्र सम्मित्र समित्र चुंशर्चे द्राया स्वायतः दे। ब्रिंद्रिं क्षे ह्वाश्रर्केश दे स्वाया केश्वर्षा क्षेत्र स्वाया केश्वर्षा क्षेत्र स्वाया केश्वर्षा केश्वर्षा क्षेत्र स्वाया केश्वर्षा केश्वर्ये केश्वर्षा केश्वर्षा केश्वर्ये केश्वर्षा केश्वर्ये केश्वर्ये केश्वर्ये केश् चीयाक्षी ब्रिट्ट्रे मैंयाजी सबिया ब्रिया मार्याय प्रायमें दिला प्रायमें प्रायम स्थाप प्रायमें प्रायम स्थाप स्थाप प्रायम स्थाप प्रायम स्थाप प्रायम स्थाप प्रायम स्थाप प्रायम स्थाप स्त्रीम्। वीतः वी पार्श्वसः सामुनः स्त्री के सः प्रमानः स्वीयाः साम्याः स्वीयः साम्याः साम्याः साम्याः साम्याः स ब्रु-ह्ना-पर-ब्रुन-परे-र्ध्ना-हिन-पर्न-पर-प्रवा हिन-ग्री-ह्ना-पर्गी-भरने-ब्रुन-ग्री-ह्ना-भरके-भरनिक-परि-भरिन-परे-भ्री-अव्व-न्वे पर न्वा प्रेन्। हिन्ने सुव क्री से सम्बन्धियायाया सेन्या कित्र कर्ष सम्बन्धियाय है स्वर पर्नेन्त्र। सुक्र

हिर्-हनायर श्रुन-यदे हनाय पर-दना सेर्-यर मय। हिर्-हनाय साधिद यदे हिर् दि दरे श्रुहनायर श्रुन यदे हिंया गश्याधेतामार्थेदायराच्या देश्चितामार्भ्याक्ष्याभाष्ट्रमार्थितामार्थिता देश्चितामार्थितामार्थिताम् यार्षिद्रायदे हिन्। हेन्यत्र सहित्र ही । विदेशायात्र संदेश यदि विदेश के विश्व स्थापित र्भे ही झे ह्या यम् सुन यदे र्से याया के या या हिया या से स्वापन स्तुन यदे हे या हिन या धेवा या धेवा से ह्या या या धेवा यरःश्चरायदेःहेशाद्यितःसाधित्रायाध्यराधित्रायदेःवित्रस्तरावित्रस्त्रस्त्रम् । श्चाह्मायरःश्चरायदेःसादेशयदेशयदित्रस्ति। हिन्। गहिर्भामान्त्रीमान्। ने श्रुमाग्री मुद्रास्त्रीमान्याधिदासदे सामेशमान्य मिन्न स्त्रीमान्य ने श्रुमाग्री मुद्रास्त्री सामेश यदे नाह्न के नाया नाहिया पर में त्यायक व हिन्दा यक व नावि नाहिया यथ। पर में वि हिन्दे श्रुवा ही स्थापिया विवास क्षेत्रायानात्वेत्र । विन्ने स्थूनायायार्धेत्रायार्क्या उत्तु सेन्यते त्राना विन्ने विन्ने स्थून र्शेत्यम् वर्षेत्रायार्थेन्यम् स देशनायान्येत्। नारावनार्देशहिंद्रदेश्चूनाश्चेश्चेशस्त्रुत्रहेंनाशायार्येद्रायरास्त्रादेशनायायेदायदेशन्विसम्भन्ति।हिंद्र ने श्चुन ग्रे ख्रु क्र सें रास प्येत पाने के पाने के पान पाने के पान पाने का स्वापन पाने के पा <u>न्ना श्रुः से ह्ना प्रमाश्रुता परे खुतार्थे ता से दार्थ सारे सारे सारे मानुता से साम से साम से साम से साम से स</u> सदै महिन् हिन् में क्षा अस्त हिन् नही नही न महिन स्था निर्देश हिन् ने क्षुन ही स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स ने श्रुवायाया सुवाया के या उत्तर्त से दावते वादाववा वीया हिंदा ने श्रुवा श्री या समुद्रा सुवाया या सिंदा या दावा निया दे·ङ्मुनःग्रेःश्रेःश्रम्भुदःर्सुन्यस्यर्धेद्रःसर्रसःस्यादःसुदःसदःस्वेदःसदेःम्बिःसम्बुदःसःदे। हिन्देःस्युनःग्रेःमुद्रस्येदःसदेशः यदे नान्त्र केनाय ग्री यक्त देने नाने या दी हे त्या हो हो हो हो है स्थान ग्री हिस्स ग्री या हे या हो हो हो या देश-मदि-गृह्य-क्रेग्रम। दे-गृह-तुह-साधिद-मदि-साहेश-मह्य-क्रेग्रस-हर-गृशुस-यम। दह-से-या सक्रद-हेट्-हर-। न्वे न महिमा न में दी हिन्ने स्नुन हो सम्मानिक के मान मान दिन मिल्या मान हिन्ने स्नुन मान स्वाप के मान स्वाप स निरः चना नीया हिन्ने सुनः क्षेत्र सम्बन्धेन या निर्मा के सम्बन्धेन या निर्मा निर्मा सम्बन्धेन या निर्मा सम्बन्धेन या निर्मा सम्बन्धेन या निर्मा सम्बन्धेन समित्रेन समित ग्री-सन्देशनदिः मान्त्र-क्रिम्स-प्येत्र-सदे सक्त्र-हिन्। मान्नेस-सन्देश-तन्त्री ने त्यान्त्री त्री ने सुत्र-ग्री-सम्बन्धिमास-प्याञ्चन-होन् <u>२८। भुःभव्यक्षेत्राक्षाक्ष्याचित्रःचित्रप्रदेशाचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित</u> ब्रेन्न्रा क्षेत्रम्ब्रम्ब्र्वायायात्त्रम्याम्बर्धस्यायद्वायायदेन्न्न्या ने स्त्रुन्यः क्षेत्रम्ब्रम्ब्रम्बर् त्यः इसः महिन्यः सुः यह मानवेः ने न्दाः ने स्नुनः ग्रीः से सम्भन्न सुनिन्दः सम्भन्न सुनिन्न महिन्यः स्वानिन्यः विव सक्तरमानि देसामा भूमा दे वित्तम् से मित्र माने। श्रुम्म मान्य श्रुम्म माने स्थानि स्थानि से मित्र लुष्टानरः श्रैयःसदुः श्रुः भर्षेयः स्वियः श्रियः श्रेटः स्वियः स्वयः स्वय यःचिष्ठेशःश्रूदःचीःद्यदस्वेशःश्रूद्यः श्रुयःदुःश्रुवःसदेःसद्वतःद्विच्यशःददः। श्रःसद्यदःद्विच्यशःचिष्ठशःमाःसःद्वरःचिष्ठशःशःदह्याः मदे-द्रिंशः ग्रीः सन्देशमदे वातृतः स्वेनाका धोत्। 🛊 महिकामा सूना सूत्र म्यीः सन्देशमदे मातृतः स्वेनाका धारा । सस्त हिन्दा <u>र्वे ज्ञानिक्षालका र्राक्षेत्र के वित्रे मुक्ता के मुक्ता के मुक्ता के मुक्ता के मुक्ता के मुक्ता मुक्ता मुक्त</u> क्रिंभारुद्र-पुर्ने राप्तरे माराबना नीय। हिन्दे स्रुपा ग्री सम्रुद्र मियाया सिन्य राप्ते राप्तर स्थापित स्थापित स्थित स्थित स्थापित स्

ૹ૾ૼ૱૱૱૱ૣૺ૽ૹૢ૽ૼ૱ૢ૽ૹ૾ૣ૱ૹ૽ૢૺ૱૱ૹૢૼઌૣ૱ઌ૽ૼૢ૱૱૱૱૱૱૱ૹૢ૽૱ૹૢ૽૱૱ઌ૽૽૱ૹ૽ૼ૱૱૱૱૱૱૱ याने। हिन्ने सुना ही स्वाध्य स्वाधित स्वाधित स्वाध्य स देश-मदि-गित्र केंग्रश-गिद-विग । हिंद-दे-श्चुन-म-म-सिंग्रश केंश कर दु-दु-शेंद-मदे-गिद-वग-गेश हिंद-दे-श्चुन-श्चेश सम्बद्ध र्श्वेतारायाः वित्रांतरात्रा के सम्बद्धार्मे वारायाः वित्राचे स्थान का निष्ठी हिंदा दे सूचा ही व्याप्त वित्राची सारेराय है। निष्यः क्रियायः प्रति स्वतः स्वतः द्वितः ते स्त्रुतः यो स्वतः यो स्वतः यो स्वतः स्वतः निष्यः स्वतः स क्रॅंश उत् : नुः शॅट : नदे : न्या : ने श्रि : ने : श्रु न : ग्री : श्रे श्रु त : श्रु त : श्रे न स्थित : श्रे न स्थे । स्थित : श्रे न स्थे न स्थे : श्रे न स्थे : श्रे न स् रमाञ्चानाने। ¥ गुत्रभष्टितायाचे र्क्केंसा चानवे मानाचा मी र्हेर। समाञ्चानवे खूशादीत् गुत्रसिहेत्साधेत् सरञ्चन सवे प्रान्ति <u>न्ता यत्ते नेदे दे त्रात्मा श्चानदे सूत्रा श्चेता गुतायहित तु श्चाना पदे गाहिता पत्रिया महिता पत्रिया पत्रिया प</u> बुद्रार्केट निर्देश्य देश मदि महिद्रा के वार्य त्या प्याप्त । यह दाने देश महिद्रा महिद र्धेट-चदे-सन्देश-चदे-चाह्नद-क्वेनाश-नट-देन ।हिंद-दे-स्नुच-च-च-सुंनाश-क्वेश-ठद-दु-र्शेट-चदे-चाट-चन-चीश हिंद-दे-स्नुच-छे-सञ्जदार्श्विषायाचि त्रायार्थित् सरादेयासात्ता हिन्दे स्त्रुताशी स्री सञ्जदार्श्विष्यायाचे त्रायासेत् सरादेयासात्ता हिन्दे स्त्रुताशी स्री हिंद्र'दे<u>'</u>श्चुन'ग्रे'दे'गढ़िश'ग्द्र'सुद्र'स्थेद्र'सदे'श्चद्र'स्यदे'स्यदेशमदे'ग्वहद्वेत्वस्य स्वेद्र'स्वेद्र्य महिश्रासास्र स्वेद्र मविदी सर्रेन्स्यने। मिन्द्रस्यम्बर्म्स्यस्य मेर्न्स्य मेर्न्स्य मुन्यस्य मुन्यस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य <u> इंदा द्वे न महेशक्ष्य इंदर्भ हे सून के हमाश्रास्त्र न में द्वा हे सून के सिम्म के शास के साम हे सून </u> श्चैःसःशुनःमदेःगृहदःस्रेग्रसःश्चेःसस्दर्हित्। गृहेशःसःन्श्चेःनःय। र्देदःयःर्द्धेशःदशःसःशुनःमदेःगृहदःस्रेग्रा र्ह्वेशः दशसानुनामदे नित्र केनामा र्केयानाया है साद्यासम्बद्धान महिन्द केनामा दराना सुसायम। दरार्थे त्या हिनामा निर्देश सेट्रक्यःसः ग्रुवः सदेः गान्न क्वेंग्या क्वेंयः उत् ग्रीः दें तें सेट्रक्यः सः ग्रुवः सदेः गान्न क्वेंग्या ह्वायः क्वेंयः मट्टर् सेट्र क्यासः चुनःमदेःगहरुक्वेग्य। ग्रेन्स्ग्यःमः ५५:सेन्स्यः सः चुनःमदेःगहरुक्वेग्य। ग्रेन्कें अःम:५५:सेन्द्रः सः चुनःमदेःगहरु ळेंगाया ह्यायप्नेयायर्देनळेंयाउदाग्ची सेटानु तर्वोटाळ्यान्टायम्बदायन्यो न्याया गुनायदे यात्रदाळें याया यात्रदाळें याया शुःर्श्वेषाशःग्रेषाःषेशःदर्देदःर्क्वेशःठदःवःयेदःदश्यःयःश्वेषःयदिःग्रिदःक्वेषशःददःवर्तुद्य। सळ्दःग्रविःदेयःयःकृदा क्रुेशःतुः क्रिंग उद्या सूर्या नस्या नः धीदा है। दे विंदा रूपा दें सुर्या सदे सुर्या वेश नर्गेद सदे स्टें। दे सूर्य ग्री दर वें दर्श दर हैं स ठवा शे.ह्यां श्रे च्रश्रायते श्रेम वेशायमें नायते स्वा ने श्रुवा शे.ह्याया भीता स्वा श्रे शे.ह्याया भीता स्वा मुना वेशनर्गेन्यिक हो ने सून ग्रीमाश्वापन्य सुर्केश हता से हमा है। सुर्धित प्रदेश होना वेशनर्गेन्यिक हो ने सून ग्री-निवे मान्मा क्षुक्रिंग उत्राक्षिण के मिल्या हो स्वापित होना विकान मिल्या हो। स्वाप्त क्षिण के स्वाप्त हो। धेवाभीश ग्रीश वहार ग्रुप्पेद पदे हिरा वेश वर्गे द पदे हो दे ह्यूय ग्री हुवाय दर्ग हें द भीट हैं शास्त्र हा शेशश ह्व प्येद हो। यक्षत्रं स्त्रां साधियायकारे तायहा होता वृकायम् दासह क्षि हे सैया ही यह था ता हो या हो साथ है साथ साथ वीया यदे महत्र केम्याया हम्याया हो देने त्याचे कें याचे संस्थान स्यासी महत्र केम्या क्रिया कर हो है हि त्याचे के साम युनःसदेः नान्त्रः केंनाय। नाने : ह्नायः ग्री: दर्शयः नः यः हेः केंसः ह्यायः स्थायः सुनः सदेः नान्त्रः केंनाय। <u>भीयः वर्षेत्रः केंसः उत्सेतः</u>

दशसामुनायदे महत्रकेषा साद्या विष्ठ सक्ता महिना स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स व्या श्रास्त्रास्त्री भावास्त्रास्त्रः वालवाद्याधीदायदे द्वीता लेखायर्गे दायदे स्त्री दे ह्युवासी दारा देवा देवा द यः प्रः । अः श्वः नादः वः प्रे प्रः विष्यः विष्यः वन्नाः विष्टे । देः शुष्यः नशुष्यः श्वः । विष्यः विष्यः विष्य ब्रुॅग्रथायाध्येत्रपदे द्वेत्र। वेशायमें त्रपदे हो ते ब्रुवाग्री ग्रथ्यायात्रा त्रप्याय्वत्रहेश ग्राम्यायाया श्री हित्र व्या श्री हना है। जुरु मदि हैरा बेरा नर्ने दायदे हैं। दे क्षून ग्री नबि माधे व हैं। नश्रु साम के साम ग्री नाम है साम स् ळेंपायाय। स्में वाया स्थिताया स्थान वाया मानिया के मानिया स्थान स् र्देन र्ह्वि:र्ह्वेश उद्या शेस्रशसेन धेद है। भ्रुं प्रदेग उद धेद परे हीना देश ने मिन्न परे हैं। दे भ्रुव ही पर यथा सरमाक्तिरावदे देन वूँवर्तिराक्तिं राज्या सेसमाध्याधेवरित नियान तुमावरित विष्यान में दाये के । दे श्चनःग्रीःगहेशःसःन्दः। श्रद्याञ्चराज्वेशःमुदःवयेदायवेद्दर्। श्चाळेशःठद्या श्चेःह्याःश्चे। श्चेयाःवेशःग्रीशःवतुदःग्चःधेदायवेः ध्रेम वेशनर्गेन्यिक हो ने सून ग्रेम मुख्य मध्य विदी । यदेर देश यर सर्वि नवे वर्षे शर्दे वाय महिश सून दमा नवि न न्ता वर्षे अन्ति मान्ति मन्दि न्तार्थे वा मान्ति । प्रत्यान्ता क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः वा प्रत्ये । प्रत्ये प्रवि वि व्यव्यास्य अ - इसेनाश्रास्ते श्वास्ता नाश्रुसः न्टारी त्याकेशासत्रुव श्वें रान्ता। केशास्त्री स्थिता स्वासी स्वासी स्वासी स न न ने मिर्म हो नु न से मिर्म के स्पर्न मा किया नियम कि स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स व्हात्वा महिकारात्वी से से दात्वा दुः नासे दायका हिना दिने रात्वा हुः सुरानविता दुः वृत्वा की ताला वे दुः नार्थे दार्दे विकासा हूर नुर्दे। निहेशसम्मान्यविदानी स्रुनः स्वाया केशसम्बद्धीय प्रमानिकार सम्बद्धीय विद्यालय स्वाया स्वाया स्वाया स्वाय ह्याम्याध्या नियेराता तुर्यामायविता श्राण्याच्यास्यावेषास्यावेषाना वित्रामायाध्या वित्राम्याध्या नियेराता प्टर्भासाग्चर्भाग्ची त्रसासायत्यति । भ्रादी ग्रुभार्से विभारा भ्रातुर्दे । याशुसारा सार्दि भ्रात्मा स्वरास्त्र र्शें वी निरमेन्त्रा भुगानम्मेन्नमाञ्चा न्वेरत्रा निरमेन्नदेश्वरत्वेता निरमान्सेग्रम्भावदेश्वनार्देशत्यापरनिर येन दें। वियान भूति महियान है। शुनान सेंन्स विन सेंन्स हिना नियेन हो। विनयान संयान विवा विन सान्येन स यवे वा देश वा वे स्व देश वे देश वे ता वा के ता विकास के ता के ता के ता विकास के ता विकास के ता के ता के ता के त र्क्षेत्रमालेगान्नेर्मिशाने। सर्क्षेत्रस्यान्हेन्न। क्षाक्रियांच्या से हिनासे। ग्रुशानवेरसेमालेशानमान्या विया र्यर्य, युर्य, यायविया श्री, लारा विया स्था विया प्रत्ये प्राचिया देया विया देया स्था विया विया प्रत्ये प न्ह्रिन्द्रशःक्ष्र्वाः द्विनःश्वायः यावयेदः वेदः। श्चाः यदः व्याः यद्यः वियाः विवायः विवायः विवायः विवायः विवाय द्येर्-त्रातुअन्यन्तिक्तिक्त्रात्र्याः सम्भाष्यम् विकार्यक्ति । स्वात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्वात्याः स्वात्य यर्ह्-त्रमाह्माह्माह्मान्यायायवेदानादी ह्यादामान्यायमाह्मा न्येरादा द्रमायायायवेदा सुद्रीन्यमार्थे वुद्। द्वि.क्ष. विश्व क्ष. देव. तथा विश्व क्ष. देव. विश्व क्ष. विश वियासालिय की। विसारा हिन देते हेसाविय दर हेंगा विया लिया लिया हिंगासा हिंसा सामा हिंसा सामा हिंसा सामा सामा साम र्द्धिमाश्चर्रिशः हे सूर मुना सेर दादी रे में र रू र्रें स रहा नन्मासेर धेद है। विरासेर मार सुर धेद मिर हे र हे स र पर

हन्यश्रिंदायार्त्याद्देश्वराधेदावे द्देश्याववेदायां से समुद्रायार्थेदागुराकुयाळवादेदार्थे से श्रुवाह्यायायावे यानुनामः हैं निमित्ने सम्बद्धान्य स्वायाध्यान्य स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः म् । रयः त्रां त्रां वात्राः के प्रांत्रां के प्रांत्रां के प्रांत्रां के प्रांत्रां वात्रां वात्र द्यम् स्रम् स्वत्राचार्त्रः हवामावासुसावार सुरानु स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर्मा स्वर न्भेनास्यते ह्नास्यास्यस्य द्वस्य द्वस्य स्टानी ह्नास्य विस्ति विस्ति स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य हनारात्यान्यानाहनारात्रार्थे के प्यता ने सूत्रायी न्यानाहनाराधेरात्रा न्यानामाधेर्यसे न्यानामाधेर्यसे न्यानामा यत्। ने श्चा के ह्वा सर श्चुन सर होन् सदे रत् निविद्यो हिवाया पतः निवान्त। श्चाह्वा क्षेत्र नु श्चुन सर होन् सदे का निवाया यदे हवारा धरान्वा धरे वरे हो रा शुना हो। दे दे सुना शुना सामा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स् क्रॅंश ठर्ता ह्या मश्रम्भें र है। ग्रम माधेद मदे छिरा वेश नर्गे र मदे के रे हिर धेद मदे छिरा र्तु सदे ख्या माछे हेद वर्त्रवाक्षीः हवारात्वी देवे खुवारात्वा हेदावर्त्रवादे पर्देशार्थे पर्वेदार्थे प्रमुखायके वर्षाया ह्वा प्रमुखायके वर्षेत्रवारा हेर हैन्'ग्रैअ'न्नन्'हेन्। क'रुद'ग्रै'ह्नाअ'ग्रन्'ने'न्न'यद्दी। निवे'सुन्य'यं'ननेद'सेन्'सून'यवे'ह्नाअ'यन'न्नामस्रअ'रुन्' ग्राम् ने मुन्या यदेवःयरः सेदःदे। यदेवःयरः स्वदः समासः द्रियामायदेः द्वेर। वेमायदेः हवामायदेः भूतः यदः रहावामायः <u> २८१ विसाससार्यासदे सार्चे वासादाक्र सारवी वास्तरावीसास्तरी विसासास्त्रीरासदान्त्रीराधिसायहास्त्रीयास्तरी क्षावी विसा</u> होत्यान्भेषायायते हवायान्ता सेयान्वेदायते हेवा क्रेंना केंया रहेवा तुःवासेन ने। से सेन्यि सेसेन्यि सेयायते हवाया पर्ने क्षे.ये.क्वे.स.रक्षेत्राया.यदुः हेत्राया.यदुः विश्वाक्ष्या.वया यद्याया.क्षेट्रक्षे हेयायच्या.क्षेत्रायदुः हेत्र चुःदवायः ह्वः न्रेयायः पदेः हवायः पदः न्वाः प्रेयः पदेः चित्रेयः नुष्यः स्थूरः त्रयः भीयः परः चिद्रे। । वातिः वादेवाः यः ह्येयः पदेः हेर्यायायार्थियात्वातात्तरः श्रीयायाष्ट्रीत्रायाः भ्रीयाय्त्रीयाय्यायाः है। यक्क्ष्याया श्रीयायाः है। श्रीयाया ञ्चुनःचरः हो दःचवे व्यवस्त्र म्याया व्यवस्त्र विष्ठस्त्र व्यवस्त्र विष्ठस्त्र विष्ठस्ति स्त्र विष्ठस्त्र विष्ठस्त्र विष्ठस्ति स्त्र विष्ठस्ति स्त्र विष्ठस्ति स्त्र विष्ठस्ति स्त्र स्ति स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्ति स्त्र स्ति स्त्र स वर्वासेर्-रु:श्रुव-धर-होर्-धरे-स्रव्याय-धरे-हवाय-धर-र्वाधिय-धरे-होर-र्रे। ह्या-धरे-हवाय-होर्-ध्या-धर-श्रुव-सद्र-ह्याक्षःक्ष्रक्षः द्वाम्बुक्षः स् क्षुं अक्ष्वः ह्वामका नह्याका द्वाधिवः धनः । देः श्रुवः ग्रीः ह्याका क्ष्रकः द्वाम्बुक्षः स् यादः द्वा धेवाव। स्टायळवाधेवानवें याहे। ने धेवाव। ने स्थावानवें यावावी श्री सामिता है स्थावानवें स्थावानवें यावानवें या यदे भ्रिम्हे। ने श्रुमः श्रे केंन्यावे प्येत्र त्रश्चान्द्र याचे या प्येत न्वीं रूपिता निर्देश श्रे श्रुमः श्रेत केंश्र प्येत्र त्रा श्रे क्वा प्यापेत्र यशित्राश्चराब्रेश न्याव्यात्रात्री न्याव्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्री व्याचित्रात्रात्री । के व्याचित्रात्रात्री विश्वात्रात्री विश्वात्रात्री विश्वात्री विश्वात्र यन्दर्भात्रा द्यावायववायिकेरायया द्रार्थे ही विकियादारी भुवायदेश्यायास्त्रस्व वावी गायाधेद्रस्य सर्वेदा वार्टा वरेनायाणीर्देवाचेरात्यापीवायापीवायातेयाचे याचेरायाचे वर्षे दार्थे रावदे स्र १ देश सदि नाद वना धित त्र श्रृता सदि ना नादि ना नाद स्र स्र स्र स्र स्र नाद वना धित दर्वे शासदे हिया स वात है। त्रया भुवासदेःगानः रूट्स्स्राटेस्र सदेः वाटः ववाधिदादा भुवासदेः गाना भुवासदेः गान्यरः रूट्स्स्र सदेशसदे वाटः ववाधिदः र्ने याया में प्राप्त हिया करा वाया में नाया में माया में

द्येत्रज्ञासालेगामदेशस्र्वेत्रभ्वेत्रादित्रस्वेत्रभ्वेत्रम्भात्वा स्वेत्राचेत्राचेत्रम् देशे प्रम्यानम् वार्येत्रस्य स्व वया विष्यःसःक्ष्यं स्वयःसःद्रथःसद्यः विष्यः स्वयः व डेना'त'रे। नार्शर'तुस'सळत्नाने। तुस'रा'धेत'पर'सळेंता क्षें'धेर'न'धेत'रा'नेस'पदे'सळेंत'क्षेंर'पदे'सळेंत'क्षेंर'त्रसः <u> न्या पितः वेरः त्या ने से प्यम् परम्या हैं हिराना ने तुसाय वे सळद के न्या पितः यदे हिरा सामुनः ता हैं हिराना पितः ता</u> तुअपाधीत्रान्वीत्रायरात्रया क्रिं क्षेरावातुअपवेरायळ्ताकेनाधीत्र हिर्मा हवात्रावित्रा वर्देनात्र तुअपावित्र हियावा क्रिंग उत्र तुमाना धेतान माना हैं होरान धेतान दे होरा मानुन त्र हे मान्य हो हैं होरान धेतान स्वा हैं होरान धोव'नर-सर्देव'श्रुअ'न्'नुन'नवे'रेहेर् वर्देन'व। नुअ'नवे'सळव'हेन'ग्री'नुर-न्'कु'र्श्नुर-नवे'र्देव'न्नेन'न् अ'न'बेश'र्श्नूअ'न'वा <u> न्त्रीय संयोग्य स्वर्ण त्रा संयात्र संवर्ण त्रा संवर्ण त्रा संवर्ण त्रा संवर्ण संवर्ण संवर्ण संवर्ण संवर्ण स</u> गर्भरः ग्रीः क्षें म्थेरः वनमः वृत्राः कुः क्षें रः नदेः र्देवः ग्रीटः वृत्राः मास्यवः गित्रीः ग्रीतः भीवः मास्यवे । वृत्राः स्वेत्राः कुः क्षें रः नवि-र्नेब-त्रेन-तुमामाबेमामवि-सर्वेव-र्स्ट्रेन-क्ष्मान्य सर्वेव-र्स्ट्रेन-त्रमामानिक्ति। नि-स्पर-र्नेब-ने-र्स्ट्रेन-स्यामामानिक्ति। डे प्यर्देग्रमा से प्रेम प्रेम देव प्रदेश देव प्रमाण में दानी मासूद प्रदेश सूर ने साम स्वर्में स्वीद समस्ते द न्त्रीं भाषा न्ये राजा मन्दिर परे मार्था हैं जा हो निष्या हैं प्यारे भा हो जा मार्था है । प्यामा पर हो भारते व यारा वयात्या यातुरा यहेवा वर्षे हें दा हो हातु वर्षा या नादि सक्त हो हा हुया है दा धेदा हैं हो वर्षा हु वर्षा या नादुरा यहेवा वर्षा है हैं द <u> चेद्रात्र्यामान्यर्त्रात्र्यात्र्येदार्द्देवाची प्रचेषानाक्षेयात्र्याः सूर्यास्य वित्रेत्रां चित्रास्य स्वरं वित्रायाय्या सक्यत्त्रेत्राची ।</u> श्चःबिरा देखार्देशके अर्कें वाद्यां र्याद्य के वाद्यें यवे अर्कें दार्श्वें रादरा र्थें दावहें दादरा अर्दे दा भूदा है या दरार्थे अर्के दायि। स्वाराधिक रेवा पा धेव पा ले या पा के सर्वे पा के पा विकास के पा के ग्रन्ते यास्य मुद्दी । यदे सूर हवाया पराद्वा दरा सूर सूरा वराया सर्वे द र्से र ग्री हस वाववा वरु या स्वर्ध या ठवा दर्वोश्वारास्प्रदादी देवाश्वारायदी दवानी क्षेत्रया ब्रह्म देवे देवे हार्याया प्रस्ति वार्या के नाम कार्याया होता दशम्बर्धान्दरम्बर्धान्दरम्बर्धेत्रपर्द्रपर्देश्यस्यायान्दे स्वापित्रप्ति स्वेद्रप्तित्रप्ति स्वेद्रप्ति स्वासी र्धे ग्रथः सुरः र्हे थः ग्र्याथः ग्री । गृबुरः चबेदः यादेरः ग्रहदः र्हे ग्रथः रेग्याथः याथे। । इयः चल्दः रहेना छुरः रेदः ग्रथः र्खेदः यो वदेश। श्चितः नृबुदः दर्वेदशः देवः सासुशः नृश्यः देवः भी ।।। । क्षदः स्रवेः नृबुदः देवः द्वेदः स्रवेः स्रवेदः स्रवः सक्र्या.यंत्रा यक्त्रा.यंत्र.यंत्रयःयंत्रायातःह्यःस्ट्रयःस्यायात्रात्रात्र्यः वह्यःस्ट्रयः द्वियाः विस्त्राः व पनन्। विरादर्ने निक्यान् स्ति पद्भवा की विश्वे की वा वी शा । अर्ने किया के स्ति निक्या की विश्वे की विश्व वह्रासर्वेदिः देर सुवारा रार्ड्से देखा । इसायर वर्ष राये द्वी सक्द देर वर्ष द्वा । द्वि वार्य साय साय सार मार द्वा देवा इल. ग्रीश विष्ट-१ हूर. हूरा सह , रशिरका सेंच-झर तारी का श्रीतार्थी विष्ता गीय सेंटा हु हु , यर्थ : रीवा ह्या स सर्गुरी । योशर.योश्रेश.दूर, बुर. बीय.यक्षेत्र. यी.शिर.एग्रेरी । यरीर.कुंतु.एर्यय.क्योश.कू्योश.क्यर.यो.कंय.कीरा । शायर. विच.चर्षेष्ठ.७मूपु.रेनज.भमूषे.रचम.चमजन.भूच । क्रि.स्र्रीर.क्षेरे.जिर.मुचा.भकूचा.चजुम.रेट.भहता । वच.क्रिम.चरिमभ.सपु.

लूट्य.पहूच.पर्झ्य.ची.स्वीया

अर.वेश्-रवेश्व्रूर्याक्ष्याविष्यक्ष्याविष्यविष्याविष्यविष्यात्वेश्वर्यात्व्रूत्य्र्य्ये । । । श्वर्यं विष्यं विषयं विष्यं विष्यं विषयं विषयं